

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर छत्तीसगढ़ भारत

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur Chhattisgarh, India Estd-1964 - recognized by UGC U/s 2(f) and 12 (B)

NAAC "A" Grade

CRITERION-III

EVIDENCE(S), AS PER SOP

METRIC No. 3.3.2	Number of w	vorkshops/se	eminars co	onducted	on Research methodo	ology,
	Intellectual	Property	Rights	(IPR),	Entrepreneurship,	Skill
	development	during the	year			

- Detailed report for each program
- Brochure/Geo-tagged Photograph with date and captions; title of the workshops / seminars conducted
- Details of resource persons

राष्ट्रीय कार्यशाला "प्राचीन भारत में मृदभाण्ड परंपरा एवं निर्माण तकनीक" विषय पर जनवरी माह (15—21 जनवरी 2023) को एक सप्ताह के राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणासी के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग की Emeritus Professor डॉ. विभा त्रिपाठी एवं इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज के प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. जे.एन.पॉल एवं एम.एस. विश्वविद्यालय बड़ौदा के प्रो. के.कृष्ण्न जैसे अन्तरराष्ट्रीय प्रसिद्धी के विद्वानों के व्याख्यान से प्रतिभागी लाभान्वित हुये। इस कार्यशाला के भारत के 13 प्रदेशों से 74 प्रतिभागियों ने प्रतिभागिता की।













ाराजाजाजजा पर ।वराष ध्यान द। कहा कि जहां जाहां ग्रीम्मकालीन धान कर सकेगा।

मृदभांडों की खोज सभ्यता को जानने का आधार : डा. विभा

रायपुर (नईदुनिया प्रतिनिधि)।
मृदभांड परंपराएं पुरातन सभ्यता और
संस्कृति को जानने-समझने का मुख्य
आधार है। आप देखें कि सैकड़ों-हजारों
वर्ष पूर्व जितनी भी पूर्वकालीन सभ्यता
को आज हम जान पाए हैं। इनमें मृदभांड
परंपराओं के माध्यम से पुराने मिट्टी के
बर्तनों की शैली, इतिहास के आधार पर
ही है। नईदुनिया से बातचीत के दौरान
बीएचयू, वाराणसी की एसोसिएट
प्रोफेसर व 200 से अधिक शोध कर
चुकी डा. विभा त्रिपाठी ने ये बातें पं.
रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में हो रहे
सात दिवसीय कार्यशाला में कही।

डा. त्रिपाठी ने बताया कि अध्ययन के दौरान उनका रूझान शुरू से पुरातन संस्कृति सभ्यता की ओर रहा। उच्च शिक्षा के दौरान वर्ष- 1973 में मृदभांडों को लक्त पीएचडी की उपाधि ली। उस दौर से भान 50 वर्ष हो गए शोध, अध्ययम और



व्याख्यान देती डा. विभा त्रिपाठी। अनईदनिया

अध्यापन का कार्य जारी है। डा. विभा ने कहा कि जैसे-जैसे पुरातात्विक उत्खनन के दौरान मिट्टी के बर्तन और उपयोगी सामान मिले। अध्ययन के बाद सभ्यता, संस्कृति से रूबरू होते गए। उदाहरण के तौर पर देखें कि लोधल पुरास्थल गुजरात में उत्खनन में मिले मिट्टी के बर्तन 2500 ईशा पूर्व की है, जो सारस, लोमड़ी, प्यासा कौआ की कहानी को वर्तनों में उकेर कर बताया गया है। यानी आज जो कहानियां प्रचलित है या वर्तन उपयोग कर रहे हैं। इसके आकार प्रकार सैकड़ों वर्ष

 200 शोध प्रकाशित करने वाली बीएचयू की एसोसिएट प्रोफेसर डा. विभा त्रिपाठी पहुंची रायपुर

 नईदुनिया से बातचीत
 में पुरातन सम्यता और संस्कृति पर रखी अपनी बात

पुराने हैं। पहले मिडी के बर्तन उपयोग होते थे। धीरे-धीरे धातुओं की बर्तनों ने जगह ले लिया। इससे बर्तन बनाने की पुरानी और विकसित शैली विलुप्त होती गई। आज वैसे कारिगरों की कमी है।

छत्तीसगढ़ में अपार संभावनाएं: हा. विभा ने कहा कि जिस तरह से छत्तीसगढ़ का इतिहास रहा है। इसका जिक्र रामायण और महाभारत काल से हो रहा है। ऐसे में यदि सही तरह से काम हो तो कई तरह की जानकारियां सामने आएगी। मुझे लगता है अभी तक छत्तीगढ़ में पुरातात्विक दृष्टकोण से बेहतर काम नहीं हो पाया है।

200 से अधिक शोध व 10 पुस्तकें भी हो चुकी है प्रकाशित: डा. विभा त्रिपाठी बताया कि 50 वर्षों के अनुभवों में अब तक 200 से अधिक शोध राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रकाशित हुए हैं। वहीं 10 पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी है। यह भी देशभर के मृदभांड परंपराओं पर ही किया गया है।

छात्रों को मिला प्रशिक्षण: पं. रविशंकर शुक्त विश्वविद्यालय में पुरातत्व अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डा. निलेश कुमार मिश्र ने बताया कि प्राचीन भारतीय इतिहास संस्कृति एवं पुरातत्व अध्ययनशाला में प्राचीन भारत में मृदभांड परंपराएं व निर्माण तकनीक विषय पर सात दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन भी व्याख्यान हुआ। इसके बाद छात्रों को प्रशिक्षण दिया गया है।

त एन एक

ति त श ल न

भा

से

इतिहास की बात प्राचीन भारत में मिट्टी के बर्तनों की परंपराएं और तकनीकों पर कार्यशाला

तरीघाट, डमरू और रीवा में शुंग कुषाण काल की मिट्टी

200₩ रिपोर्टर

patrika.com

रायपुर . दुर्ग जिले के पाटन के तरीधाट, रायपुर में इमरू और रीवा गांवों में शुंग कुषाण काल की मिट्टी के बर्तन मिले हैं। इससे यह प्रमाणित होता हैं कि इन क्षेत्रों में कुषाण काल के लोगों का जीवन यापन यहां प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से चल रहा था। रिविव में चल रहे प्राचीन भारत के मिट्टी के बर्तनों की परंपराओं और तकनीक कार्यशाला के तीसरे दिन शुंग कुषाण काल के मिट्टी के बर्तनों पर परिचर्चा हुई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय के प्रोफेसर जेएन पाल ने ग्रेतिहासिक काल के लाल रंग के



बनावट पर हुई परिचर्चा

कार्यशाला में अतिथियों ने एक-एक कर निर्माण तकनीकों पर ब्याख्यान दिया। प्रोफेसर कमलाराम बिंद ने शुंग-कुषाण काल के मिट्टी के बर्तनों को लेकर कहा, पहली शताब्दी ईसवीं पूर्व से तीसरी शताब्दी ईसवीं पूर्व का है। इनमें छिड़कदानी, टोटीदार पात्र, दवाद (ईकपोंट) घुडीदार ढक्कन अन्य बनावट होते थे। महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी बढ़ौदा के प्रोफेसर के कृष्णनन के द्वारा मिट्टी के बर्तनों के तकनीक पर प्रकाश डाला।

आज सिद्धांतों और तकनीक पर चर्चा

गुरुवार को रूप्टेल खंड विवि के प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के अनूप रंजन मिश्र मिट्टी के बर्तनों से संबंधित सिद्धांतों और तकनीकियों को बताएंगे। दूसरे सत्र में प्रोफसर के कृष्णनन बर्तनों के वैज्ञानिक विश्लेषण और उनकी शार्टीलेंग के बारे में व्याख्यान देंगे।









National Workshop

Pottery Tradition in Ancient India and Its Making Technique (16-22 January2023)

INVITATION

Inaugural Session

Time- 11:00am to 12:30pm

Chief Guest

Prof. Vibha Tripathi

Former HoD, & Emeritus Professor Dept. of AIHCA, BHU, Varanasi

Guest of Honour

Prof. L.S. Nigam

Former HoD, Dept. of AIHCA PRSU, Raipur & Former Vice- Chancellor Shankracharya University, Bhilai

Prof. J. N. Pal

Former HoD, Dept. of AIHCA, University of Allahabad, Prayag RaJ

Dr. P. C. Parakh

Deputy Director, Department of Culture & Archaeology

Govt. of Chhattisgarh

Presided By

Prof. Keshari Lal Verma

Vice-Chancellor

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

REGISTRAR

HoD

Dr. Shailendra Kumar Patel

Prof. Priyamvada Shrivastava

Coordinator

Dr. Nitesh Kumar Mishra

Venue- Arts Building, Seminar Hall, Pt. Ravishankar shukla University, Raipur







Workshop Report

"Hands-on Training on Prehistoric Artefacts"

Organized by

School of Studies in Anthropology

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

&

INTACH (Raipur Chapter) during

November 3 - 7, 2022

REPORT

Workshop Title "Hands-on Training on Prehistoric Artefacts",

Organizers: School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

&

INTACH (Raipur Chapter)

3rd – 7th November, 2022

1. Objectives

To train the students both at Post-Graduate and Research level on the Prehistory and lithic artefacts that forms the major source of archaeological remains in prehistoric sites.

2. Target Participants

Since Prehistory is part of Anthropology and Archaeology, Post -graduate students from both School of Studies (Anthropology) and School of Studies (History) of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur participated in the Workshop. Besides, research scholars of both the departments participated in the Workshop.

3. Number of Participants: 96 (List attached)

S.N.	Name of Participant	S.N.	Name of Participant
1	Aayush Agrawal	49	Sakshee Nirmalkar
2	Aditi Agrawal	50	Swati Dewangan
3	Ankita Pradhan	51	Tilak Ram Vishwakarma
4	Astha Verma	52	Usha Sahu
5	Atul Kumar Jaiswal	53	Venkateshwar
6	Bindiya Nayak	54	Yogita Singh
7	Chunni Nishad	55	Ankita Bhoi
8	Dashrath	56	Ankita Bhoi
9	Dilip Yadav	57	Anurag Mali
10	Gulshan	58	Bhumika Raj Sonwane
11	Hemanjali Kannouje	59	Hemant Kumar Joshi
12	Jayshri Ratre	60	Krishna Kumar Paikra
13	Kritika Sahu	61	Prakash Chandra
14	Mona Garg	62	Raj Kumar Verma
15	Monika Purena	63	Sanjana Patel
16	Narendra Kumar	64	Shaila Mukharjee
17	Padmini Sahu	65	Suneel Kumar Mehta
18	Payal Patel	66	Dr. Mukesh Kumar Rathia

20 Ravina 68 Shubham Singh Rajput 21 Reena Verma 69 Ankur Yadav 22 Shishupal Bhoi 70 Anuja Lakra 23 Shristi Ware 71 Bramhanand Ghritlahre 24 Sujit Jangde 72 Hemlata 25 Sushma Pandey 73 Manoj Kumar Bharti 26 Swati Chandrakar 74 Morjdhvaj 27 Sweta Verma 75 Neharika 28 Usha Baghel 76 Pallavi Roy 29 Vibha Belchandan 77 Rahul Sharma 30 Yogita Verma 78 Rishabh Dev Sahu 31 Ankit Chandrawanshi 79 Rupesh Kumar Yadav 32 Bharti Chandrakar 80 Shatruhan Dewangan 33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant	19	Priyanka Shriwastava	67	Dr. Somprakash Kanwar
22Shishupal Bhoi70Anuja Lakra23Shristi Ware71Bramhanand Ghritlahre24Sujit Jangde72Hemlata25Sushma Pandey73Manoj Kumar Bharti26Swati Chandrakar74Morjdhvaj27Sweta Verma75Neharika28Usha Baghel76Pallavi Roy29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	20	Ravina	68	Shubham Singh Rajput
23 Shristi Ware 71 Bramhanand Ghritlahre 24 Sujit Jangde 72 Hemlata 72 Hemlata 73 Manoj Kumar Bharti 74 Morjdhvaj 75 Swati Chandrakar 74 Morjdhvaj 75 Neharika 76 Pallavi Roy 77 Rahul Sharma 77 Rahul Sharma 78 Rishabh Dev Sahu 79 Rupesh Kumar Yadav 79 Rupesh Kumar 89 Rupesh 70 Rupesh Rupesh 70 Rupesh Rupes	21	Reena Verma	69	Ankur Yadav
24Sujit Jangde72Hemlata25Sushma Pandey73Manoj Kumar Bharti26Swati Chandrakar74Morjdhvaj27Sweta Verma75Neharika28Usha Baghel76Pallavi Roy29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	22	Shishupal Bhoi	70	Anuja Lakra
25 Sushma Pandey 73 Manoj Kumar Bharti 26 Swati Chandrakar 74 Morjdhvaj 27 Sweta Verma 75 Neharika 28 Usha Baghel 76 Pallavi Roy 29 Vibha Belchandan 77 Rahul Sharma 30 Yogita Verma 78 Rishabh Dev Sahu 31 Ankit Chandrawanshi 79 Rupesh Kumar Yadav 32 Bharti Chandrakar 80 Shatruhan Dewangan 33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj	23	Shristi Ware	71	Bramhanand Ghritlahre
26Swati Chandrakar74Morjdhvaj27Sweta Verma75Neharika28Usha Baghel76Pallavi Roy29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	24	Sujit Jangde	72	Hemlata
27 Sweta Verma 75 Neharika 28 Usha Baghel 76 Pallavi Roy 29 Vibha Belchandan 77 Rahul Sharma 30 Yogita Verma 78 Rishabh Dev Sahu 31 Ankit Chandrawanshi 79 Rupesh Kumar Yadav 32 Bharti Chandrakar 80 Shatruhan Dewangan 33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	25	Sushma Pandey	73	Manoj Kumar Bharti
28Usha Baghel76Pallavi Roy29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	26	Swati Chandrakar	74	Morjdhvaj
29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	27	Sweta Verma	75	Neharika
30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	28	Usha Baghel	76	Pallavi Roy
31 Ankit Chandrawanshi 79 Rupesh Kumar Yadav 32 Bharti Chandrakar 80 Shatruhan Dewangan 33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	29	Vibha Belchandan	77	Rahul Sharma
32 Bharti Chandrakar 33 Indrakant Bhuarya 34 Jyoti Sahu 35 Kajal Tiwari 36 Mithlesh Sen 37 Neelam Sahu 38 Nitika Baghel 39 Nutan Sahu 40 Pooja Sahu 41 Poorvi Gaharwar 41 Poorvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priyanka Nayak 44 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 48 Sohrab 48 Supriya Chandrakar 48 Supriya Chandrakar 48 Vimar Shuu Markam 49 Virendra Kumar 40 Pooja Sahu 40 Bhagya Shree 41 Poorvi Gaharwar 41 Poorvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priti Pradhan 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Sonwani 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 48 Supriya Chandrakar 48 Virendra Kumar 49 Amar Bhartdwaj 40 Bhagya Shree 41 Poorvi Gaharwar 41 Poorvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priyanka Nayak 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Sonwani 46 Priyanka Sonwani	30	Yogita Verma	78	Rishabh Dev Sahu
33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	31	Ankit Chandrawanshi	79	Rupesh Kumar Yadav
34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	32	Bharti Chandrakar	80	Shatruhan Dewangan
35 Kajal Tiwari 36 Mithlesh Sen 37 Neelam Sahu 38 Nitika Baghel 39 Nutan Sahu 40 Pooja Sahu 41 Poorvi Gaharwar 41 Porvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priya Rani Neti 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 48 Umakant Verma 48 Umakant Verma 48 Vireham 48 Vivek Kumar Shukla 48 Virendra Kumar 49 Amar Bhartdwaj 40 Bhagya Shree 41 Bhenu 42 Pratibha Tripathi 43 Priya Rani Neti 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 48 Umakant Verma 48 Vireham 49 Prashant Pandariya 49 Bhagya Shree 40 Bhagya Shree 41 Pukh Raj 40 Piyanka Sonwani 41 Pukh Raj 41 Pukh Raj 42 Umakant Verma 43 Prashant Pandariya 44 Priyanka Nayak 45 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj	33	Indrakant Bhuarya	81	Sohrab
36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	34	Jyoti Sahu	82	Supriya Chandrakar
37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	35	Kajal Tiwari	83	Tannu Markam
38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	36	Mithlesh Sen	84	Umakant Verma
39 Nutan Sahu 40 Pooja Sahu 41 Poorvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priti Pradhan 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 87 Prashant Pandariya 88 Virendra Kumar 89 Amar Bhartdwaj 90 Bhagya Shree 91 Bhenu 92 Dhal Singh Dewangan 93 Sharda Markam 94 Teej Ram Pal 95 Upasana	37	Neelam Sahu	85	Vaibhav Yadav
40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	38	Nitika Baghel	86	Vivek Kumar Shukla
41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	39	Nutan Sahu	87	Prashant Pandariya
42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	40	Pooja Sahu	88	Virendra Kumar
43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	41	Poorvi Gaharwar	89	Amar Bhartdwaj
44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	42	Pratibha Tripathi	90	Bhagya Shree
45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	43	Priti Pradhan	91	Bhenu
46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	44	Priya Rani Neti	92	Dhal Singh Dewangan
47 Pukh Raj 95 Upasana	45	Priyanka Nayak	93	Sharda Markam
1	46	Priyanka Sonwani	94	Teej Ram Pal
48 Rajiya Bano 96 Zakir Khan	47	Pukh Raj	95	Upasana
	48	Rajiya Bano	96	Zakir Khan

4. Resource Persons

The resource persons were Dr. S.B. Ota, Former Joint Director General, Archaeological Survey of India, Ms. Niharika Srivastava and Ms. Suman Pandey both Research Scholars from the Department of AIHC & Archaeology, Deccan College Post-Graduate and Research Institute, Pune.

5. Mode of Workshop

This five days Workshop on Prehistoric artefacts was designed with a view to impart intensive and effective training to the students on all aspects of lithic artefacts including basics of prehistoric archaeology. Therefore, the modalities of the Workshop were of twofold: on one hand there were theoretical classes that were followed by practical training including hands-on training for the students. This hands-on training was given with the artefacts and students were also allowed to practice certain things with the resource persons.

6. Program

1st Day: 03. 11.2022

6.1 Inaugural Function

Dr K.L.Verma, Vice Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University acted as a chief-guest of the function. The function started with welcoming of guests by Dr. Ashok K. Pradhan, H.O.D. of the Anthropology department. Dr.Arun Kumar, Co-Convenor of INTACH(Raipur Chapter) briefed about the activities of INTACH (Raipur Chapter). Dr. K.L.Verma in his presidential address expressed the views that these sort of workshops should be organized every year for the benefit of students. Dr.S.B. Ota outlined the main features of the workshop stating that participants would be exposed to finer details of prehistoric artifacts through lectures, practicals and field work during course of workshop. The program ended with vote of thanks proposed by Dr. Shailendra Kumar Verma, assistant professor of the department. Dr. Jitendra K. Premi, professor of the department acted as a master of the ceremony.







6.2 Introductory Lecture

Dr. S.B. Ota, principal Resource Person of the Workshop delivered a lecture "Journey to Deep Human History: Investigations of Acheulian Sites in District Raisen, Madhya Pradesh" where he explained the latest techniques applied for investigations of prehistoric settlements to understand the lifeways of prehistoric hunter-gatherers and the result of his research in the area around the village Tikoda and Damdongri in district Raisen.



2nd Day: 04.11.2022

6.3 Dr. S. B. Ota delivered three lectures, as follows

1. Introduction to Prehistoric Archaeology

2. Understanding Lithic Artefacts: Part I

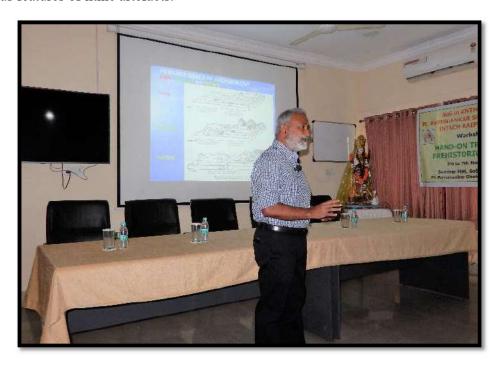
3. Understanding Lithic Artefacts: Part II

In 1st lecture 'Introduction to Prehistoric Archaeology', he explained the goals of archaeology, early initiates in prehistoric discoveries, periodization and terminology, methods of study, geographical configuration of prehistoric settlements, types of prehistoric settlements, primary and secondary context of sites etc.

Subsequent two lectures were on lithic artefacts that includes terms used, natural vs man made fractures, understanding raw materials, fracture mechanics, identification of artefacts and terms used, technology, typology and classification and latest methods of stone tool analysis.

6.4 Practical Training

The theoretical lectures were followed with hands-on training that were imparted by the Resource Persons Ms. Niharika Srivastava and Ms. Suman Pandey on 'Stone Artefact Identification' and 'Stone Artefact Classification'. It was demonstrated by explaining on the actual samples i.e. lithic artefacts and also followed by knapping artefacts and explaining the various features of lithic artefacts.







3rd Day: 05.11.2022

6.5 Theoretical Lectures

The day started with Ms. Niharika Srivastava's three lectures pertaining to lithic artefacts:

- 1. Lithic Illustrations in Prehistory
- 2. Photographic documentation in Prehistory
- 3. Life History of a Stone Tool: A Taphonomical Studies

These lectures that were covered the aspects like drawing methods of stone artefacts, different types of photography that are followed in prehistoric investigations and taphonomy of lithic artefacts.



Subsequently, Ms Suman Pandey delivered a lecture on 'Microwear Study in Prehistory' in which she explained the methods involved in understanding the functions of a stone tool through micro-wear studies.



Lastly, one lecture was delivered by Dr. S.B. Ota on 'Site Formation Processes' which is essential to understand by all archaeologists to find out the context of lithic artefacts to determine the whether the site(s) is in primary or secondary context.

6.6 Practical Training

The theoretical lectures were followed by hands-on training that were imparted by the Resource Persons Ms. Niharika Srivastava and Ms. Suman Pandey on 'Taphonomical Observations on Lithic Artefacts', 'Morphometric Techniques' and 'Lithic Artefact Drawings'. It was demonstrated by explaining on the lithic artefacts, so that the students can follow easily and also understand and remember.

4th Day: 06. 11.2022

6.7 Field-Work

The participants were taken to a **Rewa historical site** where State Archaeology and Museums department of Government of Chhattisgarh had excavated earlier. At this site, it was explained to the students about the nature and cultural sequence at the site, stratigraphy and other related matters connected to historical site. Subsequently, students were taken to a **microlithic site** at Kharkharadih near village Birbira. Students were explained about the basics of GPS recording and also talked about the method for documentation of prehistoric sites.









5th Day: 07. 11.2022

6.8 Lecture

Dr. S.B. Ota delivered a lecture on 'Understanding Rock Art' in context of Bimbetka site.

6.9 Practical Training

Besides, on the demand of the faculty members of the School of Anthropology, practical training was imparted on 'Stone Artefact Identification' for the teachers and Research Scholars.





6.10 Valedictory Function

Chief Guest of the function was Dr. C. R. Prasanna, Secretary, Skill Development and Commissioner, Health Services(CG); while Dr. Kalol Ghosh, Co-Ordinator, Public Outreach Centre, Pt. Ravishankar Shukla University presided over the function. The function started with welcome speech by Dr. Ashok. K. Pradhan. H.O.D. of Anthropology department. It was followed by public lecture on "Management of Rock Art Site: Experience with World Heritage Site at Bhimbetka".





by Dr.S.B.Ota. In course of lecture, he emphasised the role of local communities in conservation of the site. Dr. C. R. Prasanna shared his experiences in hands on training.

Dr, Kalol Gosh congratulated the organisers for success of the Workshop. Four participants who shared their experiences appeared completely satisfied with outcome of the workshop. They desired to have more such academic programs in the future. Before proposing vote of thanks by Dr. Shailendra Kumar Verma, Assistant Professor, mementoes were presented to resourse persons and distinguished guests.

(Dr. Ashok Pradhan) Professor & Head













CELEBRATING THE AZADI KA AMRIT MAHOTSAV

(DEDICATED TO SHAHEED VEER NARAYAN SINGH THE FIRST MARTYR FROM CHHATTISGARH)

TRIBAL DEVELOPMENT IN INDIA IN THE CONTEXT OF TRADITIONAL KNOWLEDGE AND INDIGENOUS SYSTEM

ORGANIZED BY

SCHOOL OF STUDIES IN ANTHROPOLOGY

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNVERSITY, RAIPUR (C.G)

COLLABORATION WITH

INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH, NEWDELHI

TRIBAL DEPARTMENT AND
TRIBAL RESEARCH AND TRAINING INSTITUTE CHHATTISGARH

CHHATTISGARH STATE MEDICINAL PLANT BOARD, CHHATTISGARH UNICEF, CHHATTISGARH

SEMINAR DIRECTOR

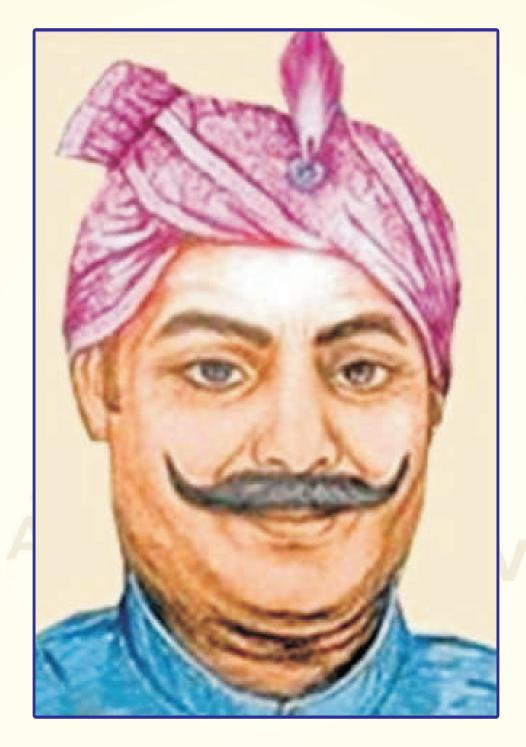
DR. ASHOK PRADHAN

PROFESSOR & HEAD

SCHOOL OF STUDIES IN ANTHROPOLOGY
PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR, CHHATTISGARH







Shahid Veer Narayan Singh

















CELEBRATING THE AZADI KA AMRIT MAHOTSAV

(DEDICATED TO SHAHEED VEER NARAYAN SINGH THE FIRST MARTYR FROM CHHATTISGARH)

NATIONAL SEMINAR TRIBAL DEVELOPMENT IN INDIA IN THE CONTEXT OF TRADITIONAL KNOWLEDGE AND INDIGENOUS SYSTEM

ORGANIZED BY

SCHOOL OF STUDIES IN ANTHROPOLOGY
PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNVERSITY, RAIPUR (C.G)

COLLABORATION WITH

INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH, NEWDELHI

TRIBAL DEPARTMENT AND
TRIBAL RESEARCH AND TRAINING INSTITUTE CHHATTISGARH

CHHATTISGARH STATE MEDICINAL PLANT BOARD, CHHATTISGARH UNICEF, CHHATTISGARH

SEMINAR DIRECTOR

DR. ASHOK PRADHAN

PROFESSOR & HEAD
SCHOOL OF STUDIES IN ANTHROPOLOGY
PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR, CHHATTISGARH

CELEBRATING THE AZADI KA AMRIT MAHOTSAV (DEDICATED TO SHAHEED VEER NARAYAN SINGH, THE FIRST MARTYR FROM CHHATTISGARH)

NATIONAL SEMINAR

TRIBAL DEVELOPMENT IN INDIA IN THE CONTEXT OF TRADITIONAL KNOWLEDGE AND INDIGENOUS SYSTEM

Celebrating 75 years of independence India is reassessing and redefining its goals. Acclaiming its rich history and cultural heritage India desires to take its knowledge to the world (and become 'Vishva Guru Bharat'). Many great inventions and discoveries documented in history have established India's place in the world as a great treasure of knowledge and learning. We also aspire to become self-reliant ('Atma-nirbhar Bharat') for which we need to investigate that traditional knowledge and indigenous systems that made our society self-reliant over our long history. Yet, much of our knowledge remains undocumented and thus unknown. Traditional knowledge that has sustained the Indian society for centuries is slowly disappearing or has already disappeared. It is thus imperative that we accumulate, verify, and validate this knowledge and incorporate that knowledge along with scientific research and new knowledge.

Traditional knowledge and indigenous systems have been treasures of ancient wisdom and know-how. Every community has plethora of information on their eco-system and traditional methods of problem-solving. People have always organized their own systems to deal with everyday issues as well as situations of emergency. These systems are incorporated in the social system and institutions utilizing locally available resources thus are sustainable, more effective, and efficient in bringing change or handling crises. This untapped resource remains mostly undocumented and unverified making it seem old wives'fables and their value greatly undermined.

In spite of being valuable there is degeneration of traditional knowledge and indigenous systems. Traditional knowledge was always passed down through traditional systems utilizing social relationships. Person with esoteric knowledge held special positions within the society and passed it on to the next generation either through kinship or discipleship. Now with changing roles in the society, weakening social structures and the way knowledge is transferred is

leading to erosion in traditional knowledge. In the speedily globalizing world traditional knowledge is struggling to retain its ground. Modern education, modern occupations and modern social roles, migration, globalization, urbanization etc. are leading to the weakening of indigenous systems and development of new structures. There is also lack of systematic research of the traditional knowledge of people's groups whereby the authenticity of the knowledge base is left unverified and thus tagging it as 'unscientific' and useless.

Tribals have been the 'little tradition' in India. They have remained the unsung heroes with their oral traditions and cultures. Their deep knowledge of nature and their eco-system has not been documented and is missing from the larger Indian society as well as its great tradition. Tribals form a large section of the India's marginalized communities and their skills and talents being marginalized as well. It is imperative to bring this knowledge and people into the mainstream. Any development of the nation cannot be complete without their participation and their development.

Contrary to the saying, 'Knowledge is power' we find the bearers of traditional knowledge as powerless and at the bottom of the power structures. Firstly, there is the issue of validating traditional knowledge, and its 'unscientific' labelling. There is prejudice against all that is traditional especially with the modern education seems to reject all that is traditional without an objective study. The second concern is the monopolizing of knowledge- within the society and beyond. We find that knowledge has even traditionally been restricted to a few as specialists and these individuals also held great power within the society. Now in the present scenario we find that the rejection of traditional knowledge is another means of acquiring power in the societies wherein the outsider-the state or various institutions- are the upholder of knowledge and authority to dictate what knowledge shall be shared and passed on to the population at large. Thirdly, any research needs funds and with commercial interest of corporations comes up the patents and the commercial aspect of knowledge. There is thus an urgency to study and research the traditional knowledge, record it and its utilization. To figure out means through which rightful commercial benefit of knowledge can reach the concerned people group whereby India can use traditional knowledge for its own development as well as ensuring protection of the indigenous groups as the source of this knowledge and their rights over it.

The world is moving towards development and struggling with its pros and cons. Fast paced development, no doubt has raised the GDP and per capita incomes. However, the costs of such development haven't been easy to bear. The idea of sustainable development emanated from that realization that pursuit of development cannot be a standalone goal. For true success of sustainable development, the role of traditional societies and their ecosystem sustaining livelihoods, indigenous preservation systems are absolutely vital.

There is a pursuit for sustainable development that incorporates local resources and manpower, and ensures empowerment. We know that development is incomplete without equity and social justice. For long the approach for development has remained top-down which has neglected the empowerment and decision- making of the people concerned. Also, such an approach assumes that communities as ignorant and devalues their traditional knowledge and indigenous system instead of tapping that resource. Development that excludes or overlooks traditional knowledge and indigenous systems imposes its own ideas of development that may not fit into the society and degrade the values and self-esteem of the community; such a plan cannot achieve sustainable development and thus fall short.

In consideration of all these issues the School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur proposes to organize a four-day National Seminar from 14th to 17th February, 2023 at its center. The four-day seminar intends to have Poster and Paper presentations, Panel discussions, film screening/ festival, and a one-day field visit to a selected tribal village. The proposed themes and sub-themes for the seminar are as follow.

THEME

TRIBAL DEVELOPMENT IN INDIA IN THE CONTEXT OF TRADITIONAL KNOWLEDGE AND INDIGENOUS SYSTEM

SUB-THEMES

1. TRADITIONAL KNOWLEDGE AND INDIGENOUS SYSTEMS

- Traditional Medical Knowledge, Systems, And Health
- Natural Resources, Environment, And Eco-System Management
- DisastarManagement

- Indigenous Systems and Traditional Community Participation
- Traditional Knowledge and Science and Technology
- Tribal Art, Craft, Beliefs and Preservation of Tribal Culture

2. DEVELOPMENT AND TRADITIONAL KNOWLEDGE

- Traditional Knowledge and Tribal Development
- Women Empowerment
- Traditional Knowledge, Indigenous System, and Sustainable Development
- Traditional Education and Development

3. TRADITIONAL KNOWLEDGE AND POLITICS

- Politics Of Knowledge, Accessibility and Utilization
- Communities and Rights Over Traditional Knowledge
- Development Programmes and Knowledge Sharing

4. REPRODUCTIVE AND CHILD HEALTH

- Nutrition- Breast Feeding, Weaning and Solid Food, Supplements
- Immunisation
- Child Rearing Practices
- Emotional Health of Children
- Women And Health- Nutrition, Menarche, Marriage and Pregnancy
- Women And Mental Health-Post-Partum Depression, Abuse Etc.,

5. TRIBAL HEROES OF INDIA & FREEDOM

- Tribal Freedom Fighter & Their Role In Freedom Movements.
- Tribal Freedom Fighters Who Fought For Their Land and People.

Date and venue: 14th - 16th February 2023, School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh (C.G.)

National Seminar: Programme Detail (14th-16th February, 2023)

NATIONAL SEMINAR ON TRIBAL DEVELOPMENT IN INDIA IN THE CONTEXT OFTRADITIONAL KNOWLEDGE AND INDIGENOUS SYSTEM

On Chairperson&ResourcePerson			CheifGuest:Dr.J.K.Bajaj (ChairmanICSSR,NewDelhi) GuestofHonour :Dr.P.C.Joshi (Former Vice Chancellor, University of Delhi,NewDelhi) Guest of Honour : Padamshree Ajay KumarMandavi (ArtField,KankerChhattisgarh) Chairperson:Dr.KeshariLalVerma (ViceChancellor, Pt.RavishankarShuklaUniversity,Raipur)		
Programme/TechnicalSession	Breakfast	Registration	Inaugural Programme	Lecture	Lunch
Venue	Foodstall	Anthropology	Arts Building HallB	Anthropology	Food stall
Time	00.9-05.70	09.00-10.30	10.30-12.00	12.00-01.30	1:30-2:15
Date/Day	14.02.2023	Tuesday			

		Anthropology Hall A	Technical Session : I	Traditional Medical Knowledge, Systemsand Health Chairperson: Dr. P. C. Joshi (Former Vice Chancellor, University of Delhi, New Delhi)
				Natural Resources, Environment,And Eco-System ManagementDisaster Management.
0	02.30-4.00	Arts Building Hall B	TechnicalSession : II	Chairperson: Dr.Ninad Bodhankar (Professor & Head, SoS in Geology & WRM, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)
				Resourceperson: Dr. M.L. Naik (Former Director General, Chhattisgarh, Council of Science & Technology, Raipur, Chhattisgarh)
04	04.00-04.15	Hal IA & B	Tea Break	
04	04.15-05.30	Anthropology HallA	TechnicalSession : III	 Indigenous Systems and Traditional Community Participation Traditional Knowledge, Indigenous System, AndSustainable Development Chairperson: Shri Dhammshil Ganvir Director, Kanger Valley National Park, Bastare

				Tribal Art, Craft, Beliefs and Preservation of Tribal Culture
		Arts Building Hall eB	Technical Session : IV	Chairperson: Dr. Ranju Hasini Sahoo (Professor & Head, Anthropology, IGNTU, Amarkantak)
				Resource Person: Padamshree Ajay Kumar Mandavi (Art Field, Kanker Chhattisgarh)
	7.30-8.30	Foodstall	Dinner	-
	7.30-9.00	Foodstall	Breakfast	-
15.02.2023				Traditional Knowledge and Tribal Development
Wednesday		Hall A	TechnicalSession : V	Chairperson: Dr. N.K. Awasthi (Consultant Paramparagat Gyan Evam Vanoushadhi Vikas Foundation)
	10.00-11.45			ResourcePerson: Shri B. K. Lal (Finance Expert, Government of Chhattisgarh, Nava Raipur)
				Women Empowerment
		Hall B	TechnicalSession : VI	Chairperson:Dr. Reeta Venugopal (Professor & Head, Centre of Women Studies, Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur)
	11.45-12.00	Hall A&B	Tea Break	-

	Hall A	Technical Session : VII	 Traditional Knowledge and Science & Technology Traditional Educationand Development Chairperson: Dr. M.L. Naik (Former Director General, Chhattisgarh, Council of Science & Technology (C.G.)
12.00-01.30			 "Politics of Knowledge, Accessibility and Utilization Communities and Rights Over Traditional Knowledge
	Hall B	Technical Session : VIII	Chairperson: Dr. N.K. Vaid (Director Vaid's ICS & Practicing Anthropologist, New Delhi)
			Resource Person: Dr. R.P. Padi (Professor, Anthropology, IGNTU, Amarkantak)
30-2:15	Foodstall	Lunch	
			Development Programmes and Knowledge Sharing
02.30-4.00	Hall A	Technical Session : IX	Chairperson: Dr. Farhad Mollick (Professor & Head, Anthropology, Mahatma Gandhi Antararashtriya Hindi Vishvavidyalaya, Wardha, Maharashtra)
			Resource person: Sanjay Goud (A.D., Department of Tribal Development, Govt. of Chhattisgarh, Raipur)

	Hall B	Technical Session : X	Nutrition: Breast Feeding, Weaning and Solid Food, Supplements
			Chairperson : Dr. Swapan Kolay (Professor & Head, Anthropology Shahid Mahendra Karma Bastar Vishvidyalaya, Jagdalpur)
			Resource Person: Dr. Nitin Malik (Anthropologist & Registrar Dr.B.R.Ambedkar University, New Delhi)
04.00-04.15	Hall A & B	Tea Break	
			Immunisation
	Hall A	Technical Session : XI	Chairperson: Dr. Gajendra Singh (Health Officer, UNICEF Office of Chhattisgarh)
04.15-05.00			ChildRearingPracticesEmotionalHealthofChildren
	Hall B	Technical Session : XII	Chairperson: Dr. Aparna Deshpande (Nutritional Specialist UNICEF, Office of Chhattisgarh)
07.30-08.30	Foodstall	Dinner	
07.30-09.00	Foodstall	Breakfast	1

16.02.2023 Thrusday		Hall A	Technical Session : XIII	Women and Health: Nutrition, Menarche, MarriageandPregnancy Chairperson: Dr. K.K.N. Sharma (Professor & Dean, Anthropology, Dr. Hari Singh Gour Central University, Sagar, M.P.) Resource Person: Dr T.K. Vaishnav (Former J.D. Tribal Research
10.0	10.00-11.45			& Training Institute, Chhattisgarh, Raipur) Tribal Freedom Fighter & Their role in
		Hall B	Technical Session : XIV	Freedom Movements Chairperson: Dr. L. S. Nigam (Former Vice Chancellor, Shri ShankaracharyaProfessionalUniversity,Bhilai)
				Resource Person: Dr. Shamrao I. Kureti (Rashtrasant Tukadoji Maharaj Nagpur University, Nagpur, Maharashtra)
11.4	11.45-12.00	Hall A&B	Teabreak	
				Women and Mental Health: Post-Partum Depression, Abuseetc.
12.1	12.15-01.30	Hall A	Technical Session : XV	Chairperson : Dr. Promila Singh (Former Professor & Head, Psychology, Pt. Ravishanakar Shukla University, Raipur)

Tribal Freedom Fighter Who Fought for Their Landand People. Chairperson: Dr. Neelkanth Panigrahi (Professor & Head, Anthropology Guru Ghasidas Central University, Bilaspur) ResourcePerson: Dr. AbhaR.Pal (Former Professor & Head, SoS in History, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	1	Expert Discussion and Preparation of FinalReport Dr. N.K. Vaid Divya Syam Sudheer Bandi Dr. Arun Kumar Dr. Jitendra Kumar Premi Dr. Shailendra Kumar Dr. Shailendra Kumar CoOrdinator: Dr.Nitin Malik (Anthropologist & Registrar Dr. B.R. Ambedkar University, New Delhi)
Technical Session : XVI	Lunch	Discussion
Hall B	Foodstall	Hall A
		1.30-2.15

Chief Guest: Shri J.A.C.S. Rao (IFS) (Chief Executive Officer Chhattisgarh Local Health Traditions and Medicinal Plants Board, Raipur)	Guest of Honour : Divya Syam Sudheer Bandi (Special Officer, UNICEF,Chhattisgarh)	Guest of Honour: Dr. N. K. Vaid (Director Vaid's ICS & Practicing Anthropologist, New Delhi)	Chairperson : Dr. Keshari Lal Verma (Vice Chancellor, Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur)		
		Valedictory Program		Alumni Meet	Dinner
	Hall B	Food Stall			
	6.00pm	9.00pm			
				16.02.2023	Thursday

Dr. Ashok Pradhan (Professor & Head) Convener/Director

National Seminar Report

A. Title: Celebrating the Azadi ka Amrit Mahotsav (Dedicated to Shaheed Veer Narayan Singh, The First Martyr from Chhattisgarh)

"National Seminar on Tribal Development in India in Context of Traditional Knowledge and Indigenous System".

- **B. Duration**: 3Days (14th-16thFebruary, 2023)
- C. Organizer: School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur 492010 (Chhattisgarh)

Co-Organizers:

- i) ICSSR, Government of India, New-Delhi
- ii) Tribal Department and TRTI, Government of Chhattisgarh
- iii) Chhattisgarh State Medicinal Plant Board, Chhattisgarh.
- iv) UNICEF, Chhattisgarh.

D Represented Universities/Institutes:

- i) Dept. of Anthropology, DHGV, Sagar, Madhya Pradesh
- ii) Dept. of Anthropology & Tribal Development, Guru Ghasi Das Central University, Bilaspur, Chhattisgarh
- iii) Department of Anthropology & Tribal Studies, SMKV, Jagdalpur, Chhattisgarh.
- iv) Department of Sociology & Social Anthropology, IGNTU, Amarkantak,Madhya Pradesh.
- v) Department of Anthropology, Vinoba Bhave University, Hazaribag, Jharkhand
- vi) Department of Anthropology, Ranchi University, Ranchi, Jharkhand.
- vii) Department of Anatomy, AIIMS, Bhopal.

- viii) Department of Political Science, GLA College, N.P. University, Medininagar, Jharkhand.
- ix) MATS University, Arang, Raipur, Chhattisgarh.
- x) Department of Sociology & Social Anthropology, A.N.Sinha Institute of Social Studies, Patna, Bihar.
- xi) Department of Anthropology, Sikkim University.
- xii) Department of Anthropology, MGAHV, Warda
- xiii) Department of Social Work, Shree Rawatpura Sarkar University, Raipur.
- xiv) Department of Anthropology, Savitribai PhuleUniversity, Pune.
- xv) Department of Anthropology, Sambalpur University, Sambalpur, Odisha.
- xvi) Department of Sociology, Hemchand Yadav University, Durg.
- xvii) Indira Gandhi Mukt Vishvidalaya, New-Delhi.
- xviii) Kalahandi University, Odisha.
- xix) Central Tribal University of Andhra Pradesh, Vizianagaram.
- xx) Department of Anthropology, Vidyasagar University, Kolkata.

E. Participation Status:

- i) Registered Delegates: 103
- ii) Departmental Organizing and working members: 147
- F. Program Details:
- **F.1 Inaugural Function:** 11.00am-12.00am(14.2.2023)

Speech given by:

Dr. Shailendra Patel, Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur,

Chhattisgarh: He has dedicated his speech to Shaheed Veer Narayan Singh. He

has a vision that if we work in an economic development of the Tribal community we can uplift them through our research work.

Professor P.C. Joshi, Vice -Chancellor, Delhi University, Delhi: He says that Indigenous Knowledge has many aspects and has its significance. Shaheed Veer Narayan Singh in 1910 in February participated in Bhoomkal Movement. Anthropologists have recognized Tribals revolts and movements. Tribes used to consider them self-backward and weak that's the reason they justified themselves through Tribal Movements. They also fought against Britishers. India is a country of diversity and whatever things are present here cannot be found elsewhere. This diversity is just not because of food, culture etc. but also India is like a banyan tree, it has its own identity, there are different people live in center at the same time is their anatomy. We all support this kind of idea.

Topic of diversity in Indigenous knowledge system can be seen in Tsunami 2004 in Andaman & Nicobar Island in that wave many people have died but the tribes of Jarawa when they have seen a wave suddenly coming to their way, they all ran towards the hill-top and didn't came back till it subsides. They saved themselves because of their indigenous knowledge base. Indigenous Knowledge is a behavioral knowledge and science is experimental knowledge. They have gained this experience from generation to generation and saved themselves. There was a time in India where question of everything was found in our Epic, in culture, in our dohas when we should eat our food, what we should eat our food, what medicines we should take for our diseases, when we should take it etc. When cloud used to come in the west direction Tribal people predicted that it will rain now this is indigenous knowledge. That's the reason Indigenous Knowledge is very important and I congratulate Department of Anthropology for conducting National seminar on this topic. Chhattisgarh is the mind of Indigenous Knowledge.

Dr. K.L. Verma Sir, Vice-Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Chhattisgarh: He says that in the present context there is need to test the knowledge and put forward the Indigenous Knowledge. We should tell new generation about the importance of our Indigenous knowledge. We have forgotten our Traditional knowledge. We should see Indigenous Knowledge from the scientific point of view and justify it in detail. Different types of calamities have been faced by the Tribal people but they haven't much affected, why we should see it? Loss of language leads to loss of traditional knowledge. by keeping them alive we could benefit our generation through them.

As much as tradition will grow people will be benefitting from it. We should do continuous effort for development by conserving Nature. There is a serious need to look in that way and conservation of that traditional knowledge.

Dr. J.K. Bajaj, Chairman, ICSSR, Delhi: Anthropology subject has an Indian aspect. "Levi-Strauss Mitsonian Institute" is from where the Anthropology subject and study of the society started. Anthropology is important in every aspect and to acquire any knowledge we need to have deep understanding of that subject. Research is taking place in different subjects but research taking place in the tribal problems is significance. Traditional Medicinal Knowledge is present in every society in a systematic form. Traditional Medicinal Knowledge has a theory we need to see it through Ayurvedic research. A person who lives in the forest has immense knowledge but we will not to come to know about it until we talk with them. Therapeutics in Charak Sanhita is taken from the local tribal people. Though we don't believe in it but we should have an understanding towards that knowledge.

If you want to know that knowledge live with them for three months than you will come to know about the meaning of that knowledge. "Look from insight actually becomes an insider". India is a country of diversity and by respecting this diversity we can have unity. Anthropology gives you that discipline. In the

reference of Traditional Medicinal Knowledge through community participation we need to conserve that knowledge. Then only India will be a Developed nation.

Vote of thanks by Dr. Jitendra Kumar Premi: We are not accepting human difference and it is the duty of human to preserve and we all should work towards the preservation. Rani Chinnama was the brave person in 1826 she fought with Thomas Mundrew, who was a Britisher.

















F.2. Special Lecture(Online): 12.am-01.00pm (14.2.2023)

Resource Person:

Dr. J.K. Bajaj, Chairman, ICSSR, New-Delhi:

Anthropology subject has an Indian aspect. "Levi-Strauss Mitsonian Institute" is from where the Anthropology subject and study of the society started. Anthropology is important in every aspect and to acquire any knowledge we need to have deep understanding of that subject. Research is taking place in different subjects but research taking place in the tribal problems is significance. Traditional Medicinal Knowledge is present in every society in a systematic form. Traditional Medicinal Knowledge has a theory we need to see it through Ayurvedic research. A person who lives in the forest has immense knowledge but we will not to come to know about it until we talk with them. Therapeutics in Charak Sanhita is taken from the local tribal people. Though we don't believe in it but we should have an understanding towards that knowledge.

If you want to know that knowledge live with them for three months than you will come to know about the meaning of that knowledge. "Look from insight actually becomes an insider". India is a country of diversity and by respecting this diversity we can have unity. Anthropology gives you that discipline. In the reference of Traditional Medicinal Knowledge through community participation we need to conserve that knowledge. Then only India will be a Developed nation.



F.3. Technical Sessions:

Sixteen sessions were organized in two parallel sessions in Hall-A & Hall-B in which out of 142 research papers, 81papers were presented, which are as follows:

F.3.1. Session-1 (Hall-A): 2.30pm -4.00pm (14.2.23)

- a) **Title:** Traditional Medical Knowledge, System and Health
- b) **Chairperson :** Dr P. C. Joshi (Former Vice- Chancellor, Delhi University.
- c) **Rapporteur :** Mr. Hemant Joshi (Research Scholar, S.o.S. in Anthropology, Raipur).
- d) Research Papers Presented: 09





F.3.2. Session-2 (Hall-B): 2.30pm -4.00pm (14.2.23)

- a) **Title:** Natural Resources, Environment and Eco-System Management.
- b) **Chairperson :** Dr Ninad Bodhankar (Professor& Head, S.o.S.in Geology & WRM, PRSU, Raipur.
- c) Rapporteur: Ms. Sanjana Patel(Research Scholar, S.o.S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- d) Research Papers Presented: 05



F.3.3. Session-3(Hall-A):4.15 pm-05.30pm (14.2.23).

- a) **Title :** Indigenous System and Traditional Community Participation: Traditional Knowledge, Indigenous System and Sustainable Development.
- b) **Chairperson :** Mr. Dhammshil Ganvir (Director, Kanger Valley. National Park, Bastar).
- c) Rapporteur: Mr. Hemant Joshi (Research Scholar, S.o.S. in Anthropology, Raipur).
- d) Research Papers Presented: 09





F.3.4. Session-4 (Hall-B): 4.15pm-05.30pm (14.2.23)

- a) **Title:** Tribal Art, Craft, Beliefs and Preservation of Tribal Culture b) **Chairperson:** Dr(Ms) Ranju Hasini Sahoo(Prof.&Head, department of Sociology and Social Anthropology, IGNTU, Amarkantak, M.P.
- b) **Resource Person :** Padamshree Ajay Kumar Mandavi (Art Field, Kanker, Chhattisgarh).
- c) Rapporteur: Ms. Sunita Sodi (Research Scholar, S.o.S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- d) Research Papers Presented: 08



F. 3. 5. Session-5 (Hall-A): 10.00am-11.45am (15.2.23)

- a) **Title:** Traditional Knowledge and Tribal Development
- b) **Chairperson :** Dr. N.K.Awasthi (Consultant Prarmparagat Gyan Evam Vanoushadhi Vikas Foundation).

- c) **Resource Person :** Shri.B. K. Lal (Finance Expert, Government of Chhattisgarh, Nava Raipur).
- d) **Rapporteur:** Mr. Rajkumar (Research Scholar, S. o. S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- e) Research Papers Presented: 03

F.3.6. Session-6 (Hall-B):15.2.23 (10.00-11.45am)

- a) **Title:** Women Empowerment
- b) Chairperson: Dr. (Ms) Reeta Venugopal (Professor & Head, Centre of Women Studies, PRSU, Raipur)
- c) Rapporteur: Ms. Oshin Bajrang (Research Scholar., S. o. S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- d) Research Papers Presented: 06



F.3.7. Session-7 (Hall-A):12.00 am-01.30 pm (15.2.23)

- a) **Title:** Traditional Knowledge and Science and Technology, Traditional Education and Development
- b) **Chairperson :** Dr. Nitin Malik(Registrar, Dr. Ambedkar University, New-Delhi
- c) Rapporteur: Mr. Rajkumar (Research Scholar, S. o. S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- d) Research Papers Presented: 05













F.3.8. Session-8 (Hall-B):12.00am-01.30pm (15.2.23)

- a) **Title :** Politics of Knowledge, Accessibility and Utilization; Communities and Right over Traditional Knowledge.
- b) Chairperson: Dr. N. K.Vaid (Director Vaid's ICS & Practicing Anthropologist, New-Delhi)
- c) **Resource Person:** Dr. S. R. Padi (Professor, Department of Sociology and Social Anthropology, IGNTU, Amarkantak, M.P.).
- d) Rapporteur: Ms. Oshin Bajrang (Research Scholar, S. o. S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- e) Research Papers Presented: 01







F.3.9. Session-9 (Hall-A): 02.30pm-04.00pm (15.2.23)

- a) **Title:** Developmental Programmes and Knowledge Sharing
- b) **Chairperson :** Dr. Farad Mollick (Professor and Former Head, Department of Anthropology, MGAHV, Wardha).
- c) Resource Person: Shri Sanjay Goud (A.D. Department of Tribal Development, Government of Chhattisgarh, Raipur).
- d) Rapporteur: Ms. Sanjana, Patel(Research Scholar, S. o. S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- e) **Research Papers Presented:** 03







F.3.10. Session-10 (Hall-B):02.30pm-4.00pm(15.2.23)

- a) **Title :** Nutrition: Breast Feeding, Weaning and Solid Food Supplements.
- b) **Chairperson :** Dr. Sapan Kolay (Professor& Head, Department of Anthropology and Tribal Studies, SMK University, Jagdalpur (CG).
- c) Resource Person: Dr.Nitin Malik (Anthropologist & Registrar, Dr. B. R. Ambedkar University, Delhi).
- d) **Rapporteur:** Ms Bhumika Raj Sonwane (Research Scholar, S. o.S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- e) Research Papers Presented: 03









F.3.11. Session-11 &12 (Hall-B): 4.00pm-5.30pm (15.2.23)

a) **Title**: Child Rearing Practices: Emotional Health of Children

b) **Chairperson :** Dr. Gajendra Singh (Medical Officer, UNICEF, Chhattisgarh)

Resource Person: Dr.(Ms) Aparna Deshpande (Nutritional Specialist UNICEF, Office of Chhattisgarh.

- c) Rapporteur: Ms. Sanjana, Patel (Research Scholar, S. o. S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- d) Research Papers Presented: 7











F.3.12. Session-13 (Hall-A):10.00am-11.45am (16.2.23)

- a) **Title :** Women and Health: Nutrition, Menarche, Marriage and Pregnancy.
- b) **Chairperson :** Dr. K. K. N. Sharma (Professor & Dean, HSG Central University, Sagar, M.P.).
- c) Resource Person: Dr.M.L. Naik(Former Director General, Chhattisgarh Council of Science and Technology, Raipur).
- d) Rapporteur: Mr. Sunil Mehta (Research Scholar, S.o.S.in Anthropology, PRSU, Raipur).
- e) Research Papers Presented: 11











F.3.13. Session-14 (Hall-B): 10.00am-11.45am (16.2.23)

- a) **Title:** Tribal Freedom Fighters and their Role in Freedom Movements
- b) **Chairpersons :** Dr, L.S. Nigam (Former V.C., Shri Shankracharya Professional University, Bhillai)
- c) **Resource Person :** Dr. Shamrao I. Kureti (Rashtrasant Tukadoji Maharaj, Nagpur University, Maharashtra)
- d) Rapporteur: Ms Shaila Mukerjee (Research Scholar, S.o.S.in Anthropology, PRSU, Raipur).
- e) Research Papers Presented: 2









F.3.14. Session-15 (Hall-A):12.00 am-01.30pm(16.2.23)

- a) **Title:** Women and Mental Health: Post-Partum Depression, Abuse etc.
- b) **Chairperson :** Dr. Promila Singh (Former Professor & Head, S.o.S. in Psychology, PRSU, Raipur.
- c) Rapporteur: Mr. Sunil Mehta (Research Scholar, S. o. S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- d) Research Papers Presented: 7





F.3.15. Session-16 (Hall-B): 12.00am-01.30pm (16.2.23)

- a) **Title:** Tribal Freedom Fighters Who Fought for their Land and People
- b) **Chairperson :** Dr. Rajesh Gautam(Professor & Head, Department of Anthropology, Dr. HSGU Central University, Sagar, M.P.)
- c) **Resource Person :** Dr. Abha R. Pal (Former Professor and H.o.D., S.o.S. in History, PRSU, Raipur).
- d) Rapporteur: Ms Shaila Mukerjee (Research Scholar, S.o.S. in Anthropology, PRSU, Raipur).
- e) Research Papers Presented: 02

G. Expert Discussion Session and Preparation of Final Report:

Dr. N.K. Vaid

Divya Syam Sudheer Bandi

Dr. Arun Kumar

Dr. Jitendra Kumar Premi

Dr. Shailendra Kumar

Dr. Ashok Pradhan

Co-Ordinator: Dr. Nitin Malik

(Anthropologist & Registrar, Dr. B.R. Ambedkar University, New Delhi)

Key points:

- i) There is urgent need of documenting the traditional knowledge, as it is gradually vanishing under the impact of modernization.
- ii) Traditional knowledge about medicinal applications of herbs is of immense value. It needs to be documented on priority basis and should be scientifically analyzed to identify its active ingredients.
- iii) Traditional knowledge regarding prediction of weather and other natural hazards is also very valuable and need to be preserved.

- iv) Similarly, traditional concept of sustainable development an be applied to save the planet from further destruction.
- v) Traditional Knowledge should be declared as National heritage and be protected accordingly.
- vi) We should create National knowledge parks, and hubs to promote its research and applications.
- vii) Traditional Knowledge should be recognized as a separate discipline or sub-part of Indian culture and should be introduced at middle/secondary educational level.
- viii) Practical applications of Traditional knowledge should be made aware to all Indians so that they can utilize it as it is cheap, eco-friendly and environment friendly. Beside it promotes mental stability and social harmony, as well.
- ix) Traditional knowledge issue should be taken by the central and state Government on priority.

H. Selected Presentations:

- i) **Nikam and Ramteke** (Dept.of Anthropology, Sikkim University) threw light on prevalence of singeing practice therapy among the Korku tribe of Melghat, Central India.
- ii) **Netam** (S.o.S. in Sociology, PRSU, Raipur) drew the attention on impact of industrialization and Westernization on indigenous medical knowledge with reference to Muriya tribe of Bastar, Chhattisgarh.
- iii) **Bakhla** (MGAHV, Wardha) traced the causes of diseases prevalent among Hill-Korba of the Chhattisgarh to nature, economy, religion and magic. They are traditionally treated through performing specific rituals and by use of locally available medicinal plants.

- iv) **Sahu** (MGAHV, Wardha) investigated the impact of occupational hazards on health of traffic police posted in Wardha and Nagpur districts of Maharashtra in light of BMI, blood pressure and personal habits. He identified prevalence of obesity, cardiac ailments, diabetics, respiratory disorders the subjects.
- v) **Jurri** (MGAHV, Wardha) drew attention on medicinal applications of Mahua plant with reference to tribal communities residing in Kanker district of the Chhattisgarh in treating various diseases, namely, Constipation, Ulcer, Sickle cell Anemia, knee pain and so on.
- vi) **Deepak Kumar** (MGAHV, Wardha) made observations on traditional medical practices prevalent among the Halbi tribe, inhabiting Gadchiroli district of Mahrashtra with focus on their diagnosis and treatment.
- vii) **Oshin and Premi** (S.o.S. in Anthropology, PRSU, Raipur) focused their study on ethno-medical knowledge of curing chronic fevers among the tribal communities of North Chhattisgarh. They reported use of 17 medicinal plants for treating chronic fever.
- viii) Gautam (Social Work Dept., Shree Rawatpura Sarkar University, Raipur) informed that modern medical system, just 200-300 years old, does not have solutions to all health issues of the humanity, as evidenced during recent Covid pandemic. Gradually, the world is gradually recognizing the importance of traditional medical practices knowledge. Recently, Global Centre of Traditional Medicine have been started to focus their research on preservation and conservation of indigenous knowledge.

- ix) Seth & Meher (Anthropology Dept., Sambalpur University) reported findings of their study on women belonging to Paudi Bhuiyan tribe of Deogarh district, Orissa regarding impact of marriage practices on their health. They observed higher incidence of maternal morbidity and infant mortality, as a result of child marriage practices. They also attributed the incidences of miscarriage and still birth to child marriage.
- Pandey (S. o. S. in Anthropology, PRSU,Raipur) focused on socioeconomic aspects of Abujmaria, sub-group of Gond tribe. Because of their distribution on hills, they are called Hill-Maria. Observations are made on their family, marriage and religious practices. Impact of contact with other cultures on their traditional dress is noted.
- Any Rose Todar (Dept. of Anthropology and Tribal Development, GGCU, Bilaspur) mentioned about the exchange program between Central University, Gujarat & GGCU, Bilaspur. Under this exchange program, students from these universities get exposure to know each other's language, traditional food, bandhani saree art &heritage sites.
- Panigrahi & Puja (Dept of Anthropology and Tribal Development, GGU, Central Univ., Bilaspur) attempted to explain indigenous system, sustainable development and changes over time in light of conceptual framework. They also noted the negative effect of modern technologies and development concepts on indigenous knowledge.
- xiii) **Poorvi & Pradhan** (S.o.S.in Anthropology, PRSU, Raipur) recorded that majority of Agaria tribals of Korba district have abandoned their traditional iron smelting technique. As majority of them do not own land, their subsistence largely depends upon forest gathering and labour work.

- knowledge deals not only about technology but also include ethics, culture, language and lifestyle. Their suggestion is to develop knowledge and social network to add maximum people in development of tribals.
- Rramhhatti et. al. (Dept. of Rural Technology & Social Development, GG Central University, Bilaspur) focused their study on women belonging to Birhor tribe (PVTGs) of the Chhattisgarh. They observed that the Birhor women are custodian of family income, expenditure, customs and traditions. These women are found actively involvedin economic activities, namely, food gathering, trapping of birds, agriculture, agriculture labour, basketry and rope making besides doing household chores and rearing children
- xvi) Mamta & Tirkey (VBU, Hazaribag) reported high dependance upon traditional healthcare system among Munda tribals of Khunti, Jharkhund. Ethnomedicinal plants and their derivates play important role in treatment of various diseases. Such resources need to be preserved for future generations.
- xvii) **Sharma** (Anthropology dept., Dr. HSG univ., Sagar) reported running of various programs for the overall development of Hill- korba tribe. He observed that natives are, however, not getting adequate benefit as these programs are not framed in light of their needs and socio-cultural background.

- xviii) Maiti & Midya (Dept. of Anthropology, Vidyasagar university) focused on indebtedness issue in context of Bhumij tribe of Jhargram, West Bengal. They observed that practice of ceremonial reciprocal cooperation play important role in reducing burden of ceremonial expenses. It acts as adaptive strategy to counter indebtedness particularly among poor tribal families.
- xix) Swarnkar and Sharma (Dept.of Anthropology, Dr. HS Guniversity, Sagar) threw light on reproductive health care practices among the Birhor tribe of Raigarh (CG). Theyemphasized the need of understanding of social system, beliefs and behavior related to their culture in order to appreciate what health care signifies to tribal communities.

I. Other Activities:

I.1. Exhibition on "Swatantrata Sangram me Janjatiya Nayako ka Yogdan": Exhibition on "Swatantrata Sangram me Janjatiya Nayako ka Yogdan" was organized in the National Seminar and sponsored by Tribal Commission of India, National Commission of Scheduled Tribes, Akhil Bhartiya Vanvasi Kalyan Aashram. More than 80Posters were presented depicting the life journey and major contributions by the Tribal freedom fighters, were exhibited in National Seminar. The exhibition was inaugurated by Dr K.L. Verma, Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University and remained opened for both delegates and public throughout entire period of the National Seminar.



I.2. Interaction with Traditional Healers: Twelve traditional tribal healers, (i) Vaid Santosh Patel, (Malhari, Dhamtari district) (ii) Vaid Sukhram Pav (Padbaniya, Guarella-Pendra- Marwahi district) (iii) Mahesh Tandia (Charama, Kanker district) (iv) Sarojini Goyal Panika (Balco, Korba district) (v) Ghanshyam Mandavi (Kanker district) (vi) Veer Singh Padda (Narayanpur district) (vii) Shukla Prasad Dhurve (Bahedamuda, Bilaspur district) (viii) Ramlal Pav (Pandbaniya, Guarella-Pendra-Marwahi district) (ix) Sonsai Sevta (Jambahar Charama, Kanker district) (x) Ishwariyalal Mandavi (Kanker district) (xi) Teejuram Sahu (Malhari, Dhamtari district) (xii) Nirmal Kumar Awasthi (Bilaspur district) from various parts of the Chhattisgarhstate were provided platform during the conference for informal/formal interaction between them and delegates. During entire3 days of the conference they demonstrated their skill and knowledge of local herbs used in treatment of various diseases. Besides, they treated several delegates and provided free medical consultancy through Naadi examination.



J. Valedictory Function:

- i) Chief-Guest: Shri J.A.C.S. Rao (IFS) (Chief Executive Officer, Chhattisgarh Local Health Traditions and Medicinal Plants Board, Raipur).
- ii) Guest of Honour: Divya Syam Sudheer Bandi (Special Officer, UNICEF, Chhattisgarh)
- iii) Guest of Honour: Dr N.K.Vaid, Director (Vaid's ICS, New-Delhi) & Practicing Anthropologist.
- iv) Chairperson: Dr. K. L. Verma, Vice-Chancellor, PRSU, Raipur.



























Report of

NATIONAL WORKSHOP ON GENETICS

CELEBRATING 100 YEARS OF SCIENTIST

Dr. G.N. RAMCHANDRAN & Dr. H G KHORANA (25 March 2023 & 26 March 2023)

Submitted to

The DIRECTOR VIGYAN PRASAR

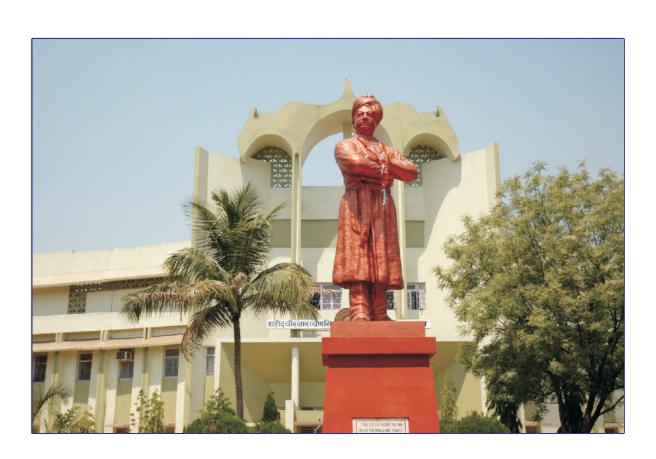
Technology Bhawan, New Delhi

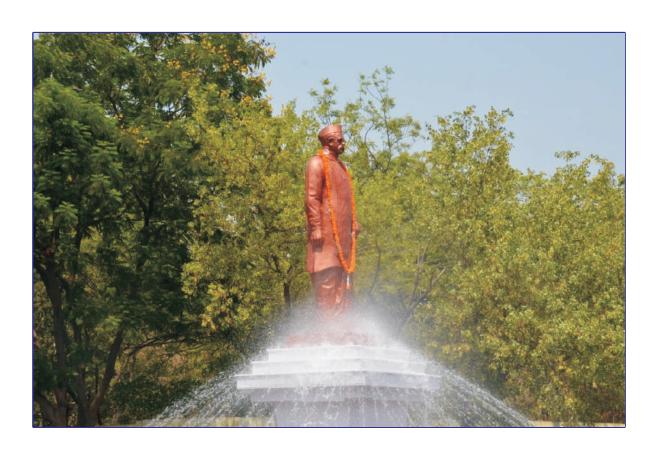
Submitted By

SoS of ANTHROPOLOGY
Pt. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY,
RAIPUR (C.G.)

&

CHHATTISGARH VIGYAN SABHA Shankar Nagar, RAIPUR







National workshop

on

GENETICS, Celebrating 100 years of scientist Dr. G.N. Ramchandran and Dr. H.G. Khorana

BACKGROUND: On our joint request Vigyan Prasar, by its letter no. VP/SciCom/3006/Centenarian-Genetics/2023 Dated: March 14, 2023 sanctioned our proposal to organize a National Workshop on Genetics to celebrate 100 years of scientist Dr. G.N. Ramchandran and Dr. H G Khorana. After receiving it, we have requested science communicators to participate in this workshop all over the country. Parallel to it, we have tried several resource persons to deliver lectures and presentations during this workshop resulting a good participation from all over India.

VENUE OF THE WORKSHOP: Seminar Hall, Arts Block of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) of a capacity of 150 participants.

INAUGURAL SESSION: Dr K Subramanyam IFS, member of the State Planning Commission, Chhattisgarh and former Director General of Chhattisgarh Council of Science and Technology has inaugurated the National Workshop on the morning of 25th March 2023. The inaugural session was presided over by the honorable Vice Chancellor Prof. Kesari Lal Verma of the host Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). Former Vice Chancellor of PRSU Prof. S K Pandey, Senior Scientist from Vigyan Prasar Dr T V Venkateshwara, resource person from Kolkata University Dr Arunabh Mishra and resource person from Bhopal Dr S R Azad have associated as the Special Guest in the inaugural session. Dr. Ashok Pradhan, Professor and Head, School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University (C.G.) has given a welcome speech just after candle lighting on the portrait of Gregor Mendel, Dr. GN Ramachandran and Dr. HG Khorana.

In his inaugural speech, Chief Guest Dr. K Subramanyam explained thoroughly the works of Gregor Mendel on the different trends of pea plants. He has explained the historical development of genetics from Gregor J Mendel to current developments. He said that Dr H G Khorana, who studies Chemistry an M. Sc. and PhD in Organic Chemistry has developed a synthetic gene in a bacteria. His basic work is Pathfinder and used by modern scientists in genetics. He emphasizes that we are advancing from GENETICS to GENEMIX structures. Today we are using genetic breakup in chemotherapy to treat cancer disease. He appeals to the participants to disseminate knowledge of Genetics among common people.

In his presidential speech, Vice Chancellor Prof. Kesari Lal Verma thanked Vigyan Prasar for providing an opportunity to organize this workshop at this University. He said that our scientists have played a very important role in the development of the nation. Professor Ramachandran and Dr Khorana are some of those who have done excellent work in the field of Genetics. He emphasizes the dissemination of knowledge of modern findings of science in our languages. He explained his role in publishing so many books in local languages when he was posted in the Commission for Scientific and Technical Terminology of the Government of India. Joint Secretary of Chhattisgarh Vigyan Sabha Mr. Anupam Jopher has delivered the vote of Thanks to all the guests and participants.

Outcome of the Workshop: A Total of 113 participants attended this workshop out of which 42 one from outside of the Chhattisgarh state and the rest were from various districts of Chhattisgarh. Most of the participants are from academic backgrounds from different Universities and education Institutions. The following are the major outcomes of the workshop -

- Knowledge sharing about GENETICS.
- Knowledge of the Historical Development of GENETICS.
- Knowledge sharing about Dr. G.N. Ramachandran, Dr. H.G. Khorana and Gregor Mendel.
- Learning about the rules of Genetics is very simple and easy way.
- Development of so many resource persons to teach Genetics in their respective institutions.
- Development of a knowledge-sharing Network among participants.

DETAILS OF TECHNICAL SESSIONS

25.03.2023 (First Day)

A. Registration: 10.00 am to 11:00 am

B. Inaugural Session: 11.00 am to 12:00 Noon

Inauguration by Chief: Dr. K. Subramanyam, IFS, Member, State Planning Commission

Chaired by: Prof. Keshri Lal Verma Verma, Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

Special Guests:

- 1. Dr. T. K. Venkateshwara, Senior Scientist, Vigyan Prasar, DST, New Delhi
- 2. Dr M.L. Naik, President, Chhattisgarh Vigyan Sabha
- 3. Dr. S. K. Pandey, Former Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
- 4. Dr. Arunabha Mishra, Vidyasagar College, Kolkata
- 5. Ms. Asha Mishra, Senior Science Activist, AIPSN

Welcome Address: Dr. Ashok Pradhan, Professor & Head, SoS in Anthropology, Pt. RSU, Raipur

Addressed by: Dr. K. Subramanyam, IFS, Member, State Planning Commission

Addressed by Chair Person: Prof. Keshri Lal Verma Verma, Vice Chancellor, Pt. Ravishankar University, Raipur (C.G.)

Vote of Thanks: Anupam Jofer, Joint Secretary, Chhattisgarh Vigyan Sabha

Tea Break

12:00 Noon to 01:00 pm

Technical Session I: Evolution and Development of Genetics

Chairperson: Ms Nidhi Singh, Joint Secretary, Chhattisgarh Vigyan Sabha

Speaker: Dr T V Venkateshwara (Vigyan Prasar) - Mendel, heredity and the emergence of Genetics

Speaker: Dr Prabha Chaudhary (Indira Gandhi Krishi Vishvavidyalay) - Basics of Genetics and its Historical Development

MENDEL, HEREDITY ORIGIN OF GENETICS: Dr. T. V. Venkateshwara using a very attractive and informative PPT, Dr. T.V. Venkateshwara explained the story of Mendel's rule of hereditary. He has shown the chronological development of genetics slide by slide and the final/status, we are experiencing nowadays. Many questions were asked by the participants. Dr. T. V. Venkateshwara replied and satisfied them with his wise answers.

BASICS OF GENETICS: Prof. Prabha Choudhary from Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya has delivered a beautiful lecture on the subject "Basics of Genetics". She showed lots of slides by which she explained the basic principles of science.

Question & Answer

Vote of Thanks: Dr Sunil Kumar Sahu, Vice President, Chhattisgarh Vigyan Sabha

1.30-2.00 pm: LUNCH

02:00 pm to 03:30 pm

Technical Session II: Human Evolution

Co-Ordinator: Anju Meshram, Treasurer, Chhattisgarh Vigyan Sabha

Speaker: 1. Dr ParthibBasu (Calcutta University) - Darwin and his theory of Human

Evolution (Online)

2. Prof. M.L. Nayak, Former Head, Life Science, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur -

"Extra nuclear inheritance"

Darwin and his theory of Human Evolution (Online): Prof. ParthibBasu has briefly described

the details of Darwin's Theory of Evolution. By presenting under slides. He has explained the

development of evolution step by step.

PExtranuclear inheritance: rof. M.L. Naik, President of Chhattisgarh Vigyan Sabha and

former Professor of Life Science at Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) has

explained evolution and mutation. His lecture was very informative on Extra Nuclear Inheritance

refers to the transmission of genetic information that is not encoded in the nuclear DNA of an

organism's cells. While the vast majority of an organism's genetic material is located in the cell

nucleus, certain genetic information is found outside the nucleus in other cellular structures.

Understanding extranuclear inheritance is essential in genetics, as it adds complexity to the

inheritance pattern.

Question & Answer

Vote of Thanks: Dinesh Kumar, Chhattisgarh Vigyan Sabha.

03:30 to 04:20 pm

Technical Session III: Dr H G Khorana Memorial Lecture

Chairperson: Anamika Chakravarty, Chhattisgarh Vigyan Sabha

Speaker: Dr Sagarmoy Ghosh, Prof. (Calcutta University): Biotechnology and Genetic

Engineering for the people: issues and challenges

GENETICS ENGINEERING: Dr Sagarmoy Ghosh.

In the 3rd technical session, Dr. Sagarmoy Ghosh explained the different aspects of genetic

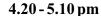
engineering.

He has drawn his views towards new research beneficial for mankind and also explained the

dangers of new research such as terminator genes.

Question & Answer

Vote of Thanks: Uma Prakash Ojha, Chhattisgarh Vigyan Sabha



Technical Session IV: GN Ramachandran Memorial Lecture

Chairperson: Shri H. N. Tandon, C.G. Vigyan Sabha

Speaker: Dr. S.Krishnaswamy (Former Prof. Madurai Kamaraj University, Visiting Prof. Inst.

of Mathematical Science) - GN Ramachandran and his contribution in Biology

Contribution of Dr. G.N.Ramchandran in Genetics: Dr. S. Krishnamurthi explained the works of Dr. G.N.Ramachandran. In his presentation, he showed the research and development of triple helical structure of gene.

Question & Answer

Vote of Thanks: Dipankar Bhowmik.

26.03.2023 (Second Day)

10:00 - 11:30 am

Technical Session V: Genetics and Society

Chairperson: Dr. LaxmikantChawre, CBS, Pt. RSU, Raipur

Speaker: Dr ArunabhaMisra (Vidyasagar College, C U): Myth related to Evolution and

Genetics

Speaker: Dr. Ashok Pradhan (Pt. RSU, Raipur) - Common Genetic Diseases

In his explainarysession on different myths related to evolution and genetics, Dr. Arunabha

Mishra-Technical adviser of this workshop has explained the true and false issues of Evolution.

Lots of question were raised by participants during his lecture, whom he satisfied.

Vote of Thanks: Dr. NandkumarChakradhari, Pt. RSU, Raipur

11.45 am - 1.15 pm

Valedictory Session: Summing up and Planning for future

Panelists: Prof. Ashok Pradhan Vishwas Meshram, Asha Mishra, Dr. T V Venkateshwara, ArunabhaMisra, etc

ŕ

Common Genetical Disease: Prof. Ashok Pradhan

Prof. Ashok Pradhan of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur has given details of common genetic diseases and given details of people suffering from this disease. He showed the geographical distribution of these illnesses and also discussed about the conditions that results from abnormalities in an individual's DNA. These abnormalities can be inherited from parents or occur spontaneously during a person's lifetime, genetic diseases well-known to general public are Cystic Fibrosis, Huntington's disease, Sickle Cell Anemia, Muscular Dystrophy, Hemophilia, Polycystic Kidney diseases etc. Genetic diseases often require medical attention and individuals with family history of such conditions and individuals with the family history of such conditions may benefit from genetic counselling to assess their risk. Early detection and management can play crucial role in improving the quality of individuals affected by these genetic disorders.

Participants view – Almost all the participants appreciated this workshop and said that this workshop is very use full for them to know about the contribution of Dr. G.N. RAMCHANDRAN & Dr. H G KHORANA. They admired VIGYAN PRASAR for celebrating 100 years of Dr. Ramchandran and Dr. Khorana and giving them opportunity to participate in this National Workshop. They also appreciated the schedule of workshop which engaged top intellectuals of the country in the field of Genetics. All the participants have collected the PPTs of Lectures given by these Resource Persons.

They also appreciated the arrangements done by Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) and Chhattisgarh Vigyan Sabha for them including Accommodations, Food, Reading Materials & Travel.

They requested that VIGYAN PRASAR should arrange more workshop like this one every year, so that teachers, research scholars & science activist will be benefited from this knowledge sharing workshop.

Organizer's view – Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) & Chhattisgarh Vigyan Sabha is thankful to Vigyan Prasar for this very significant workshop to celebrate 100 years of the great Indian Scientist Dr. Ramchandran and Dr. Khorana. This workshop has open the doors to understand the genius work of Dr. Ramchandran and Dr. Khorana in the field of Genetics. The satisfaction shown by participants gives us strength to arrange this type of workshop again and again. We hope from Vigyan Prasar and Department of Science and Technology to support us in futures for similar workshops in various Universities and Educational Institutions of Chhattisgarh State.

Take home task and future activities -

- A WhatsApp group has created for knowledge sharing and troubleshooting related to issues of GENETICS with mentors of the workshop.
- Sharing of PPT and articles with participants.
- Planning of online lectures on Genetics.
- Local level workshop on Genetics and about the works of Dr. Ramchandran and Dr. Khorana will be planned.

FUTURE ACTIVITIES and FOLLOW UP

- A WhatsApp group has created for knowledge sharing and troubleshooting related to issues of GENETICS with mentors of the workshop.
- Sharing of PPT and articles with participants.
- Planning of online lectures on Genetics.
- Local level workshop on Genetics and about the works of Dr. Ramchandram and Dr. Khorana will be planned.

List of Participants

- 1. Sudesh Ghoderao, Maharashtra
- 2. Sheela Ghoderao, Maharashtra
- 3. Arun Kumar M 62 SFS, Jharkhand
- 4. Anant nathGiri M 19 SFS, Jharkhand.
- 5. Arun Kumar, BGVS Jharkhand
- 6. Sheishankar Prasad, BGVS Jharkhand
- 7. Birju prasad, BGVS Bihar
- 8. Ravi kumar, BGVS Bihar
- 9. Santosh Kar m 45, BGVS Orisha
- 10. Niranjan Mali M 48, BGVS Orisha
- 11. Biratrajpradhan M 46, BGVS Orisha
- 12. Dhiraj Goswami, Ellora vigyan Mancha
- 13. Julhashuddin Ahmed, GVS Assam
- 14. Musaddik Ahmed, GVS Assam
- 15. Milan Gain, PBVM, West Bengal
- 16. Dr P.N. Verma, MPVS
- 17. Ashish Pare, MPVS
- 18. E. Basavaraju, KRVP
- 19. HKS Samay, KRVP
- 20. Vijay Pal M 36, BGVS Uttar Pradesh
- 21. Suneeta F 40, BGVS Uttar Pradesh
- 22. Pushpa F 32, BGVS Uttar Pradesh
- 23. Satbir Nagal, Hariyana Bigyan Manch
- 24. Chitra Singh, F, Hariyana Bigyan Manch
- 25. Rajender Agnihotri, Haryana GVS
- 26. Ms. Suraj.Haryana GVS
- 27. Dinesh Nagar, MPBGVS
- 28. Shilpa Jain, F, MPBGVS
- 29. Afjal, MPBGVS
- 30. Tohiq Ahmed, BGVS, Uttarakhand
- 31. Dr.Raseena NR, Dept.of Bot, KU, Kssp
- 32. Anju.H,Department of Bot.,KU,Kssp
- 33. Ravi Shankar S, BGVS Karnataka





- 67. Ravina
- 68. Reena Verma
- 69. Shishupal Bhoi
- 70. Shristi Ware
- 71. Sujit Jangde
- 72. Sushma Pandey
- 73. Swati Chandrakar
- 74. Sweta Verma
- 75. Usha Baghel
- 76. Vibha Belchandan
- 77. Yogita Verma
- 78. Ankit Chandrawanshi
- 79. Bharti Chandrakar
- 80. IndrakantBhuarya
- 81. Jyoti Sahu
- 82. Kajal Tiwari
- 83. NutanSahu
- 84. Pooja Sahu
- 85. PoorviGaharwar
- 86. Pratibha Tripathi
- 87. Priti Pradhan
- 88. Priyanka Nayak
- 89. Priyanka Sonwani
- 90. RajiyaBano
- 91. SaksheeNirmalkar
- 92. Swati Dewangan
- 93. Tilak Ram Vishwakarma
- 94. Venkateshwar
- 95. Yogita Singh
- 96. Mithlesh Sen
- 97. Neelam Sahu
- 98. NitikaBaghel
- 99. Priya Rani Neti
- 100. Pukh Raj

- **
- 101. Usha Samar Paikra
- 101. Hemant Kumar Joshi
- 102. ShailaMukharjee
- 103. Sunita Sodi
- 104. Prakash Chandra
- 105. VedpradashDhruw
- 106. Bhumika Raj Sonwane
- 107. Oshin Bajrang
- 108. Ankita Bhoi (S)
- 109. Ankita Bhoi (J)
- 110. Sanjana Patel
- 111. Suneel Kumar Mehta
- 112. Krishna Kumar Paikra

Schedule of Workshop (copy from mail)

25.03.2023 (First Day)

Registration: 10.00 am to 11:00 am

Inaugural Session: 11.00 am to 12:00 Noon

Tea Break

12:00 Noon to 01:00 pm

Technical Session I: Evolution and development of Genetics

1.30-2.00 pm: LUNCH

02:00 pm to 03:30 pm

Technical Session II: Human Evolution

03:30 to 04:20 pm

Technical Session III: Dr. H G Khorana Memorial Lecture

4.20 - 5.10 pm

Technical Session IV: GN Ramachandran Memorial Lecture

26.03.2023 (Second Day)

10:00 - 11:30 am

Technical Session V: Genetics and Society

11.45 am - 1.15 pm

Valedictory Session: Summing up and planning for future

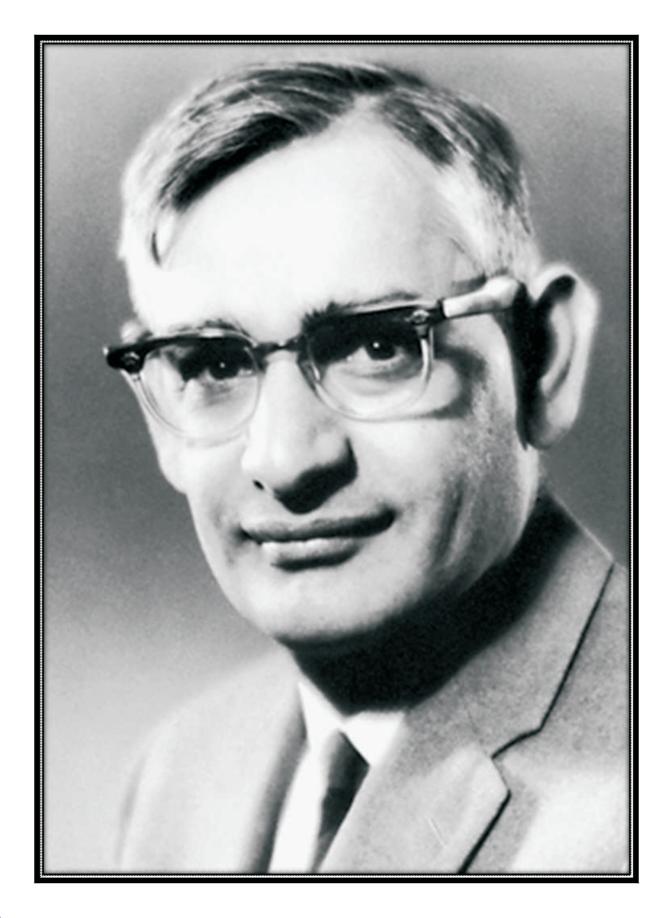
Photo of Dr. G. N. Ramachandran







Photo of Dr. H. G. Khorana?













- ×





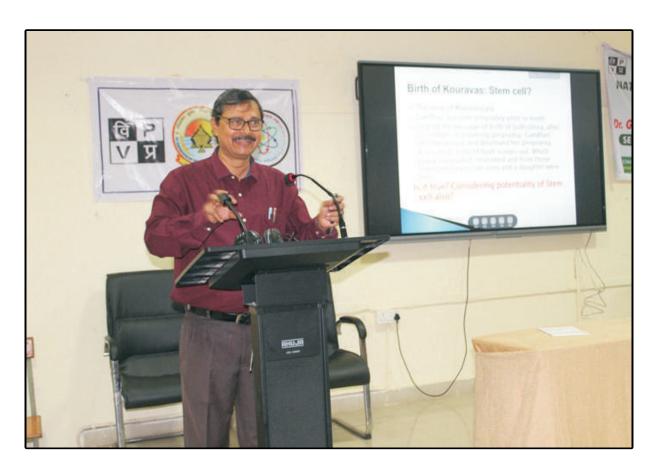












•

















_









X

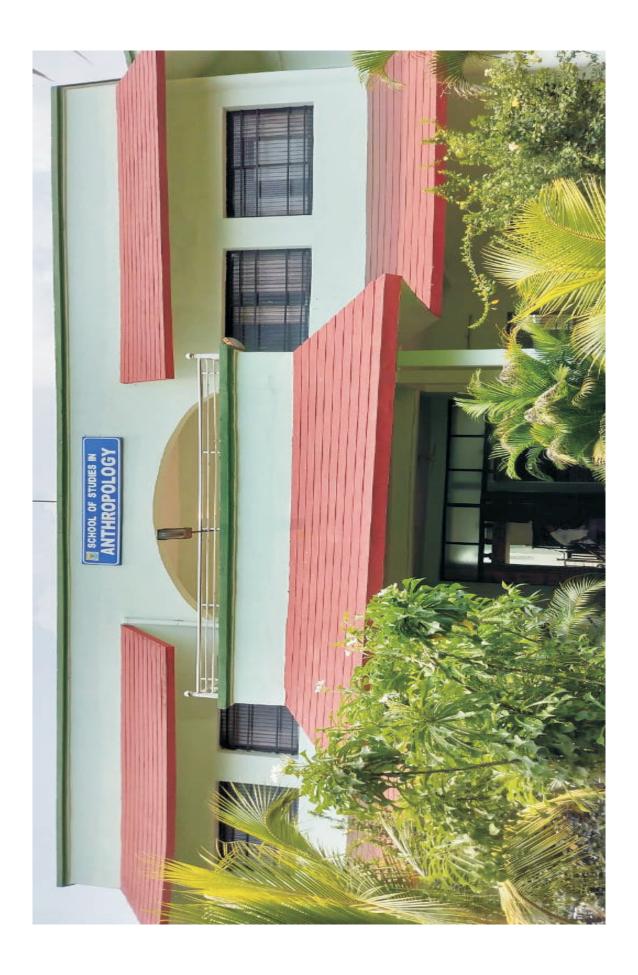






















Workshop Report

"Hands-on Training on Prehistoric Artefacts"

Organized by

School of Studies in Anthropology

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

&

INTACH (Raipur Chapter) during

November 3 - 7, 2022

REPORT

Workshop Title "Hands-on Training on Prehistoric Artefacts",

Organizers: School of Studies in Anthropology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

&

INTACH (Raipur Chapter)

3rd – 7th November, 2022

1. Objectives

To train the students both at Post-Graduate and Research level on the Prehistory and lithic artefacts that forms the major source of archaeological remains in prehistoric sites.

2. Target Participants

Since Prehistory is part of Anthropology and Archaeology, Post -graduate students from both School of Studies (Anthropology) and School of Studies (History) of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur participated in the Workshop. Besides, research scholars of both the departments participated in the Workshop.

3. Number of Participants: 96 (List attached)

S.N.	Name of Participant	S.N.	Name of Participant
1	Aayush Agrawal	49	Sakshee Nirmalkar
2	Aditi Agrawal	50	Swati Dewangan
3	Ankita Pradhan	51	Tilak Ram Vishwakarma
4	Astha Verma	52	Usha Sahu
5	Atul Kumar Jaiswal	53	Venkateshwar
6	Bindiya Nayak	54	Yogita Singh
7	Chunni Nishad	55	Ankita Bhoi
8	Dashrath	56	Ankita Bhoi
9	Dilip Yadav	57	Anurag Mali
10	Gulshan	58	Bhumika Raj Sonwane
11	Hemanjali Kannouje	59	Hemant Kumar Joshi
12	Jayshri Ratre	60	Krishna Kumar Paikra
13	Kritika Sahu	61	Prakash Chandra
14	Mona Garg	62	Raj Kumar Verma
15	Monika Purena	63	Sanjana Patel
16	Narendra Kumar	64	Shaila Mukharjee
17	Padmini Sahu	65	Suneel Kumar Mehta
18	Payal Patel	66	Dr. Mukesh Kumar Rathia

20 Ravina 68 Shubham Singh Rajput 21 Reena Verma 69 Ankur Yadav 22 Shishupal Bhoi 70 Anuja Lakra 23 Shristi Ware 71 Bramhanand Ghritlahre 24 Sujit Jangde 72 Hemlata 25 Sushma Pandey 73 Manoj Kumar Bharti 26 Swati Chandrakar 74 Morjdhvaj 27 Sweta Verma 75 Neharika 28 Usha Baghel 76 Pallavi Roy 29 Vibha Belchandan 77 Rahul Sharma 30 Yogita Verma 78 Rishabh Dev Sahu 31 Ankit Chandrawanshi 79 Rupesh Kumar Yadav 32 Bharti Chandrakar 80 Shatruhan Dewangan 33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant	19	Priyanka Shriwastava	67	Dr. Somprakash Kanwar
22Shishupal Bhoi70Anuja Lakra23Shristi Ware71Bramhanand Ghritlahre24Sujit Jangde72Hemlata25Sushma Pandey73Manoj Kumar Bharti26Swati Chandrakar74Morjdhvaj27Sweta Verma75Neharika28Usha Baghel76Pallavi Roy29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	20	Ravina	68	Shubham Singh Rajput
23 Shristi Ware 71 Bramhanand Ghritlahre 24 Sujit Jangde 72 Hemlata 72 Hemlata 73 Manoj Kumar Bharti 74 Morjdhvaj 75 Swati Chandrakar 74 Morjdhvaj 75 Neharika 76 Pallavi Roy 77 Rahul Sharma 77 Rahul Sharma 78 Rishabh Dev Sahu 79 Rupesh Kumar Yadav 79 Rupesh Kumar 80 Shatruhan Dewangan 70 Rupesh	21	Reena Verma	69	Ankur Yadav
24Sujit Jangde72Hemlata25Sushma Pandey73Manoj Kumar Bharti26Swati Chandrakar74Morjdhvaj27Sweta Verma75Neharika28Usha Baghel76Pallavi Roy29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	22	Shishupal Bhoi	70	Anuja Lakra
25 Sushma Pandey 73 Manoj Kumar Bharti 26 Swati Chandrakar 74 Morjdhvaj 27 Sweta Verma 75 Neharika 28 Usha Baghel 76 Pallavi Roy 29 Vibha Belchandan 77 Rahul Sharma 30 Yogita Verma 78 Rishabh Dev Sahu 31 Ankit Chandrawanshi 79 Rupesh Kumar Yadav 32 Bharti Chandrakar 80 Shatruhan Dewangan 33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj	23	Shristi Ware	71	Bramhanand Ghritlahre
26Swati Chandrakar74Morjdhvaj27Sweta Verma75Neharika28Usha Baghel76Pallavi Roy29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	24	Sujit Jangde	72	Hemlata
27 Sweta Verma 75 Neharika 28 Usha Baghel 76 Pallavi Roy 29 Vibha Belchandan 77 Rahul Sharma 30 Yogita Verma 78 Rishabh Dev Sahu 31 Ankit Chandrawanshi 79 Rupesh Kumar Yadav 32 Bharti Chandrakar 80 Shatruhan Dewangan 33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	25	Sushma Pandey	73	Manoj Kumar Bharti
28Usha Baghel76Pallavi Roy29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	26	Swati Chandrakar	74	Morjdhvaj
29Vibha Belchandan77Rahul Sharma30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	27	Sweta Verma	75	Neharika
30Yogita Verma78Rishabh Dev Sahu31Ankit Chandrawanshi79Rupesh Kumar Yadav32Bharti Chandrakar80Shatruhan Dewangan33Indrakant Bhuarya81Sohrab34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	28	Usha Baghel	76	Pallavi Roy
31 Ankit Chandrawanshi 79 Rupesh Kumar Yadav 32 Bharti Chandrakar 80 Shatruhan Dewangan 33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	29	Vibha Belchandan	77	Rahul Sharma
32 Bharti Chandrakar 33 Indrakant Bhuarya 34 Jyoti Sahu 35 Kajal Tiwari 36 Mithlesh Sen 37 Neelam Sahu 38 Nitika Baghel 39 Nutan Sahu 40 Pooja Sahu 41 Poorvi Gaharwar 41 Poorvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priyanka Nayak 44 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 48 Sohrab 48 Supriya Chandrakar 48 Supriya Chandrakar 48 Vimar Shuu Markam 49 Virendra Kumar 40 Pooja Sahu 40 Bhagya Shree 41 Poorvi Gaharwar 41 Poorvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priti Pradhan 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Sonwani 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 48 Supriya Chandrakar 48 Virendra Kumar 49 Amar Bhartdwaj 40 Bhagya Shree 41 Poorvi Gaharwar 41 Poorvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priyanka Nayak 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Sonwani 46 Priyanka Sonwani	30	Yogita Verma	78	Rishabh Dev Sahu
33 Indrakant Bhuarya 81 Sohrab 34 Jyoti Sahu 82 Supriya Chandrakar 35 Kajal Tiwari 83 Tannu Markam 36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	31	Ankit Chandrawanshi	79	Rupesh Kumar Yadav
34Jyoti Sahu82Supriya Chandrakar35Kajal Tiwari83Tannu Markam36Mithlesh Sen84Umakant Verma37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	32	Bharti Chandrakar	80	Shatruhan Dewangan
35 Kajal Tiwari 36 Mithlesh Sen 37 Neelam Sahu 38 Nitika Baghel 39 Nutan Sahu 40 Pooja Sahu 41 Poorvi Gaharwar 41 Porvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priya Rani Neti 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 48 Umakant Verma 48 Umakant Verma 48 Vireham 48 Vivek Kumar Shukla 48 Virendra Kumar 49 Amar Bhartdwaj 40 Bhagya Shree 41 Bhenu 42 Pratibha Tripathi 43 Priya Rani Neti 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 48 Umakant Verma 48 Vireham 49 Prashant Pandariya 49 Bhagya Shree 40 Bhagya Shree 41 Pukh Raj 40 Piyanka Sonwani 41 Pukh Raj 41 Pukh Raj 42 Umakant Verma 43 Prashant Pandariya 44 Priyanka Nayak 45 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj	33	Indrakant Bhuarya	81	Sohrab
36 Mithlesh Sen 84 Umakant Verma 37 Neelam Sahu 85 Vaibhav Yadav 38 Nitika Baghel 86 Vivek Kumar Shukla 39 Nutan Sahu 87 Prashant Pandariya 40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	34	Jyoti Sahu	82	Supriya Chandrakar
37Neelam Sahu85Vaibhav Yadav38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	35	Kajal Tiwari	83	Tannu Markam
38Nitika Baghel86Vivek Kumar Shukla39Nutan Sahu87Prashant Pandariya40Pooja Sahu88Virendra Kumar41Poorvi Gaharwar89Amar Bhartdwaj42Pratibha Tripathi90Bhagya Shree43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	36	Mithlesh Sen	84	Umakant Verma
39 Nutan Sahu 40 Pooja Sahu 41 Poorvi Gaharwar 42 Pratibha Tripathi 43 Priti Pradhan 44 Priya Rani Neti 45 Priyanka Nayak 46 Priyanka Sonwani 47 Pukh Raj 87 Prashant Pandariya 88 Virendra Kumar 89 Amar Bhartdwaj 90 Bhagya Shree 91 Bhenu 92 Dhal Singh Dewangan 93 Sharda Markam 94 Teej Ram Pal 95 Upasana	37	Neelam Sahu	85	Vaibhav Yadav
40 Pooja Sahu 88 Virendra Kumar 41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	38	Nitika Baghel	86	Vivek Kumar Shukla
41 Poorvi Gaharwar 89 Amar Bhartdwaj 42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	39	Nutan Sahu	87	Prashant Pandariya
42 Pratibha Tripathi 90 Bhagya Shree 43 Priti Pradhan 91 Bhenu 44 Priya Rani Neti 92 Dhal Singh Dewangan 45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	40	Pooja Sahu	88	Virendra Kumar
43Priti Pradhan91Bhenu44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	41	Poorvi Gaharwar	89	Amar Bhartdwaj
44Priya Rani Neti92Dhal Singh Dewangan45Priyanka Nayak93Sharda Markam46Priyanka Sonwani94Teej Ram Pal47Pukh Raj95Upasana	42	Pratibha Tripathi	90	Bhagya Shree
45 Priyanka Nayak 93 Sharda Markam 46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	43	Priti Pradhan	91	Bhenu
46 Priyanka Sonwani 94 Teej Ram Pal 47 Pukh Raj 95 Upasana	44	Priya Rani Neti	92	Dhal Singh Dewangan
47 Pukh Raj 95 Upasana	45	Priyanka Nayak	93	Sharda Markam
1	46	Priyanka Sonwani	94	Teej Ram Pal
48 Rajiya Bano 96 Zakir Khan	47	Pukh Raj	95	Upasana
	48	Rajiya Bano	96	Zakir Khan

4. Resource Persons

The resource persons were Dr. S.B. Ota, Former Joint Director General, Archaeological Survey of India, Ms. Niharika Srivastava and Ms. Suman Pandey both Research Scholars from the Department of AIHC & Archaeology, Deccan College Post-Graduate and Research Institute, Pune.

5. Mode of Workshop

This five days Workshop on Prehistoric artefacts was designed with a view to impart intensive and effective training to the students on all aspects of lithic artefacts including basics of prehistoric archaeology. Therefore, the modalities of the Workshop were of twofold: on one hand there were theoretical classes that were followed by practical training including hands-on training for the students. This hands-on training was given with the artefacts and students were also allowed to practice certain things with the resource persons.

6. Program

1st Day: 03. 11.2022

6.1 Inaugural Function

Dr K.L.Verma, Vice Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University acted as a chief-guest of the function. The function started with welcoming of guests by Dr. Ashok K. Pradhan, H.O.D. of the Anthropology department. Dr.Arun Kumar, Co-Convenor of INTACH(Raipur Chapter) briefed about the activities of INTACH (Raipur Chapter). Dr. K.L.Verma in his presidential address expressed the views that these sort of workshops should be organized every year for the benefit of students. Dr.S.B. Ota outlined the main features of the workshop stating that participants would be exposed to finer details of prehistoric artifacts through lectures, practicals and field work during course of workshop. The program ended with vote of thanks proposed by Dr. Shailendra Kumar Verma, assistant professor of the department. Dr. Jitendra K. Premi, professor of the department acted as a master of the ceremony.







6.2 Introductory Lecture

Dr. S.B. Ota, principal Resource Person of the Workshop delivered a lecture "Journey to Deep Human History: Investigations of Acheulian Sites in District Raisen, Madhya Pradesh" where he explained the latest techniques applied for investigations of prehistoric settlements to understand the lifeways of prehistoric hunter-gatherers and the result of his research in the area around the village Tikoda and Damdongri in district Raisen.



2nd Day: 04.11.2022

6.3 Dr. S. B. Ota delivered three lectures, as follows

1. Introduction to Prehistoric Archaeology

2. Understanding Lithic Artefacts: Part I

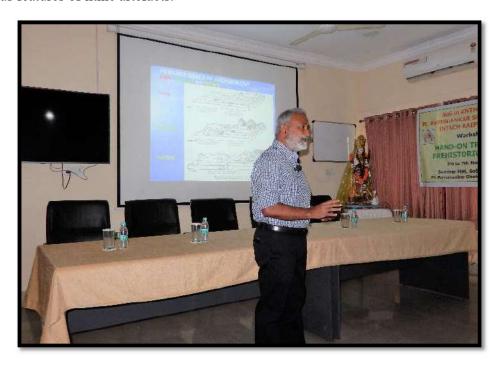
3. Understanding Lithic Artefacts: Part II

In 1st lecture 'Introduction to Prehistoric Archaeology', he explained the goals of archaeology, early initiates in prehistoric discoveries, periodization and terminology, methods of study, geographical configuration of prehistoric settlements, types of prehistoric settlements, primary and secondary context of sites etc.

Subsequent two lectures were on lithic artefacts that includes terms used, natural vs man made fractures, understanding raw materials, fracture mechanics, identification of artefacts and terms used, technology, typology and classification and latest methods of stone tool analysis.

6.4 Practical Training

The theoretical lectures were followed with hands-on training that were imparted by the Resource Persons Ms. Niharika Srivastava and Ms. Suman Pandey on 'Stone Artefact Identification' and 'Stone Artefact Classification'. It was demonstrated by explaining on the actual samples i.e. lithic artefacts and also followed by knapping artefacts and explaining the various features of lithic artefacts.







3rd Day: 05.11.2022

6.5 Theoretical Lectures

The day started with Ms. Niharika Srivastava's three lectures pertaining to lithic artefacts:

- 1. Lithic Illustrations in Prehistory
- 2. Photographic documentation in Prehistory
- 3. Life History of a Stone Tool: A Taphonomical Studies

These lectures that were covered the aspects like drawing methods of stone artefacts, different types of photography that are followed in prehistoric investigations and taphonomy of lithic artefacts.



Subsequently, Ms Suman Pandey delivered a lecture on 'Microwear Study in Prehistory' in which she explained the methods involved in understanding the functions of a stone tool through micro-wear studies.



Lastly, one lecture was delivered by Dr. S.B. Ota on 'Site Formation Processes' which is essential to understand by all archaeologists to find out the context of lithic artefacts to determine the whether the site(s) is in primary or secondary context.

6.6 Practical Training

The theoretical lectures were followed by hands-on training that were imparted by the Resource Persons Ms. Niharika Srivastava and Ms. Suman Pandey on 'Taphonomical Observations on Lithic Artefacts', 'Morphometric Techniques' and 'Lithic Artefact Drawings'. It was demonstrated by explaining on the lithic artefacts, so that the students can follow easily and also understand and remember.

4th Day: 06. 11.2022

6.7 Field-Work

The participants were taken to a **Rewa historical site** where State Archaeology and Museums department of Government of Chhattisgarh had excavated earlier. At this site, it was explained to the students about the nature and cultural sequence at the site, stratigraphy and other related matters connected to historical site. Subsequently, students were taken to a **microlithic site** at Kharkharadih near village Birbira. Students were explained about the basics of GPS recording and also talked about the method for documentation of prehistoric sites.









5th Day: 07. 11.2022

6.8 Lecture

Dr. S.B. Ota delivered a lecture on 'Understanding Rock Art' in context of Bimbetka site.

6.9 Practical Training

Besides, on the demand of the faculty members of the School of Anthropology, practical training was imparted on 'Stone Artefact Identification' for the teachers and Research Scholars.





6.10 Valedictory Function

Chief Guest of the function was Dr. C. R. Prasanna, Secretary, Skill Development and Commissioner, Health Services(CG); while Dr. Kalol Ghosh, Co-Ordinator, Public Outreach Centre, Pt. Ravishankar Shukla University presided over the function. The function started with welcome speech by Dr. Ashok. K. Pradhan. H.O.D. of Anthropology department. It was followed by public lecture on "Management of Rock Art Site: Experience with World Heritage Site at Bhimbetka".





by Dr.S.B.Ota. In course of lecture, he emphasised the role of local communities in conservation of the site. Dr. C. R. Prasanna shared his experiences in hands on training.

Dr, Kalol Gosh congratulated the organisers for success of the Workshop. Four participants who shared their experiences appeared completely satisfied with outcome of the workshop. They desired to have more such academic programs in the future. Before proposing vote of thanks by Dr. Shailendra Kumar Verma, Assistant Professor, mementoes were presented to resourse persons and distinguished guests.

(Dr. Ashok Pradhan) Professor & Head

A report on

Hands on Training *cum* Workshop on Molecular Techniques School of Studies in Biotechnology,

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, 492010

18-19 November 2022

In continuation of celebration of "Azadi Ka Amrit Mahotsav", Alumni Association of Biotechnology, School of Studies in Biotechnology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (Chhattisgarh) and M/s HiMedia Laboratories Pvt. Ltd., Mumbai, organized a two days "Hands-on-Training cum Workshop on Molecular Techniques" jointly on 18-19 November 2022.

The event officially began at 11:00 am on 18 November 2022. Ms. Nisha Gupta (Ph. D. scholar) was commenced the program by welcoming our distinguished guests. Dr. Keshav Kant Sahu, Professor and Head of Department, School of Studies in Biotechnology, Pt. Ravishankar Shukla University welcomed Dr. Chaitra G. Bhatt, Molecular Biology product specialist, HiMedia Laboratories Pvt. Ltd., Mumbai, with a bouquet of flowers along with Mr. Abhishek Wanjari, Regional Business Manager, HiMedia Laboratories Pvt. Ltd., Mumbai, followed by a brief description about the two days program by Dr. Nagendra Kumar Chandrawanshi, Secretary, Alumni Association of Biotechnology, School of Studies in Biotechnology, Pt. Ravishankar Shukla University and inaugural ceremony ended with Dr. Keshav Kant Sahu's motivational, inspiring and enthusiastic words to all the students and scholars.



Briefing of the session by Dr. Nagendra Kumar Chandrawanshi

After this, Dr. Chaitra G. Bhatt took the lead of the session and briefed about the two practical's that were to be performed. The two practical's were "Phage titration by plaque assay method" and "IgG purification". All the students of M.Sc. Ist semester and 3rd semester along with all the research scholar actively participated in the training sessions.



Dr. Chaitra G Bhatt briefing about the experiments

A brief introduction about the two experiments:-

PHAGE TITRATION

Phage titration is based on the lytic life cycle of bacteriophages where the lambda phages infect the host cell by binding to a specific maltose binding receptor present on the surface of *E.coli* and lyse them by releasing their progeny that diffuses to the neighboring cells and infects those forming plaques.

IgG PURIFICATION

IgG purification is based on 'affinity chromatography' technique where molecules are separated and purified on the basis of their binding specificity to certain molecules. The IgG binds to specific ligands called protein A which is remounted on a gel matrix. The mixture of antibodies or proteins is allowed to bind to the ligands and the unbounded ones are removed and the quantitative estimation of the separated and purified protein is done by SDS-PAGE.

LABWORK DONE ON 18 NOVEMBER 2022

On 18th of November, 1st practical that is phage titration was performed in 1st half. The *E.coli* bacterial broth cultures and the phage lysate culture were prepared before hand on 16 and 17 November by the students of M.Sc. I and III semesters. On 18 November, serial dilution of the phage lysate was prepared, the 300µl of *E.coli* cultures were mixed with 100 µl of respective phase dilution then this mixture was mixed with 4 ml of soft agar, this suspension was poured over LB agar plates, and the plates were incubated at 37°C overnight. Dr. Chaitra G. Bhatt first demonstrated the experiment and then students performed the experiment under her guidance.



Demonstration of the experiment



Students performing the experiment

In the 2nd half, IgG purification was performed, experiment started by activating the spin column and elution of preservative, then the mixture of proteins was passed through the protein column and was allowed for binding with respect to

specificity and the unbounded proteins were removed by washing and all the eluted samples were also labelled and preserved.

LABWORK DONE ON 19 NOVEMBER 2022

On 19th of November, for the phage titration experiment, the incubated plates were analyzed for the plaque formation. The no. of plaques for each dilution was counted and phage titrate value was calculated.



Counting of plaques on the culture plates

For the IgG purification experiment, all the elutes and sample was run using SDS-PAGE for confirmation of purified protein along with the protein ladder as reference. The students loaded the samples in the wells and after a runtime of 2 hours, bands were observed and analyzed.



Demonstration of loading samples into the wells



Students loading the samples for SDS-PAGE



Visible bands on the gel after SDS PAGE

After the successful completion of both the experiments, an online MCQ assessment test was conducted for all the participants of the training session along with refreshments. This two days a hand on training program cum workshop was a good exposure to the students about lab work and handling skills. All the students along with research scholars participated enthusiastically and sincerely in the session and learned various aspects of lab work under the guidance of Dr. Chaitra G. Bhatt. Along with lab work, students were enlightened with various minute details, trouble shooting of the experiments and precautionary measures to avoid them and along with the hope of having this kind of events more frequently in the future the training program was successfully concluded.

Some glimpses of interaction between students and mentor





THE VALEDICTORY CEREMONY

Dr. Nagendra Kumar Chandrawanshi and Dr. Afaque Quraishi commenced the valedictory ceremony with presenting a memento to Dr. Chaitra G. Bhatt followed by a feedback about the 2 days training program. Ms. Bipasha Singh from M.Sc. I semester and Ms. Diksha Dubey from M.Sc. III semester along with Ms. Shristi Verma (Ph.D. Scholar) and Ms. Varsha Meshram (Ph.D. Scholar) presented their views and provided a feedback on the 2 days training program. After that, Dr. Chaitra G. Bhatt also presented her views on this 2 days training program and about her experience in the department with the students. Vote of thanks was delivered by Dr. Shubhra Tiwari, Joint Secretary, Alumni Association of Biotechnology, Pt. Ravishankar Shukla University to the HiMedia Laboratories, to the guests, Alumni Association of Biotechnology and to all the students and scholars for their active participation, and after taking group photos the session was terminated.



Presenting of memento to Dr. Chaitra G Bhatt





शिक्षकों और छात्रों के लिए फोल्डस्कोप कार्यशाला २८ फरवरी २०२३

शासकीय माता कर्मा कन्या महाविद्यालय, महासमुंद में जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार, नई दिल्ली, बायोटेक्नोलॉजी कंसोसिया इंडिया लिमिटेड,नई दिल्ली एवं जैव प्रौद्योगिकी विभाग, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुरके संयुक्त तत्वाधान में छत्तीसगढ़ के आकांक्षी जिले राजनांदगांव, महासमुंद, दंतेवाड़ा, कांकेर,बलरामपुर, नारायणपुर, कोरबा, कोडागांव, बस्तर, बीजापुर, आदि के विद्यालयों के शिक्षकों और महासमुंदके छात्रों के लिए फोल्डस्कोप कार्यशाला का आयोजन प्राचार्य डॉ शीलभद्र कुमार के मार्गदर्शन में दिनांक २८फरवरी विज्ञान दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर के कुलपित प्रो केसरी लाल वर्मा, कलेक्टर महासमुंद श्री निलेश कुमार क्षीरसागर, एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर केशव कांत साहू, विभागाध्यक्ष,जैव प्रौद्योगिकी विभाग,पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर, एवं बीसीआईएल के हेड सेक्रेटरी विनोद कुमार थे।

कुलपित प्रोफ़ेसर केसरी लाल वर्मा ने अपने उद्बोधन में स्कूल के छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए उन्हें वर्तमान में उपलब्ध सुविधाओं को सही तरह से उपयोग कर सकारात्मक विचार के साथ अपने कार्य क्षेत्र में विशेष कार्य करने के लिए प्रेरित करते हुए मचेवा ग्राम एवं दूरस्थ ग्रामीण परिवेश से आ रहे नियमित छात्र छात्राओं का हौसला बढ़ाया।

कलेक्टर महासमुंद श्री निलेश कुमार क्षीरसागर द्वारा उद्बोधन में छात्राओं को अपने जीवन में उत्सुक एवं जिज्ञासु बनने के लिए प्रेरित किया जिससे वह कोई भी कार्य को उत्सुकता पूर्वक कर सकें और उसमे सफलता प्राप्त करें साथ ही महाविद्यालय को बधाई दी. महासमुंद जिले में इस प्रकार का स्कूल के बच्चों के लिए कार्य आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ केशव कांत साहू,विभागाध्यक्ष, जैव प्रौद्योगिकी विभाग,पंडित रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर,ने महाविद्यालय को इस सफल आयोजन के लिए बधाई दी एवं आने वाले प्रशिक्षण शाला में महाविद्यालय की छात्राओं की भूमिका और बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। बीसीआईएल के मैनेजर श्री विनोद कुमार एवं उनके टीम कोबधाई दी।

बीसीआईएल के मैनेजर श्री विनोद कुमार ने अपने वक्तव्य में डॉक्टर मनु प्रकाश फोल्ड स्कोप के जनक भारत सरकार की पहल के प्रमुख उद्देश्य बताए जिसमें प्रमुख रुप से दूरस्थ अविकसित ग्रामीण परिवेश में मौजूद छात्र-छात्राओं तक विज्ञान के कम लागत इस्तेमाल में आसान आविष्कारों द्वारा बालिकाओं एवं युवाओं में विज्ञान के प्रचार प्रसार की इच्छा जताई।

उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर सरस्वती वर्मा एवं धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम समन्वयक डॉ स्वेतलाना नागल ने प्रस्तुत किया।

इस कार्यशाला के द्वितीय सत्र में देशभर के प्रसिद्ध संस्थानों से पधारे १० ट्रेनर्स श्री विनोद कुमार, बीसीआईएल, सुश्री शर्ली चार्ल्स, बीसीआईएल, डॉ अरोकियासामी अरुलांदु,इंटरनेशनल सेंटर फॉर जेनेटिक इंजीनियरिंग एंड बायोटेक्नोलॉजी, नई दिल्ली, सुश्री अक्षता नायक, सिटीजन साइंस फेलो, अर्थवॉच इंडिया, सुश्री सुजाता अधाना, दिल्ली विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, सुश्री सोनाली कदम, श्री मो. पंडियाराजन, ईडन साइंस क्लब, मदुरै, डॉ नागार्जुन विजय,भारतीय विज्ञान शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल, डॉ अरुण देव शर्मा,लायलपुर खालसा कॉलेज, जालंधर ने महासमुंद के विभिन्न शासकीय स्कूलों से पधारे चार सौ छात्र-छात्राओं को निशुल्क फोल्डस्कोप उपयोग करने की जानकारी साझा की इसके अलावा आकांक्षी जिलों से पधारे

४०शिक्षको को विशेष किट प्रदान की गई जिसका प्रमुख उद्देश्य अपने अपने जिले और स्थानों पर जाकर विज्ञान के प्रचार प्रसार में सहयोग प्रदान करना था। इस कार्यक्रम के अंत में समस्त प्रतिभागियों को जैव प्रौद्योगिकी विभाग के द्वारा सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

महासमुंद जिले से पधारे छात्र छात्राओं ने तालाब के पानी में शैवालों एवंप्रोतोजोवा का अध्ययन, सड़े टमाटर से राइजोपस,एसपरजिलस कवक, पत्तियों में मौजूद स्टोमेटा, जड़ों की संरचना, जू आदि का फोलडइस्कोप से अध्ययन करना सीखा।महासमुंद जिले से इस कार्यशाला में ४शिक्षकों का नाम कलेक्टर द्वारा मनोनीत किया गया था जिसमें स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मध्यम स्कूल श्री विकास यादव, आशु भाई ओझा, हायर सेकेंडरी स्कूल महासमुंद से श्रीमती भारती यादव, गवर्नमेंट हाई स्कूल लाफिन खुर्द से प्रियंका चंद्राकर एवं स्वामी आत्मानंद हिंदी मध्यम स्कूल से श्रीमती सुधा साहू को जैवप्रौद्योगिकी विभाग से सर्टिफिकेट प्रदान किया गया. इसके अलावा इस कार्यशाला में शामिल महासमुंद के ३५०छात्रों को फोल्डस्कोप माइक्रोस्कोप की डीलक्स किट निशुल्क प्रदान की गई।

प्रशिक्षण के प्रथम चरण में पेपर से फोल्डस्कोप तैयार करना सिखाया गया तथा द्वितीय चरण में तालाब के पानी मिट्टी पत्तियों पर मौजूद सूक्ष्मजीवों एवं पादप कोशिका का अध्ययन करना सिखाया गया. इस कार्यशाला में उपस्थित स्कूल के छात्र छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया एवं उत्साह पूर्वक इस कार्यशाला में सहभागिता दी।महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ शीलभद्र कुमार ने आयोजन समिति के समस्त सदस्यों को सफल कार्यक्रम के लिए बधाई प्रेषित की।













National Conference on Advances in Chemical and Environmental Sciences

December 09-10, 2022



Organized by

School of Studies in Chemistry
Pt. Ravishankar Shukla University

(Accredited with A Grade by NAAC)

Raipur, Chhattisgarh-492010

Website: www.prsu.ac.in

Under the auspices of

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (CG)
CRSI Local Chapter, Chhattisgarh

National Advisory Committee

Prof. D. Basavaiah : University of Hyderabad, Hyderabad
Prof. R. K. Verma : Vice-Chancellor, Munger University
Prof. B. K. Mishra : Sambalpur University, Sambalpur

Prof.T. S. Pal : IIT, Kharagpur

Prof. A. Taneja : Dr. B. R. Ambedkar University, Agra

Prof. S. Tiwari : IITM, Delhi

Prof. Gautam Patra : Guru Ghasidas Vishwavidyalaya,

Bilaspur

Prof. P. R. Bhagat : Vellore Institute of Technology, Vellore

Prof. U.C. Kulshreshtha : JNU, New Delhi

Prof. K. S. Gupta : University of Rajasthan, Jaipur
Prof. P. Chattopadhyay : University of Burdwan, Burdwan
Prof. Ravindra Jugade : RTM Nagpur University, Nagpur

Dr. Satyajit Gupta : IIT, Bhilai

Prof. Rajiv Jain : Jiwaji University, Gwalior

Prof. Vinayak Sinha : IISER, Mohali

Organizing Committee

Chief Patron: Prof. Keshari Lal Verma (Vice-Chancellor)

Chairman: Prof. Kallol K. Ghosh, Head, SOS in Chemistry

Co-Chairman: Prof. Manas Kanti Deb &

Prof. Shamsh Pervez

Convener: Prof. Kamlesh K. Shrivas & Prof. Manish K. Rai

Organizing Secretary: Dr. Manmohan L. Satnami

Joint Secretary and Treasurer: Dr. Indrapal Karbhal

Topics of the Conference

- 1. Catalysis & Material Sciences
- 2. Colorimetric, Fluorometric and Electrochemical Sensors
- 3. Biogenic Emission & Climate Change
- 4. Surfactant System in Life, Energy and Environment

Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU)

PRSU,established in 1964, is the largest and the oldest academic institution of Chhattisgarh state. The PRSU has 300 acres sprawling campus and grown enormously over the last 58 years in terms of number of students (approx. 2 lakh) as well as disciplines, viz., arts, science, life science, humanities, law, education, pharmacy, management, physical education, etc. in 27 Schools of Studies and around 150 affiliated colleges spread over different districts of Chhattisgarhand accredited with "A" grade by NAAC.

School of Studies in Chemistry

SOS in Chemistry is one of the oldest and most prominent departments in Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, founded in 1972. Under the supervision of dedicated teachers, it offers M.Sc. and Ph.D.programmes. The academic achievements of the SOS are well reflected by over 800 research papers published at the world level & over 300Ph.D. produced covering a wide spectrum of the chemical science.It is a DST-FIST & UGC-SAP sponsored department.

Raipur - The Capital City

Raipur is the capital city of Chhattisgarh. It represents the administrative, educational, business, and industrial hub of the State of Chhattisgarh. Raipur is located about 300 K.M. from Nagpur in the East on the Mumbai-Kolkata trunk line. It is well connected with major cities of India by Air, Rail and Road.

Scope of the Conference

The year 2022 marks the Golden Jubilee Celebration of School of Studies in Chemistry. The two days national Conference on "Advances in Chemical and Environmental Sciences" will be the on the establishment of 50th years golden jubilee of Chemistry. This conference will bring together students, research scholars, faculties and scientists from academia, research organizations and industry to present the research advancements in chemical and environmental sciences.

- **5.** New Analytical Approaches to quantify Pollutants
- 6. Micellar Catalysis
- 7. Chemical Biology/Natural Products
- 8. Organic Synthesis
- 9. Polymer and Hybrid Materials

Abstract Submission: Guidelines

- Abstracts (not more than 250 words) should be prepared in Arial, 12-point letter, and single line spacing.
- Title should be in bold.
- Mention names of the authors, affiliation with complete address including email.
- Underline name of the presenting author.

Abstract should be sent to the Convener/Organizing Secretary through email (nationalchemconf.2022@gmail.com). **Poster**

Board: the dimension of poster should not exceed 100cm x 100cm

Registration Details

Registration

UG & PG Students: Rs. 600/-

Research Scholar and Faculties: Rs. 1200/-

Registration fee should be paid by Electronic transfer to Account No.: 36308277956, IFSC Code: SBIN0003739 Branch Code: 03739 Branch: Pt. Ravishankar Shukla, University, Raipur

Accommodation

Limited hostel accommodation will be available (On first come, first serve basis). Participants may also opt for hotel accommodation.

Important Dates:

Abstract Submission Deadline: 15th November, 2022 Notification of Acceptance by: 15th November, 2022

Registration Deadline: 20th November, 2022

Contact Details

Prof. Kamlesh K. Shrivas & Dr. Manmohan L. Satnami Mob:7879581979, 7999509271

Email (nationalchemconf.2022@gmail.com)









POSTER COMPETITION: 22.10.2022

Golden Jubilee Celebration

School of Studies in Chemistry, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)







Research Scholars Theme: Chemistry, Biology and Materials at Crossroads

M.Sc. Students

Registration Link: https://forms.gle/U5nQXE3LkuyK8C3j8

Theme: Science & Technology for Sustainable Development

First Prize	(₹ 3000 /-	First Prize		₹ 3000 /-
Second Prize		₹ 2000 /-	Second Prize	:=:	₹ 2000/-
Third Prize		₹ 1000 /-	Third Prize		₹ 1000/-

Last Date of Registration: 18.10.2022

Rules for Participation:

- Only for Chemistry Students/Scholars
- All PG Students & Research Scholars can participate
- All the participants will bring their posters
- Poster Size: 1m x 1 m
- Individual participation is allowed

Head

Prof. Kallol K. Ghosh

All the

participants will get certificate Venue: School of Studies in Chemistry,

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

Time 10:00 am onwards

Convenor Dr. Indrapal Karbhal

Members: Prof. M. K. Deb, Prof. Shamsh Pervez, Prof. M. K. Rai, Dr. Kamlesh Shrivas, Dr. M. L. Satnami Sponsored by: CRSI Chhattisgarh Local Chapter & Chemical Society Pt. RSU University Raipur (C.G.)









SCHOOL OF STUDIES IN CHEMISTRY Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

In Association with Chemical Research Society of India (Chhattisgarh Local Chapter, Raipur)

NATIONAL SCIENCE **DAY-2023**



Inter-College/Department Poster Presentation Competition

For Post Graduate Students & Research Scholar

Theme: Global Science for Global Wellbeing

FREE REGISTRATION

Venue: Sir C.V. Raman Hall Time: 10:00 AM Date: 31/03/2023

REGISTRATION LINK https://forms.gle/ucsMC9gRuzwn3yFj7

Poster are to be made on Standard Size 1m X 1m. Necessary Items for Display are to be brought by the Participants

Prof. Kallol K Ghosh

Head

& Convener, CRSI Local Chapter

SoS in Chemistry Pt. Ravishankar Shukla University

Prof. Gautam Patra Guru Ghasidas University, Bilaspur

Dr. Satyajit Gupta IIT, Bhilai

Convener Dr. Indrapal Karbhal

Co-Convener

CRSI Local Chapter

Members

Prof. M. K. Deb, Prof. Shamsh Pervez, Prof. M. K. Rai, Prof. Kamlesh K. Shrivas, Dr. M. L. Satnami, Dr. Bhanushree Gupta



UGC - HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT CENTRE PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR



Organized

ONLINE WORKSHOP IN QUALITATIVE ANALYSIS IN SOCIAL SCIENCE

FEBRUARY – 27 TO MARCH 01, 2023

REPORT

TI CC /D		
Theme of Course/Program:	Online Workshop in Qualitative Analysis in	
	Social Science	
Name of Course Coordinator:	Prof. B.L. Sonekar,	
	Professor, S.o.S. in Economics,	
	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	
Name of Course Coordinator from	Dr. Arvind Agrawal	
HRDC:	Assistant Professor	
	Human Resource Development Centre	
	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur	
Date of Course/Program:	27.02.2023 to 01.03.2023	
Number of Participants:	31	
State wise number of participants:	State(04)- Chhattisgarh-25, West Bengal-01, Uttar	
	Pradesh-04, Maharashtra-01	
Condon wise number of neuticinents	Mala 10 Famala 12	
Gender wise number of participants:	Male – 18, Female – 13	
Number of Resource Persons	09	
Name and Signature of Course Coordinator		
D CDI C I		
Prof. B.L. Sonekar		
Online Platform		
Google Meet	Meet.google.com/iwh-oief-kzc	

Organizing Team



Prof. K. L. Verma
Vice Chancellor Pt. RSU, Raipur
(C.G.)



Prof. Preeti K. Suresh
Director
HRDC, Pt. RSU, Raipur (C.G.)



Prof. B.L. Sonekar S.o.S. in Economics, Pt. RSU, Raipur (C.G.)



Dr. Arvind AgrawalAssistant Professor HRDC, Pt. RSU,
Raipur, (C.G.)

13.	Dr Madhulika Choubey	Madhu.Choube y000@Gmail.C om		Assistant Professor	Geography	Smt. Pramila Gokuldas Daga Girls College, Raipur, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	9
14.	Dr. Chandni Markam Kurm	Chandnimarka m@Gmail.Co m	9993242844	Assistant Professor	Sociology	Indira Gandhi Govt. P.G. College, Bhilai, Dist-Durg, C.G.	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, C.G.	8
15.	Dr. Neha Diwan	Nehadiwan197 5@Gmail.Com		Assistant Professor	Economics	Smt. Pramila Gokuldas Daga Girls College, Raipur, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	
16.	Amritesh Shukla	Amritesh.Shukl aa@Gmail.Co m	9827171909	Assistant Professor	Political Science	Indira Gandhi Govt. P.G. College, Bhilai, Dist-Durg, C.G.	Hemchand Yadav Vishwavidyalaya, Durg, C.G.	
17.	Dr. Kusum Chandrakar	Kusum.Chandr akar21@Gmail .Com		Assistant Professor	Economics	Govt. Naveen College, Raipur, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	
18.	Sangeeta Ghai	Dr.Sangeeta@ Gmail.Com	9977736322	Principal	Political Science	Smt. Pramila Gokuldas Daga Girls College, Raipur, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	
19.	Dr. Kulvinder Singh Bagga	Cricbagsbagga @Gmail.Com		Professor	Physical Education	Kishori Raman Teachers Training College, Mathura, U.P.	Dr. B.R. Ambedkar University, Agra, U.P.	
20.	Shailesh Kumar Yadav	Shailkrishn@G mail.Com		Assistant Professor	Teachers Education	Kishori Raman Teachers Training College, Mathura, U.P.	Dr. B.R. Ambedkar University, Agra, U.P.	8
21.	Mahesh Kumar Arya	Rudraarya1411 @Gmail.Com	9358327685	Assistant Professor	Teachers Education	Kishori Raman Teachers Training College, Mathura, U.P.	Dr. B.R. Ambedkar University, Agra, U.P.	9
22.	Dr. Bhagwat Prasad Sahu	Bhagwatsahu8 3@Gmail.Com		Assistant Professor	Economics	Mahesh Baghel Ji Keshkal Dandakaranya Govt. College Keshkal, Kondagaon, C.G.	Shaheed Mahendra Karma University, Jagdalpur, C.G.	
23.	Dhalu Ram Sahu	Dhaluramsahu0 07@Gmail.Co m	9424200025	Assistant Professor	Political Science	Govt. Kachana Dhurwa College Chhura, Dist- Gariyaband, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	
24.	Dr. Vinit Kumar Sahu	Vinitsahu777@ Gmail.Com	9770760277	Assistant Professor	Economics	Govt. Kachana Dhurwa College Chhura, Dist- Gariyaband, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	
25.	Dr. Shraddha Mishra	Drshraddha.Rai pur@Gmail.Co m		Assistant Professor	Economics	Dr. Radhanai Govt. Naveen Girls College, Raipur, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	9
26.	Rajesh Kumar	Mail.Raj28@G mail.Com	9719826500	Principal	Education	Institute of Professional Studies, Gangoh, U.P.	Maa Shakumbhari University, Saharanpur, U.P.	

27.	Onkar Prasad Sahu	Sahuonkar124@ Gmail.Com	9691641423	Assistant Professor	Commerce	Mahesh Baghel Ji Keshkal Dandakaranya Govt. College, Keshkal, C.G.	Shahid Mahendra Karma University, Bastar, C.G.	
28.	Dilpreet Kaur	Dilpreet.Kaur28 18@Gmail.Com		Assistant Professor Cum Director	Physical Education	Suryadatta Group Of Institute, Pune, M.H.	Savitribai Phule Pune University, Pune, M.H.	100
29.	Dr. Aradhana Shukla	aradhnaresearch 09@gmail.com	8871972286	Assistant Professor	Commerce	Vipra Kala Vanijay Avam Sharirik Siksha Mahavidyalay, Raipur, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	9
30.	Mrs Nidhi Shri Shukla	nidhisamir1988 @gmail.com	9907487320	Assistant Professor	Commerce	Vipra Kala Vanijay Avam Sharirik Siksha Mahavidyalay, Raipur, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	
31.	Dr. Shipra Banerjee	Shiprabanerjee6 6@Gmail.Com		Assistant Professor	Home Science	Govt. D.B. Girls' P.G. Auto. College, Raipur, C.G.	Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G.	

UGC - HRDC, PRSU, Raipur, Chhattisgarh

Tentative Time Table: Workshop – Qualitative Analysis in Social Science

Course Coordinator: Prof. B.L. Sonekar

(27.02.2023 to 01.03.2023)

	Session – I		Session - II		Session – III		Session – IV
	(10:30 to 12:00)		(12:15 to 13:45)		(14:15 to 15:45)		(16:00 to 17:30)
Day 01	Registration, Inauguration		Lecture 1	L	Lecture 2		Lecture 3
27.02.2023	&Induction		Dr. M.K. AgrawalProf. & Head,		Dr. Bashir HasanProfessor		Dr. R.K. Brahme Prof. & Head
			Department of Economics	U	School of Studies in		School of Studies in Economic
			University of Lucknow (U.P.)		Psychology		Pt. Ravishankar Shukla
			Email –	N	Pt. Ravishankar Shukla		University Raipur (C.G.)Email
		T	mk.agarwal.lu@gmial.com		University Raipur (C.G.)Email	- 1	ravibrahme@gmail.com Mo.
		Е	Mo. No. 8960066555	С	- hasan0293@gmail.com	Е	No. 9827110259
		A	Topic: Use in social science		Mo. No. 9826993106	Α	Topic: Research methods in
			Research	Н	•	ļ	Social Science
Day 02	Lecture 4	В	Lecture 5		Lecture 6	В	Lecture 7
28.02.2023	Dr. Kanhaiya AhujaProfessor	R	Dr. J.L. Bhardwaj	В	Dr. Rajeev Choudhary	R	Dr. Kanhaiya AhujaProfessor
	School of Economics Devi	Е	Former Professor & Head		Professor	Е	School of Economics Devi
	Ahilya UniversityIndore	A	S. o. S. in Economics,	R	S. o. S. in Physical Education,	A	Ahilya UniversityIndore (M.P.
	(M.P.)	K	Pt. Ravishankar Shukla	_	Pt. Ravishankar Shukla	K	Email-
	Email-		University Raipur (C.G.)	Е	University, Raipur (C.G.)		kanhaiya.ahuja@gmail.com
	kanhaiya.ahuja@gmail.com		Mo. No. 98267-66443	١.	Mo. No. 96165-57777		Mo. No. 9926020907
	Mo. No. 9926020907		Topic: Non Parametric Model	A	choudharyrajee@gmail.com		Topic – Hypothesis
	Topic – Hypothesis			17	Topic: Basic concept of Data		
				K	Analysis		
Day 03	Lecture 8		Lecture 9	L	Lecture 10		Valedictory Function
01.03.2023	Dr. Prashant Kumar Ghosh		Dr. PriyamvadaShrivastava		Dr. R. Y. Mahore Prof. &		
	Professor Economics,		Professor, School of Studies in	U	Former, HoDEconomics		
	Allahabad University,	T	Psychology		RTM Nagpur University	T	
	Allahabad (U.P.)	Е	Pt. Ravishankar Shukla	N	(M.H.)	Е	
	Email - pkg.b57@gmail.com	A	University Raipur (C.G.)Email –	_	Email –	A	
	Mo. No. 94152-14079	_	priyamvadas1@gmail.com	С	drrymahore@yahoo.com	_	
	Topic: Research Gap	В	Mo. No. 9425517387		Mo. No. 9822706191	В	
		R	Topic: Qualitative Research	Н		R	
		Е	Types & Ananlysis	_	Techniques in Social	Е	
		A		В	Research	A	
		K		R			
				E			
				A			
				sК			





पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविधालय , रायपुर (छ.ग.)

दो दिवसीय सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम

08 - 09 सितम्बर 2022

आजादी के अमृत महोत्सव के तहत आज दिनांक आज 08-09-22 इलेक्ट्रॉनिकी एवं फोटोनिकी अध्ययनशाला पंडित रविशंकर शुक्ला विश्वविद्यालय रायपुर एवं धवला कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड भिलाई के सयुक्त तत्वाधान में दो दिवसीय सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम के आयोजन का शुभारंभ मुख्य अतिथि माननीय कुलपित प्रो केसरी लाल वर्मा के कर कमलों से संपन्न हुआ।

कायकर्म में अति विशिष्ट अतिथि आचार्य डॉ हर्षवर्धन तिवारी, सेवनिर्वित प्रोफेसर, इलेक्ट्रॉनिकी अध्ययनशाला पं. र. वि. वि. रायपुर, विभाग अध्यक्ष डॉ कविता ठाकुर, डॉ संजय तिवारी निर्देशक, धवला कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड सु श्रीमती श्रीलता धवला, सहनिर्देशक, धवला कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड डॉ लक्ष्मी प्रसाद, सी. ई. ओ., धवला कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड सुश्री सुनीता दास, डॉ निमता ब्रह्मे विभागाध्यक्ष भौतिकी अध्यनशाला, शोध छात्र- नेहा देवांगन, नमन शुक्ल, सुनंदन मंडल सिहत लगभग 65 विद्याथीगण उपस्थित थे।

सरस्वती वंदना एवं कुलगीत के पश्चात माननीय कुलपित जी ने विद्यार्थियों को सॉफ्ट स्किल की विभिन्न आयामों जैसे पब्लिक स्पीकिंग, लीडरिशप मैनेजमेंट, कॉनिफ्लिक्ट मैनेजमेंट, इंटरपर्सनल स्पीकिंग की जानकारी दी और उन्होंने बताया कि इन आयामों को आत्मसात करते हुए व्यवहारिक जीवन में लागू करने में ही इन आयोजनों की सार्थकता साबित होगी।

कार्यक्रम के अति विशिष्ट अतिथि डॉ आचार्य हर्षवर्धन तिवारी, पूर्व विभागाध्यक्ष, इलेक्ट्रॉनिकी अध्ययनशाला एवं पूर्व कुलपति बरकातुल्लाह वि. वि. भोपाल ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा - विद्यार्थियों को हमेशा जिज्ञासु प्रवृत्ति का होना चाहिए और कम्युनिकेशन स्किल उनकी सफलता में मील का पत्थर साबित हो सकता है। सैद्धांतिक ज्ञान के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान की आवश्यकता पर जोर दिया स्मार्ट डिवाइस का उपयोग करने के साथ साथ विद्यार्थियों को प्रयोग के क्षेत्र में भी स्मार्ट होना आवश्यक है।

विभागाध्यक्ष डॉ कविता ठाकुर जी ने स्वागत संबोधन करते हुए दो दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा से अवगत कराया एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सॉफ्ट स्किल के आयाम मैपिंग डायमेंशन अर्थात पब्लिक स्पीकिंग, लीडरिशप, टाइम एवं स्ट्रेस मैनेजमेंट के आयामों को पूर्ण पर्सनालिटी डेवलपमेंट में मैप करने के महत्व पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के संयोजक, धावला कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड भिलाई, श्रीमती श्रीलता धावला ने विद्यार्थियों को सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग की आवश्यकता से अवगत कराया।

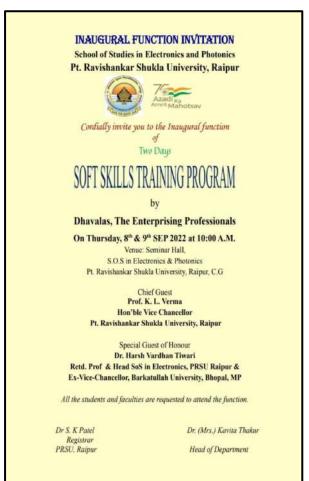
कुलसचिव, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, डॉक्टर शैलेंद्र पटेल ने सॉफ्ट स्किल के साथ-साथ हार्ड स्किल की महत्ता को बताते हुए पुरजोर शब्दों के साथ सभा को संबोधित किया।

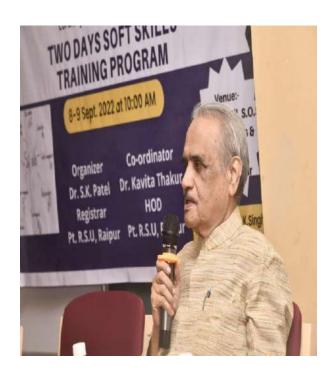
अध्ययनशाला के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ संजय तिवारी ने छात्र जीवन में शून्य से शिखर तक पहुंचने के लिए सॉफ्ट स्किल के विभिन्न नियमों से अवगत कराया।

कार्यक्रम का संचालन कु. आयुशी सोनी एवं श्री सोनू कुमार सिंह एवं आभार ज्ञापन श्री मोहनीश कुमार साहू के द्वारा किया गया।

इलेक्ट्रॉनिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला पं. र. वि. वि. के छात्र- छात्राओं के साथ वि. वि. के अन्य अध्ययन शाला के छात्र-छात्राओं ने भी कार्यक्रम में भाग लिया।





















सिटी भास्कर रायपुर 08-09-2022

पब्लिक स्पीकिंग और लीडरशिप की देंगे ट्रेनिंग

सिटी रिपोर्टर | पं रविवि के इलेक्ट्रॉनिक्स फोटोनिक्स एवं अध्ययनशाला में आज गुरुवार से दो दिवसीय सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम रखा जा रहा है। विभागाध्यक्ष डॉ कविता ठाकुर ने बताया, कैंपस में सुबह 10 बजे से होने वाले कार्यक्रम में पब्लिक स्पीकिंग, लीडरशिप, इटंरपर्सनल स्किल, कम्युनिकेशन स्किल, डिसीजन मेकिंग, कॉन्फ्लिट मैनेजमेंट, टाइम मैनेजमेंट के बार में जानकारी दी जाएगी। कार्यक्रम में प्रवेश निशल्क है।

■ कार्यक्रम रविवि में सॉफ्ट स्किल् ट्रेनिंग प्रोग्राम में बोले वक्ता सफलता के लिए मील का पत्थर साबित होगी कम्युनिकेशन स्किल

रायपुर। रविवि के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं फोटोनिको अध्ययनशाला में दो दिवसीय सॉफ्ट स्किल टेनिंग प्रोग्राम का आयोजन किया गया। चीफ गेस्ट कुलपति केएल वर्गा ने कहा कि विभिन्न आवामीं को आत्मसात करते. हुए व्यवहारिक जीवन में लागू करके ही इन आयोजनों की सार्थकता साबित होगी।

वरकातुल्लाह विवि भोपाल के तिवारी ने कहा, विद्यार्थियों को हमेशा



व्यक्तित्व विकास में अहम है आत्मविश्वास

रविवि के कुलसचिव शैलेन्द्र पटेल ने सॉफ्ट रिकल के साथ-साथ हार्ड रिकल की महत्ता को बताया। प्रोफेसर संजय विवारी ने छात्र जीवन में शन्य से शिखर तक पहुंचने के लिए सापेंट स्किल के विमिन्न आधार्मी के बारे में पूर्व कुल्पति आचार्य हर्ष वर्धन विभिन्न जानकारी दी। सुनित दास ने आत्मविश्वास को जागृत करने इसका व्यक्तित्व विकास में भूमिका को बताया। श्रीलता

जिजास प्रवित का होना चाहिए। हो सकता है। सद्भाविक के साथ- उपयोग करने के साथ-साथ कम्युनिकेशन स्किल उनकी साथ प्रायोगिक ज्ञान की आवश्यकता विद्यार्थियों को प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सफलता में मील का पत्थर साबित पर जोर दिया। स्मार्ट डिवाइस का भी स्मार्ट होना आवश्यक है।

प्रथम तकनीकी सत्र 08.09.2022

कार्यक्रम के द्वितीय चरण में आत्मविश्वास को कैसे जागृत करें इस विषय पर सुश्री सुनीता दास ने व्याख्यान दिया और किस प्रकार व्यक्तित्व विकास में कारगर साबित हो सकता है बताया। निर्देशक श्रीलता धावला ने सेल्फ अवेयरनेस, कैरेक्टर बिल्डिंग आत्मविश्वास पर व्याख्यान दिया एवं खेल-खेल में सत्र को रोचक बनाया। प्रथम दिवस के समापन में उन्होंने ने संदेश दिया की स्वयं को सशक्त करके ही सफलता हासिल की जा सकती है।





सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम , दूसरा दिन : दिनांक - 09.09.2022

ट्रेनिंग प्रोग्राम के दूसरे दिन अर्थात 09.09.2022 में श्री टी पी पाढ़ी, सी. ई. ओ.धावला वाटर रिसोर्सेज प्रोजेक्ट प्राइवेट लिमिटेड, भिलाई, लक्ष्मी प्रसाद सहनिर्देश, धावलास कंसलटेंट प्राइवेट लिमिटेड, भिलाई एवं निर्देशक श्रीमती श्रीलता धावला जी ने शिरकत की। श्री टी.पी. पाढ़ी, ने टीम वर्क किसे कहते हैं?, टीम का महत्व क्यों जरूरी है?, टीम के कौशल और टीम के फायदों को बहुत ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जिम्मेदारी लेना, रिस्क लेना,किसी समस्या का समाधान करने की क्षमता और समय के सदुपयोग का भी बहुत अच्छे ढंग से इस कार्यशाला के माध्यम से साझा किया।

डॉ. लक्ष्मी प्रसाद जी ने कहा लोगों के साथ व्यवहार कुशलता किसी भी व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए लोक व्यवहार एक बहुत ही महत्वपूर्ण आयाम है। लोक व्यवहार की जरूरत और महत्व, अच्छे से बातचीत करना, कब हां और कब ना करना है, कैसे असहमत होना है?, कैसे हम किसी की तारीफ करें,कब और कैसे आलोचना करे, साथ ही कैसे तहे दिल से धन्यवाद करें। इन्होंने इन सभी पहलुओं पर बहुत ही खूबसूरत तरीके से प्रकाश डाला और कहा कि यह जीवन पर्यंत सीखते रहने और अपनी आदत बनाने की प्रक्रिया है।

श्रीमती श्रीलता धावला ने बहुत ही रोचक तरीके से संचार कौशल के नियम को समझाया। उन्होंने बॉडी लैंग्वेज सही रखने,बातों को ध्यान से सुनने, व्यक्ति को समझने एवं सही शब्दों का प्रयोग करने की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया। उन्होंने बॉडी लैंग्वेज पर आधारित खेल करवाएं। क्रिएटिविटी को बढ़ाने के लिए 30 सर्कल गेम करवाया गया। साक्षात्कार में प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए साक्षात्कार कौशल को बहुत ही रोचक ढंग से बताया।

कार्यक्रम के अंत में विभागाध्यक्ष डॉ. कविता ठाकुर ने सॉफ्ट स्किल पर आधारित कार्यक्रम में श्री डी.पी. पाठी के द्वारा उधबोधित टीम वर्क के महत्व और उसकी आवश्यकताओं एवं डॉक्टर लक्ष्मी प्रसाद के द्वारा समझाएं लोक व्यवहार के महत्व और उसकी उपयोगिता की प्रशंसा की। श्रीमती श्री लता धावला के द्वारा बॉडी लैंग्वेज, क्रिएटिविटी एवं साक्षात्कार कौशल बढ़ाने के लिए खेल पाए गए गेम की पूरी-पूरी प्रशंसा की। अंत में उन्होंने वक्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए आयोजन का समापन किया।













दो दिवसीय सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग प्रोग्राम



रायपुर। रविवि के इलेक्ट्रॉनिक एवं फोटोनिकी अध्ययन शाला में दो दिवसीय साफ्ट स्किल टेनिंग प्रोग्राम का आयोजन हुआ। जिसमे पहले दिन मुख्य अतिथि वाइस चांसलर प्रो. केएल वर्मा एवं विशिष्ट अतिथि आचार्य हर्षवर्धन तिवारी रहे। दूसरे दिन शुक्रवार को कार्यक्रम में सीईओ टीपी पाढ़ी, एसोसियट डायरेक्टर डॉ. लक्ष्मी प्रसाद, डायरेक्टर श्रीलता धावला एवं विभागाध्यक्ष डॉ. कविता ठाकुर उपस्थित रहीं। इस दौरान श्री पाढ़ी ने उपस्थित छात्रों को जिम्मेदारी लेना, रिस्क लेना, किसी समस्या का समाधान करने की क्षमता और समय के सदुपयोग को कार्यशाला के माध्यम से बताया।

सर्वांगीण विकास के लिए लोक व्यवहार महत्त्वपूर्ण आयाम

रायपुर @ पत्रिका. रविवि के इलेक्टॉनिकी एवं फोटोनिकी अध्ययनशाला की ओर से सॉफ्ट स्किल ट्रेनिंग के दूसरे दिन वक्ता टीपी पाढ़ी ने टीम वर्क किसे कहते हैं ?, टीम का महत्व टीम क्यो जरूरी है ?, टीम के कौशल और टीम के फायदों को बहत ही रोचक तरीके से प्रस्तुत किया। इसके साथ ही जिम्मेदारी लेना, रिस्क लेना, किसी समस्या का समाधान करने की क्षमता और समय के सदुपयोग पर भी अपनी बात रखी। लक्ष्मी प्रसाद ने कहा, किसी भी व्यक्ति के सर्वांगीण विकास के लिए लोक व्यवहार एक बहुत ही महत्वपूर्ण आयाम है। लोक व्यवहार की जरूरत और महत्व, अच्छे से बातचीत करना, कब हां और कब ना करना है, कैसे असहमत होना है, कैसे हम किसी की तारीफ करें, कब और कैसे आलोचना करें, साथ ही कैसे तहे दिल से धन्यवाद करें, इन बातों को उदाहरण समेत बताया। श्रीलता शास्त्री धावला ने संचार कौशल के नियम को समझाया। उन्होंने बॉडी लैग्वेज सही रखने, बातों को ध्यान से सुनने, व्यक्ति को समझने एवं सही शब्दों का प्रयोग करने की ओर सबका ध्यान आकर्षित किया।

Pt. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR (C.G.)



At Department of S. O. S. in Electronics & Photonics Industrial Academia Linkage Program was celebrated on date -01/10/2022 Under Azadi ka Amrit Mahotsay .

The inaugural speech was given by honorable H.O.D. Dr. Kavita Thakur Mam . she also addressed Mr. Ashutosh Patel and given brief introduction about Industrial Academia Linkage Program . Further Mr. Ashutosh Patel Sir Made Student familiar about Machine Learning , Artificial Intelligence and telecom industry .

Telecom industry required many steps which are as follows:-

Business Understanding ,Data Understanding , Analytics ,Business revenue Equation ,Business Legs ,Data lens Data Sources ,Hadoop & Spark ,Opportunity Area and Data to Result Process.

The event was finally concluded with vote of thanks Speech by Head of the Department of S.O.S. in Electronics & Photonics Dr. Kavita Thakur Mam.













Pt. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR (C.G

Raipur, Date 26-11-2022

ENERGY LITERACY TRAINING

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में एक दिवसीय Energy Literacy Training कार्यक्रम का आयोजन

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला, क्रेडा, रायपुर तथा एनर्जी स्वराज फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनाँक 26/11/2022 को एक दिवसीय Energy Literacy Training कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

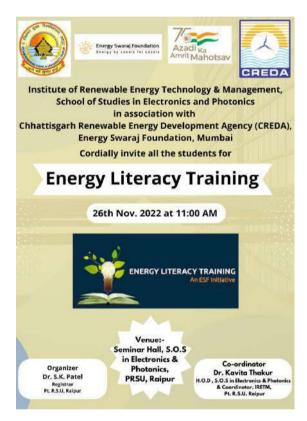
कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन से किया गया जिसके पश्चात मुख्य अतिथियो का स्वागत एवं संबोधन विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स तथा समन्वयक, अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान रायपुर, डॉ कविता ठाकुर के द्वारा किया गया उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे मे समस्त विद्यार्थियों एवं विभाग के शिक्षकों को अवगत कराया।

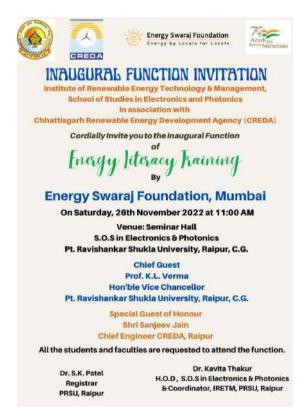
जिसके पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन, मुख्य अभियंता, क्रेडा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सौर ऊर्जा को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके फायदों के बारे मे विदयार्थियों को बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो केशरी लाल वर्मा, कुलपित पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन को इस कार्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को Energy Literate बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हुए इसे विश्वविद्यालय के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक हो सके और अक्षय ऊर्जा का उपयोग दैनिक जीवन मे कर सके।

इसके पश्चात श्री संजीव जैन ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ.चेतन सिंह सोलंकी, प्रोफेसर आई आई टी मुंबई जिन्हे सोलर मेन ऑफ इंडिया भी कहा जाता है, के Energy Literacy Training के 12 modules द्वारा प्रतिभागियों को Energy Literate किया गया, जिसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के ऊर्जा खपत के बारे मे बताना एवं ऊर्जा संरक्षण कैसे किया जाए उन साधनों के बारे अवगत कराना था। साथ ही साथ उन्होंने ऊर्जा संरक्षण एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने में क्रेडा की सहभागिता के बारे में बताया।

उद्घाटन सत्र की उद्घोषिका डॉ बसुमती नाडिग थी, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की शिक्षिका आयुषी सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ट्रेनिंग सत्र के अंत में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं से करीब ७० से अधिक छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। ट्रेनिंग सत्र के समापन पर अक्षय ऊर्जा विभाग के गर्जेंद्र सिंह राठौर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सुनंदन मंडल, सोन् कुमार सिंह, शालिनी वर्मा तथा अक्षय ऊर्जा विभाग के अंकुर श्रीवास्तव, कुसुम सोनकर एवं लितका सिंह सिहत दोनों अध्ययनशालाओं के समस्त विद्यार्थी मौजूद थे।













पत्रिका

27.11.2022

150 कॉलेज में होगी एनर्जी लिट्रेसी ट्रेनिंग

रायपुर 👁 पश्चिका . आजावी में। अनुत महोरस्य पर में सीविव में एक विवसीय पनजी सिदेशी देनिशका आधीजन किया गया। असव उत्पर्ध प्रोसीरिकी एवं प्रक्रवन संस्थानः इलेक्टानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशामा केंद्रा, राज्युर और एनजी स्वराजफाउडेशनमुब्ब्वियर्थयुक्त तस्याक्यान में आयोजित कर्मकम के चीफ रेस्ट कुलपति केएल वर्मा मे। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को वेखते हुए इस्ते विकि के अंतर्गत 151 गहाविद्यालयाँ में आयोजित करने वा विचार ध्यक्त किया जिससे ज्याचा से ज्यादासीग जागरू कहोतार अस्तव अर्जा का उपयोग दैनिक जीवन से कर सकें। फायव गिनाए। खेलरमैन ऑफ इंडिया विक्रित अभिनेत अभिनेत कहा के चीक के टावटल से पर्वित आईआईटी सुंबई



इंजीनियर संजीव जैन मुख्य में सीर के प्रेफेसर बेटन सिंह खेलकी में एनजी कर्जा को अपने वैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके

लिटेसी टेनिंग के 12 मॉक्सूल कर्जा की जानकारी थी। इसमें प्रति व्यक्ति उजी खपत ऊर्जा गरकण के गायनी के बारे में बताया गया।





a

Home /

'एनर्जी लिटरेसी ट्रेनिंग' कार्यक्रम आयोजित : सौर ऊर्जा का दैनिक जीवन में उपयोग करने किया प्रेरित, विद्यार्थियों को बताए फायदें



रायपुर विज्ञान शिक्षा

'एनर्जी लिटरेसी ट्रेनिंग' कार्यक्रम आयोजित : सौर ऊर्जा का दैनिक जीवन में उपयोग करने किया प्रेरित, विद्यार्थियों को बताए फायदें

समवेत टीवी @ रायपुर। आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में शनिवार को एक दिवसीय 'एनर्जी लिटरेसी टेनिंग' का आयोजन पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला, क्रेडा, रायपुर तथा एनर्जी स्वराज फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के पूजन के साथ हुआ। मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं संबोधन विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स तथा समन्वयक, अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान रायपुर डॉ. कविता ठाकुर के द्वारा किया गया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे मे समस्त विद्यार्थियों एवं विभाग के शिक्षकों को अवगत कराया। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि संजीव जैन, मुख्य अभियंता, क्रेडा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सौर ऊर्जा को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके फायदों के बारे में विद्यार्थियों को बताया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो.केशरी लाल वर्मा, कुलपति पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने विशिष्ट अतिथि संजीव जैन को इस कार्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को Energy Literate बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हए इसे विश्वविद्यालय के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया। जिससे ज्यादा से

हुए इसे विश्वविद्यालय के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया। जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक हो सके और अक्षय ऊर्जा का उपयोग दैनिक जीवन में कर सके। संजीव जैन ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ.चेतन सिंह सोलंकी, प्रोफेसर आई आई टी मुंबई जिन्हे सोलर मेन ऑफ इंडिया भी कहा जाता है, के Energy Literacy Training के 12 modules द्वारा प्रतिभागियों को Energy Literate किया गया, जिसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के ऊर्जा खपत के बारे में बताना एवं ऊर्जा संरक्षण कैसे किया जाए उन साधनों के बारे में अवगत कराना था। साथ ही साथ उन्होंने ऊर्जा संरक्षण एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने में क्रेडा की सहभागिता के बारे में बताया।



उद्घाटन सत्र की उद्घोषिका डॉ. बसुमती नाडिंग थी। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की शिक्षिका आयुषी सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ट्रेनिंग सत्र के अंत में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं से करीब 70 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। ट्रेनिंग सत्र के समापन पर अक्षय ऊर्जा विभाग के गजेंद्र



उद्घाटन सत्र की उद्घोषिका डॉ. बसुमती नाडिग थी। इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की शिक्षिका आयुषी सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ट्रेनिंग सत्र के अंत में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं से करीब 70 से अधिक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। ट्रेनिंग सत्र के समापन पर अक्षय ऊर्जा विभाग के गजेंद्र सिंह राठौर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सुनंदन मंडल, सोनू कुमार सिंह, शालिनी वर्मा तथा अक्षय ऊर्जा विभाग के अंकुर श्रीवास्तव, कुसुम सोनकर एवं लितका सिंह सिहत दोनों अध्ययनशालाओं के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

NATIONAL CONFERENCE ON SIGNAL PROCESSING, SUSTAINABLE ENERGY MATERIALS, AND ASTRONOMY AND ASTROPHYSICS

It is a matter of great privilege that the School of Studies in Electronics & Photonics, School of Studies in Physics and Astrophysics, and Luminescence Society of India organized a 3-days National Conference on Signal Processing, Sustainable Energy Materials and Astronomy and Astrophysics (NSSEMA).

On the first day i.e., on the 16th of March 2023, the conference was inaugurated by chief guest Prof. Keshari Lal Verma, Honorable Vice Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Guest of Honor Prof. S. K. Pandey, Former Vice-Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Prof. A.G. Ramakrishnan, IISc, Bangalore, and Prof. K.V.R. Murthy, President, Luminescence Society of India.

The inaugural session was started with lamp lightning and the welcome speech by Prof. Kavita Thakur, Convener, and Head, S.O.S in Electronics and Photonics, and Prof. Nameeta Brahme, Convener and Head, S.O.S in Physics and Astrophysics. Guest of Honor Prof. K.V.R. Murthy has explored the opportunities in the area of Science and Technology, Luminescence, Physics, Electronics and Photonics are connected and briefly described the activities of LSI. Guest of Honor Prof. A.G. Ramakrishnan told researchers to emphasize their art of learning and gave best wishes to everyone. Guest of Honor Prof. S. K. Pandey was motivated by sharing his views. The informative speech was delivered by our Vice Chancellor, Prof. Keshari Lal Verma followed by the release of souvenirs. A vote of thanks was delivered by Prof N.K. Chakradhari of S.O.S in















The technical session-1 was started with an invited talk by **Prof. K.V.R Murthy**, President, of the Luminescence Society of India. He gave a presentation on the topic "**LUMINESCENCE MATERIALS AND APPLICATIONS**" in which he discussed different types of luminescent materials and their advantages and application in daily life. The second plenary talk was delivered by **Prof. K.V.R Chary** of Rowan University, USA on the topic "**PHYSICS AND CHEMISTRY OF MAGNETISM AT NANO-SACLE**". He discussed the fundamentals of magnetism and rules for predicting magnetic order in oxides and the safe handling of nanomaterials. **Prof. G.C. Anupama** of IIA, Bengaluru also delivered a plenary talk on the topic "**THERMONUCLEAR SUPERNOVAE AS COSMOLOGICAL PROBES**". She discussed the nature of diversity to use type Ia supernovae as cosmological probes.

After lunch, the technical session-2 was started, **Prof. Dipankar Banerjee** of ARIES, Nainital, delivered the first invited talk on the topic "**ADITYA L1 MISSION TO STUDY THE VARIABILITY OF OUR NEAREST STAR**". He discussed the sun as a variable star and explained why we need to study the variability of our nearest star "**THE SUN**". **Prof. B.N. Jagatap** of IIT, Bombay also delivered the second invited talk on the topic "**MATERIALS FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT: CHALLENGES AND OPPORTUNITIES**". He discussed the key issues of sustainable development and provided some useful examples of S&T efforts. **Prof. P.D. Sahare** of Delhi University, Delhi also delivered a third invited talk on "**MECHANOLUMINESCENCE IN SrAl₂O₄: Eu PHOSPHOR: EFFECT OF PARTICLE SIZE**". He discussed mechanoluminescence and elasto-mechanoluminescence and their measurements.

There was also parallel technical session-3 going on, of **Prof. A.G. Ramakrishnan** of IISc, Bangalore delivered an invited talk on the topic "**ANALYZING PATTERNS IN EEG: FROM BIOMETRICS TO ALTERED STATES OF CONSCIOUSNESS**". He discussed the patterns in EEG signals under different conditions. **Prof. G.V.V Sharma** of IIT, Hyderabad also delivered an invited talk on the topic "**SIGNAL PROCESSING IN HIGH SCHOOL**". He discussed simple examples of signal processing in high school mathematics and physics like probability, etc. **Prof. Rekha Garg** of Dr. HS Gour University, Sagar also delivered an invited technical talk on the topic "**ZINC BASED CHALCOGEDIDE NANOMATERIALS FOR VARIOUS APPLICATIONS**". She discussed the affordable solution to environmental pollution and new dimensions to the pharmaceutical and medical industry through ZnE chalcogenide. **Prof. Narendra D Londhe** of NIT, Raipur also delivered an invited technical talk on the topic "**MEDICAL IMAGE SEGMENTATION AND CLASSIFICATION USING DEEP LEARNING**". He discussed the CADx for medical image evaluation for reducing manual error. 12 orals were presented by delegates from various institutes and colleges of Chhattisgarh and outside the state.

A colorful event was organized on the first day evening in the seminar hall of S.O.S in Physics and Astrophysics by students of S.O.S in Electronics and Photonics and S.O.S in Physics and Astrophysics for the refreshment of the delegates.









On the second day of the conference i.e on 17th March 2023, technical session-4 was organized. The session started with an invited talk by **Prof. B.S. Panigrahi** of IGCAR, Kalpakkam on the topic "**EFFECT OF UO**₂²⁺ **ON EUROPIUM VALENCE AND INTERALIA ENERGY TRANSFER IN SrBPO**₅" in which brief description about uranium co-doping and color tuning of Eu doped phosphor. Followed by another invited talk by **Prof. P.K. Bhatnagar** of Delhi University, Delhi on the topic "**NANOMATERIALS-THEIR APPLICATIONS IN FLEXIBLE ELECTRONICS AND SENSORS**" in which a brief description of nanomaterials and nanocomposites with fine application this this in flexible electronics and VOC sensors. After a tea

break, in technical session-5 a very interesting and conceptual invited talk was delivered by **Prof.** S.J. Dhoble of RTM University, Nagpur, on "INNOVATIVE APPLICATION OF FLY ASH FOR HIGH DOSE THERMOLUMINESCENCE RADIATION DOSIMETRY". He discussed the characteristics of fly ash and the innovation of fly ash. Prof. S. A. Hashmi of Delhi University, Delhi, in his invited talk focused on "REDOX-ACTIVE GEL POLYMER ELECTROLYTES FOR HIGH ENERGY STORAGE", their issues related to the fabrication of efficient supercapacitors along with a few approaches to enhance the energy of devices. He also discussed the performance characteristics of the solid-state EDLCs and Gel Polymer Electrolytes. **Prof. Sivakumar Vaidyanathan** of IIT, Hyderabad also delivered an invited talk on the topic "LANTHANIDE BASED LUMINESCENT MATERIALS FOR SMART LIGHTNING". He discussed the various trivalent europium-based red-emitting phosphors with different crystal structures with special emphasis on their optical property. Prof. Rakesh Chandran S.B of S.D. College, Alappuzha delivered an invited technical talk on the topic "ELECTROSTATIC ENVIRONMENT OF THE MOON AND THE CHALLENGES FOR HUMAN AND **ROBOTIC EXPLORATION**". He discussed how the charging properties of lunar dust grain are important as well as the mechanism of dust environment and levitation.

In a parallel technical session-6, Prof. S.K. Omanwar of Amravati University, Amrawati delivered an invited talk on the topic "ENERGY EFFICIENT QC- LUMINESCENT MATERIALS FOR SUSTAINABLE DEVELOPMENT". He discussed useful materials for lightning and photovoltaic conversion enhancement. Prof. K.K. Biswas of IIT, Delhi delivered an invited talk on the topic "DISEASE IDENTIFICATION IN AGRICULTURE USING DEEP LEARNING ON EDGE DEVICES". He discussed how huge models can be compressed using heuristics approaches and approaches to compress a deep learning network to efficiently segment the leaf images to indicate the extent of damage to the leaf. Prof. Dipti Patra of NIT, Rourkela delivered an invited talk on the topic "BIOMEDICAL SIGNAL PROCESSING AND ANALYSIS TECHNIQUES: APPLICATIONS TO ECG SIGNAL". She discussed the ECG signal processing techniques and analysis. She also explored early detection and prediction of myocardial infarction and sudden cardiac death. Prof. M. Shriniwas of MS University, Baroda delivered an invited technical talk on the topic "LUMINESCENCE OPTIMIZATION OF THERMALLY STABLE DOUBLE PEROVSKITE FOR LED AND TLD APPLICATION". He discussed the synthesis of stable double perovskite through the combustion method and the examination of it through XRD techniques. Prof. Rohit Raja of GGU, Bilaspur also delivered an invited technical talk on the topic "SYNTHESIS, XRD, NLO, CHNSO, DIELECTRIC, PHOTOCONDUCTIVITY AND BIOSTUDIES OF DIETHYL 2-AMINO-5-{4-[BIS(4-BENZA-MIDO}THIOPHENE-3,4-**METHYLPHENYL**) AMINO1 DICARBOXYLATE(DABMPABTD)MACRO,NANOCRYSTALS **FOR DEVICE** FABRICATION AND ELECTRONIC USES". He discussed how organic materials are predominant over their pair-offs based on their intense applications and vital utilities and the solution growth approach is used to create the DABMPABTD crystal at reduced pressure. Prof. Sapna Singh Kshatri of SSIPMT, Raipur also delivered an invited technical talk on the topic "BIOMEDICAL SYSTEMS SUPPORTED BY ARTIFICIAL INTELLIGENCE (AI) AND INTERNET OF MEDICAL THINGS (IoMT) FOR SMART HEALTHCARE". She discussed the technological and engineering challenges and prospects for AI-based cloud-integrated personalized IoMT devices for designing efficient POC biomedical systems suitable for nextgeneration intelligent healthcare. After lunch, 12 orals and 61 posters were presented by delegates

from various institutes and colleges of Chhattisgarh and outside the state.

After tea break, in technical session-7, **Prof. M.L. Verma** of Sri Shankaracharya College, Bhilai delivered an invited technical talk on the topic "**EFFECT OF STRUCTURE IN ELECTRONIC AND OPTICAL PROPERTIES OF CdX AND ZnX (X=O, S, Se, Te): Ab INITIO MODELING**". He discussed the fundamentals of density functional theory (DFT), its benefits and limitations, and its application to study various properties of materials at different phases. **Prof. Shalinta Tigga** of GGU, Bilaspur delivered an invited technical talk on the topic "**SYNTHESIS, CHARACTERISATION AND LUMINESCENCE INVESTIGATIONS OF Ce**³⁺ **AND Dy**³⁺ **ACTIVATED BaMgAl₁₀O₁₇ PHOSPHORS**". She discussed the BAM: Ce and BAM: Dy phosphors preparation by combustion method and their structural and morphological properties characterization by XRD, EDS, and FESEM.

In parallel session-8, **Prof. Pawan Kumar Patnaik** of BIT, Durg also delivered an invited technical talk on the topic "**DIFFERENT APPROACHES OF DEEP LEARNING TECHNIQUES FOR IMAGE PROCESSING**". He discussed the application of deep learning in image analysis, including image recognition, object detection, segmentation, and generation, and explored CNNs, RNNs, and GANs.

























On the third day of the conference i.e on 18th March 2023, technical session-9 was organized. The session started with a technical talk by **Prof. R.K Pandey**, Amity University, Raipur on the topic "OXIDE NANOSTRUCTURES: NOVEL PROPERTIES AND APPLICATIONS". He has delivered a very interesting talk in very simple words about the recent developments in the emerging area of nanomaterials science and technology. Prof. S. K. Pandey delivered an extensive talk on the topic "THE WORLD OF GRAVITY: FROM NEWTON TO **EINSTEIN**". He shared a glimpse of the world of gravitation from the era of Newton to Einstein at the very elementary level to enhance the understanding of the ubiquitous nature of gravity, the weakest of all known forces of nature. After tea break, in technical session-10 the next invited talk was delivered by Prof. C. Shivakumara of IISc, Bangalore, on "MULTIFUNCTIONAL MATERIALS FOR ENERGY AND ENVIRONMENTAL SUSTAINABILITY". He focused on the facile synthesis, and structural characterization of rare earth ion-activated scheelite-type tetragonal AWO4, AmoO4 (A=Ca, Sr, Ba, and Pb) and layered BiOX (X= F, Cl, and Br) Phosphors and their luminescence properties. Prof. G.R. Sinha of IIIT, Bangalore, delivered a talk in the "AI INTERVENTION IN STUDY OF MINDFUL PRACTICES OF INDIAN KNOWLEDGE SYSTEM FOR SUSTAINABLE HEALTH". He focused on AI intervention and the use of machine learning approaches for understanding the impact of the practices in the improvement of quality of life, community wellness, and sustainable health. Prof. O.P. Thakur of SSPL, DRDO, New Delhi, delivered a talk in the "SILICON CARBIDE AS THIRD GENERATION WIDE BAND GAP SEMICONDUCTOR MATERIALS FOR HIGH POWER AND HIGH-FREQUENCY DEVICES". He discussed the relevant technical details about silicon carbide. Prof. Tanmay Badapanda of CV Raman University, Bhubaneswar delivered talk in the "EXPLORATION OF FERROELECTRIC AND PIEZOELECTRIC PROPERTIES FOR ENERGY STORAGE AND HARVESTERS APPLICATION". He focused on demonstrating the dielectric effect of electric field amplitude and frequency on the polarization and mechanical strain performance and electromechanical parameters of BaZr0.05Ti0.95O3 ceramic. Prof. G. Nag Bhargavi of Govt. College, Dharsiva delivered talk in the "COMPLEX IMPEDANCE, ELECTRIC MODULUS AND CONDUCTIVITY STUDIES OF GADOLINIUM MODIFIED BARIUM ZIRCONIUM TITANATE PEROVSKITE **CERAMICS".** She discussed synthesization by conventional solid-state method and study through XRD technique.

In parallel technical session-11, **Prof. Neelam Sinha** of IIIT, Bangalore delivered talk in the "SURGICAL VIDEO ANALYSIS USING DEEP LEARNING". She focused on challenges in analyzing videos of Laparoscopic Cholecystectomy (LC) and some recent techniques that utilize Deep Learning framework for understanding the LC surgical videos. **Prof. Bipin Gupta** of CSIR-NPL, New Delhi delivered talk in the "INDIGENOUS DEVELOPMENT OF STRATEGIC LUMINESCENT MATERIALS FOR SOCIETAL BENEFITS TO MAKE SELF-RELIANT INDIA". He discussed about how development of novel materials are important and how it can make us self-reliant. **Prof. Y.H. Gandhi** of MS University, Barodara, delivered a talk in the "THERMOLUMINESCENCE (TL) SENSITIVITY OF 110'C GLOW PEAK IN NANO SYNTHETIC QUARTZ MATERIAL". He focused on nano synthetic quartz, ball-milled technique, thermal treatment, ionizing radiation, thermoluminescence and XRD. **Prof. Ayush** Khare of NIT, Raipur delivered talk in the "ADVANCEMENTS IN PEROVSKITE"

PHOTOVOLTAICS". He discussed on some latest advancements in the field of perovskite solar cells. Prof. Ishwar Prasad Sahu of IGNTU, Amarkantak delivered talk in the "STRUCTURAL, THERMAL AND LUMINESCENCE PROPERTIES OF EUROPIUM (III) ACTIVATED STRONTIUM ZIRCONIUM SILICATES PHOSPHORS FOR LIGHTNING APPLICATIONS". He focused on synthesization, characterization and properties of europium (III) activated strontium zirconium silicate phosphor.

After lunch, in technical session-12, a very interesting invited talk by **Prof. Bikesh Kumar Singh** of NIT, Raipur delivered a talk on "**BRAIN NETWORK ANALYSIS IN DYSLEXIC CHILDREN DURING AN ARITHMETIC TASK: AN EEG STUDY".** He emphasized different functional connectivity changes in the brain network of dyslexic kids using EEG signals while performing math tasks and study indicates that dyslexic brain networks function poorly during arithmetic tasks and have altered network topology. **Prof. Laxmikant Chawre** of CBS, PRSU, Raipur delivered talk in the "**REVEALING THE INCONSPICUOUS: A TECHNIQUE FOR DETECTING LOW SURFACE BRIGHTNESS GALAXIES".** He discussed shed light on the hidden universe and showcase the potential for detecting previously unknown objects in cosmos. 9 orals were presented by delegates from various institutes and colleges of Chhattisgarh and outside state.



















At the end, a valedictory program was organized. The chief guest Prof. K.V.R. Chary, Guest of Honor Prof. B.S. Panigrahi, and organizers Prof. Kavita Thakur, Prof. Nameeta Brahme, Prof. D.P. Bisen, Prof. N.K. Chakradhari and Prof. Y.K. Mahipal was present. Program has been started with lamp lightning and was followed by honoring the guest with presents as a memory. Briefing of NSSEMA-23 has been done by Prof. N.K. Chakradhari. Prof. K.V.R Chary addressed that the conference was market disciplinary and informative. Prof. B.S. Panigrahi said that the organization

was quite good and everybody actively participated. At the end Prof. D.P. Bisen thanked everyone for the successful conduction of NSSEMA-23. Followed by cash prize distribution by LSI to best oral and best poster delegates.



















PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR (C.G.)



PRESS RELEASE

Raipur, Date 27th April 2023

Institute of Renewable Energy Technology & Management holds huge potential,
Post Graduation Programme in Renewable Energy will induct from 2024-25:

Prof. Sachchidanand Shukla

3 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies at Institute of RETM Inaugurated

Rising concerns about climate change, the health effects of air pollution, energy security and energy access, along with volatile oil prices in recent decades, have led to the need to produce and use alternative, low-carbon technology options such as renewables. The evolution of the solar PV industry so far has been remarkable, with several milestones achieved in recent years in terms of installations (including off-grid), cost reductions and technological advancements, as well as establishment of key solar energy associations, this lead to Solar PV to be one of the pioneering renewable technologies over the decades. The IEA estimates that the transition towards net-zero emissions will lead to an overall increase in energy sector jobs: while about 5 million jobs in fossil fuel production could be lost by 2030, an estimated 14 million new jobs would be created in clean energy, resulting in a net gain of 9 million jobs and hence huge trained workforce is required in coming years to serve the purpose of renewable growth.

In context Institute of Renewable Energy Technology & Management and S.O.S. in Electronics & Photonics in association with Public Outreach Centre is organizing 3 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies from 27th April to 29th April 2023. The 3 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies commenced at 11:00 AM of 27th April in the presence of Chief Guest Prof. Sachidanand Shukla, Hon'ble Vice Chancellor, Energy Experts & Speakers of the workshop Mr. Amitesh Sharma and Mr. Rajib Das, Director, Greenfinity Powertech Pvt. Ltd. & Prof. Kavita Thakur, Coordinator, Institute of RETM & Head, S.O.S. in Electronics & Photonics. The session started with Lamp lightning ceremony followed by the welcoming of the guest & technical session.

Addressing the participants, Chief Guest of the workshop Prof. Sachidanand Shukla, Hon'ble Vice Chancellor, said, today, the world is at the crossroads of a contradictory energy scenario wherein, on the one hand, energy access has to be provided to billions while, on the other hand, increasing demand and usage of energy is causing catastrophic climate change". He further added that, the evolution of the solar



PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR (C.G.)



PV industry so far has been remarkable, with several milestones achieved in recent years in terms of installations (including off-grid), cost reductions and technological advancements. Looking at these statistics it is obvious that solar power will clearly continue to be an essential renewable option in the coming decades which in turn generate millions of jobs all across the nation. Chhattisgarh being rich in solar radiation as it receives more than 300 clear sunny days helps in rapid deployment of PV Project as a result it gives better opportunity to the students studying here in department.

Hon'ble Vice-Chancellor during his address promised the students that, soon they will be having in-house higher education facility in Renewable Energy as he is focussed on inducting Post Graduation program in Renewable Energy from 2024-25. He added that, department is moving in positive direction and holding huge potential, Congratulating the department he said, "Organizing such workshops will definitely reduce the gap between Industry and Institute".

Dr. Kavita Thakur, Coordinator, Institute of RETM & Head, S.O.S. in Electronics & Photonics informed the participants that, the total installed capacity of solar PV now represents the second-largest renewable electricity source after wind. Solar PV dominated the total renewable and power capacity additions, adding twice as much capacity as wind and more than all fossil fuels and nuclear together.

Mr. Amitesh Sharma, Director, Greenfinity Powertech Pvt. Ltd., Speaker of the workshop said, "Reducing energy-related CO_2 emissions is at the heart of the energy transformation. Rapidly shifting the world away from the consumption of fossil fuels that cause climate change and towards cleaner renewable forms of energy is critical if the world is to reach the climate goals agreed in Paris. Climate change has become a major concern of this century".

Supplementing the thoughts Mr. Rajib Das, Director, Greenfinity Powertech Pvt. Ltd., said The Paris Agreement establishes a mechanism to limit global temperature rise to "well below 2°C", and ideally to 1.5°C, compared to pre-industrial levels. The profound transformation of the global energy landscape is essential to realize the agreement's climate targets. Such a transformation is possible with the rapid deployment of low-carbon technologies in place of conventional fossil fuel generation and uses. The transition to increasingly electrified forms of transport and heat, when combined with increases in renewable power generation, would deliver around 60% of the energy-related CO₂ emission reductions needed by 2050. At the same time the global weighted average cost of electricity from all commercially available renewable



PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR (C.G.)



power generation technologies continued to fall which is a positive remark for renewable growth.

Inaugural Session was followed by Technical Session which has covered numerous essential topics like Basic electrical concepts involved in Solar, Sun movement and trajectory, Solar radiation scenario in India, Components of power plants & its Selection, Interesting facts, Myths, Inverters and its selection Parameters, Site Survey Analysis & Parameters and many more.

Nearly 70 students from various teaching departments of university have participated in the workshop. The workshop is kept free of cost for everyone. For the Inaugural ceremony of Mr. G S Rathore, Ms. Ankita, Mr. Ankur, Ms. Kusum, Ms. Preeti from Institute of RETM, Mr. Madhu, Mr. Anil, Mr. Mohnish, Ms. Shalini, Ms. Gunvati from S.O.S. in Electronics & Photonics, Mr. Domendra, Dr. Shobhna, Mrs. Annu Agrawal, Mr. Sudhir, Mr. Lokesh from S.O.S. in Environmental Sciences and other staffs were present.

DR. KAVITA THAKUR

Professor, Head and Coordinator Institute of RETM & S.O.S in Electronics & Photonics Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)









PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY RAIPUR (C.G.)



PRESS RELEASE

Raipur, Date 28th April 2023

The Workshop is a Golden Opportunity for students - Prof. Kallol Ghosh

Second day of 3 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies at Institute of RETM

The second day of the three days' workshop organized by Institute of Renewable Energy Technology & Management and S.O.S. in Electronics & Photonics in association with Public Outreach Centre on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies witnesses enthusiastic participation from students.

The morning session began with the welcome note of Dr. Kavita Thakur, Coordinator, Institute of RETM & Head, S.O.S. in Electronics & Photonics informed the participants that, the time spent by the students in the workshop will help the students in the near future. The practical knowledge of the Solar PV Installation will help the students to get better jobs and internship opportunities.

Mr. Rajib Das, Director, Greenfinity Powertech Pvt. Ltd., Speaker of the workshop continued the session by briefing the students about the importance of the technical abilities in the designing and installation of solar PV Off grid and On Grid System. Followed by the case study of different on grid power plant, designing of the on-grid system, load calculations and system sizing.

The afternoon session was inaugurated by Prof. Kallol Ghosh, Coordinator, Public Outreach Center and Dr. Kavita Thakur, Coordinator, Institute of RETM & Head, S.O.S. in Electronics & Photonics. Prof Kallol Ghosh in his address appreciated the program and said that this is a golden opportunity for the students in the view of India's G20 presidency. He informed students about the S20, Science 20 Inception meeting going to take place in the year 2023. The theme of the S 20 focuses on Sustainable development and the learning from this workshop apparently will make students understand the goals of S 20.

DR. KAVITA THAKUR

Professor, Head and Coordinator Institute of RETM & S.O.S in Electronics & Photonics Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

पं. रिव ंकर भाुक्ल वि विवद्यालय, रायपुर (छ.ग.) प्रतिवेदन

राष्ट्रीय संगोश्ठी

''राष्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएं — सुभाशचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के विोश संदर्भ में'' (17 मार्च — 19 मार्च, 2023)

भोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के ज्ञान में वृद्धि हेतु भारतीय इतिहास अनुसंधान परिशद, नई दिल्ली एवं पं. रिव ंकर भाक्त वि विद्यालय, रायपुर के सहयोग से इतिहास अध्ययन गला, पं. रिव ंकर भाक्त वि विद्यालय में दिनांक 17/03/2023 को प्रातः 11.30 बजे ''राष्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएं : सुभाशचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के वि ोश संदर्भ में'' विशय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (17 मार्च से 19 मार्च, 2023) का उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. संदीप बसु सर्वाधिकारी, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, वि वभारती वि विवद्यालय कोलकाता थे।

आधार वक्ता मगध वि वविद्यालय, बोधगया (बिहार), के आदरणीय प्रो. मुके ा कुमार, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग थे। कार्यक्रम के वि ११८ अतिथि प्रो. रमेन्द्रनाथ मिश्र एवं प्रो. आभा रूपेंद्र पाल मैडम, पूर्व विभागाध्यक्ष, इतिहास अध्ययन गाला, पं. रिव ंकर भाुक्ल वि वविद्यालय, रायपुर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पं. रिव ंकर भाुक्ल वि वविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) ने की।

सर्वप्रथम अतिथियों द्वारा दीप प्रज्जवित कर मां सरस्वती एवं नेताजी के छायाचित्र पर माल्यापर्ण कर पुश्प अर्पित किया गया, सरस्वती वंदना के साथ कुलगीत की मनमोहक प्रस्तुति दी गई। तत्प चात् मंचस्थ अतिथियों का स्वागत नन्हे पौधे प्रदान कर किया गया। स्वागत उद्बोधन विभागाध्यक्ष, इतिहास अध्ययन ॥ला एवं प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं पुरातत्व के प्रोफेसर प्रियंवदा श्रीवास्तव ने दिया। संगोश्ठी का विशय प्रवर्तन संगोश्ठी के संयोजक डॉ.डी.एन. खुटे सर द्वारा किया गया।

इस राश्ट्रीय संगोश्ठी के आधार वक्ता प्रो. मुके ा कुमार सर ने आधार वक्तव्य में सुभाशचंद्र बोस जी द्वारा किये गये राश्ट्र निर्माण संबंधी कार्यों एवं समकक्ष नेताओं के विचारों की भिन्नता को दर्ाया गया।

वि ाश्ट अतिथि प्रो. रमेन्द्रनाथ मिश्र जी ने सुभाशाचंद्र बोस के विचारों का छत्तीसगढ में पड़ने वाले प्रभावों का उल्लेख किया जिसमें उन्होंने वि ोश रूप से बैरिस्टर छेदीलाल द्वारा किये गये कार्यो पर प्रका ा डाला। दूसरे वि ोश अतिथि प्रो. आभा रूपेन्द्र पाल मैडम ने नेताजी के क्वांतिकारी विचारों को दार्या एवं अत्याधुनिक सुविधाओं के अभाव होने पर भी नेताजी के द्वारा किये गये साहिसक कार्यों का उल्लेख किया।

मुख्य अतिथि संदीप बसु सर्वाधिकारी ने सुभाशचंद्र बोस जी के विभिन्न विचार एवं उनसे जुडी गतिविधियों का उल्लेख करते हुए उनके राजनीतिक संघर्श व प्रमुख संगठन एवं गांधीजी के द्वारा चलाए गए आंदोलनों का समग्र रूप से उल्लेख किया। उनके द्वारा स्वतंत्रता के लिए किये जा रहे प्रयासों को ऐतिहासिक दृश्टि से देखने की आव यकता पर जोर दिया।

इतिहास अध्ययन ।।ला, पं. रिव ंकर भाुक्ल वि विवद्यालय, रायपुर की पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. आभा रूपेन्द्र पाल मैडम, आधुनिक इतिहास के क्षेत्र में एक जीती जागती हस्ताक्षर है। उनके स्वर्णिम योगदान एवं सम्मान में समर्पित " रिविजिटिंग हिस्ट्री" पुस्तक का विमोचन सम्माननीय मंच के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ। यह पुस्तक भारत के विभिन्न विद्वानों एवं भोधार्थियों के भोधपत्रों पर आधारित एक ऐतिहासिक ग्रंथ है।

पं. रिव ंकर भाक्ल वि विवद्यालय, रायपुर के माननीय कुलपित प्रो. के ारी लाल वर्मा ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि — वर्तमान संदर्भ में नेताजी के विचार कहीं न कही हमसे जुड़े हुए हैं। उनके संघर्श एवं बिलदान की प्रासंगिकता के विशय में साहित्यकारों द्वारा कविताओं एवं लेखों के माध्यम से अमूल्य रचनाओं का लेखन किया जा रहा है। हम सभी भाग्य ॥ली है कि हमारे दे । में नेताजी सुभाशचंद्र बोस जैसे महापुरूश ने जन्म लिया।

अध्यक्षीय उदबोधन के प चात् मंचासीन अतिथियों का सम्मान स्मृति चिन्ह एवं राजकीय गमछा भेंट कर किया गया। धन्यवाद ज्ञापन संगोश्ठी की आयोजक सचिव डॉ. बन्सो नुरूटी ने किया। कार्यक्रम में वि वविद्यालय के विभिन्न अध्ययन गाला के विभागाध्यक्ष, सामाजिक विज्ञान संकाय के संकाय अध्यक्ष, प्राध्यापकगण एवं दे ा के 10 राज्यों से पधारे विद्वतजन, भोधार्थी एवं छात्र— छात्राएं उपस्थित थे। उदघाटन सत्र में लगभग 200 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

संगोश्ठी के प्रथम दिवस, उद्घाटन सत्र के समापन के प चात् दो अकादिमक सत्र हुए। दिनांक 17 मार्च 2023 के प्रथम अकादिमक सत्र के रिसोर्स पर्सन प्रो. जी.सी. पाण्डेय, मुंगेर वि विद्यालय, बिहार ने बताया कि किस तरह भारतीय कांग्रेस के राष्ट्रीय नेताओं से सुभाशचंद्र बोस के राजनैतिक मतभेद होने के कारण भारत छोड़कर, भारतीय स्वतंत्रता हेतु विदे ी सहयोग प्राप्त करने जर्मनी, सिंगापुर, जापान के भाासकों से संवाद किया और आजाद हिंद फौज का गठन किया। इस सत्र के अध्यक्ष प्रो. रमेन्द्रनाथ मिश्र सर ने राष्ट्रीय आंदोलन में छत्तीसगढ की भूमिका पर प्रका । डाला। इस सत्र में सुभाशचंद्र बोस जी की राजनैतिक विचारधारा पर आधारित कुल 7 भोध पत्रों का वाचन प्राध्यापकगण, छात्रों एवं भोधार्थियों द्वारा किया गया। प्रथम दिवस के द्वितीय अकादिमक सत्र के रिसोर्स पर्सन डॉ. बी.के. प्रसाद सर ने सुभाशचंद्र बोस के राजनैतिक जीवन के विभिन्न अनछुए पहलुओं पर प्रका । डाला। सत्राध्यक्ष प्रो. संदीप बसु सर्वाधिकारी सर ने सुभाशचंद्र बोस के राजनैतिक संघर्ष की विस्तृत जानकारी दी। इस सत्र में कुल 8 भोध पत्रों का वाचन किया गया।

इतिहास अध्ययन गाला, पं. रिव ंकर भाुक्ल वि विवद्यालय, रायपुर में "राश्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएं — सुभाशचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के वि ोश संदर्भ में "विशय पर आधारित तीन दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी के द्वितीय दिवस (18 मार्च, 2023) के प्रथम अकादिमक सत्र के अध्यक्ष प्रो. के.के. अग्रवाल सर ने सुभाशचद्र बोस के विचारों के छत्तीसगढ पर पड़ने वाले प्रभावों और उनके अनुयायी छत्तीसगढ के क्षेत्रीय नेताओं द्वारा उन्हें आगे बढ़ाने के विशय पर चर्चा की। रिर्सोस पर्सन श्री धनंजय राठौर, संयुक्त संचालक, जनसंपर्क, छत्तीसगढ राज्य सूचना आयोग, रायपुर ने आजाद हिंद फौज की स्थापना पर चर्चा करते हुए बताया कि सुभाशचंद्र बोस महिला—पुरूश की समानता के समर्थक थे, इसे मूर्त रूप देने हेतु महिलाओं की पृथक रेजीमेंट बनायी गई थी। इस सत्र में कुल 08 भोधपत्रों का वाचन भोधार्थियों के द्वारा किया गया।

द्वितीय अकादिमक सत्र के अध्यक्ष प्रो.बी.एल. भदानी सर ने राष्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराओं में सुभाशचंद्र बोस के योगदान पर प्रका । डालते हुए अल्पज्ञात स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में अनुसंधान करने की जरूरत पर बल दिया। रिसोर्स पर्सन प्रो. पी.सी. महतो, भाासकीय मजदूर किसान महाविद्यालय, पलामू, झारखंड ने सुभाशचंद्र बोस के व्यक्तित्व पर बात की। रिसोर्स पर्सन प्रो. अनिल कुमार पाण्डेय, वि वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग ने आजाद हिंद फौज के गठन और इससे जुडे विभिन्न पहलूओं पर विस्तृत रूप से चर्चा की। इस सत्र में कुल 10 भोध पत्रों का वाचन किया गया।

तृतीय अकादिमक सत्र के अध्यक्ष प्रो. एल.एस. निगम सर ने सुभाशचंद्र बोस के भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान की चर्चा करते हुए उदाहरणों के माध्यम से समझाया कि जिस प्रकार दो रेल पटरी समानांतर चलती है और अंतिम छोर में एक साथ मिल जाती है, ठीक उसी प्रकार भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन की विचारधारा और सुभाशचंद्र की विचारधारा अलग—अलग है, पर लक्ष्य एक है। रिसोर्स पर्सन प्रो. एस.आई. कोरेटी, विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, तुकडोजी संत महाराज वि वविद्यालय, नागपुर ने "नेताजी सुभाशचंद्र बोस के सपनों का भारत" विशय पर प्रका ा डालते हुए बताया कि सुभाशचंद्र बोस कहते थे — स्वाधीन भारत का कोई राजनैतिक दर्ीन होना चाहिए। उन्होंने उनके राष्ट्रीय आंदोलन की मुख्य धारा में राजनैतिक योगदान की बात की। छत्तीसगढ के बालोद जिले के बाघमर गांव में आज भी प्रति वर्ष 5 दिसंबर से लगातार तीन दिन तक छत्तीसगढ एवं आसपास के राज्यों के आदिवासी बंधुओं के द्वारा कंगला मांझी के स्मृति दिवस पर, आजाद हिंद फौज की वे भूशा धारण कर उनके विचारों की प्रासंगिकता को जीवित रखे हुए है। इस सत्र में कुल 7 भोध पत्रों का वाचन किया गया।

चतुर्थ अकादिमक सत्र के अध्यक्ष प्रो. ए.के. पटनायक, पूर्व विभागाध्यक्ष, उत्कल वि विवद्यालय भुवने वर, उडीसा ने "सुभाशचंद्र बोस का भारतीय राश्ट्रीय आंदोलन में योगदान" विशय पर चर्चा की। इस सत्र के रिसोर्स पर्सन डॉ. पंकज सिंह, सहायक प्राध्यापक, डॉ. हरीसिंह गौर वि विवद्यालय, सागर, मध्यप्रदे । ने बताया कि राश्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएं एक साथ चल रही थी। एक ओर सामाजिक सुधार के क्षेत्र में िक्षा के महत्व को ज्योतिबाराव फुले एवं सावित्री बाई फुले लेकर

चल रहे थे तो दूसरी ओर मध्यप्रांत में किसान आंदोलन, मजदूर आंदोलन, आदिवासी आंदोलन भी भारत की स्वतंत्रता के लिए एक साथ आंदोलन कर रहे थे। सुभाशचंद्र बोस ने इंग्लैंड से आई.सी.एस. की परीक्षा उतीर्ण की, लेकिन उनका रूझान भारतीय स्वतंत्रता की ओर होने के कारण उन्होंने उससे त्यागपत्र दे दिया और भारत आकर राजनीतिक गतिविधियों में संलग्न हो गये। इस समय भारतीय राजनीति में दो विचारधाराएं चल रही थी, एक अहिंसात्मक विचारधारा और एक हिंसात्मक विचारधारा, लेकिन दोनों धाराओं का लक्ष्य केवल आजादी प्राप्त करना था। उन्होंने सुभाशचंद्र बोस के परिवार से संबंधित अनछुए पहलुओं पर भी प्रका । डाला। इस सत्र में कुल 8 भोध पत्रों का वाचन किया गया। संगोश्ठी का संचालन डॉ. सीमा पाल मैम ने किया।

भारतीय इतिहास अनुसंधान परिशद नई दिल्ली एवं पं. रिव ंकर भाुक्ल वि विवद्यालय रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में इतिहास अध्ययन ााला, पं. रिव ंकर भाुक्ल वि विवद्यालय, रायपुर, छ.ग. में ''राश्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएं : सुभाशचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के वि ोश संदर्भ में '' विशय पर आधारित राश्ट्रीय संगोश्ठी के तृतीय दिवस (19 मार्च 2023) के प्रथम सत्र की सत्राध्यक्ष प्रो. भाम्पा चौबे ने स्वाधीनता आंदोलन में नेताजी सुभाशचंद्र बोस एवं आजाद हिंद फौज के महत्वपूर्ण योगदान पर ध्यान केन्द्रित कराया, प्रो. चौबे ने कहा कि सुभाशचंद्र बोस ने गुलाम भारत को अभि गाप बताया और इसे स्वाधीन कराने के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। रिसोर्स पर्सन डॉ. सुधी मण्डलोई ने ''सुभाशचंद्र बोस एवं उनकी विचार योजना : स्वतंत्र भारत का दृष्टिकोण'' विशय पर कहा कि सुभाशचंद्र बोस ने न केवल स्वतंत्र भारत का सपना देखा बिल्क उसे पूरा करने की विस्तृत व्यूह रचना की। भारत की बढती जनसंख्या व गरीबी भूखमरी, रोग से लडने के लिए उन्होंने कुटीर उद्योगों व वृहत उद्योगों के समन्वित विकास पर जोर दिया। इस सत्र में कुल 08 भोधपत्रों का वाचन भोधार्थियों के द्वारा किया गया।

तत्प चात अश्टम व अंतिम सत्र प्रारंभ हुआ जिसके सत्राध्यक्ष प्रो. रामकुमार बेहार, रिसोर्स पर्सन डॉ. पूजा भार्मा एवं रिपोर्टियर डॉ. सिरता दूबे थे। रिसोर्स पर्सन डॉ. पूजा भार्मा ने नेताजी सुभाशचंद्र बोस का धार्मिक दर्ीन एवं धर्मनिरपेक्षता पर महत्वपूर्ण जानकारी प्रस्तुत की। सत्राध्यक्ष प्रो. रामकुमार बेहार ने गांधीजी का कांग्रेस पर नियंत्रण एवं उनके विचारों को छत्तीसगढ़ में भी चुनौती देने की बात कही। इस सत्र में कुल 6 भाोध पत्रों का वाचन किया गया। तत्प चात् दोपहर 2 बजे 'राश्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएं — सुभाशचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के वि शा संदर्भ में'' पर आधारित तीन दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी का समापन सत्र आयोजित हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. ओमजी उपाध्याय, निदे कि, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिशद, िक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली थे। मुख्य वक्ता प्रो. एच.के. पटेल , विभागाध्यक्ष, इतिहास विभाग, रविन्द्र भारती वि वविद्यालय, कोलकाता थे। कार्यक्रम के विि शट अतिथि प्रो. प्रवीण कुमार मिश्र , विभागाध्यक्ष इतिहास विभाग, गुरू घासीदास केन्द्रिय वि वविद्यालय थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय कुलपित महोदय प्रो. के ारी लाल वर्मा, पंरिव ंकर भाक्त वि वविद्यालय, रायपुर ने की। अध्यक्षीय उद्बोधन में माननीय कुलपित महोदय ने नेता जी के बिलदान की वर्तमान में प्रासांगिकता पर बात की। मुख्य अतिथि ओमजी उपाध्याय ने कहा कि दे । में

8 धाराएं साथ—साथ चल रही थी, जिसमें सुभाशचंद्र बोस की धारा भी भामिल थी। विि ाश्ट अतिथि प्रो. प्रवीण मिश्र ने सुभाशचंद्र बोस के विचारों पर प्रका । डाला। प्रो. एच. के. पटेल सर ने मुख्य वक्ता के रूप में राश्ट्रीय आंदोलन के बारे में विस्तृत चर्चा की। स्वागत भाशण विभागाध्यक्ष प्रो. प्रियंवदा श्रीवास्तव के द्वारा दिया गया। संगोश्ठी का प्रतिवेदन संयोजक सचिव डॉ. बन्सो नुरूटी ने प्रस्तुत किया।

मंचासीन अतिथियों का राजकीय गमछा और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मान किया गया। धन्यवाद ज्ञापन संगोश्ठी की आयोजन सचिव डॉ. बन्सो नुरूटी द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सीमा पाल ने किया। इस तीन दिवसीय राश्ट्रीय संगोश्ठी में लगभग 65 भोध पत्रों का वाचन किया गया, जिसमें देा के विभिन्न राज्यों के कुल 10 रिसोर्स पर्सन भामिल हुए। रिपोर्टियर के रूप में सहयोग दिया— डॉ. वासुदेव साहसी, डॉ. रीता पांडे, डॉ. भौलेन्द्र सिंह ने। कार्यक्रम के प चात् एलुमनी मिट का आयोजन किया गया, जिसमें इतिहास विभाग के भूतपूर्व छात्र—छात्रा भामिल हुए।

इस संगोश्ठी में कुल 154 प्रतिभागियों ने भाग लिया जिसमें रायपुर क्षेत्र से बाहर के 87 एवं 63 स्थानीय थे। इस संगोश्ठी में वित्तीय सहायता के रूप में वि विवद्यालय अनुदान आयोग द्वारा इस वि विवद्यालय के अनुदान प्रकोश्ठ से राि 1—1,00,000 रू और पंजीयन से राि 1—1,20,600 रू प्राप्त हुए है तथा भारतीय इतिहास अनुसंधान परिशद से राि 1—3,50,000 रू की स्वीक्ति प्राप्त हुई है जिसका अनुदान अभी अप्राप्त है जो कि देयक प्रस्तुत करने के उपरांत प्राप्त होगी। अंत में यह कहा जा सकता है कि राश्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएं — सुभाशचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के वि शि संदर्भ में पर सेमिनार विभिन्न विचारों को एक मंच पर लेकर आया है अतएव अपने उद्दे य में यह राश्ट्रीय संगोश्ठी पूर्णतया सफल रहा। इस तरह संगोश्ठी ''राश्ट्रीय आंदोलन की विभिन्न धाराएं — सुभाशचंद्र बोस और आजाद हिंद फौज के वि शि संदर्भ में'' सचमुच एक सार्थक प्रयास रहा सुभाशचंद्र बोस के बहुआयामी विचारों और वर्तमान में उसकी प्रासंगिकता बनी हुई ।

NATIONAL WORKSHOP ON OPEN SOURCE SOFTWARE FOR BIBLIOMETRIC, SCIENTOMETRIC ANALYTICAL TOOLS

(Bibexcel and sciMAT)

14.11.2022 to 16.11.2022



Three days National Workshop was jointly organized by School of Studies in Library and Information Science and Pt. Sundarlal Sharma Library, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) on "Open Source Software for Bibliometric and Scientometric tools" during 14.11.2022 to 16.11.2022.

The objective of the Workshop- Cum-Training program was intended to:

(a) Give an in-depth understanding of open source Bibliometric and Scientometric tools. (b) Conduct hands-on experience for the installation of bibliometric and scientometric tools. (c) Undertake practical experience for the installation of bibliometric and scientometric tools.(d) Provide hands-on experience for functioning of various bibliometric and scientometric tools ie Bibexcel, sciMAT, RStudio, Hist Cite etc.

Methodology: The programme pedagogy consists of a mix of lectures, demonstration and hands-on practice.

Workshop Content: (a) Introduction to open-source tools available for bibliometric and scientmetric studies. (b) Installation of these tools (c) Introduction of different terminologies used for bibliometric and scientometric studies. (d) Hands on experience regarding working of these tools.

Feedback: - A total 22 participants who were learned professionals and research scholars connected with different institutions, attended this training program. A systematically structured feedback form was received from the participants and they were very satisfied and contented with the above workshop.

Prof. Maya Verma (Head, School of studies in Library and Information Science) and Dr. Suparna Sengupta (Librarian) Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur was the convener, Dr.H.K.Sahu (Sr. Assistant Professor) was the organizing secretary and Dr. S. R. Kashyap was the co-organising secretary of the workshop respectively.

















"One day Tranning Program of Ouriginal (Urkund) & Knimbus mLibrary Off Campus Access 12.12.2022" एक दिवसीय प्रशिक्षण प्रतिवेदन

आजादी के अमृत महोत्सव एवं अध्ययन शाला के गोल्डन जुब्ली ईयर के बैनर तले पं. सुंदरलाल शर्मा ग्रंथागार एवं ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययन शाला, पं. रविषंकर विष्वविद्यालय, रायपुर के संयुक्त तत्वाधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम "One day Tranning Program of Ouriginal (Urkund) & Knimbus mLibrary Off Campus Access 12.12.2022" विषय पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रोफेसर माया वर्मा व डॉ. सुपर्ण सेन गुप्ता एवं आयोजन समिति में डॉ. हरीष कुमार साहू, डॉ. एस आर कष्यप एवं डॉ. पूर्णिमा कुमारी रहे।

इस अवसर पर **Knimbus** से **श्री वेंकटेस** द्वारा ई—संसाधन (ई—पुस्तके एवं ई—शोध पत्रिकाएं) को शोध सिंधु के अंतर्गत परिसर के बाहर किस प्रकार से **Knimbus mLibrary Off Campus Access** साफ्टवेयर के माध्यम से उपयोग किया जाना है, को विस्तार से बताया।

इसी कड़ी में **Urkund** साफ्टवेयर टीम से अनुभवी प्रषिक्षक श्रीमित प्रीति राठी द्वारा साहित्यिक चोरी से बचाव हेतु भारत सरकार की योजना **षोधशुद्धि** के अंतर्गत विष्वविद्यालय के षिक्षकों एवं शोध छात्रों को साहित्यिक चोरी रहित लेखन हेतु **Ouriginal (Urkund)** साप्टवेयर के प्रयोग की बारिकियों, सावधानियों एवं विषेषताओं पर प्रषिक्षण कार्यक्रम में विस्तार से चर्चा एवं व्यक्तिगत रूप से प्रषिक्षण दिया गया।

कार्यक्रम के समापन में डॉ. हरीष कुमार साहू, वरिष्ठ सहायक प्राध्यापक, ग्रंथालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययन शाला द्वारा धन्यवाद ज्ञापन कर कार्यक्रम को सम्पन्न किया गया।





6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023

The Center for Translational Chronobiology (CTC), School of Studies in Life Science (SLS), Pandit Ravishankar Shukla University, Raipur, organized the 6th National Workshop entitled, "Trends and Techniques in Chronobiology," from 21-27 March 2023. The CTC received financial support from the University, and Chhattisgarh Council of Science and Technology. Of the twenty (20) selected participants, 04 were from outside of Chhattisgarh, notably from Kalyani (West Bengal), Sambalpur (Odisha), and Mysuru (Karnataka). The remaining participants were from different higher education institutions of Raipur and Bilaspur. Of the nine (09) resource persons, five (05) were from outside (Bhubaneswar [2], Chidambaram [1], Hyderabad [1], and Itanagar [1]). The remaining four resource persons were local including one from the AIIMS, Raipur. The activity of the workshop included two lectures (90 minutes each) before lunch, lab work from 2:00-5:30 pm, and an evening lecture cum interaction session from 17:45-19:15 every day. On concluding day, each participants as a member of one of the four groups presented the lab work as learning outcome during workshop. The learning outcome presentation was held in competition mode and one of the groups was adjudged as the best and each member of the group was presented with a certificate of appreciation.

Inauguration

The Hon'ble Vice-Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Prof. Keshari Lal Verma inaugurated the National Workshop on 21st March 2023 in the morning (10:00). Prof. A.K. Pati, Executive Member, Odisha State Higher Education Council, Government of Odisha, Bhubaneswar, and former President of the Indian Society for Chronobiology shared the podium as Guest-of-Honour. Prof. Aditi Poddar, Head, SLS, and Prof. Arti Parganiha, Organizing Secretary of the Workshop, were present on the podium during the Inauguration. Prof. Aditi Poddar delivered the welcome address and introduced the participants to the activities of the workshop. She also emphasized the significance of the principles of Chronobiology for human welfare. Prof. A.K. Pati highlighted the importance of Chronobiology and its implications in health and human welfare. He informed the young participants that the three American scientists namely Jeffrey Connor Hall, University of Maine; Michael Morris Rosbash, Brandeis University; and Michael Warren Young, Stanford University discovered the "molecular mechanism of circadian rhythm" and jointly received the Nobel Prize in Physiology or Medicine in the year 2017. He emphasized that participants of the workshop will be benefitted by learning the techniques of Chronobiology through this workshop. Prof. Keshri Lal Verma in his inaugural address highlighted the importance of Chronobiology and biological rhythms. He told to the audience that rhythm is present everywhere including the cosmos and the small particles. He said that natural rhythms of day-night, phases of the moon and seasons are the best examples. Probably, for this reason, all living organisms have evolved rhythms within them in order to cope with the geophysical rhythms of the universe. In his address, giving very interesting examples, he said how the biological clocks are important in day-to-day life of animals and plants. Arti Parganiha proposed a vote of thanks.

Chronobiology is the science that studies biological clocks in all living organisms, such as bacteria, plants, animals, and humans. Chronobiology is a multidisciplinary subject and has lots of implications in medical, agricultural, and many other branches of sciences including physical education. The purpose of the workshop was to train the participants with the techniques used in Chronobiology research, with a special reference to study of rhythms in humans and also to facilitate interaction between them and the experts in the field of basic and applied Chronobiology.

Day-1

The academic session of the workshop began at 11:45 on 21st March 2023. Prof. A.K. Pati delivered the first lecture. He introduced the subject Chronobiology to all participants of the workshop and gave an overview of basic and applied Chronobiology. He illuminated the participants with development in basic and applied Chronobiology. He talked about biological rhythms and different types of rhythms by giving suitable examples.

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023

In the evening session of the first day, Prof. A.K. Pati delivered his second lecture on properties of circadian rhythms and emphasized that the biological rhythm is universal and is present in all living organisms except red blood cells. He also explained entrainment of biological rhythms and elucidated how various photic and non-photic *zeitgebers*, such as light, temperature, food, social cues, noise, etc. play important role in the entrainment process. He also interacted with the participants of the workshop and cleared their doubts on various aspects.

Day-2

Prof. A.K. Pati delivered the first lecture of the morning session on day-2 that is on 22nd March 2023. He delivered his lecture on Phase Response Curve (PRC) and also explained its construction. He said that the PRC is applicable in chronotherapy for administrating drugs to a patient as function of time. Similarly PRC of melatonin administration can be constructed and be used to reset the biological clock of an individual appropriately. He then elucidated the advance and delay phase shift by giving examples. He said that the organisms have the ability to readjust their biological clocks.

Dr. Priyoneel Basu, Department of Zoology, Kalinga Institute of Social Sciences, Bhubaneswar, delivered the second lecture online on the topic "Evolution of the circadian clock and adaptive significance." He explained the circadian machinery and its related organs in different strata of organisms. He particularly emphasised on the evolutionary development of circadian clock and its function from lower organisms to higher organisms. He then also explained that each species has a specific external cue for their internal synchronisation, for example external temperature can be a zeitgeber for lower organisms while day and night cycle can be a zeitgeber in plants and humans. He also explained the anatomical structure of suprachiasmatic nuclei, composed of two major regions, shell and core, and their role in temporal regulation.

In the third lecture, Dr. Babita Pande from the Department of Physiology, All India Institute of Medical Sciences, Raipur, talked about various methods to study human circadian rhythm, including the free-running protocol, constant routine protocol, forced desynchronization protocol, nap protocol, and daily routine protocol along with examples. She explained in detail how these methods can be used, the advantages and disadvantages, and the different stages of masking factors. Her lecture encouraged young students, researchers, and faculties new to the chronobiology field to formulate their own protocols and methods for studying the biological clock.

Day-3

On third day of workshop that is on 23rd March, Prof. Perumal Subramanian of Annamalai University, Chidambaram, delivered his first talk on "Molecular mechanisms of biological clock in *Drosophila*." He explained the detailed molecular mechanism of the biological clock in fruit fly *Drosophila melanogaster*. He informed the participants that the first clock gene, *period* (*per*), was discovered by Ron Konopka and Seymour Benzer in the early 1970s in *Drosophila*. *Per* gene is involved in circadian timekeeping. Another clock gene is *cryptochrome* (*cry*), which mediates phase shifting of biological clock of *Drosophila*. It carries dual role as a photoreceptor and a transcription factor in *Drosophila*. Since 1971, numerous studies on molecular mechanisms of circadian clock have been performed extensively in *Drosophila melanogaster*. In *Drosophila*, the current model predicts that the helix-loop-helix transcription factors clock (Clk) and cycle (Cyc) bind as heterodimers to E-Box sequences (CACGTG) around noon in the genome of the fly. E-Boxes are found in the promoter region of many circadian-regulated genes, like the *period* (*per*), the *timeless* (*tim*), the *vrille* (*vri*) or the PAR domain protein 1ε (pdp1 ε), but the very center of the clock represents the activation of *per* and *tim*. A second feedback loop regulates the transcription of *Clk* and thereby interlocks with the first loop.

The second lecture on day-3 was delivered online by Dr. Priyoneel Basu on "Molecular clock mechanisms in mammalian peripheral tissues." He explained that the circadian clock genes, such as

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023

per1, per2, per3, cry1, cry2, clock, and bmal1 are the core components of the mammalian circadian molecular mechanism, and constitute a positive transcriptional-translational feedback loop. He further explained the presence of different accessory pathways, associated with the core loop such as the KEGG pathway. He explained how the peripheral clocks independently oscillate and their phases are completely different from the central circadian clock. He discussed how these peripheral clocks can be reset by our feeding habits, behaviors, and light. He concluded the lecture by emphasizing the important role of these peripheral clocks in health and diseases.

The third lecture on day-3 was delivered by Dr. Pankaj Kumar, Rajeev Gandhi Central University, Itangar, on topic "Pineal and Melatonin." He explained the detailed structure of pineal gland and its location in the brain. He also emphasis various important biological functions of melatonin hormone secreted by the pineal. He discussed various factors that affect the pineal gland that causes disturbed melatonin secretion and sleep problems.

Day-4

In the morning of 24th March 2023, Prof. Perumal Subramanian delivered his talk on "Molecular mechanisms of biological clock in Neurospora, Cynobacteria and Plants." He explained that the studies on the pacemaker of the Neurospora circadian clock have been conducted extensively and revealed the presence of a transcriptional-translational feedback loop. The molecular functioning of circadian rhythmicity is known to emerge from a network of positive and negative feedback regulation acting on clock genes and proteins in the fungus, Neurospora. He further explained the "Molecular clock mechanisms in Cyanobacteria and plants." He talked about the current understanding of the cyanobacterial circadian clock, emphasizing recent work that has generated a more comprehensive understanding of how the circadian oscillator becomes synchronized with the external time cues and how information from the oscillator is transmitted to generate rhythms in biological activity. He explained the bioluminescence and the related genes for bioluminescence. He also reviewed recent molecular studies in Arabidopsis thaliana and the important genes that have widened our understanding of the molecular regulation of the central circadian oscillator and its connections to input and output pathways of the clock mechanism. He said that studies have also begun to reveal the importance of the biological clock for key agricultural traits in crop species. In the talk, he discussed recent developments in plant chronobiology, including a new understanding of the molecular architecture underlying the biological clock in plants.

Prof. Anita Jagota, University of Hyderabad, delivered the second lecture. She talked about the "Circadian timing system in mammals". She explained location of the master clock suprachiasmatic nucleus (SCN) in the hypothalamus. She described the regions of SCN and the neuronal architecture of SCN through the anatomical and functional neuroimaging of SCN. She discussed the function of both core and shell parts of the SCN. She discussed the slow and fast oscillators and the strong and weak coupling, mammalian visual system. She with examples explained the anatomy of circadian system, slave oscillators and neural pathways in SCN. She gave insight on molecular components of mammalian SCN, clock genes and significance of SCN.

Prof. Perumal Subramanian delivered the third lecture on day-4 on "Role of chronobiology in health and disease." He explained that the mammalian circadian pacemaker resides in the paired suprachiasmatic nuclei (SCN) and influences a multitude of biological processes, including the sleep-wake rhythm. The effectiveness and toxicity of many drugs vary depending on dosing time associated with 24 h rhythms of biochemical, physiological, and behavioral processes under the control of circadian clock. Several drugs have already been exhibited their effectiveness as function of time. The knowledge of interactions between circadian clock and drugs is very useful for clinical practice. He said that the chronopharmacokinetics of relatively few drugs have been investigated and are mostly used for the treatment of cancer.

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023

Day-5

On 25th March 2023, Prof. Anita Jagota from the University of Hyderabad in her second lecture gave an overview of the comparative and functional anatomy of the circadian clock. She talked about the clock function in fish, amphibians, reptiles, and birds. She explained the differences in the molecular mechanism of clocks among non-mammalian species. She explained the basic pathways of signalling from photoreceptor to circadian pacemaker. She described the negative and positive feedback loops of circadian machinery. Prof. Jagota also explained the differences between eukaryotic and prokaryotic clocks. She listed all the differences and similarities among the clock function and genes involved in the circadian rhythm in *Gonyaulax*, *Neurospora crassa*, insects, aves, and plants.

Dr. Pankaj Kumar from Rajiv Gandhi University, Itanagar, delivered his second lecture on "Immunohistochemistry." He explained how immunohistochemistry can be used as a tool to study biological rhythms in various organisms, including humans. This technique helps in preventing autolysis and putrefaction of living tissue and preserves it in its original architecture. He also explained the reagents required in this technique, common methods, and instruments involved such as microtome. He pointed out the limitations of this technique and its application in studying the internal structure of organs and glands such as suprachiasmatic nuclei and pineal gland respectively, which are the chief organs involved in chronobiology.

Prof. R.K. Pradhan delivered the evening lecture entitled, "Why do the school timings need to be rescheduled?" In his talk, he emphasized that sleep length is gradually decreasing in the human population and he attributed this phenomenon to modern-day lifestyle. He projected his research data to show that sleep is more disturbed among children of the morning shift school than the afternoon shift school in the urban areas of Raipur, Chhattisgarh. He talked about how the poor quality of sleep is also one of the factors responsible for the decline in the cognitive performance of an individual. He also explained how the early timings of school are also responsible for the poor performance of some children, who might not be morning chronotype.

Day-6

On 26th March 2023 that is on the sixth day of the workshop Prof. Rajeev Choudhary, SoS in Physical Education, PRSU, delivered his lecture on the topic "Time series analysis." This session was a hand-on-training cum lecture. Prof. Chaudhary explained the types of variables and their units of measurement like nominal scale, ordinal scale, interval scale, and ratio scale. He described in detail the use of Analysis of Variance in the survey and experimental data with the help of the software SPSS. He also explained the different types of tests to check normal distribution. He talked about the criteria for choosing a particular statistical analysis for a particular study, for example, the biological data might need a different analysis than business research data. He also solved the confusion and doubts of the participants related to statistical analysis.

The second lecture of the day was delivered by Prof. A.K. Pati on "Why do biologists want all stygobitic fishes to be clockless?" Demonstrating data from his studies he explained that the cave fish, *Nemacheilus evezardi* which inhabits perpetually dark Kotumsar Cave possesses a functional retina and that they respond to light signals when exposed to LD schedules under laboratory conditions. He also demonstrated that the putative ancestors of the cave fish – the river fish respond to darkness signals differently as compared to the cave fish. The cavefish under constant darkness exhibits multifrequency rhythms in locomotor activity. Dr. Pati also demonstrated that in the cave there are certain cues that provide day-night information to the cave organisms. He also demonstrated that different kinds of adaptations found in other animals inside the cave. The lecture was very interesting for all the participants.

Dr. Babita Pande from the Department of Physiology, AIIMS, Raipur, delivered the evening lecture on "The interval timer (a non-circadian clock): the modulating factors and its implications." She

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023

explained the models and the theories underlying the interval timing in humans. She discussed its implications for welfare of humans and its role in successful execution of any day-to-day activity. She also discussed using her own data how various factors, like age, gender, season, time, and chronotype influence the interval timing in humans.

Day-7

Prof. Arti Parganiha delivered the first lecture of the day on "An introduction to chronotherapy, shift work, and jet lag." She highlighted the applied aspects of the Chronobiology. She discussed the importance of time administration of anticancer drugs in cancer clinics. She categorically demonstrated showing her own data how patients with robust circadian rhythm live longer than those having disrupted circadian rhythm in rest-activity rhythm. She also explained that dichotomy index has excellent prognostic value for survival and quality of life. She explained that chronotherapy could increase the tolerance level, reduce toxicity, and effectiveness of various medications in cancer.

She also demonstrated with data about the consequences of shift working. She showed data to emphasize the problems of clock irregularities, circadian rhythm desynchronization, sleep disorders, psychosocial problems, and various other clinical complications in the population of shift workers. She showed data to show that life span of rotational shift workers decreases by about 4 years. She discussed the strategies for minimizing the problems and suffering of the shift workers. She also talked about the consequences of jet lag. She emphasized the direction and variables asymmetry during the course of rhythm adjustment after jet lag.

The second lecture of the day was delivered by Dr. Pankaj Kumar on "Photoperiodism and seasonality." He talked in detail about the effect of photoperiodic changes in mammals and plants. This lecture also focused on the effect of seasonal variations on the reproductive capacity of animals and was comprehensively explained through the actual research data, published in various reputed journals. He explained how the changes in the duration of daylight affect the production of certain hormones such as melatonin, which is responsible for the reproductive changes in animals. Photoperiodic changes and seasonal variations play a very important role in egg-laying animals also. He also explained how the manipulations of photoperiod are used in increasing the commercial production of eggs.

Learning Outcome Assessment:

Twenty (20) participants coming from different parts of the country were taught how to use state-of-the-art techniques to study human rhythms, rhythms in animals, and how to analyze data to validate circadian rhythms (biological clocks). Participants were divided into four groups, namely JP Thapliyal, MK Chandrashekaran, R Subbaraj, and VK Sharma. On the last day of the workshop, each group presented what they have learned during the hands-on training program imparted to them. Each group presented the learning outcome and each member contributed to the presentation. Two unbiased judges with no conflicts of interest assessed their performance and judged the best presentation. The members of the winning group [VK Sharma] received a certificate. The participants who own the first prize are (1) Richa Pathak [Raipur]; (2) Sarojini Minz [Sambalpur]; (3) Sheena Farheen Khan [Bilaspur]; (4) Tinki Kanoje [Raipur]; and (5) Rakesh Tandekar [Raipur].

The valedictory function was organized at 4:00 pm in the Sir J.C. Bose Hall of the School of Life Sciences. During the valedictory function following dignitaries were present: Prof. A.K. Pati, Odisha State Higher Education Council, Government of Odisha, Bhubaneswar; Dr. Pankaj Kumar, Rajiv Gandhi University, Itanagar; Prof. Aditi Poddar, Head, SLS, PRSU; Dr. Shivendra Dewhare, SLS, PRSU; and Dr. Arti Parganiha – Organizing Secretary of the Workshop.

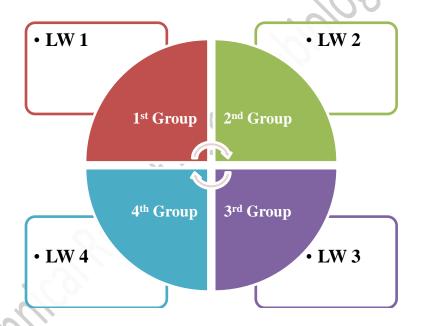
The participants of the workshop gave their oral and written feedback. The dignitaries expressed their opinion on the Chronobiology Workshop. Finally, Dr. Arti Parganiha proposed a vote of thanks and spoke about the success of the National Workshop. Then certificates and prizes for best presentation

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023

and participation were distributed to all the participants. The resource persons were honoured with certificates for availing their service and making workshop successful.

Hands-on Practice Session

Every day the lab session started at 14:00 and completed at 17:30. All the participants were divided into four groups. In each group five participants accommodated. On the first day, the first group studied the techniques of actimetry; how to study the sleep-wake rhythms in human subjects using Actiwatches; and computation of Dichotomy Index and Autocorrelation Coefficient. The second group studied the measuring circadian rhythms in various physiological and subjective variables using autorhythmometry techniques and VAS (Visual Analogue Scale). They also learnt techniques of measuring rhythms in blood pressure in human subjects. They were instructed how to use the ABPM (Automatic Blood Pressure Monitor). They also learned the measurement of short intervals of time estimation in a human subject using a designated App and Stopwatch. The third group learned to measure the sleepiness level using various questionnaires. They were also taught to identify chronotypes using inventories, namely MEQ and MCTQ. The fourth group learned techniques for monitoring of animal behavior. They used video camera to monitor various behaviors of street dogs, street cattle, and an insect antlion. They were also instructed how to digitize the qualitative data into quantitative data. From the 2nd day onwards the groups were rotated in the following manner to the Hands-on Practice Session:



People as Resource Persons

Resource Person	Address
Prof. A.K. Pati	Odisha State Higher Education Council, Government of Odisha, Bhubaneswar
Prof. P. Subramanian	Department of Biochemistry & Biotechnology, Annamalai University, Annamalainagar Chidambaram, Tamilnadu
Prof. A. Jagota	Department of Animal Biology, University of Hyderabad, Hyderabad
Dr. Pankaj Kumar	Department of Zoology, Rajiv Gandhi University, Itanagar

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023

Dr. Priyoneel Basu	Department of Zoology, Kalinga Institute of Social Sciences, Bhubaneswar
Prof. Rajeev Choudhary	School of Studies in Physical Education, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
Prof. Arti Parganiha	School of Studies in Life Science, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
Prof. R.K. Pradhan	School of Studies in Life Science, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur
Dr. Babita Pande	Center for Basic Sciences, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

The lab work exercises were conducted by Prof. A.K. Pati, Prof. Arti Parganiha, Dr. Pankaj Kumar, Dr. Babita Pande, Noorshama Parveen, Priyanka Chandel, Margaret Massiah Singh, Sraddha Pradhan, Rajni Barle, Bhupendra Sahu, Priyanka Chakradhari, and Nisha Singh.

Group	Topic of hands-on-practice session	People
1	i. Study of rest-activity rhythm of human subject using wrist actigraphy (AW Spectrum Plus/ Actical)	Atanu Kumar Pati, Sraddha Pradhan,
	ii. Computation of Dichotomy Index and Autocorrelation coefficient	Margaret Messiah Singh
2	 i. Circadian rhythms in various physiological and subjective variables using autorhythmometry techniques and VAS (Visual Analogue Scale) 	Atanu Kumar Pati, Pankaj Kumar, Babita Pande, Priyanka Chandel
	ii. Short intervals of time estimation in a human subject using a designated App and Stopwatch	·
3	 Measurement of sleepiness using, SSS (Stanford Sleepiness Scale), ESS (Epworth Sleepiness Scale), KSS (Karolinska Sleepiness Scale) 	Atanu Kumar Pati, Arti Parganiha, Noorshama Parveen, Nisha Singh
	ii. Chronotyping using MEQ and MCTQ	
4	i. Techniques for monitoring of animal behaviorii. Digitization and analysis of data	Atanu Kumar Pati, Bhupendra Sahu, Rajni Barle, Priyanka Chakradhari

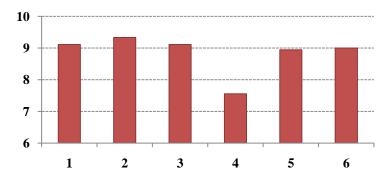
Feedback

Participants of the Workshop gave their feedback on (1) the program, (2) the lectures delivered by the resource persons, and (3) the lab work. The scale of the assessment was from average (1) to excellent (10). The responses of the participants were overwhelming as was indicated from the higher scores.

The relative impact of the program has been depicted in **Figure-1**.

6^{th} National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology

21-27 March 2023



1 – Selection of lectures delivered; 2 – Quality of lectures; 3 – Contents of lectures; 4 – Duration of the Workshop; 5 – Study material provided; 6 – Faculty performance

Figure-1: Relative impact of the program [based on feedback from the participants]

The responses of the participants on each lecture, for resource persons (average score) and on lab work have been depicted in Figures 2-4, respectively.

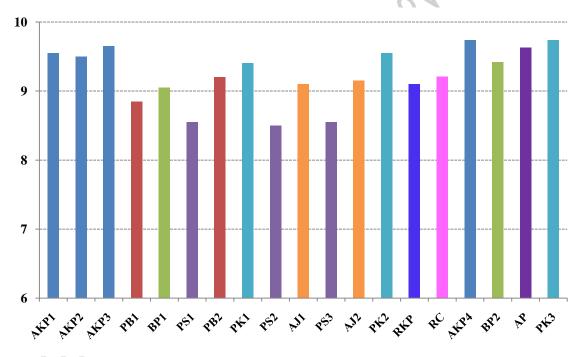


Figure-2: The responses of the participants on each lecture [average score based on feedback from the participants]

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology

21-27 March 2023

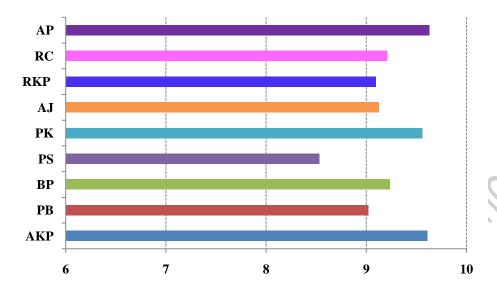
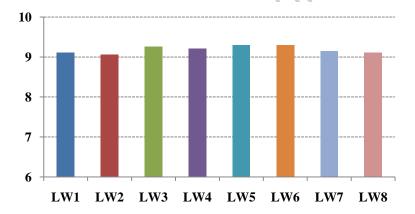


Figure-3: The responses of the participants for resource persons [average score based on feedback from the participants]



LW1 – Study of the rest-activity rhythm of a human subject using wrist actigraphy (AW Spectrum Plus/ Actical); LW2 – Computation of Dichotomy Index and Autocorrelation coefficient; LW3 – Circadian rhythms in various physiological and subjective variables using autorhythmometry techniques and VAS (Visual Analogue Scale); LW4 – Short intervals of time estimation in a human subject using a designated App and Stopwatch; LW5 – Measurement of sleepiness using, SSS (Stanford Sleepiness Scale), ESS (Epworth Sleepiness Scale), KSS (Karolinska Sleepiness Scale); LW6 – Chronotyping using MEQ and MCTQ; LW7 – Techniques for monitoring of animal behavior; LW8 – Digitization and analysis of data

Figure-4: The responses of the participants on lab work [based on feedback from the participants]

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023



Pictures of the Inaugural Session and Speakers during Technical Sessions

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023



Lab tutors and Participants during Technical Sessions



Group photograph with Honourable Vice Chancellor, PRSU

6th National Workshop on Trends and Techniques in Chronobiology 21-27 March 2023



Winners of the Lab Work Presentation with Resource Persons and Organizers

Voice of the participants

- 1. During hands-on training session each and every student should get a chance to perform all the software manually.
- 2. Lecture and lab work sessions should be between 9:45 am and 5:30 pm with one hour lunch break.
- 3. The lab work session should also involve molecular techniques.
- 4. All lectures sessions should be of 45 minutes, and the lab work session can be increased.
- 5. Lectures of Prof. A.K. Pati and Prof. Rajeev Choudhary should be more.
- 6. Repetition of lectures should be avoided.
- 7. The time period of the workshop should be increased to 10 days.

Recommendations by the resource persons:

- 1. Lectures of foreign based research scientists should also be included.
- 2. Duration of the workshop should be increased to 10 days.
- 3. Animal house related instruments should also be demonstrated.
- 4. The number of participants should be increased to 25, instead of 20.

(Arti Parganiha)
Organizing Secretary

पो. केश्ररी ताल वर्मा DERER

प रावणकर शक्त विश्वविद्यालय, रायपुर

क्षित्र क्ष

डी निरुजा अकर गाँतम

समीकी संवोजक

महत्त्वक प्राथमध्यक हिंदी

94242-29234

प्रोकेश एवं अध्यक्ष

04031 CF2F6

डी मधुलता बारा वायोजन अध्यक्त

THE THEFT CONTINUES

प्रो. चित्तरंजन का, रायपुर राम नारायण पटल, विल्ली सत्वभामा आहित. रावपुर

परामश्र महल

सहायक प्राथमायक, अंगोर्ज भावीजन अधिव

आस्त्रण

राष्ट्रीय संगोष्टी

बत्तीसगढ़ी, भाषा, संस्कृति अंउ पत्रकारिता

21, 22 एवं 23 फ़रवरी 2023

हों. सुधीर शर्मा, राजपुर हो राजन यादन, खेरागढ़ प्रो. राजेश दुवे, रायपुर

प्रति,

आयोजन समिति

श्री राहुल सिंह, राचपुर श्री सुरेश देशमुख, रावपुर पद्मश्री अनुब शर्मा, रावपुर पदाश्री अनूप रंजन पाण्डेय, रायपुर श्री गणश कर - NACHA, अमेरिका

ं इत्य भिर		• श्रीयतो शेखली बैन	 श्रीयती शैकाती कैंव श्री अविनाश शर्मा 	 श्रीमती शेष्ट्रांती कैंव श्री अविनास शर्मा श्री मुर्ता ताल बत्था 	श्रीमती शेष्टाली बैन श्री अविनाश शर्मा श्री पुर्गंगी ताल नत्थानी श्री शका ताल कुंबाम
	पूना चिह	पून्य सिंह बतो शेष्टाली बैन	पून्य सिंह बतो शेष्टाली बैंच अविनाश शर्मा	पूनय सिंह बतो शेष्टाली जैन अविनाय शर्मा पुरारी त्याल सत्थानी	प्तम सिंह यतो शोफाली जैन अविनाम शर्मा पुरारी त्याल नत्थानी शंकर ताल कुंजाम
小子 大田 小田 東京 明 十二日	9212463590	9212463590 9926247072	9212463590 9926247072 9893299299	9212463590 9926247072 9893299299 9893333786	9212463590 9926247072 9893299299 9893233786 7587252955

आयोजक

पं. रविशंकर शुक्त विश्वविद्यातय, रायपुर, छत्तीसगढ़ साहित्य एवं भाषा-अध्ययनभाता

पं. रविशंकर शुक्त विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीरागढ कला भवन, सभाकक्ष कार्यक्रम स्थल

म्य मार राम प्रव क्षेत्र प्रस्क क्षेत्र देख

7898759232 9617898203 7987530550



NAAC with Grade-A

आसंत्रण

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, राष्ट्रीय संगोष्टी रायपुर छत्तीसगढ़

21, 22 एवं 23 फ़रवरी 2023

छत्तीसगढ़ी, भाषा, संस्कृति

अउ पत्रकाएरा



प. रविशंकर श्वल विश्वविद्यालय साहित्य एवं भाषा-अध्ययनग्राता. ययपुर, छत्तीसगढ़

आयोजक







School of Studies in Literature & Languages

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (Chhattisgarh)

A Three Day Lecture Series on

'English Language and Literature'

24, 25 & 27 March, 2023

Organized by : S.oS. in Literature and Languages, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur, C.G.

बैंक ऑफ बड़ोदा २०२३

8 मार्च 2023 महिला दिवस

इसी कड़ी में बैंक ऑफ बड़ोदा ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु वाद विवाद प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगता 20.03.2023 को संपन्न कराया गया। जिससे विद्याथियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय था जिसमें प्रथम - गौरव जैन, अर्थशास्त्र द्वितीय – वेदिका मिश्रा, अर्थशास्त्र तृतीय - गुलाब सिंह वर्मा, हिंदी

सम्मानित निर्णायक गण-

प्रो . एस.एल. गजपाल प्रो . बी.एल. सोनेकर एवं डॉ. आरती पाठक भाषण प्रतियोगिता हुए जिसका विषय था-

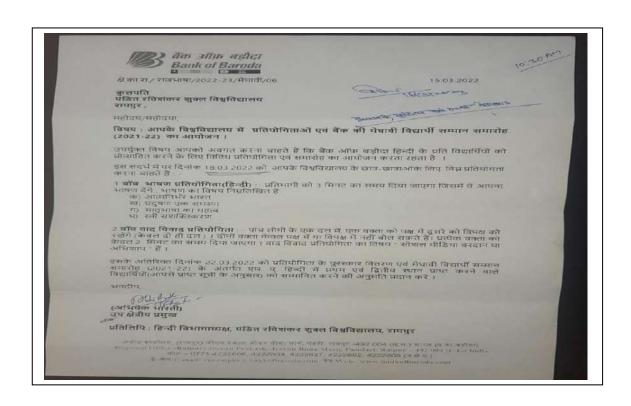
इसमें प्रथम - गौरव जैन, अर्थशास्त्र द्वितीय- सफरिन गौस, बी.एड तृतीय – राहुल सरनागत, बी.एड

सांत्वना पुरस्कार –

हर्षा वर्मा, बायोटेक्नोलॉजी दिव्यांचल साहू, इलेक्ट्रॉनिक

सम्मानित निर्णायक गण-

प्रो . प्रभावती शुक्ला डॉ. हेमलता बोरकर डॉ. कुमुदिनी धृतलहरे









रिपोर्ट

विभाग — साहित्य एवं भाषा—अध्ययन ॥ला, पं. रवि ांकर शुक्ल वि वविद्यालय, रायपुर

कार्यक्रम —दिनांक — 08.03.2023

21, 22, 23 मार्च 2023

विषय – विभागीय विभिन्न गतिविधियाँ

आज़ादी के 75 वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 8 मार्च 2023 को संगोष्ठी का आयोजन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किया गया।

मुख्य वक्ता आदरणीय डॉ. मधुलता बारा ने अपने वक्तव्य में इस दिवस का इतिहास बताते हुए अब तक की दी गई हर साल की थीम पर विस्तृत प्रकाश डाला। साथ ही साथ महिलाओं के विकास के बिना देश व समाज का विकास नहीं हो सकता हैं। इसीलिए नारी को जगत जननी कहा जाता हैं। नारी ही माता के रूप में अपने बच्चों की परवरिश करती है। पत्नी और बेटी के रूप में सेवा करती है और देश की आन-बान शान के लिए वह वीरांगना के रूप में रक्षा भी करती है। ऐसी शक्ति है नारी। आदिकाल से पूज्यनीय है। वेद पुराणों में कहा गया है किसी देश की संस्कृति को समझना है तो सबसे पहले हमें उस देश की महिलाओं के बारे में जानना चाहिए। वक्ता के रूप में आदरणीय डॉ. कुमुदिनी धृतलहरे ने अपने उद्घोधन में कहा कि परिवार के अन्य सदस्यों की तरह नारी का अस्तित्व भी परिवार से जुड़ा है। संस्कारों की बेल अगली पीढ़ी को थमाने का दायित्व नारी ही निभाती है इसलिए विद्रोह से पहले विचार - विमर्श आवश्यक है। विद्रोह से विध्वंश होता है। विवेकपूर्ण निर्णय ए पारिवारिक बिखराव से बचाव करते हैं। अतः विद्रोह अंतिम उपाय है। आज नारी को देवी की उपाधी नहीं अपितु उसकी भावनाओं को समझने वाले मानव समाज की तलाश है।

दूसरी वक्ता आदरणीय डॉ. विभाषा मिश्र ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय समाज की आधारिशला संस्कृति है ए जो संस्कारों में चिरतार्थ होती है। परिवार समाज की आधारभूत इकाई है ए जिसको विवाह नामक संस्था परिचालित करती है। सारे संबंध इसी परिवार से जनमते हैं। संबंधों का आधार प्रेम ए करुणाए मैत्रीए दयाए सहानुभूतिए आदि है। सारे संबंध पारस्परिकता पर आधारित हैं। यदि पुरुष स्वतंत्र है ए तो स्त्री भी स्वतंत्र हो।

समाज में पूर्ण स्वतंत्र तो कोई हो ही नहीं सकता ए क्योंकि सापेक्षता ही सामाजिक संबंध का मूल है। प्रत्येक व्यक्ति उसी मात्रा में दूसरे पर निर्भर हैए जिस मात्रा में दूसरा उसकी अपेक्षा रखता है। पुरुष स्त्री भी इसी अर्थ में अपने विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोग की अपेक्षा रखते हैंए इसमें संदेह नहीं। किठनाई तब उत्पन्न होती है जब यह सापेक्ष भाव एक की ओर अधिक घट या बढ़ जाता है। स्त्री और पुरुष यदि अपने सुखों के लिए एक-दूसरे पर समान रूप से निर्भर रहते तो उनके संबंध में विषमता आने की संभावना ही न रहती ए परंतु वास्तविकता यह है कि भारतीय स्त्री की सापेक्षता सीमातीत हो गई। पुरुष अपने व्यावहारिक जीवन के लिए स्त्री पर उतना निर्भर नहीं है जितना स्त्री को होना पड़ता है। स्त्री उसके सुखों के अनेक साधनों में ऐसा साधन है जिसके नष्ट हो जाने पर कोई हानि नहीं होती। एक प्रकार से पुरुष ने कभी उसके अभाव का अनुभव करना ही नहीं सीखा ए इसी से स्त्री के विषय में विचार करने की आवश्यकता भी कम पड़ी।

वक्ता आदरणीय डॉ. पूनम ने कहा कि महिलाओं को अपने जीवन में सभी क्षेत्रों में समान अधिकार प्राप्त होने चाहिए ताकि उनके मन में किसी भी प्रकार का द्वेष भाव ना रहें और वे भी अपना जीवन शान से जी सके।

महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है आप चाहे क्रिकेट में देख ले या राजनीति में चाहे खेल कूद में या पढ़ाई में कहीं भी आप महिलाओं को पुरुषों के साथ कंपेयर कर सकते हैं। महिलाएं हमेशा हम पुरुषों का साथ देती है हमें भी अपनी जिम्मेदारी पहचानकर उनका हर परिस्थिति में साथ देना चाहिए और उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव हमें शोभा नही देता।

महिलाओं को समाज, अर्थव्यवस्था, संस्कृति और राजनीति में उनके योगदान को याद करना और उनका मनोबल बढ़ाना ही इस दिवस का उद्देश्य है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो . शैल शर्मा , अध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला ने किया एवं मंच संचालन डॉ. आरती पाठक द्वारा किया गया ।

कार्यक्रम के अंत में सभी महिला अतिथि प्राध्यापकों सम्मान









8 मार्च 2023 महिला दिवस

रिपोर्ट

विभाग — साहित्य एवं भाषा—अध्ययन ॥ला, पं. रवि ांकर शुक्ल वि वविद्यालय, रायपुर

कार्यक्रम —दिनांक — 08.03.2023

21, 22, 23 मार्च 2023

विषय – विभागीय विभिन्न गतिविधियाँ

आज़ादी के 75 वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में 8 मार्च 2023 को संगोष्ठी का आयोजन अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में किया गया।

मुख्य वक्ता आदरणीय डॉ. मधुलता बारा ने अपने वक्तव्य में इस दिवस का इतिहास बताते हुए अब तक की दी गई हर साल की थीम पर विस्तृत प्रकाश डाला। साथ ही साथ महिलाओं के विकास के बिना देश व समाज का विकास नहीं हो सकता हैं। इसीलिए नारी को जगत जननी कहा जाता हैं। नारी ही माता के रूप में अपने बच्चों की परवरिश करती है। पत्नी और बेटी के रूप में सेवा करती है और देश की आन-बान शान के लिए वह वीरांगना के रूप में रक्षा भी करती है। ऐसी शक्ति है नारी। आदिकाल से पूज्यनीय है। वेद पुराणों में कहा गया है किसी देश की संस्कृति को समझना है तो सबसे पहले हमें उस देश की महिलाओं के बारे में जानना चाहिए।

वक्ता के रूप में आदरणीय डॉ. कुमुदिनी धृतलहरे ने अपने उद्बोधन में कहा कि परिवार के अन्य सदस्यों की तरह नारी का अस्तित्व भी परिवार से जुड़ा है । संस्कारों की बेल अगली पीढ़ी को थमाने का दायित्व नारी ही निभाती है इसलिए विद्रोह से पहले विचार - विमर्श आवश्यक है। विद्रोह से विध्वंश होता है। विवेकपूर्ण निर्णय ए पारिवारिक बिखराव से बचाव करते हैं। अतः विद्रोह अंतिम उपाय है। आज नारी को देवी की उपाधी नहीं अपितु उसकी भावनाओं को समझने वाले मानव समाज की तलाश है।

दूसरी वक्ता आदरणीय डॉ. विभाषा मिश्र ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारतीय समाज की आधारशिला संस्कृति हैए जो संस्कारों में चिरतार्थ होती है। परिवार समाज की आधारभूत इकाई है ए जिसको विवाह नामक संस्था परिचालित करती है। सारे संबंध इसी परिवार से जनमते हैं। संबंधों का आधार प्रेमए करुणाए मैत्रीए दयाए सहानुभूतिए आदि है। सारे संबंध पारस्परिकता पर आधारित हैं। यदि पुरुष स्वतंत्र हैए तो स्त्री भी स्वतंत्र हो।

समाज में पूर्ण स्वतंत्र तो कोई हो ही नहीं सकता ए क्योंकि सापेक्षता ही सामाजिक संबंध का मूल है। प्रत्येक व्यक्ति उसी मात्रा में दूसरे पर निर्भर है ए जिस मात्रा में दूसरा उसकी अपेक्षा रखता है। पुरुष स्त्री भी इसी अर्थ में अपने विकास के लिए एक-दूसरे के सहयोग की अपेक्षा रखते हैं ए इसमें संदेह नहीं। किटनाई तब उत्पन्न होती है जब यह सापेक्ष भाव एक की ओर अधिक घट या बढ़ जाता है। स्त्री और पुरुष यदि अपने सुखों के लिए एक-दूसरे पर समान रूप से निर्भर रहते तो उनके संबंध में विषमता आने की संभावना ही न रहती ए परंतु वास्तविकता यह है कि भारतीय स्त्री की सापेक्षता सीमातीत हो गई। पुरुष अपने व्यावहारिक जीवन के लिए स्त्री पर उतना निर्भर नहीं है जितना स्त्री को होना पड़ता है। स्त्री उसके सुखों के अनेक साधनों में ऐसा साधन है जिसके नष्ट हो जाने पर कोई हानि नहीं होती। एक प्रकार से पुरुष ने

कभी उसके अभाव का अनुभव करना ही नहीं सीखा ए इसी से स्त्री के विषय में विचार करने की आवश्यकता भी कम पड़ी।

वक्ता आदरणीय डॉ. पूनम ने कहा कि महिलाओं को अपने जीवन में सभी क्षेत्रों में समान अधिकार प्राप्त होने चाहिए ताकि उनके मन में किसी भी प्रकार का द्वेष भाव ना रहें और वे भी अपना जीवन शान से जी सके।

महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पुरुषों से कम नहीं है आप चाहे क्रिकेट में देख ले या राजनीति में चाहे खेल कूद में या पढ़ाई में कहीं भी आप महिलाओं को पुरुषों के साथ कंपेयर कर सकते हैं।

महिलाएं हमेशा हम पुरुषों का साथ देती है हमें भी अपनी जिम्मेदारी पहचानकर उनका हर परिस्थिति में साथ देना चाहिए और उनके साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव हमें शोभा नही देता।

महिलाओं को समाज , अर्थव्यवस्था, संस्कृति और राजनीति में उनके योगदान को याद करना और उनका मनोबल बढ़ाना ही इस दिवस का उद्देश्य है।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो . शैल शर्मा , अध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला ने किया एवं मंच संचालन डॉ. आरती पाठक द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के अंत में सभी महिला अतिथि प्राध्यापकों सम्मान राजगमछा एवं मोमेंटो से अध्यक्ष द्वारा किया गया।









8 मार्च 2023 महिला दिवस

इसी कड़ी में बैंक ऑफ बड़ोदा ने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु वाद विवाद प्रतियोगिता एवं भाषण प्रतियोगता 20.03.2023 को संपन्न कराया गया। जिससे विद्यार्थियों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

वाद विवाद प्रतियोगिता का विषय था जिसमें प्रथम - गौरव जैन, अर्थशास्त्र द्वितीय – वेदिका मिश्रा, अर्थशास्त्र तृतीय - गुलाब सिंह वर्मा, हिंदी

सम्मानित निर्णायक गण-

प्रो . एस.एल. गजपाल प्रो . बी.एल. सोनेकर एवं डॉ. आरती पाठक भाषण प्रतियोगिता हुए जिसका विषय था-

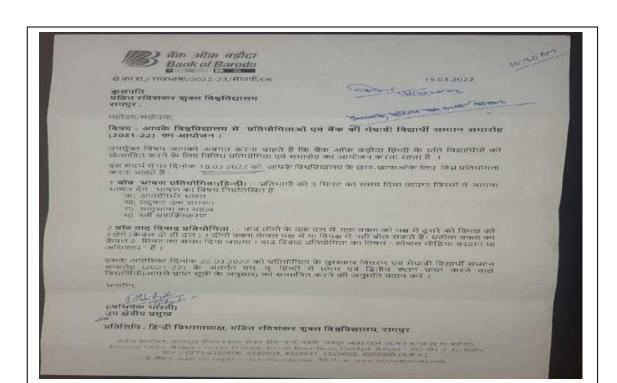
इसमें प्रथम - गौरव जैन, अर्थशास्त्र द्वितीय- सफरिन गौस, बी.एड तृतीय – राहुल सरनागत, बी.एड

सांत्वना पुरस्कार –

हर्षा वर्मा, बायोटेक्नोलॉजी दिव्यांचल साहू, इलेक्ट्रॉनिक

सम्मानित निर्णायक गण-

प्रो . प्रभावती शुक्ला डॉ. हेमलता बोरकर डॉ. कुमुदिनी धृतलहरे









बैंक ऑफ बड़ोदा २०२३

रिपोर्ट

विभाग — साहित्य एवं भाषा—अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

कार्यक्रम —दिनांक — 13.01.2023

विषय —'खुशियों की डिबिया हर एक के पास मौजूद है'

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में विश्व हिंदी दिवस के पिरप्रेक्ष्य में दिनांक 13 जनवरी 2023 को पाणिनि सभाकक्ष में 'किस्सागोई और नाटक का मंचन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. केशरीलाल वर्मा ने आज के प्रमुख वक्ता श्री दिनेश दीक्षित के साथ नाट्य शिविर में अभिनय करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि नाट्य विधाओं में अनंत संभावनाएँ हैं। निश्चित ही इस व्याख्यान से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ रंगकर्मी श्री दिनेश दीक्षित ने किस्सागोई में कहा कि खुशियों की डिबिया हर एक के पास मौजूद है। उन्होंने अनेक कहानी, कविता, गीत का भावपूर्ण दृश्यपाठ किया, जिससे श्रोतागण भावविभोर हो गए।

इस कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी जयप्रकाश शर्मा, डॉ. कुंजबिहारी शर्मा, सुश्री रमा जोशी, नीलू मेघ, अनिल शर्मा, दिनेश दुबे, जयशंकर, नीलम सोना, प्रो. रोहिणी प्रसाद, शिरीष त्रिवेदी, शंकरलाल कुंजाम, धनसिंह गहरवाल आदि मौजूद रहे।

विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजाशंकर गौतम, एवं समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। इस व्याख्यान से शोधार्थीगण एवं विद्यार्थीगण लाभान्वित हुए।

अध्यक्ष





वक्ता – श्री दिनेश दीक्षित

रिपोर्ट

विभाग — साहित्य एवं भाषा—अध्ययनशाला,पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

कार्यक्रम — दिनांक — 02.01.2023

विषय - 'साहित्य का सरोकार'

आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के दौरान दिनांक 2 जनवरी 2023 भाषा एवं साहित्य अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में एक व्याख्यान का आयोजन किया गया।

इसमें सारस्वत वक्ता रहे प्रो. दिनेश चमोला। इस कार्यक्रम में अध्यक्षता विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा ने किया। विषय पर अपना विचार रखते हुए प्रो. चमोला ने कहा कि—साहित्यकार अपने युग परिवेश से प्रभावित होता है तथा समकालीन परिस्थितियाँ उस परिवेश को प्रभावित करती है । स्वातंत्रयोत्तर हिंदी कविता में तात्कालिक घटनाओं व विचाराधाराओं के आंतरिक एवं बाह्य दबाओं के प्रभाववश कुछ विशिष्ट प्रवृत्तियाँ भी स्वभाविक रूप से उभरकर आयी है। इन साहित्यों में समकालीन परिवेश अपनी वास्तविकता के साथ प्रतिबिंबित हुआ है। साहित्यकारों से समाज के बदलते परिवेश, मानवीय चेहरे को न केवल यथार्थ रूप में अभिव्यक्ति दी है अपितु आज के भूमंडलीकरण के कारण मनुष्य भी बदलती जरूरतें भूलते मानवीय मूल्य समाज में व्याप्त विसंगतियों को भी चित्रित किया है।

वर्तमान राजनीतिक सत्ता में फैले भ्रष्टाचार एवं दायित्वहीनता जैसी अनेक कृतियों को अपनी साहित्य का कथ्य बनाया है।





वक्ता प्रो. दिनेश चमोला

रिपोर्ट

विभाग — साहित्य एवं भाषा—अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर

कार्यक्रम —दिनांक — 13.01.2023

विषय —'खुशियों की डिबिया हर एक के पास मौजूद है'

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर में विश्व हिंदी दिवस के परिप्रेक्ष्य में दिनांक 13 जनवरी 2023 को पाणिनि सभाकक्ष में 'किस्सागोई और नाटक का मंचन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कुलपित प्रो. केशरीलाल वर्मा ने आज के प्रमुख वक्ता श्री दिनेश दीक्षित के साथ नाट्य शिविर में अभिनय करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि नाट्य विधाओं में अनंत संभावनाएँ हैं। निश्चित ही इस व्याख्यान से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे।

इस कार्यक्रम के विशिष्ट वक्ता वरिष्ठ रंगकर्मी श्री दिनेश दीक्षित ने किस्सागोई में कहा कि खुशियों की डिबिया हर एक के पास मौजूद है। उन्होंने अनेक कहानी, कविता, गीत का भावपूर्ण दृश्यपाठ किया, जिससे श्रोतागण भावविभोर हो गए।

इस कार्यक्रम में शहर के वरिष्ठ रंगकर्मी जयप्रकाश शर्मा, डॉ. कुंजबिहारी शर्मा, सुश्री रमा जोशी, नीलू मेघ, अनिल शर्मा, दिनेश दुबे, जयशंकर, नीलम सोना, प्रो. रोहिणी प्रसाद, शिरीष त्रिवेदी, शंकरलाल कुंजाम, धनसिंह गहरवाल आदि मौजूद रहे।

विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजाशंकर गौतम, एवं समस्त प्राध्यापक उपस्थित रहे। इस व्याख्यान से शोधार्थीगण एवं विद्यार्थीगण लाभान्वित हुए।

अध्यक्ष





वक्ता – श्री दिनेश दीक्षित

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

दिनांक - 28.11.2022

विषय – छत्तीसगढी राजभाषा दिवस

आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस पर कार्यक्रम का प्रतिवर्श की भाँति इस वर्श भी आयोजन किया गया, इस वर्श का आयोजन पूर्णतः युवाओं को समर्पित रहा। इस कार्यक्रम में 'छत्तीसगढ़ी भाषा— संस्कृति के विविध आयाम पर छत्तीसगढ़ी विद्वानों ने अपना विचार प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम के माई पहुना प्रोठ केशरीलाल वर्मा, कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, खास पहुना के रूप में श्री मीर अली मीर, कवि साहित्यकार और गीतकार, श्री रामेश्वर वैष्णव, साहित्यकार और गीतकार तथा डाँ. वैभव शिव पांडेय 'बेमेतरिहा', मीडिया विशेषज्ञ और साथ ही श्रीमती रमा जोशी एवं बहनें भी उपस्थित थी सभी ने अपनी रचना एवं गीतों से श्रोतागण का मनमोह लिया इस दौरान विभाग के छात्र—छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम— नृत्य, गीत एवं नाटक प्रस्तुत किए। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिता भी रखी गई जिसमे व्यंजन, रेहन, स्वरचित काव्य आदि। इस दौरान विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डाँ. मधुलता बारा, डाँ. गिरजा शंकर गौतम एवं विभाग के सदस्य तथा सभी अतिथिगण, छात्र और अन्य गणमान्य नागरिक भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में डाँ. गिरजा शंकर गौतम ने आभार प्रदर्शित किया।





अध्यक्ष

CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES

Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur(C.G.)

LIST OF ACTIVITIES

Session – 2022-23

S.No.	Date of Activities	Events	Participant
1	06 ^{tn} August, 2022	Awareness programme on, "Step up Breastfeeding	120
		:Educate and support" in collaboration with	
		AIIMS, Raipur.	
2	14 ^{tn} September, 2022	National workshop	190
		on, "Suposhit Mahila Sashakt Samaj" in	
		collaboration with National Commission for	
3	14 ^{tn} -15 ^{tn}	National Seminar on, "Bio-Psycho-Social Issues of	205
	November, 2022	Sports Women"in collaboration with National	
		Commission for Women (NCW)	
4	6 th December, 2022	Online Safe Campus Program (make your campus	105
		gender just, safe conducive) in collaboration with	
		Martha Farrell Foundation	
5	21 st December, 2022	One day workshop on Gender sensitization	30
6	24 th January, 2023	One day programme on National Girl Child Day	20
	20 th Eshavoru to 1st	Two days Calf defence to ining management for sinh	100
7	28 th February to 1st	Two days Self defence training prgramme for girls	180
	March, 2023	(As part of the International Women's Day	
		Celebration)	
8	2 nd March, 2023	National Workshop on, "DigitALL: Innovation and	170
		Technology for Gender Equality" (As part of the	
		International Women's Day Celebration)	

Awareness programme

on

"Step up Breastfeeding: Educate and support" in collaboration with AIIMS Raipur 06^{th} August, 2022

MAA - "Mother's Absolute Affection" is a nationwide programme of the Ministry of Health and Family Welfare to bring undiluted focus on promotion of breastfeeding and provision of counselling services for supporting breastfeeding through health. To educate and create awareness among the young females a awareness programme entitled," Step up Breastfeeding: Educate and support" was organized by Centre for Woman Studies, Pt, Ravishankar Shukla University, Raipur in collaboration with AIIMS Raipur on 6th August, 2022. The speakers of this event wereDr. Anil Kumar Goal, HoD Paediatrics, & Project Director, State Centre of excellence severe Acute Malnutrition, AIIMS, Dr.Binu Mathew, Principle College of Nursing, AIIMS, Mrs. VahithaS, Dept. of OBC Nursing and Mrs. Joyce Joseph, Dept. of Child Health Nursing AIIMS, Raipur. The speakers described about the promotion and importance of breast feeding to the participants of the workshop for attaining a good health in the early growth years of a child. Benefits of breast feeding to the child and the lactating mother was discussed.



ONE DAY WORKSHOP

ON

"SUPOSHIT MAHILA SASHAKT SAMAJ"

(Nutrition Month 1-30 September) 14th September, 2022

POSHAN campaign is Prime Minister's overarching scheme for holistic nutrition under the Government of India's flagship programme, "National Nutrition Mission", to improve nutritional outcomes for children, pregnant women and lactating mothers. POSHAN campaign (Prime Minister's Overarching Scheme for Holistic Nutrition) was launched by the Prime Minister Narendra Modi on the occasion of the International Women's Day on 8 March, 2018. (https://www.niti.gov.in/poshan-abhiyaan)

POSHAN Abhiyaan is a Jan Andolan or "People's Movement" by incorporating inclusive participation of public representatives of local bodies, government departments of the States/UTs, social organizations and the public and private sector at large. In order to ensure community mobilization and bolster people's participation, every year, the month of September is celebrated as POSHAN MAAH across the country. Month of September,2018 was celebrated as Rashtriya POSHAN MAAH. The activities in POSHAN MAAH focused on Social Behavioural Change and Communication (SBCC). The broad themes were: antenatal care, optimal breastfeeding (early and exclusive), complementary feeding, anaemia, growth monitoring, girls' - education, diet, right age of marriage, hygiene and sanitation, eating healthy - food fortification. (https://www.niti.gov.in/poshan-abhiyaan)

More than 12.2Crore women, 6.2 Crore men and over 13 Crore children (male and female) were reached through the various activities undertaken during POSHAN Maah. It is worth mentioning that 30.6 Crore people were reached in 30 days. POSHAN MAAH has given a major impetus to the Abhiyaan. (https://www.niti.gov.in/poshan-abhiyaan).

This year, the COVID-19 pandemic has potentially reversed much of the progress made towards meeting the second of the Sustainable Development Goals (SDGs): ending hunger, achieving food security, and improved nutrition. Budget 2020-218 witnessed an enhanced allocation of INR 35,600 crore for nutrition-related programs and an additional INR 28,600 crore for women-related programs.

With the vision to make Indian women strong in every manner possible the National Commission of Women (NCW) espouses the dream of Hon'ble Prime Minister Narendra Modi to be part of PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment (POSHAN). NCW has planned to celebrate September 7-30th, 2022 as POSHAN Month in which several activities are planned to focus specially on the methodologies to be adopted for improving the nutritional outcomes for adolescents, pregnant women and lactating mothers by leveraging technology, targeted approach and convergence. Keeping in mind the above said mandate, NCW has planned to organize webinars with the objective of creating awareness, getting an insight into the relevant subject

One day workshop on "SUPOSHIT MAHILA SASHAKT SAMAJ" was organized by Centre for Women's Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur in association with National Commission for Women (NCW), New Delhi & CHHATTISGARH POSHAN ABHIYAAN SAMITI on 14th September, 2022 which was attended by more than 190 participants both males and females from different parts of Chhattisgarh, including teaching faculties, employee, research scholars, students of science and social science streams, NGO and doctors.

The program was presided over by the Vice Chancellor, Prof. Keshri Lal Verma ,Pt. Ravi Shankar Shukla University. Appreciating the event, he talked about conducting programs related to nutrition and health of girls in future also with the help of organizations like Women's Commission and Poshan Abhiyan Samiti. Also apprised about the work being done in this direction through Centre for Women's Studies of the university.

Mrs. Rekha Sharma said that today we are going to talk about the level of nutritious diet and its proper quantity, not starvation. The importance of dietary nutrients has now become part of our thinking, this is a huge change. Only a well-nourished woman will give birth to a healthy child.

As a special guest, Harshita Pandey, former chairperson of Chhattisgarh Women's Commission, raised the slogan of 'SahiPoshan-Desh Roshan' on this occasion and urged NGOs, women self-help groups, Anganwadi centers and students to run the nutrition program as a national nutrition campaign. She said that now we have to show that every woman of the country becomes so empowered that she is able to get justice not only in her family and society.

Professor Mitashree Mitra, Professor at Swami Vivekanand Vidyapeeth and Retired Professor from SOS in Anthropology of Pt. Ravi Shankar University gave important information regarding

balanced diet to maintain nutritional quality for better health through power presentation and her personal research and survey.

In the end, subject expert Senior Dietician Mrs. Kavita Pujara highlighted the difference between nutritionist and dietician, importance of diet chart and nutrients of diet along with giving information about employment opportunities in the field of dietician. The meeting was conducted by ML Sarraf, Advisor of the Pharmacy Department of the University, Dr. Nitesh Kumar Mishra, Director of the Department and Sharad Srivastava of the Chhattisgarh Nutrition Campaign Committee. In the second session of the workshop, the questions indquerries related to nutrition and diet of the participants were resolved by the experts.

On this occasion, Dr. Namrata Sharma, Amarjit Chhabra, Ajay Tiwari, Dr. Nitish Kumar Mishra, Professor Rajiv Chaudhary, Dr. Daharwal, Dr. Kamlesh Shukla, Dr. Banshu, Professor Kavita Thakur, Dr. Anuradha Chakraborty, Dr. AnikshaVaroda, KB Rao, Upasana, Deepshikha, Dr. Bharvi Vaishnav, Rinki Aggarwal, Anikasha and Mr. Rao, along with a large number of professors, students and members of the Chhattisgarh Nutrition Campaign Committee were present.









सशक्त भारत की नींव है सुपोषित महिलाः रेखा शर्मा

सुपोषित महिला सशक्त समाज विषय पर पोषण माह में कार्यशाला

रायपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा कि सुपोषित महिला ही सशक्त समाज की नींव होती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे करने का संकल्प लिया है। हमें उनके इस स्वप्न को साकार कर दिखाना है।

श्रीमती शर्मा बुधवार को यहां एक कार्यशाला को संबोधित कर रहीं थीं। पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान स्थित एम.एल. सर्राफ सेमिनार हॉल में 'सुपोषित महिला सशक्त समाज' विषय पर यह कार्यशाला केंद्र सरकार द्वारा 1 से 30 सितंबर तक घोषित राष्ट्रीय पोषण माह की कड़ी में आयोजित थी। श्रीमती शर्मा ने कहा कि आज हम भुखमरी की नहीं पोषक आहार के स्तर और उसकी उचित मात्रा की बात करने जा रहे हैं। आहार के पोषक तत्वों की महत्ता अब हमारे सोच में शामिल हो चुकी है, यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। सुपोषित महिला ही स्वस्थ शिशु को जन्म देगी। अध्यक्षता पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. केशरीलाल वर्मा ने की।



सही पोषण, देश रोशन: हर्षिता पाण्डेय

बतौर विशेष अतिथि छत्तीसगढ़ महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष हर्षिता पाण्डेय ने इस मौके पर 'सही पोषण-देश रोशन' का नारा लगवाते हुए पोषण कार्यक्रम को राष्ट्रीय पोषण अभियान के रूप में संचालित करने एनजीओ, महिला स्व-सहायता समूहों, आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यार्थियों से पुरजोर योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने आयोजन की सराहना कर भविष्य में भी महिला आयोग और पोषण अभियान समिति जैसी संस्थाओं के सहयोग से बालिकाओं के पोषण व स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम संवालित करने की बात कही। साथ ही इस दिशा में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व एनएसएस के जिरए किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

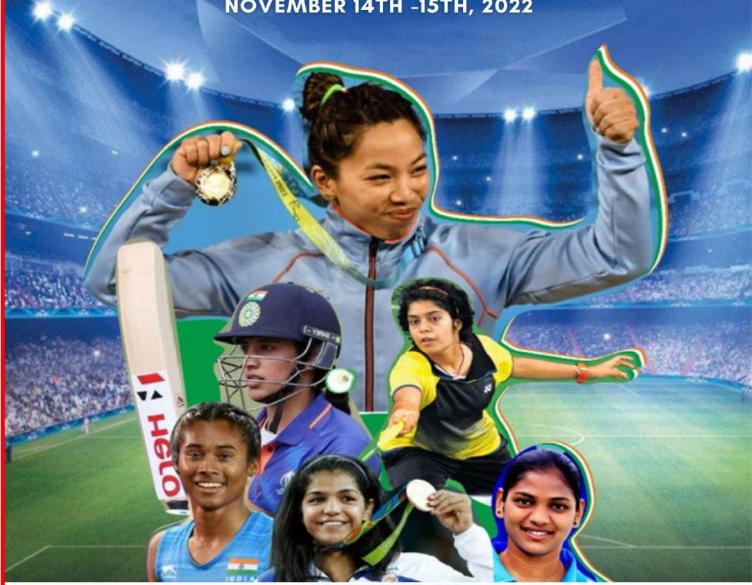






NATIONAL SEMINAR ON **BIO-PSYCHO-SOCIAL ISSUES OF SPORTS WOMEN**

NOVEMBER 14TH -15TH, 2022



SPONSORED BY NATIONAL COMMISSION FOR WOMEN, NEW DELHI, INDIA

ORGANIZED BY

CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES PT.RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.





National Seminar

or

"BIO- PSYCHO- SOCIAL ISSUES OF SPORTS WOMEN" NOVEMBER 14th -15th, 202

BACKGROUND

The sports women in India as well as across the globe are accorded special status and are pride for society and nation. Sports has power to change lives, women taking part in sports show better life qualities. Women have performed and shown their efficiency in all type of sporting events and also held top level management positions in apex sports bodies in educational institutes and government offices on the basis of their performance and competency. Despiteof all these achievements, they are still affected by numerous bio-psycho- social issues. Few of these are gynaecological, gender inequality, sexual harassment, and psychological. Though society is working towards becoming more sports inclusive for women. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, and trainers, can push sports towards more gender equality.

Sports has power to change lives, women taking part in sports show better life qualities. Though society is working towards becoming more inclusive, discrimination in sports continues, one should strive to thoroughly investigate all the area and issues so that sports can be more inclusive for women. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, trains, her executives and journalist can push sports towards more gender equality.

Female athletes have a unique physiology compared to their male counterparts and so have unique biological, nutritional, sociological and psychological needs. Biological issues like "The Female Athlete Triad" put athletes at an increased risk of injury, illness and nutrient deficiency, as well as affecting the menstrual cycle which in turn causes poor bone health and an increased risk of fractures beaks and osteoporosis. None of which are ideal for a female athlete. Knowing how to fuel afemale athlete is key to successful sports performance and health. We need to ensure that female athletes get adequate nutrition. However, the exact number of calories to be consumed is much more complicated and will depend on a number of factors like age, weight activity level etc.

Gender equality is one of the major concerns of Indian society and it is now being looked after by several authorities and women as well. Women are made to face the consequences of buoyantsexism as they are confined more towards house hold chores and they are judged in all aspects of life. Women have now excelled and endorsed in their lives.

The sports sector has seen an upsurge in the number of women athletes. The first and foremost challenge faced by women in sports is the dip in their pay scale as women athletes are paid either less or half what is paid to the male counterparts. There is a huge discrepancy between the male and female incomes and so is the case with prize money.

Despite assurances of changes and a few female athletes making a name for themselves internationally, the situation of women in sports in India is on rise but till we need to work on it. Although woman participation in sport sector is on upsurge in India still the women folk in remote areas need a push and awareness in sport participation. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, and trainers, can push sports towards more gender equality.

In order to understand and address these issues related to hesitancy of women to participate in the sports, a two day workshop on, "Bio- Psycho- Social Issues of Sports Women" was organized by Center of Woman Studies in collaboration with NationalCommission for Women, New Delhi, India. Target participants of Seminar were students & Research Scholars in Physical education, Teachers/Coaches/Trainer, All sports Professionals, Women employees & Sports officer.

FOCUS OF THE SEMINAR

Sports has immense opportunities in career, personal, social and national development. Still there are many hinderances in sport participation by the woman folk. The seminar focusses to help to raise bio-psycho-social issues of sports women and empower them by thoughtful deliberations of the experts of the field.

OBJECTIVES OF THE SEMINAR

The objective of the seminar was to discuss the biopsycho-social issues of sports women.

SUB THEMES

Sub themes of the seminar were -

- 1. BIOLOGICAL (PHYSIOLOGICAL) PROBLEM OF WOMENIN SPORTS –Female Athlete's Triad, Pre-Menstrual Syndrome, Pregnancy etc.
- 2. PSYCHOLOGICAL PROBLEMS AMONG SPORTS WOMEN: Psychological, Health & Stress.
- 3. SOCIAL ISSUES: Gender Discrimination, Sexual Harassment, & Social Support.
- 4. BENEFITS OF PARTICIPATION IN SPORTS: Social, Mental, Social& Psychological.

ORGANIZERS

The seminar was jointly organized by the Centre for Women's Studies, Pt. Ravishankar Shukla University and National Commission for Women.

Seminar started with registration in the morning. About 200 participants from various colleges and universities of Raipur registered and participated in the seminar. Registration was also done through Google forms.

DAY -I

INAUGURAL FUNCTION

The programme was inaugurated by Dr. KiranmayeeNayak, Chairperson, State Commission for Women. Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Woman Studies gave the opening remarks. Prof. C.D. Agashe, HoD, SoS in Physical Education said the programme complimented the golden jubilee of Physical education department. Guest of Honor of the inaugural session were Ms. Neeta Dumre, Ex International Hockey player and Mr. Yashpal Solanki, Arujun Awaredee They shared their experiences as a sports person. In the programme we had 4 sports women, Dr. Banso Nuruti, Kavita Verma, Yashoda Sahu&Maheshwariwho shared their experience of sports journey. This was followed by special lecture by Dr. Vani Bhushanam





Pic no. 01- Glimpses of the Inaugral Function



Pic no. 02- Dignitaries at the inaugural ceremony

Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Woman's Studies gave the opening remarks. She gave a brief introduction of Nation Commission for Women. She said that although women sport persons are making their mark globally but still there remains a lot of scope to work in this field. BCCI has announced to give equal wages to both men and women. She said that sexual harassment is very commonly experienced by even sports women which puts a deep impact if any women athlete experiences in her life. It is very important to create a healthy environment to avoid such unpleasant incidences. She further, highlighted on the need of the hour to promote women and girls in sports



Pic no. 03- Prof. Reeta Venugopal giving the opening remarks at the inaugural session

Prof. C.D. Agashe, the HoD of SoS in physical education said the programme complimented the golden jubilee of Physical education department. He talked about the role of sport in boosting a countries economic prosperity. He talked about the economic issues of the sports woman. He also showed concern about gender biasness in many games because of which women feel constrained to participate in sport.



Pic no. 04 - Prof. C. D. Agashe, Head, SOS in Physical Education, addressing the audience

Dr. Kiranmayee Nayak, Chair person, State Commission for Women said that in the society gender biasness prevails and so as in sport and in the communities especially in the rural areas the biasness are actively perceived by the community folk that women are sensitive and more delicate and they require protection biologically, socially and psychologically. She drew attention of audience by telling that how in our society male and female are discriminated in the nutritional, education and social aspects. She said that activities relating to Sports and Physical Education are essential components of human resource development, helping to promote good health, comradeship and a spirit of friendly competition, which, in turn, has positive impact on the overall development of personality of the youth.



Pic no. 05- Dr. Kiranmayee Nayak addressing the house at the inaugural session

Guest of honor Ms. Neeta Dumre, Ex International Hockey player said that she got a lot of recognition after she represented India in the international level. She said that social stigma is attached to sports women, which may lead to drop out from sports. She said that we want our girls to play games but when it comes to match makingwe don't want to accept women players or athletes as our daughter in laws. She emphasized that we should encourage our girls to play sports and also we should also have a whole hearted acceptance of a sports women as our daughter in laws.

She shared her personal experience as a sports person and narrated how she managed to practice with inadequate sports equipment's and clothing. She shared that participation in sport was difficult due to lack of facilities in terms of equipment's as well as infrastructure which sometimes reduced self confidence and vigor to play with the players at the national level but the hard work, will power, and love and passion for playing hockey helped her to overcome the hurdles. She emphasized that bio-psycho-social issues are untouched areas which needs attention for women in sports.



Pic no. 06- Mrs. Neeta Dumre sharing her experience as a sports person and addressing the house

Dr. Vani BhushanamGolla, Scientific Officer, Department of sports nutrition, National center for sports Science Research, Sports Authority of India, New Delhi said that although the level of participation and performance still varies greatly by country and by sport, women's sports are widely accepted throughout the world today.

She said thatalthough there has been a rise in participation by women in sports, a large disparity still remains. Her presentation focused on the nutritional needs of the women athletes. Equality in sports is now being provided by giving women sports persons equal opportunities of sports training and sports participation. Females have always experienced hurdles and challenges as a sports person. Social acceptability is a big challenge when a woman chooses sports as her career. It is difficult to convince even the family members for the same. Dr. Vani explained very elaboratively about the nutritional advice for men and women athletes. She explained how the energy expenditure involved in different sport events and the body weight of the players should be considered in calculating the calorie requirements of every player. She also explained that the nutritional requirements should be personalized as per individual player's needs. Ms. Vani Bhushanam further explained the various advantages and disadvantages of male and female athletes as per body composition. She talked about the total calory requirement and total micronutrient requirements of the athletes for getting better performance.

STORY NARRATIONS OF SPORTS WOMAN OF UNIVERSITY

In the inaugural session the sports women of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) Dr.BansoNuruti, Kavita Verma, Yashoda Sahu& Maheshwari. They shared their real stories and experiences of sports journey.

A short video clip of the sports journey of the four plyers was played. Link of the video clip of sports journey of the 4 athletes is - https://youtu.be/zCWPn9zYbNQ

In the post lunch session Mr. Yashpal Solanki, Arjuna Awardee, Sports Authority of India gave his presentation on Gender Equality and Inclusion in Sports. He explained how gender equality could be considered in sports.

He said that "Achieving gender equality and women's empowerment is key to meet the 2030 Agenda for Sustainable Development and its 17 Sustainable Development Goals (SDGs) adopted by world leaders in 2015, as a roadmap for progress that is sustainable and leaves no one behind". He narrated that sport holds enormous capacity to propel gender equality and women and girls' empowerment. He said that present priority of International Olympic Committee (IOC) is to build a peaceful and better world through sport and gender equality. IOCcontinues to push for women's representation and participation in all levels and all structures of sport, beyond

balancing the number of women competing in the Olympic Games. He said that the number of women athletes in Olympic games is approaching 50%. Women have participated in every Olympic sport since 2012. Another remarkable thing is all the new sports to be included in the games must contain womens events. Female participation in the Olympic games has increased from 2.2% inParis Olympic in 1900 to 48.8% in Tokyo Olympic in 2020 ,which indicates a positive change.



Pic no.07 -Mr. Yashpal Solanki giving his presentation

This was followed by a presentation by **Dr. Vani Bhushanam Golla**. She described thatbiological differences are pertinent in sporting performance Men have higher aerobic capacity, larger muscle, lower fat percent, higher power to weight ratio, better GI adaptation and faster recovery. On the other hand, women have lesser muscle fatigability, even running speed and better user of fat as fuel.

In addition, menstrual cycle could reduce exercise performance though trivially which was observed in the early follicular phase of the menstrual cycle. Hormone patterns in women can influence many outcome measures but not limited to substrate metabolism, stress reactivity,

muscle function, and bone health. Nutritional Strategies therefore, could be seen in the light of variations among males and females.

The speaker emphasized that the recommendations currently available for female athletes should be encouraged and supported to come up with gender specific guidelines that will

- Firstly promote their health and wellbeing,
- Secondly improve on the biological differences,
- Thirdly garner the advantage of changes in the menstrual cycle,
- Fourthly identify and excel in the sports which provide women with an edge and fifthly optimize sporting performance.



Pic no. 08- Dr. Vani Bhushanam Golla giving her deliberation

GROUP ACTIVITY OF SEMINAR

A group activity for the participants of seminar wasorganized to discuss various barriers sports women come across. All the participants were divided into five groups for the activity. Each group worked with mentors to guide them. The groups worked on socio-cultural barriers, Health Related Barriers and Biological Barriers, Psychological Barriers, Economic Barriers & Physical

Barriers. Participatory methods were used for the group activity. The group members worked together and came up with various barriers in sports for women as they believe in the form of painting, mapping, stories and in the form of text along with recommendations to cope up with those barriers.

The main findings of the group activity were shared by the groups in the seminar. Outcomes of group activity that is various barriers in the sports for women and the ways to cope up with the same are presented in the following table-

Key Recommendations of the various barriers to participation in sports among female were-

BARRIERS IN SPORTS PARTICIPATION AMONG WOMEN AND SUGGESTIONS TO OVERCOME

GROUP 1 - SOCIAL AND CULTURAL BARRIERS

Barriers

- Lack of family care and social support
- Cultural barriers hinders/puts on adverse
 remarks for the use of various sports garment
- Lack of motivation
- Body image
- Hurdles of family life

Recommendations To Overcome Barriers

- Awareness for women participation in sports has to be increased in the family, community and society which in turn might bring about social acceptance for women sports persons.
- Positive perception of one's own skills and ability should be built up.
- Use a variety of images in publicity, not just those which show the idealized female figure.
- Identification of sports talent at the community level should be done and they should be assisted financially to pursue sports as career.
- Sport club at rural and urban areas should be made to initiate training and sports discipline at a very early age and even at school level onwards.
- Awareness about the present financial assistance for sports should be created.
- Provide crèche facilities or classes for toddlers and children, so that adults can bring their children when they go to exercise.

Group 2 - Health Related Barriers and Biological Barriers

Barriers

- Being a female itself seems a barrier
- Lack of sanitation
- Conditions like Amenorrhea, anemia,
 malnourishment, low bone density, trauma
 in post injury phase etc.

Recommendations

- Families should encourage women to participate in sports. Women and girls cannot play sport if they cannot get access to the basic amenities.
- Better sanitation facilities should be made available at the schools, sports academies
- Micronutrient recommendations should be according to be the menstrual loss
- Sports doctors should be appointed at even remote sports training centers for helping recover the injuries.
- Malnourishments and other health issues should be taken care of before and during the sports training.

GROUP 3 - PSYCHOLOGICAL BARRIERS

Barriers

- Anxiety
- Peer pressure
- Fear of loosing
- Depression due to injuries
- Lack of confidence due to poor communication skills

Recommendations

- With the help of counselling by professional psychologist the issues listed above can be taken care of.
- Mental and physical health of athletes should be made strong to handle the pressures.
- Need to work for strengthening the communication skills among athletes.

GROUP 4- ECONOMIC BARRIERS

Barriers

- Lower socio-income families cannot afford the expenses involved in sports training and coaching cannot pay for sports equipment's, clothing etc.
- Lack of financial support

Recommendations

- Scholarships should be given to talented players.
- Wages of female should be given hike.
- Subsidies for women's activities can make them more affordable. If subsidies cannot be sustained, consider offering them at the start of a new project or activity, and then gradually introduce fees.



Pic no. -09 & 10- Group Activity

GROUP 5-PHYSICAL BARRIERS

Barriers

- Long distance of sports academy
- Lack of infrastructure
- Lack of practice means such as no Astroturf grounds available for practice
- Poor group practice
- Lack of trained coaches

Recommendations

- Talent hunting at every city, village and community must be done with serious efforts
- Sports facility should be developed at community level
- Developmental issues at community level will help overcome most of our physical barriers.
- Sports culture should be encouraged.

The existing barriers to women and girls 'participation in sport and physical activity leads to lower participation rates among women as compared to men. This gender gap is caused by these barriers and it plays a significant role in women and girls' attitudes and behavior. It is recommended to work on the various barriers and the suggested ways to overcome those.

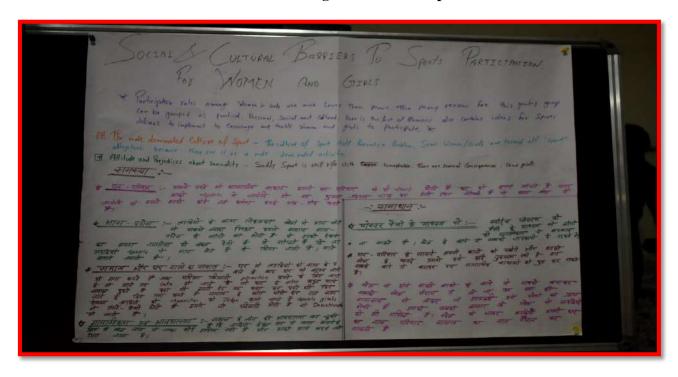


Pic no. -11 & 12- Group Activity

SHARING OF RESULTS



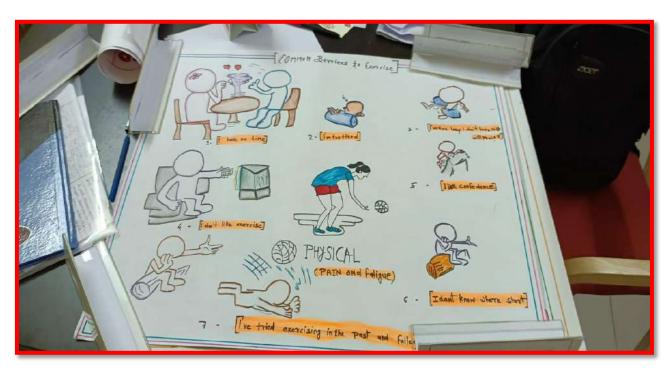
Pic no.13 - Sharing of result of Group - I



Pic no. 14-Group 2 - Health Related Barriers and Biological Barriers



Pic no. 15 & 16 - Result sharing by Group 02 & 03



Pic no. 17 (A) -Group 5 - Physical Barriers



Pic no. 17 (B) - Group 5 - Physical Barriers



Pic no. 18 - Result sharing by participants

SECOND DAY (15THNOVEMBER, 2022)



Pic no. 19 - Result sharing by participants



Pic no. 20 - Result sharing by participants

The second day of the seminar started with the lecture Ms. Susmita. R. Jyotsi, Regional Director, Sports Authority of India, Mumbai. She started her lecture by the statement that, "It is adventures that I am a sports person". Further she shared her personal experiences, and highlighted that if our muscles are active, then we are ready to compete. She urged for grooming the children for indulging in sports. The speaker talked about the various bio psycho social issues of sports women. Biological issues are physiological/ pathological conditions. Psychological issues she talked about is due to one thoughts, emotions and behaviours such as psychological fear, avoidance and beliefs. While social issues included socio-economical, socio-environmental, and cultural factors such as work issues, family circumstances, etc. She explained about the ways to overcome psychological barriers by our power of thought process. Ones behaviours and environment cause changes that affect the way your genes work.



Pic No. 21 - Ms. Sushmita R. Jyotsi sharing her deliberation

Dr. Arun Kumar, Anthropometrist, Sports Authority of India, Ministry of Youth Affairs and Sports Bhopal (M.P) told about the Policies Towards Socio-Economic Empowerment of Women in Sports. He said that the participation of women and girls in sports and in physical fitness activities have been recorded to have existed throughout history. Although participation of women in sports was very less and with time now women have come up to showcasetheir talent in the field of sports. However, participation rates and activities vary in accordance with nation, era, geography, and stage of economic development. that were considered as "feminine sport" and known as women's sports events. He focused onchallenges faced by women athletes and said that low pay scale and prize money, gender issues and negative effects of gender types and stereotypes are some major challenges faced by women players.



Pic No. -22 Dr. Arun Kumar sharing her deliberation

Dr. Shalini Menon, Assistant Professor, Department of Physical Education, GGU, Bilaspur,

Chhattisgarh dealt with Gynecological considerations of sports women and described that Premenstrual syndrome (PMS) encompasses the most common issues, such as mild cramping and fatigue, but the symptoms usually go away when our period begins. Through data support that there are over 355 million menstruating women and girls in India, 28 yet millions of women across the country still face significant barriers to comfortable and dignified experience with menstrual health, Girls do not consistently have access to education on puberty and menstrual health.



Pic No. -23. Dr. Shalini Menon sharing her deliberation

Dr. Om ji Gupta ,Assistant Professor, Department of Physical Education, Sant Guru Ghasidas Govt. P.G. College, Kurud, Dhamtari (C.G) gave his presentation on Nutritional Data Management. He demonstrated how to compile large data on the spread sheet and develop the calculation tools. He explained in details about the compilation of data and ways of data management for further calculation and implementation of the results. He has worked on the nutritional aspects of sports women and he has developed calculation soft wares with the guidance of subject experts. He demonstrated how to utilize those software tools for managing large data and explained the ways of calculations and interpretation. He discussed about the huge participation disparities among the male and female sports persons.



Pic No. -24. Dr. Om Ji Gupta sharing her deliberation

Valedictory Session

Dignitaries present in the valedictory ceremony were Prof. Kesarila IVerma, Honorable Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Dr. Sushmita R. Jyotsi, Regional Director, Sports Authority of India, Mumbai, Ms. Naina Singh, The first woman mountaineer from Chhattisgarh, Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Women's Studies and Prof. C.D. Agashe, HoD of SoS in Physical Education.

Prof. Kesari Lal Verma in his address said that Sports culture should be encouraged. Advantages of women participating in sports Participation of women in sports leads to not only their empowerment but also allows them to acquire individual competency, team & personality building and health improvement.



Pic no. 25. Honorable Vice Chancellor, Prof. Kesari Lal Verma addressing the participants

Special guest Ms. Naina Singh shared her success story of mountaineering with the participants. Naina Singh has become the first woman mountaineer from Chhattisgarh to reach Mount Everest (8848.86 m). Besides this extraordinary achievement, she has also conquered the Mount Lhotse (8516 m). On June 1st at 9 am, she made her name into the records

of history as she touched the world's highest peak – the Mount Everest. Throughout the expedition, Naina had shown immense grit and determination.

She has become a beacon of hope for youngsters of Chhattisgarh. A few days after this seminar Ms. Naina Singh was awarded the **TenzingNorgay National Adventure Award 2022**



Pic No. – 26. Naina Singh sharing her experience of mountaineering



A short video footage about Naina Singh was shown in the valedictory ceremony. The link of the video footage is- https://youtu.be/AtmWy8fccRg .At the end an interaction was also done with Naina Singh and the participants.

Prof Reeta Venugopal, in her concluding remarks said that is the future. She shared the key recommendations of the seminar and said that such seminars should be organized in future also.

Vote of thanks was given by Dr. Anuradha Chakraborty, Guest Faculty, Center for Woman Studies Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.



Pic No. -27. Concluding remarks of the seminar by Prof.Reeta Venugopal



Pic No. -28. Feedback by Participants

CONCLUSION

Sport holds enormous capacity to propel gender equality and women and girls' empowerment. It mobilizes the global community and speaks to youth. It unites across national barriers and cultural differences. It is a powerful tool to convey important messages in a positive and celebratory environment – often to mass audiences.

Seminar participants acknowledged the biological issues of women in sports. The problems are varied as per rural and urban areas affecting level of sports participation. The participants also recognized barriers to participate in sports for women whereas women feel insecure and discriminated at various level. The sports promotional schemes were discussed in details which created awareness among the participants of the seminar.

Various schemes and policies have facilitated participation of women but more policies and programs in close collaboration of different stakeholders are needed to be framed. Adequate training facilities should be accessible for all in adequate number and place. Towards building awareness sensitization on various issues will improve participation. Promoting sports among women is a very promising field for creating gender equality in the society. Participation of women in sports will lead to not only their empowerment but also allow them to acquire individual competency, team & personality building and health improvement. This would lead to positive consequence for the family as well as the whole society.



Rajdhani - 15 Nov 2022 - 15raj04

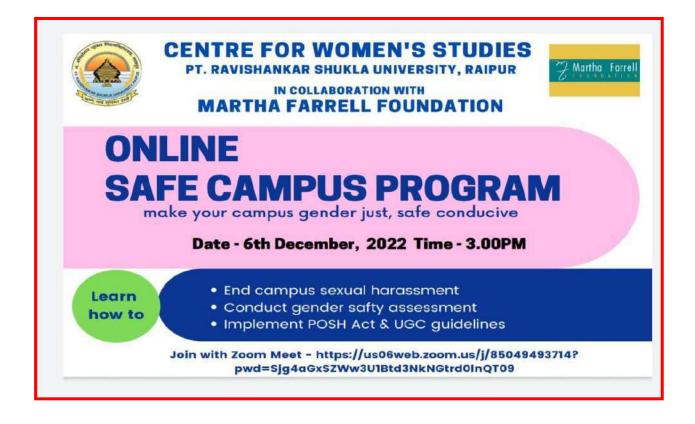


रविवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

रायपुर। रिविव में महिला अध्ययन केंद्र और शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में जैव मनोवैज्ञानिक - सामाजिक मुद्दे खिलाड़ी महिलाओं पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को इसका उद्घाटन राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने किया। प्रो. रीता वेणुगोपाल, निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र ने उद्घाटन भाषण दिया।

Online Safe Campus Program (make your campus gender just, safe conducive) in collaboration with Martha Farrell Foundation

6thDecember, 2022

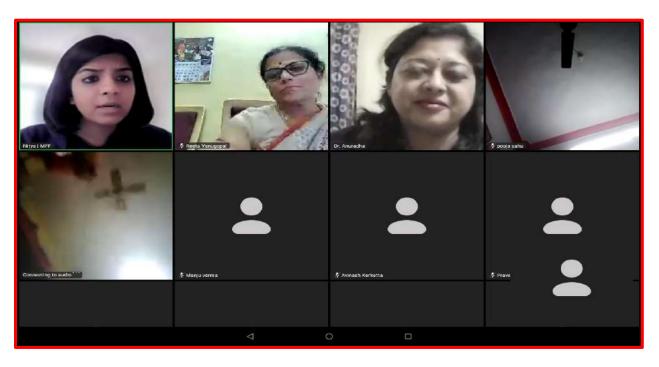


Through a two hour session on 'What makes a campus safe?' Martha Farrell Foundation facilitated discussions with students, faculty and staff of PRSU, on appropriate and safe behaviours, consent and boundaries, and instituting a culture of safety on campus, in compliance with the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition and Redressal) Act, 2013 and the UGC Regulations.

Key topics were covered:

- Understanding sexual harassment, its forms and types
- Understanding consent, boundaries, appropriate and inappropriate workplace behaviours
- Legal mechanisms to file complaints of sexual harassment at workplace
- Introducing a simple technology tool for SOS, psychosocial and mental health support for survivors of sexual and gender-based violence

Nitya Sriram was the resource person. She is a certified participatory trainer who leads partnerships at the Martha Farrell Foundation, and coordinates the Making Workplaces Safe Program. Nitya has a strong base in communications strategy and social media management. She has trained more than 2000 employees from the formal and informal sectors in India, including students, faculty and management of higher educational institutions, on the issue of sexual harassment in the workplace, and specialises in creating information and communication material on the issue.





One day programme on National Girl Child Day 24th January, 2023

The National Girl Child Day is celebrated in India every year on January 24. It was initiated in 2008 by the Ministry of Women and Child Development and the government of India, to spread public awareness about inequities that girls face in Indian society.

National girl child day was celebrated by Centre for Woman Studies, Pt. RSU by reaching out the young girls of slum area who are a part of "Masti ki Pathshala", run by "Roti bank NGO" and by distributing books and other study material with the girls.





Two Days

"Self Defence Training Programme for Girls"

(As part of the International Women's Day Celebration)

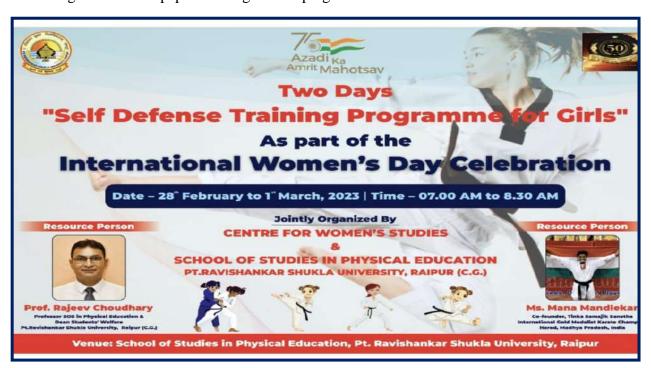
28th February to 1stMarch, 2023

We read about women being victimized every day, whether on social media or on television. There are countless accounts of women who have experienced sexual assault, arbitrary attacks by strangers, and other forms of abuse. In the world of crime, learning self-defence is advised so that women can save herself fromassaults of any kind as well as arbitrary assaults. Learning self-defence techniques should be at the top of every woman's list of priorities. Through self-defence course girls and women can learn how to physically defend herself and learn the necessary techniques to save herself. Keeping this in mind a two days self-defence training programme was organized by Center for woman studies from 28th February to 1stMarch, 2023.

Training for self-defence was given by Prof. Rajeev Choudhary, School of Studies in Physical Education, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. He trained the female students about the various skills of throwing techniques, hand techniques, leg techniques, holding techniques and gripping techniques which are helpful for self- defence. He also taught some useful moves of Judo.

Ms. Manna was the second resource person of the training programme. She also trained the participants about the various skills of self-defence techniques.

Following are the newspaper coverage of the programme.











Rajdhani - 02 Mar 2023 - 02raj3 epaper.navabharat.news



रविवि में लड़िकयों ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीक

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला एवं महिला अध्ययन केंद्र द्वारा दो दिवसीय आत्मरक्षा ट्रेनिंग शिविर आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में लड़िकयों को आत्मरक्षा की तकनीक से अवगत कराया गया। इसके अलग-अलग सत्रों में प्रो. राजीव चौधरी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग और श्रीमती माना मांडलेकर कराते विशेषज्ञ ने कलाई से पकड़ना और अन्य तकनीक से अवगत कराया।



IDKIP

raipur.wednesday 01/03/2023

पत्रिका इंटरव्यू: रायपुर पहुंची कराते चैंपियन मना मंडलेकर ने कहा...

घर और बाहर वालों से खूब लड़ी और बनी चैंपियन, अब वही देते हैं मिसाल

सेल्फ डिफेंस के लिए जागरूक होने के साथ आत्मविश्वास का होना जरूरी

पत्रिका plus रिपोर्टर

रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय पहुंची इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट कराते चैपियन मना मंडलेकर ने फिजिकल एज्केशन डिपार्टमेंट के स्ट्डेंट्स को बताया कि खद की रक्षा करने के लिए आपको अवेयर रहने के साथ ही अपने सेल्फ काफिडेंस को मजबूत रखना होगा। मंगलवार को सुबह स्टूडेंट्स को ट्रेनिंग देते समय मना ने महसूस किया कि यहां कि लड़कियां सेल्फ डिफेंस को लेकर उतनी अवेयर नहीं है उनका काफिडेंस भी कम है, लेकिन ट्रेनिंग के दौरान यह महसूस हुआ कि यदि इन्हें समय-समय पर टेनिंग दी जाए तो वे खद अपनी रक्षा कर सकती है। दो दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के दौरान उन्हें कलाई मोहकर छुडाने का तरीका बताया। कैसे बाल पकड़े हुए, कमर को पकड़े हुए हैं उसको छुड़ाने के लिए कई तरीके बताए।

जिंदा रहने के लिए भी परमिशन लेनी पड रही थी

मध्यप्रदेश के हरदा जिले के आलमपुर गांव की रहने वाली मना ने बताया कि जब वो 9 वीं

कराते सीखने के बाद एक लड़के की जमकर धुनाई की



बदलनी होगी समाज की सोच

खेल के माध्यम से कैसे हम समाज में समानता ला सकते हैं। इसके लिए हमने 2017 में तिनका समाजिक संस्था की शुरुआत की। इसके जरिए हम लड़कियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देते हैं। अभी तक 53 हजार 286 की ट्रेनिंग वे चुके हैं। हमारा सबसे ज्यादा फोकस गांव की लड़कियों को ट्रेंड करना है। अपने गांव की 192 स्कूल और 15 जिलों में संस्था काम कर रही है।

कक्षा में थी उसी समय घर वाले उसकी शादी करने वाले थे। मना अपनी पहचान बनाना चाहती थी, लेकिन गांव वाले और घर वालों को यह मंजूर नहीं था। इसके लिए

मना को बहुत संघर्ष करना पड़ा। तब कहीं जाकर उसे दूसरे गांव में पढ़ने की अनुमति मिली। स्कूल पूरा करने के बाद जब कॉलेज में आई तो कराते सीखने लगी। उसी

बताया कराते और सेल्फ डिफेंस में अंतर

कराते एक गेम है जिसमें हर खिलाड़ी को वैंपियन बनना होता है। वहीं सेल्फ डिफेंस खुद को सेफ्टी के लिए होता है। हम कराटे के जरिए भी खुद की सुरक्षा कर सकते हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता होता है। अब जब मैं अलग-अलग राज्यों में ट्रेनिंग दे रही हूं तो इसके बारे में उन्हें अदेयर कर रही हूं।

समय से ठान लिया था कि लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ाना है। अब वो प्रदेश के 192 गांव के स्कूल और 15 जिलों में काम कर रही हैं।

2013 में कॉलेज में वाखिला लिया तो कराते से परिचय हुआ। रोजाना 15 किलोमीटर का सफर तय कर कॉलेज पहुंचना पड़ता था। इस दौरान कई बार छेड़छाड़ की घटनाएं भी हुई। एक साल बाद जब कराते सीख गई तो छेड़छाड़ करने वाले लड़के की जमकर धुनाई की। तभी से कॉन्फिडेंट लेवल बढ़ गया। इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट कराते चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया।

Date: 01/03/2023, Edition: Raipur City, Page: 13 Source: https://epaper.patrika.com/

कार्यशाला का समापन

बालिकाओं ने सेल्फ डिफेंस की दाइची टेक्नीक जानी

02/03/2023



रायपुर @पत्रिका. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सेल्फ डिफेंस की दो दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला एवं महिला अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित शिविर में बालिकाओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे। इंटरनेशनल कराते गोल्ड मेडलिस्ट मना मांडलेकर ने दाइची टेक्नीक , रिस्ट होल्डिंग आदि बताकर उनका अभ्यास कराया। बेक होल्डिंग टेक्निक, डबल रिस्ट होल्डिंग के साथ व्यक्ति के शरीर के कमजोर भाग पहचान कर प्रहार करने पर जोर दिया। उन्होंने स्वयं की सुरक्षा व मजबूती का ख्याल रखने की बात कही। प्रोफेसर राजीव चौधरी ने सेल्फ डिफेंस के अलग-अलग स्टेप्स बताए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सी.डी. अगासे, प्रो. रीता वेणुगोपाल, आर. के. मिश्रा मौजूद रहे। कार्यशाला में स्कूल, कालेज एवं विश्वद्यालय के 70 से अधिक महिला एवं छात्राएं शामिल हुए।

National Workshop

on

DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality"

(as part of the International Women's Day celebration)

Date – 2ndMarch, 2023, (Thursday) Time – 11.00 AM

On the occasion of International Women's Day, a one-day National Workshop on "DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality" was organized on March 02, 2023, by the Center for Women's Studies, Pt.Ravishankar Shukla University,Raipur. Connecting and educating women online about technological advancements is crucial for highlighting digital innovations and closing the gender gap. Digitization, which is the primary focus of digital literacy, is the most essential skill required for the empowerment of women creating opportunities in academics, financial markets, and entrepreneurship for women. The progarmme opened various avenues of enhancing the digital skills and technological innovations of digitalization.

Inaugural Session-

The program was inaugurated at 11.00 and itstarted with the lighting of lamp before Goddess Saraswati. It was followed by the Kulgeet of Pt. Ravishankar Shukla University, after which the guests were welcomed by presenting them small plants. Around 150 students registered for the workshop.

Welcome address was delivered by Prof.Reeta Venugopal, Director, Centre for Women's Studies,Pt. Ravishankar Shukla University. She emphasized that skill development and digital awareness plays a crucial role in the overall development of any society besides positively impacting the daily lives of women and creates a wide range of opportunities for women. She talked about the contributions of women in the various fields like sports, academics and business. She also highlighted about the representation of women in all the departments on our university creating a impact and positive note for the society and future generations.

Ms. Sonali Jha, CEO and Founder, Cunomia Technologies, Bangalorewas the key note speaker. She talked about her mission to empower women in tech and provide them with economic access. She said that the Women in Cloud Initiative is a community-led economic

development organization that helps to generate new global economic access for women entrepreneurs by 2030 through partnerships with corporations, community leaders, and policy makers. The Women in Cloud Initiative is led in collaboration with industry and community partners such as Microsoft, M12 - Microsoft's Venture Capital Fund, Accenture, Hitachi Solutions, Insight, Boeing, Meylah, and more.

This was followed by the address by Ms. Heena AnimeshNetam, Joint Secretary of Higher Education, Chhattisgarh. She talked about the role of education and skill development for women empowerment.

Prof. Shail Sharma, Head, SoS in literature & Languages and Dean of Arts faculty was the chairperson of the inaugural ceremony. In her address she encouraged the students to come forward and enhance their skills and prepare themselves to become valuable contributors of the society. She encouraged woman to empower themselves through education.

Women's Day is the day to acknowledge the achievements of the women champions of various fields. In this regard, woman achieversof all the departments of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur in the field of academics, sports, cultural were facilitated. The token of appreciation was sponsored by SrijansheelVidushiMaliha BahuudeshiyaSahkari Samity.18female students were facilitated for their excellence in the field of academics, 2 for sports, 3 for cultural activities and 1 for social work. 2 members of SrijansheelVidushiMaliha BahuudeshiyaSahkari Samity were felicitated for their social work. Ms. Anita Toppo Senior Assistant Programmer, SoS in Computer Science was facilitated for her contributions for imparting digital training and computer education as "Digital Woman".

Dr.Shailendra Kumar Patel, Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur addressed the house and congratulated all the women achievers for their remarkable contributions. He extended his support and cooperation as the administrative head of the university to all the deserving women students of the university. He said that it's a matter of pride that many departments of the university have female professor are holding the post of Head of the department. He acknowledged and appreciated the various women centric work done by Centre for Womans studies over the years. With this inaugural session came to an end which was followed by four technical sessions.

Technical Session

In the first technical session Ms. Sonali Jha, CEO & Founder, Cunomial Technologies, Bangalore, talked on Growth strategies with entrepreneurship pertaining 'Exceptional performance'. She emphasized that the focus on gender equity needs to be part of every society's DNA, and the aim of the campaign is to get the world talking about "Why equal opportunities aren't enough.". She further said that growing inequalities are becoming increasingly evident in the context of digital skills and access to technologies, with women being left behind as the result of this digital gender divide. The need for inclusive and transformative technology and digital education is therefore crucial for a sustainable future and is needed to harness the potential of technology and innovation to accelerate progress on the 2030 Agenda and the sustainable development goals.

In the second technical session Ms. Sonali Guha ,Cyber Forensic Expert ,Managing Director Technoking Group, Chhattisgarh& Mr. Ayush Guha ,Cyber Forensic Expert & Ethical hacker Chhattisgarh gave their presentation on "Awareness about Cyber Security and Ethical Hacking". They explained the ways to to increase the cybersecurity and keep your information safe. They suggested that cyber security could be achieved by choosing our passwords wisely, by the use multi-factor authentication, one should know how to identify a phishing attack, updating the software regularly is equally important and one should stay aware of threats. They shared the help line systems to report the cyber crime. They suggested measures to avoid getting hacked while using social media platforms.

In the third technical sessionMrs. SrilataDhawala, Promoter Director Dhavala Group, Chhattisgarh talked about "Women Entrepreneurship and steps for starting business, entire ecommerce sites, and about business managing technology". She shared her story of becoming an successful entrepreneur .She taught the basics of entrepreneurship and suggested ways for start ups.In the fourth sessionMrs. SrilataDhawala, and Ms. Sunita talked about "Training & support for Women Entrepreneurship & Startup".

Prof. Aditi Niyogi Poddar gave the concluding remarks of the technical sessions at the end. In all the event was a big success.













विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का सम्मान



रायपुर @पत्रिका. रिविव में डिजिटल: लेंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। महिला अध्ययन केंद्र की प्रो. रीता वेणुगोपाल ने उदाहरणों से यह बताया कि आज प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं अपनी विशेषज्ञता से आगे आ रही हैं, उन्होंने न केवल महिलाओं की बात कही बल्कि समाज के उत्थान के लिए लिंगभेद को छोड़ महिला और पुरुष की समानता पर जोर दिया। कार्यक्रम में खेल, संस्कृति और शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने वाले 24 छात्राओं को सम्मानित किया गया। कम्प्यूटर शिक्षा में योगदान देने वाले को डिजिटल ञुमन के रूप में सम्मानित किया गया।

Date: 04/03/2023, Edition: Raipur City, Page: 19
Source: https://epaper.patrika.com/

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

दिनांक - 12.11.2022

विषय – गजानन माधव मुक्तिबोध जयंती समारोह

आजादी के 75 वें अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पं रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में हिंदी साहित्य के प्रमुख किव, आलोचक, निबंधकार, कहानीकार तथा उपन्यासकार गजानन माधव मुक्तिबोध जी की जयंती के अवसर किवता पाठ का आयोजन किया गया। मुक्तिबोध को प्रगतिशील किवता और नयी किवता के बीच का सेतु माना जाता है। इस दृष्टि से साहित्य में रुचि रखने वाले छात्र छात्राओं के लिए उनकी जयंती विशेष महत्व रखती है। तारसप्तक के इस प्रथम किव को काव्यांजिल समर्पित करते हुए विद्यार्थियों ने उनके द्वारा रिचत किवताओं का बहुत ही भावपूर्ण पठन किया।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के रूप में डॉ. मृणालिनी कर्मीकर, डॉ. कुमुदिनी घृतलहरे एवं डॉ. पूनम उपस्थित रहे। विजेता प्रतिभागी निम्नानुसार है –

प्रथम – दुर्गेश कुमार चक्रधारी (हिंदी प्रथम सेमेस्टर) कविता– भूल गलती

द्वितीय - गुलाब सिंह वर्मा (हिंदी तृतीय सेमेस्टर) कविता - ओ आदर्शवादी मन

तृतीय - निधि शर्मा (अंग्रेजी तृतीय सेमेस्टर) कविता - सहर्ष स्वीकारा है

कार्यक्रम के अंत में अध्ययनशाला की अध्यक्ष प्रोफेसर शैल शर्मा ने विजेताओं को बधाई देते हुए सभी प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित की। डॉ. मधुलता बारा, एसोसिएट प्रोफेसर हिंदी, ने कहा कि मुक्तिबोध की कालजयी रचनाएँ समय व स्थान के आयामों से परे, हर युग में वैश्विक रूप से प्रासंगिक रहेंगी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती पाठक ने किया। इस गरिमामय आयोजन में अध्ययनशाला के समस्त अतिथि प्राध्यापकगण व विद्यार्थी उपस्थित रहें।







NATIONAL UNITY DAY QUIZ COMPETITION

To commemorate Sardar Vallabhbhai Patel's birthday; National Unity Day was organized at Institute of Renewable Energy Technology and Management on 31st Oct. 2022 under the Azaadi ka Amrit Mahotsav. Under this program, a quiz competition related to Ekta Diwas was organized between 3 to 4 pm, in which total of 60 students from different UTD's of the university participated.













ENERGY LITERACY TRAINING PROGRAM

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला, क्रेडा, रायपुर तथा एनर्जी स्वराज फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनाँक 26/11/2022 को एक दिवसीय Energy Literacy Training कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन से किया गया जिसके पश्चात मुख्य अतिथियो का स्वागत एवं संबोधन विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स तथा समन्वयक, अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान रायपुर, डॉ कविता ठाकुर के द्वारा किया गया उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में समस्त विद्यार्थियों एवं विभाग के शिक्षकों को अवगत कराया।

जिसके पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन, मुख्य अभियंता, क्रेडा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सौर ऊर्जा को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके फायदों के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो केशरी लाल वर्मा, कुलपित पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन को इस कार्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को Energy Literate बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हुए इसे विश्वविद्यालय के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक हो सके और अक्षय ऊर्जा का उपयोग दैनिक जीवन में कर सके।

इसके पश्चात श्री संजीव जैन ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ.चेतन सिंह सोलंकी, प्रोफेसर आई आई टी मुंबई जिन्हें सोलर मेन ऑफ इंडिया भी कहा जाता है, के Energy Literacy Training के 12 modules द्वारा प्रतिभागियों को Energy Literate किया गया, जिसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के ऊर्जा खपत के बारे में बताना एवं ऊर्जा संरक्षण कैसे किया जाए उन साधनों के बारे अवगत कराना था। साथ ही साथ उन्होंने ऊर्जा संरक्षण एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने में क्रेडा की सहभागिता के बारे में बताया।

उदघाटन सत्र की उद्घोषिका डॉ बसुमती नाडिंग थी, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की शिक्षिका आयुषी सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ट्रेनिंग सत्र के अंत में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं से करीब ७० से अधिक छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। ट्रेनिंग सत्र के समापन पर अक्षय ऊर्जा विभाग के गजेंद्र सिंह राठौर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सुनंदन मंडल, सोनू कुमार सिंह, शालिनी वर्मा तथा अक्षय ऊर्जा विभाग के अंकुर श्रीवास्तव, कुसुम सोनकर एवं लितका सिंह सिंहत दोनों अध्ययनशालाओं के समस्त विद्यार्थी मौजूद थे।















150 कॉलेज में होगी एनर्जी लिट्रेसी ट्रेनिंग

रायपुर @ पत्रिका . आजादी के अमृत महोत्सव पर में रविवि में एक दिवसीय एनर्जी लिट्रेसी टेनिंग का आयोजन किया गया। अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला, क्रेडा, रायपुर और एनजीं स्वराज फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के चीफ गेस्ट कुलपति केएल वर्मा थे। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हुए इसे विवि के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक होकर अक्षय ऊर्जा का उपयोग दैनिक जीवन में कर सकें। विशिष्ट अतिथि अभियंता क्रेडा के चीफ



इंजीनियर संजीव जैन मुख्य ने सौर ऊर्जा को अपने वैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके फायदे गिनाए। सोलरमैन ऑफ इंडिया के टाइटल सें चर्चित आईआईटी मुंबई

के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी ने एनर्जी लिट्रेसी ट्रेनिंग के 12 मॉड्यूल ऊर्जा की जानकारी दी। इसमें प्रति व्यकित ऊर्जा खपत, ऊर्जा संरक्षण के साधनों के बारे में बताया गया।



THEMATIC LECTURE ON CURRENT ENERGY SCENARIO AT CHHATTISGARH AND CAREER OPPORTUNITIES IN SOLAR FOR GRADUATES

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान में दिनाँक 08/12/2022 को सौरयांश सोलर प्रा लि के निदेशक श्री पंकज गाँधी का व्याख्यान तथा Placement Camp का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ, मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं संबोधन विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स तथा समन्वयक, अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान रायपुर, डॉ कविता ठाकुर के द्वारा किया गया उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में समस्त विद्यार्थियों एवं विभाग के शिक्षकों को अवगत कराया। जिसके पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री पंकज गाँधी, निदेशक सौरयांश सोलर प्रा लि, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सौर ऊर्जा के छेत्र में आने वाले सालो में जॉब अवसर के बारे में जानकारी दी एवं संस्थान में चल रहे कौशल विकास आधारित बी वॉक पाठ्यक्रम कोर्स की सराहना की, कौशल विकास आधारित शिक्षा पद्धित को प्रेरित किया और उसके फायदों के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

इसके पश्चात Placement Camp के तहत Interview की प्रक्रिया शुरू हुई जिसमें छठवें सेमेस्टर के कुल 12 विद्यार्थियों ने एवं विगत वर्ष से एक छात्रा ने भाग लिया और उनमें से 3 विद्यार्थियों का चयन हुआ जिसके अंतर्गत उन्हें सौरयांश सोलर प्रा लि में नौकरी का अवसर मिला है।











INDUSTRIAL VISIT TO CSEB 132 KV GIS SUBSTATION AT RAWANBHATA BHATGAON CHOWK, RAIPUR

With an aim to provide live experience about established Electrical Transmission Substation, an Industrial/Site Visit was scheduled on 25^{th} of February. Total 16 students along with 4 faculties have been to visit. It started by 11:00 AM and reached department by 04:00 PM.













AWARENESS PROGRAMME ON EFFICIENT UTILIZATION OF PLASTICS

The adverse impacts of littered single use plastic items plastic on both terrestrial and aquatic ecosystems, including in marine environment are globally recognized. Addressing pollution due to single use plastic items has become an important environmental challenge confronting all countries but at the same time Plastic has become a constant element in our lives. Its omnipresence is such that many would find the mere fact of giving it up a difficult task. Reducing the consumption of plastics therefore requires not only a change in habits, but also a change of mindset and hence in the context Institute of Renewable Energy Technology & Management, Pt. Ravishankar shukla has organized awareness programme for efficient usage of Plastics in association with CIPET, Raipur on 08th April 2023.

Dr. Aparna Yadu & Dr. Rajshree Vijayvargiya lead the session and described about how recycling of plastics can help us develop new product. Plastic has huge contribution in Building construction material and also a proven technology in Road construction.

Giving a brief about Plastics, Dr. Vijayvargiya informed us that, Now Government has made it mandatory for all road developers in the country to use waste plastic, along with bituminous mixes, for road construction. This is to help overcome the growing problem of plastic waste disposal in India. The technology for this was developed by the 'Plastic Man' of India, Prof Rajagopalan Vasudevan, Professor of Chemistry at Thiagarajar College of Engineering, Madurai. Dr. Yadu focused on the Industrial and academic facilities available at CIPET, Raipur.





Addressing to students Prof. Kavita Thakur said, "Plastic has slowly became an integral part of all human requirements. Plastic carry bags, packaging material, bottles, cups, and various other items have slowly replaced everything made of other material due to the advantages of plastic. Plastic is durable, easy to produce, lightweight, unbreakable, odourless, and chemical resistant but at the same time plastic does not decompose. This is its biggest drawback."







INDUSTRIAL VISIT TO PLASTIC MOULDING & FABRICATION FACILTY AT CIPET RAIPUR

On 11th April 2023 an Industrial/Site Visit was scheduled by department to Plastic Moulding & Fabrication facility at CIPET Raipur, The Plastics processing department of the centre is well equipped with both the conventional processing machines as well as modern microprocessor controlled processing machines. Students have seen working of Automatic Injection Moulding Machine, Automatic Blow Moulding Machine, Hydraulic Compression Moulding Press, Microprocessor Controlled Automatic Injection Moulding Machine and various other plastic moulding machines. The visit was informative and exciting for students. Total 16 students of B.Voc. Sem-II & IV participated in the visit. Mr. Ankur Shrivastava & Ms. Kusum Sonkar guest faculties of Institute accompanied them during the visit.











03 DAYS WORKSHOP ON ADVANCEMENTS IN SOLAR PHOTOVOLTAIC TECHNOLOGIES

Rising concerns about climate change, the health effects of air pollution, energy security and energy access, along with volatile oil prices in recent decades, have led to the need to produce and use alternative, low-carbon technology options such as renewables. The evolution of the solar PV industry so far has been remarkable, with several milestones achieved in recent years in terms of installations (including off-grid), cost reductions and technological advancements, as well as establishment of key solar energy associations, this

Institute of Renewable Energy Technology & Management & S.O.S. in Electronics & Photonics in association with Public Outreach Centre Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur Cordially invites you for the Inaugural Ceremony of 03 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies Speakers Mr. Rajib Das Mr. Amitesh Sharma Director Greenfinity Powertech Pvt. Ltd. Director Greenfinity Powertech Pvt. Ltd. Thursday, 27th April 2023 at 11:00 AM Seminar Hall Institute of RETM Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Sachchidanand Shukla Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur will preside over the function Prof. Kavita Thakur Prof. Kallol K. Ghosh Dr. Shailendra Patel Coordinator Registrar
Public Outreach Centre Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur Institute of RETM

lead to Solar PV to be one of the pioneering renewable technologies over the decades. The IEA estimates that the transition towards net-zero emissions will lead to an overall increase in energy sector jobs: while about 5 million jobs in fossil fuel production could be lost by 2030, an estimated 14 million new jobs would be created in clean energy, resulting in a net gain of 9 million jobs and hence



huge trained workforce is required in coming years to serve the purpose of renewable growth.

In context Institute of Renewable Energy Technology & Management and S.O.S. in Electronics & Photonics in association with Public Outreach Centre is organizing 3 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies from 27th April to 29th April 2023. The 3 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies commenced at 11:00 AM of 27th April in the presence of Chief Guest Prof. Sachidanand



Shukla, Hon'ble Vice Chancellor, Energy Experts & Speakers of the workshop Mr. Amitesh Sharma and Mr. Rajib Das, Director, Greenfinity Powertech Pvt. Ltd. & Prof. Kavita Thakur, Coordinator, Institute of RETM & Head, S.O.S. in Electronics & Photonics.

Pictures of the Event







SUMMARY OF EVENTS HELD @ INSTITUTE OF RETM

S.NO.	EVENT	TOPIC	DETAILS OF SPEAKER		DATE OF	NO. OF
			NAME OF SPEAKER	DESIGNATION	DATE OF EVENT	PARTICIPAN TS
1	Quiz Competition	National Unity Day Quiz Competition			31-Oct-2022	40
2	Training Program	Energy Literacy Training Program	Shri Sanjeev Jain	Chief Engineer, CREDA	26-Nov- 2022	80
3	Thematic Lecture	Current Energy Scenario at Chhattisgarh and Career Opportunities in Solar for Graduates	Mr. Pankaj Gandhi	Director, Sauryansh Solar Pvt. Ltd.	8-Dec-2022	30
4	Industrial Visit	CSEB 132/33 KV GIS Transmission Substation Rawanbhata Bhatgaon Chowk, Raipur			25-Feb- 2023	16
5	Awareness Program	Efficient Utilization of Plastics	Dr. Rajshree Vijayvargiya & Dr. Aparna Yadu	CIPET Raipur	8-Apr-2023	65
6	Industrial Visit	Plastic Moulding & Fabrication Facilty		CIPET Raipur	12-Apr- 2023	16
7	Three Days Workshop	Advancements in Solar Photovoltaic Technologies	Mr. Amitesh Sharma & Mr. Rajib Das	Director, Greenfinity Powertech Pvt. Ltd., Raipur	27-29 April 2023	63

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला

विषय वर्तमान परिदृश्य में गाँधी की प्रासंगिकता'

दिनांक -1.10.2022

आज दिनांक 01. 10. 2022 को साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के पाणिनि सभाकक्ष में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में गाँधी जयंती पर वाद—विवाद एवं रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसका विषय वर्तमान परिदृश्य में गाँधी की प्रासंगिकता' रखा गया। इस कार्यक्रम में विभाग के विद्यार्थियों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष प्रो० शैल शर्मा, डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजा शंकर गौतम, डॉ. स्मिता शर्मा एवं अतिथि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल के रूप में उपस्थित रहेरू-

वाद—विवाद प्रतियोगिता — डॉ. गिरजा शंकर गौतम, डॉ. रिमता शर्मा ,डॉ. मृणालिनी करमोकर। रंगोली प्रतियोगिता— डॉ. सोनल मिश्र, डॉ. विभाषा मिश्र, डॉ. पूनम एवं शेफाली जैन।

पक्ष में विचार रखते हुए विद्यार्थियों ने गाँधी के स्वावलंबन, अहिंसा, सत्यवादिता को रेखांकित किया। विपक्ष में छात्रों ने देश–विभाजन की समस्या को गाँधी की विचारधारा से जोडा ।

इस प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे रू-

वाद-विवाद प्रतियोगिता-

पक्ष –प्रथम –अवनीश तिवारी

एम.ए.हिंदी, तृतीय सेमेस्टर

द्वितीय— दुर्गेश चक्रधारी,एम.ए.हिंदी, प्रथम सेमेस्टर तृतीय — सुनील तिर्की, एम.ए.अँगरेजी, प्रथम सेमेस्टर

विपक्ष—

प्रथम—टाकेशवर साहू ,एम.ए. छत्तीसगढ़ी, तृतीय सेमेस्टर द्वितीय— मनोज तारक, एम.ए.छत्तीसगढ़ी, तृतीय सेमेस्टर रंगोली प्रतियोगिता—

प्रथम-लक्ष्मी साहू ,एम.ए. अँगरेजी, प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय— अंजली यादव , एम.ए.अँगरेजी, प्रथम सेमेस्टर तृतीय— १.—अदिति गुप्ता, एम.ए.छत्तीसगढ़ी, प्रथम सेमेस्टर २.—आकांक्षा साहू, एम.ए.हिंदी, प्रथम सेमेस्टर





विषय: मुकुटधर पाण्डेय जयंती

(निबंध लेखन प्रतियोगिता)

दिनांक : 30.09.2022

आज दिनांक 30.09.2022 को साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कक्ष क्रमांक 301 में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पं. मुकुटधर पाण्डेय की जयंती पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एम.ए. हिंदी व एम. ए. छत्तीसगढ़ी के विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजा शंकर गौतम एवं अतिथि प्राध्यापकगण उपस्थित रहें।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पूनम एवं निर्णायक मण्डल में -

- 1. डॉ. मृणालिनी करमोकर
- 2. डॉ. सोनल मिश्रा
- श्रीमती भो<u>फाली</u> जैन प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा —

प्रथम स्थान — फागे ा साहू एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर द्वितीय स्थान — रेणुका दे ालहरे एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर तृतीय स्थान —

- 1. आकांक्षा साहू एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर
- 2. जिते । कुमार एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर



विषय : स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी

वक्ता : प्रो. मोहन, दिल्ली वि वविद्यालय, दिल्ली

दिनांक : 23/9/2022.

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला में 'स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी' विषय पर व्याख्यान कराया गया जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. मोहन, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं अतिथि के रूप में डॉ. सुधीर शर्मा व डॉ. फिरोजा जाफर अली रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं कुल गीत तथा राज गीत के गायन प्रस्तुति से हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला प्रो. शैल शर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर प्रो. मोहन जी का स्वागत किया। डॉ. सुधीर शर्मा एवं डॉ. फिरोजा जाफर अली का स्वागत क्रमश डॉ. मधुलता बारा एवं डॉ. गिरजा शंकर गौतम ने किया।

अपने वक्तव्य की शुरुआत प्रो. मोहन ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति को उजागर करते हुए किया तत्पश्चात् उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी के योगदान पर अपने विचार रखे। गाँधी जी को याद करते हुए प्रो. मोहन ने बताया कि किस तरह गाँधी जी ने हिंदी के प्रचार—प्रसार पर सहयोग दिया। गैर हिंदी भाषी होने के बावजूद गाँधी जी ने हिंदी को सिर्फ भाषा नहीं बिल्क देश को जोड़ने की महत्वपूर्ण कड़ी के रुप में देखा। आजादी के आंदोलन के सबसे बड़े नेता रहे गाँधी जी की शुरुआत चंपारण आंदोलन से शुरू होती है गाँधी जी जब चंपारण गए तो सबसे बड़ी दिक्कत उन्हें भाषा को लेकर आयी।

स्वतंत्रता आंदोलन में आने से पहले गाँधी जी ने पूरे देश का भ्रमण किया और पाया कि एकमात्र हिंदी ही ऐसी भाषा है जो पूरे देश को जोड़ सकती है। इसलिए उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की बात कहीं। हिंदी के लेखकों एवं किवयों के साथ भी गाँधी जी के रिश्ते बहुत सघन रहे यह भी एक कारण था कि हिंदी लेखकों पर उनका प्रभाव रहा। गाँधी जी ने हिंदी में दो अखबार निकाले — 'नवजीवन' और 'हरिजन सेवक'।

अपने ज्यादातर पत्रों का जवाब भी गाँधी जी हिंदी में ही देना पसंद करते थे। वह भारतीयों को जोड़ने के लिए, एकत्र करने के लिए हिंदी बोलते एवं लिखते थे उन्होंने हिंदी को ने एक संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग किया। गाँधी जी ने माना कि राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है। गाँधी जी चाहते थे कि बुनियादी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक सब कुछ मातृभाषा के माध्यम से हो। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान ही उन्होंने समझ लिया था कि अँगरेजी माध्यम की शिक्षा हमारे भीतर औपनिवेशिक

मानसिकता बढ़ाने की मुख्य जड़ है। गाँधी जी ने हिंदी को हृदय भाषा माना है गाँधी जी ने हिंदी के प्रसार के लिए दक्षिण भारत, गुजरात एवं उत्तर भारत में हिंदी प्रचारिणी सभा का उदय किया।

उनका मानना था कि इससे दो कार्य एक साथ होगें पहला हिंदी भाषा का प्रमुख संपर्क भाषा के रूप में उभरकर आना दूसरा जनता का शिक्षित होना। प्रो. मोहन जी ने कहा कि बीसवीं सदी अँगरेजी की थी मगर इक्कीसवीं सदी हिंदी की होगी। हिंदी को स्वीकारने का अर्थ है देश को स्वीकार करना, देश के लोगों को स्वीकार करना।

डॉ. सुधीर शर्मा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का स्वाधीनता आंदोलन में योगदान के साथ आज हिंदी में अपना योगदान एवं उसके प्रचार—प्रसार में कैसे सहयोग कर सकते हैं इसके बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मधुलता बारा ने बड़े ही सुचारू रूप से किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथि, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए डॉ. गिरजा शंकर गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन किया।



वक्ता : प्रो. केशरी लाल वर्मा, कुलपित, पं. रवि ांकर भाुक्ल

वि वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

विषय: स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की भूमिका

दिनांक: 14 सितंबर 2022 हिंदी दिवस

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला एवं पब्लिक आउटरीच सेंटर के तत्वाधान में 14 सितम्बर 2022 को हिंदी दिवस का आयोजन, भूगोल अध्ययनशाला के सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजा से की गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा कुलगीत एवं राजगीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित संत युधिष्ठिर लाल महाराज ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के अखिल भारतीय प्रचार समितियों के विषय में बताया। बैंक ऑफ बडौदा में पदस्थ राजभाषा अधिकारी श्रीमती मनीषा यादव ने बैंक के माध्यम से चल रही हिंदी भाषा से संबंधित योजनाओं के बारे में बता कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम संयोजक प्रो.कल्लोल घोष ने अपने वक्तव्य में हिंदी भाषा को भाषा नहीं, भावना कहा। साथ ही हिंदी, अखंड भारत की आत्मा है यह भी बताया। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि हिंदी दिवस हम सबके लिए गौरव का दिन है। उन्होंने हिंदी को दुनिया में हमारी पहचान बताते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया स आजादी के अमृत महोत्सव को याद करते हुए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किस प्रकार हिंदी ने भारतवासियों को एकजुट होने एवं जोड़ने में सहयोग दियास हिंदी एकमात्र ऐसी भाषा है जो विचारों के माध्यम से पूरे देश में संपर्क भाषा के रूप में कार्य करती है स हिंदी सिनेमा ने हिंदी के प्रसार में अभूतपूर्व योगदान दिया है। हिंदी सिनेमा ने हिंदी को नया आयाम दिया है।दक्षिण भारत में भी हिंदी का प्रसार बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हमें विश्व गुरु बनना है तो हिंदी भाषा को अपनाना होगा। कार्यक्रम में पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिंदी दिवस पर कविता पाठ, गीत प्रस्तुत कर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गिरिजा शंकर गौतम ने बड़े ही सुचारू रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. मधुलता बारा ने अतिथिगण एवं कार्यक्रम में उपस्थित समस्त श्रोताओं का आभार प्रकट करते हुए हिंदी गर्व करने के साथ सम्मान की बात कही । इस कार्यक्रम में डॉ. मीता झा, डॉ. रिमता शर्मा, डॉ. मृणालिनी करमोकर, डॉ. कौस्तुभमणि द्विवेदी,

डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. आरती पाठक, डॉ. कुमुदिनी धृतलहरे, डॉ. शारदा सिंह, श्रीमती शेफाली जैन, डॉ. पूनम, सुश्री कुसुमिता सोनवानी की उपस्थिति गरिमापूर्ण रही ।



विशय : भारतेंदु जयंती

दिनांक: 09.09.2022

आज दिनांक 09.09.2022 को साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारतेंदु जयंती का आयोजन किया गया। इस कर्यक्रम में हिंदी भाषा के महत्व पर स्लोगन लेखन, पर्यावरण विषय पर पोस्टर बनाना एवं हिंदी हस्ताक्षर प्रतियोगिता रखी गई। कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डॉ.मधुलता बारा, डॉ.गिरजा शंकर गौतम एवं अतिथि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। एम.ए.हिंदी, छत्तीसगढी के विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

निर्णायक मण्डल निम्नलिखित सदस्य रहें -

- 1. डॉ. मृणालिनी करमोकर
- 2. श्रीमती शेफाली जैन.
- 3. डॉ. पूनम

स्लोगन प्रतियोगिता का परिणाम -

प्रथम-रुपाली मिश्रा, एम.ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय- मीनल मिंज, एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

तृतीय- इशाप्रकाश साहू- एम.ए.हिंदी तृतीय सेमेस्टर

निर्णायक मण्डल रहें

- 1. डॉ. सोनल मिश्रा
- 2 डॉ भाारदा सिंह

पोस्टर प्रतियोगिता का परिणाम -

प्रथम- युगल किशोर, एम.ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय- तामेश्वर, एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

तृतीय- गुलाब कुमार, एम.ए. छत्तीसगढ़ी प्रथम सेमेस्टर

निर्णायक मण्डल रहें –

- 1. डॉ. मृणालिनी करमोकर
- 2. श्रीमती शेफाली जैन,
- 3. डॉ. पूनम

हिंदी हस्ताक्षर प्रतियोगिता का परिणाम
प्रथम— रेणुका, एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर
द्वितीय— तामेश्वर, एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर
तृतीय— गुलाब कुमार, एम.ए. छत्तीसगढ़ी प्रथम सेमेस्टर



विषय: गज़ल और हिंदी

वक्ता : प्रो. दिने ा कु ावाह, अवधे । प्रताप सिंह वि वविद्यालय, रींवा (म.प्र.)

दिनांक : 02.09.2022

समकालीन कवि—आलोचक के रूप में 'दिनेश कुशवाह' सुपरिचित एवं प्रतिष्ठित नाम है। देविरया (उ. प्र.) में 08 जुलाई 1961 को जन्में दिनेश कुशवाहा जी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से हिंदी में एम. ए. तथा पी—एच. डी. की उपाधि प्राप्त की। छात्र जीवन में राजनीति करते हुए सामाजिक न्याय तथा जन सरोकारों को केंद्र में रखकर अनेक कार्य किए। उनकी सहज अभिरुचि तथा महापंडित राहुल सांकृत्यायन पर शोध कार्य उन्हें विशिष्ट बनाता है। कविताएँ एवं शोध—आलेख निरंतर प्रकाशित हुए।

आज हिंदी कविता का महत्त्व और स्तर दिन—प्रतिदिन गिरता जा रहा है, पाठकों से दूरी बढ़ती जा रही है। यथा स्थिति की प्रस्तुति और उससे उत्पन्न आक्रोश को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत करने के पश्चात् भी कविता सुधी—जनों की उपेक्षा से मर्माहत है। कहा गया है कि काव्य के सृजन से नवीन दृष्टिकोण का उन्मेष और नूतन प्रवृति का प्रादुर्भाव होता है, फिर भी असर जन मानस पर क्यों नहीं पड़ता ? इसके लिए साहित्यकार कहाँ तक दोषी है ? क्या कविता अब ज्ञान शून्यता में पैदा होती है और ज्ञान उत्कर्ष से स्वयंमेव भाव का अपकर्ष होता है ? यदि ऐसा है तो यह कविता के लिए अमंगलकारी होने का स्पष्ट संकेत है। दूसरी ओर अनेकानेक कवियों का झुकाव गज़लों की ओर हो जाने से कुछ आलोचक दबी जुबान से ही सही, किंतु गज़ल को काव्य के विकल्प के रुप में देखने लगे हैं। इस प्रकार हिंदी काव्य जगत में गजल का विकास तेजी से हो रहा है और संभावनाएँ बढ़ गयी है।

एक जमाना था जब आशिक और माशूका की मोहब्बत भरी गुफ़्तगू को गज़ल कहा जाता था। हुस्न—इश्क और साकी शराब की रसीली अभिव्यक्ति उसकी भावभूमि हुआ करती थी, जिससे परे जाकर दूसरी भावभूमि पर गज़ल कहना गज़लकारों के लिए दुस्साहस भरा कार्य हुआ करता था। ऐसी परिस्थिति में नयी क्रांति की प्रस्तावना किसी भी कवि के लिए संभव नहीं थी। सच तो यह है कि गज़ल के रूप में उसी कलाम को स्वीकार किया जाता था जो औरतों के हुस्न और जमाल की तारीफ़ करें। यहाँ तक कि जो हिंदी की गज़लें हुआ करती थी उसमें उर्दू गज़लों का समकक्ष माना गया।

गज़ल मुख्यतः उर्दू अदब की चर्चित विधा है। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती ने सर्वप्रथम गज़ल कहने का प्रयास किया था, ऐसा माना जाता रहा है। यद्यपि दक्षिण में इब्राहिम आदिल शाह हुए जिनकी रचनाएँ उपलब्ध नहीं है। उसके बाद मुहम्मद कुतुब कुली शाह की गज़लें मिलती है। बाद में दक्षिण भारत के गज़लकारों में बहरी, नुस्त्रती, सिराज और वली उल्लेखनीय है। औरंगजेब की मृत्यु के बाद उत्तरी भारत में उर्दू गज़ल के नमूने मिलने लगते हैं, फैज उत्तरी भारत के पहले साहबे दीवाने शायर माने जाते हैं, जबिक इनके समकालीन शायरों में हातिम शाह मुबारक आबरू और मुहम्मद शािकर नाजी का नाम आता है। १८ वीं शताब्दी के दूसरे चरण में उर्दू गज़लों को निखारने का काम किया था। मीर—तकी—मीर ने जिनको बहुत से लोग उर्दू गज़ल कहने वालों में सबसे अच्छा मानते हैं। इनके अलावा सौदा और मीर दर्द उच्च कोटी की गजल कहने वाले थे। इन शायरों के बहुत बाद मोिमन, जौक और गािलब का अवतरण हुआ, जिन्होंने अपने माधुर्य और चमत्कार से गजल को संवारने का प्रयास किया। उसके बाद हाली, दाग, अमीर मनाई और जलाल गज़ल के उस्ताद समझे गए। २० वीं सदी के चर्चित गजल कारों में हस्त्रत, फानी, असर लखनवी, जिगर और फिराक का नाम आता है। आज उर्दू गज़ल अत्यंत संवेदनात्मक दौर में है, क्योंिक यह दिखावे का हुनर न होकर स्वच्छंद अभिव्यक्ति के रुप में सामने आ चुकी है, जिसका श्रेय नरेश कुमार शाद, जगन्नाथ आजाद, वशीर बद्र, निदा फाजली, शहरयार आदि को जाता है।



विषय : हबीब तनवीर की लोक दृष्टि

वक्ता : डॉ. ऋतु रानी, नई दिल्ली

दिनांक: 03.09.2022

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला के पाणिनी कक्ष में दिनांक 03.09.2022 को एक दिवसीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। डॉ. ऋतुरानी, दिल्ली ने हबीब तनवीर शताब्दी वर्ष में 'हबीब तनवीर की लोक दृष्टि' विषय पर अपना वक्तव्य दिया। हबीब की नाट्य यात्रा पर चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि रायपुर में जन्मे हबीब ने छत्तीसगढ़ की माटी की खुशबू देश दुनिया में बिखेरा है। बालपन से ही अभिनय में रुचि ने उन्हें युवावस्था में दिल्ली व मायानगरी मुंबई की ओर आकर्षित किया। वहाँ आकाशवाणी में फिल्मों की समीक्षा एवं फिल्मों में अभिनय किया। 'राही' (1952), फुटपाथ (1753), गाँधी (1982) आदि अनेक फिल्मों में काम करते हुए वे प्रगतिशील लेखक संघ के सदस्य बने एवं 'इप्टा' में भी शामिल हुए। वैचारिक अभिव्यक्ति की पूर्ति हेतु दिल्ली आकर और 1959 में 'नया थियेटर' की स्थापना की। नाटक में लोक की अभिव्यक्ति से उन्हें सफलता मिली। इस सफलता ने उन्हें अंतरराष्ट्रीय पहचान मिली। छत्तीसगढ़ी नाचा के लोक कलाकारों के साथ दिल्ली में जो नाटक रचे वे ऐतिहासिक बन गये। सर्वप्रसिद्ध 'चरण दास चोर', 'गाँव के नांव ससुराल मोर नांव दमांद', 'बहादुर कलारिन', 'मिट्टी की गाड़ी', जैसे प्रमुख नाटकों के मंचन ने उन्हें लोकप्रिय बनाया। हिंदी रंगमंच को उनका प्रमुख योगदान आधुनिक में लोक होना है लेकिन लोक शैली को उन्होंन नाटक पर हावी होने नहीं दिया आवश्यकतानुसार ही उनका प्रयोग किया।

उक्त कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा ने भी हबीब से जुड़ी अपनी स्मृतियों को साझा किया। कार्यक्रम में डॉ. मधुलता बारा, प्रो. नंदिनी परिहार, डॉ. बंसो नरूटि, डॉ. गिरिजा शंकर गौतम, विभाग के अतिथि व्याख्याता एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। मंच संचालन डॉ. कौस्तुभमणि द्विवेदी ने किया।



विशय : भारतेंदु जयंती

दिनांक: 09.09.2022

आज दिनांक 09.09.2022 को साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत भारतेंदु जयंती का आयोजन किया गया। इस कर्यक्रम में हिंदी भाषा के महत्व पर स्लोगन लेखन, पर्यावरण विषय पर पोस्टर बनाना एवं हिंदी हस्ताक्षर प्रतियोगिता रखी गई। कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डॉ.मधुलता बारा, डॉ.गिरजा शंकर गौतम एवं अतिथि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। एम.ए.हिंदी, छत्तीसगढी के विद्यार्थियों ने भागीदारी की।

निर्णायक मण्डल निम्नलिखित सदस्य रहें -

- 1. डॉ. मृणालिनी करमोकर
- 2. श्रीमती शेफाली जैन,
- 3. डॉ. पूनम

स्लोगन प्रतियोगिता का परिणाम -

प्रथम-रुपाली मिश्रा, एम.ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय- मीनल मिंज, एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

तृतीय- इशाप्रकाश साहू- एम.ए.हिंदी तृतीय सेमेस्टर

निर्णायक मण्डल रहें

- 1. डॉ. सोनल मिश्रा
- 2. डॉ. भारदा सिंह

पोस्टर प्रतियोगिता का परिणाम -

प्रथम- युगल किशोर, एम.ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय- तामेश्वर, एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

तृतीय- गुलाब कुमार, एम.ए. छत्तीसगढ़ी प्रथम सेमेस्टर

निर्णायक मण्डल रहें -

- 1. डॉ. मृणालिनी करमोकर
- 2. श्रीमती शेफाली जैन,
- 3. डॉ. पूनम

हिंदी हस्ताक्षर प्रतियोगिता का परिणाम

प्रथम– रेणुका, एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय- तामेश्वर, एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

तृतीय- गुलाब कुमार, एम.ए. छत्तीसगढ़ी प्रथम सेमेस्टर



वक्ता: प्रो. केशरी लाल वर्मा, कुलपति, पं. रवि ांकर भाुक्ल वि वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

विषय: स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी की भूमिका

दिनांक: 14 सितंबर 2022 हिंदी दिवस

पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला एवं पब्लिक आउटरीच सेंटर के तत्वाधान में 14 सितम्बर 2022 को हिंदी दिवस का आयोजन, भूगोल अध्ययनशाला के सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं सरस्वती पूजा से की गई। इसके पश्चात विद्यार्थियों द्वारा कुलगीत एवं राजगीत प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में उपस्थित संत युधिष्ठिर लाल महाराज ने विद्यार्थियों को हिंदी भाषा के अखिल भारतीय प्रचार समितियों के विषय में बताया। बैंक ऑफ बड़ौदा में पदस्थ राजभाषा अधिकारी श्रीमती मनीषा यादव ने बैंक के माध्यम से चल रही हिंदी भाषा से संबंधित योजनाओं के बारे में बता कर विद्यार्थियों को लाभान्वित किया। कार्यक्रम संयोजक प्रो.कल्लोल घोष ने अपने वक्तव्य में हिंदी भाषा को भाषा नहीं, भावना कहा। साथ ही हिंदी, अखंड भारत की आत्मा है यह भी बताया। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविश्वविद्यालय रायपुर के कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि हिंदी दिवस हम सबके लिए गौरव का दिन है। उन्होंने हिंदी को दुनिया में हमारी पहचान बताते हुए हिंदी के प्रचार-प्रसार पर जोर दिया स आजादी के अमृत महोत्सव को याद करते हुए उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम में हिंदी के योगदान पर प्रकाश डालते हुए कहा कि किस प्रकार हिंदी ने भारतवासियों को एकजुट होने एवं जोड़ने में सहयोग दियास हिंदी एकमात्र ऐसी भाषा है जो विचारों के माध्यम से पूरे देश में संपर्क भाषा के रूप में कार्य करती है स हिंदी सिनेमा ने हिंदी के प्रसार में अभूतपूर्व योगदान दिया है। हिंदी सिनेमा ने हिंदी को नया आयाम दिया है।दक्षिण भारत में भी हिंदी का प्रसार बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि अगर हमें विश्व गुरु बनना है तो हिंदी भाषा को अपनाना होगा। कार्यक्रम में पं.रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला के विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ हिंदी दिवस पर कविता पाठ, गीत प्रस्तुत कर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन डॉ. गिरिजा शंकर गौतम ने बड़े ही सुचारू रूप से किया। धन्यवाद ज्ञापन करते हुए डॉ. मधुलता बारा ने अतिथिगण एवं कार्यक्रम में उपस्थित समस्त श्रोताओं का आभार प्रकट करते हुए हिंदी गर्व करने के साथ सम्मान की बात कही । इस कार्यक्रम में डॉ. मीता झा, डॉ. रिमता शर्मा, डॉ. मृणालिनी करमोकर, डॉ. कौस्तुभमणि द्विवेदी,

डॉ. सोनल मिश्रा, डॉ. आरती पाठक, डॉ. कुमुदिनी धृतलहरे, डॉ. शारदा सिंह, श्रीमती शेफाली जैन, डॉ. पूनम, सुश्री कुसुमिता सोनवानी की उपस्थिति गरिमापूर्ण रही ।



शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़)

विषय -दीक्षारंभ

दिनांक -20.09.2022

राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद् (NCPSL), शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार (नई दिल्ली), पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर (छत्तीसगढ़) के संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र के अंतर्गत दिनांक 20 सितंबर 2022 को डिप्लोमा इन नेशनल लैंग्वेज-सिंधी का दीक्षारंभ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती एवं संत श्री शदाराम साहिब की प्रार्थना एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. मोहन मंधनानी जी, उपाध्यक्ष, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली से हमारे बीच उपस्थित रहे। उन्होंने अपने उदबोधन में कहा कि सिंधी भाषा के संवर्धन एवं विकास हेत् भारत सरकार कृतसंकल्पित है। आप योजनाएँ बनाएँ उसे फलीभूत करने की जिम्मेदारी NCPSL की है। सरकार हर तरह से मदद देना चाह रही है। आप उठें, तत्पर हों और सहयोग लेकर सिंधी भाषा का परिवर्धन समयानुकूल कर विकास करें। कार्यक्रम में उपस्थित विशिष्ट अतिथि प्रो. रविप्रकाश टेकचंदानी, निदेशक, राष्ट्रीय सिंधी भाषा विकास परिषद, शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ने अपने वक्तव्य में कहा कि देश के तमाम शैक्षणिक संस्थानों में हमने सिंधी भाषा को प्रोत्साहित करने हेतु सरकारी योजनाएँ चालू कर रखा है। आप अपनी भाषा के प्रति उदार एवं संवेदनशील बने और भाषा सीखें तथा उसकी विशेषताओं को आत्मसात करें। आने वाली पीढ़ियों को इसकी महत्तागुणवत्ता से अवगत कराएँ। कार्यक्रम में सिंध प्रांत से आए हमारे अग्रज आदरणीय श्री शंकर लाल भाटिया जी ने सिंध, सिंधी और उसके गुणविशेष पर हमारा ध्यान आकर्षित करते हुए कहा – सिंधुघाटी की सभ्यता पूरे विश्व की प्राचीनतम सभ्यताओं में से एक है। इस बार सिंध में हर बार की अपेक्षा 40: बारिश ज्यादा हुई, परंतु हमारे यहाँ कई सौ साल से बने ड्रेनेज सिस्टम जो पूर्वजों ने हमारे लिए बनाई है उससे इस वर्ष हमें ज्यादा नुकसान नहीं हुआ। उनके कथन का तात्पर्य यह है कि सिंधी मेहनतकश, सर्जनात्मक, व्यवसायिक और दूरदर्शिता के लिए विश्वविख्यात हैं। श्री भाटिया ने आगे कहा कि मातृभाषा हमारी पहचान है। हम कहीं भी जाएँ अपनी भाषा अपनी संस्कृति को विरासत में लेकर चलेंगे। हम सिंधी हैं और सिंधी हमारी भाषा है यह हमारे लिए आत्मगौरव की बात है। सिंध प्रांत में रहते हुए भी आदरणीय भाटिया ने वहाँ के सनातन धर्म, सिंधी संस्कृति में सत्वर रमते हुए उसके प्रचार-प्रसार में अपना सर्वस्व समर्पित कर दिया है। यह उनकी श्रद्धा ही है कि उन्होंने वहाँ मंदिर बनवाया जहाँ रोज सत्संग होता है। साल में

एक बार भगवतगीता की प्रतियोगिता का आयोजन करवाया जाता है। उन्होंने भारतीयता को सिंधी समाज के रग—रग में बसने की महत्वपूर्ण बात अपने संबोधन के द्वारा व्यक्त की। कार्यक्रम में हरिद्वार, उत्तराखंड से स्वामी डॉ. गंगादास जी उदासीन, महामंडलेश्वर के आगमन से कार्यक्रम की गरिमा में वृद्धि हुई। संत समाज का आशीष निरंतर इस कार्यक्रम में बना रहा। आदरणीय महामंडलेश्वर जी ने कहा कि हम भारतीय हैं। भारतीय संस्कृति हमारी विरासत है। गंगा, यमुना सरस्वती नदियाँ हमारे जीवन के प्रवाह में सम्मिलित हैं। हमने गंगा से ज्ञान, यमुना से विद्या, और सरस्वती से वैराग्य की सीख ली है। हजारों साल पुरानी सभ्यता और संस्कृति हमारी अस्मिता है। अपनी अस्मिता को हम किसी भी प्रकार से अक्षुण्ण रखते हुए भावी पीढ़ी को उससे परिचित कराना ही मुख्य उद्देश्य होना चाहिए। उन्होंने एक उल्लेखनीय बात यह भी कही कि पितृपक्ष चल रहा है और उसमें इस तरह का महत्वपूर्ण आयोजन हमारे पितरों के लिए समर्पित भाव भी है। इस तरह का महत्वपूर्ण आयोजन समाज एवं संस्कृति के उत्थान के लिए भी उल्लेखनीय है। उन्होंने दीक्षारंभ में उपस्थित समस्त विद्यार्थियों को उनकी स्वर्णिम भविष्य हेतु आशीष भी प्रदत्त किया और उनकी सराहना भी की।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में संत श्री डॉ. युधिष्ठिर लाल जी, नवम पीठाधीश्वर, पूज्य शदाणी दरबार तीर्थ, रायपुर (छत्तीसगढ़) ने अपने आशीष वचन में समस्त सिंधी भाषा में डिप्लोमा करने वाले विद्यार्थियों को शुभकामनाएँ दी, और कहा कि भारत के संविधान की आठवीं अनुसूची में उपस्थिति कराने वाली प्रथम पंद्रह भारतीय भाषाओं में सिंधी रही। हम इस पर भारत सरकार को धन्यवाद देते हुए गर्व की अनुभूति करते हैं। उन्होंने यह बात भी दुहराई कि सरकार मदद देने हेतु तैयार है। अब हमें भी तत्पर हो सिंधी के लिए सरकारी योजनाओं को आत्मसात कर कार्य संपन्न करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के अंत में पूर्व विधायक श्री सुंदरानी जी की उपस्थिति से कार्यक्रम की गरिमा बढ़ी। उन्होंने अपने मंतव्य में सिंधी भाषा के विकास में किसी भी प्रकार की आवश्यकता होने पर मदद का पूर्ण आश्वासन दिया। उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर भी जितना संभव हो सके उतना योगदान वह देंगे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही प्रो.शैल शर्मा, संचालक, संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर, ने सभी गणमान्य अतिथियों का आभार ज्ञापित करते हुए यह विश्वस्त किया कि वे इस प्रभारध्कर्तव्य को निष्ठा से पूर्ण करते हुए सदैव सिंधी भाषा के नित विकास के लिए संकल्पित हैं। जब, जहाँ, जैसे भी जरूरत होगी, वे उस दिशा में कार्य कर इस अध्ययन केंद्र को संचालित करेंगी। इस भव्य कार्यक्रम का संचालन आदरणीय डॉ. गिरिजाशंकर गौतम ने बड़े ही सुचारु रुप से सम्पन्न किया। इस गरिमामय आयोजन में मुख्य रूप से डॉ. शंकरलाल भाटिया (सम्मानित सिंधी सेवी), महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी गंगादास जी उदासीन, हरिद्वार, डॉ. यूधिष्ठिर लाल , नवम पीठाधीश्वर , पूज्य शदाणी दरबार, श्री श्रीचंद सुंदरानी , पूर्व विधायक, सक्रिय राजनेता, श्री ललित जयसिंघ , अध्यक्ष, सिंधी कॉउंसिल ऑफ इंडिया, श्री मोहन वर्ल्यानी , उपाध्यक्ष, सिंधी कॉउंसिल ऑफ इंडिया, श्री उदय शदाणी , सलाहकार सदस्य, संत शदाराम साहिब सिंधी अध्ययन केंद्र, श्री बंटी गावड़ा, प्रवक्ता पूज्य शदाणी दरबार, डॉ. मोहन मेघनानी , उपाध्यक्ष, NCPSL, डॉ. रविं टेकचंदानी , निदेशक NCPSL, प्रो. ताराचंद मोहनानी, दर्शन निहाल, श्री मुरारीलाल नत्थानी, संकाय सदस्य, अन्य सभी सिंधी सेवीजन, दरबार के सदस्य उपस्थित रहे। इसके साथ ही साथ साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय की प्राध्यापक डॉ. मधुलता बारा एवं विभाग के समस्त अतिथि प्राध्यापकगण उपस्थित रहें।



विषय: स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी

वक्ता : प्रो. मोहन, दिल्ली वि वविद्यालय, दिल्ली

दिनांक : 23/9/2022.

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला में 'स्वाधीनता आंदोलन और हिंदी' विषय पर व्याख्यान कराया गया जिसमें विशिष्ट वक्ता के रूप में प्रो. मोहन, दिल्ली विश्वविद्यालय एवं अतिथि के रूप में डॉ. सुधीर शर्मा व डॉ. फिरोजा जाफर अली रहीं। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं कुल गीत तथा राज गीत के गायन प्रस्तुति से हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष, साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला प्रो. शैल शर्मा ने पुष्पगुच्छ देकर प्रो. मोहन जी का स्वागत किया। डॉ. सुधीर शर्मा एवं डॉ. फिरोजा जाफर अली का स्वागत क्रमश डॉ. मधुलता बारा एवं डॉ. गिरजा शंकर गौतम ने किया।

अपने वक्तव्य की शुरुआत प्रो. मोहन ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति को उजागर करते हुए किया तत्पश्चात् उन्होंने स्वाधीनता आंदोलन में हिंदी के योगदान पर अपने विचार रखे। गाँधी जी को याद करते हुए प्रो. मोहन ने बताया कि किस तरह गाँधी जी ने हिंदी के प्रचार—प्रसार पर सहयोग दिया। गैर हिंदी भाषी होने के बावजूद गाँधी जी ने हिंदी को सिर्फ भाषा नहीं बिल्क देश को जोड़ने की महत्वपूर्ण कड़ी के रुप में देखा। आजादी के आंदोलन के सबसे बड़े नेता रहे गाँधी जी की शुरुआत चंपारण आंदोलन से शुरू होती है गाँधी जी जब चंपारण गए तो सबसे बड़ी दिक्कत उन्हें भाषा को लेकर आयी।

स्वतंत्रता आंदोलन में आने से पहले गाँधी जी ने पूरे देश का भ्रमण किया और पाया कि एकमात्र हिंदी ही ऐसी भाषा है जो पूरे देश को जोड़ सकती है। इसलिए उन्होंने हिंदी को राष्ट्रभाषा बनाने की बात कहीं। हिंदी के लेखकों एवं किवयों के साथ भी गाँधी जी के रिश्ते बहुत सघन रहे यह भी एक कारण था कि हिंदी लेखकों पर उनका प्रभाव रहा। गाँधी जी ने हिंदी में दो अखबार निकाले — 'नवजीवन' और 'हरिजन सेवक'।

अपने ज्यादातर पत्रों का जवाब भी गाँधी जी हिंदी में ही देना पसंद करते थे। वह भारतीयों को जोड़ने के लिए, एकत्र करने के लिए हिंदी बोलते एवं लिखते थे उन्होंने हिंदी को ने एक संपर्क भाषा के रूप में प्रयोग किया। गाँधी जी ने माना कि राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नित के लिए आवश्यक है। गाँधी जी चाहते थे कि बुनियादी शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक सब कुछ मातृभाषा के माध्यम से हो। दक्षिण अफ्रीका प्रवास के दौरान ही उन्होंने समझ लिया था कि अँगरेजी माध्यम की शिक्षा हमारे भीतर औपनिवेशिक

मानसिकता बढ़ाने की मुख्य जड़ है। गाँधी जी ने हिंदी को हृदय भाषा माना है गाँधी जी ने हिंदी के प्रसार के लिए दक्षिण भारत, गुजरात एवं उत्तर भारत में हिंदी प्रचारिणी सभा का उदय किया।

उनका मानना था कि इससे दो कार्य एक साथ होगें पहला हिंदी भाषा का प्रमुख संपर्क भाषा के रूप में उभरकर आना दूसरा जनता का शिक्षित होना। प्रो. मोहन जी ने कहा कि बीसवीं सदी अँगरेजी की थी मगर इक्कीसवीं सदी हिंदी की होगी। हिंदी को स्वीकारने का अर्थ है देश को स्वीकार करना, देश के लोगों को स्वीकार करना।

डॉ. सुधीर शर्मा ने अपने उद्बोधन में विद्यार्थियों को हिंदी भाषा का स्वाधीनता आंदोलन में योगदान के साथ आज हिंदी में अपना योगदान एवं उसके प्रचार—प्रसार में कैसे सहयोग कर सकते हैं इसके बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ.मधुलता बारा ने बड़े ही सुचारू रूप से किया। कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथि, प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थियों का आभार व्यक्त करते हुए डॉ. गिरजा शंकर गौतम ने धन्यवाद ज्ञापन किया।



विषय : स्वरचित काव्य पाठ

दिनांक : 24.09.2022

साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कक्ष क्रमांक 301 में दिनांक 24.09.2022 को आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित काव्य पाठ किया गया। इस कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजा शंकर गौतम एवं अतिथि प्राध्यापकगण उपस्थित रहे। एम.ए.हिंदी व छत्तीसगढ़ी के विद्यार्थियों ने भागीदारी की। कुल 14 विद्यार्थियों ने प्रतिभागिता की। कार्यक्रम की प्रभारी डॉ. पूनम एवं निर्णायक सदस्य हैं—

- 1. डॉ. आरती पाठक
- 2. डॉ. कुमुदिनी घृतलहरे
- 3. डॉ. भारिदा सिंह

प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा -

प्रथम स्थान – युगल किशोर साहू – एम.ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

द्वितीय स्थान – दुर्गेश कुमार – एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर

तृतीय स्थान – अदिति गुप्ता – एम. ए. छत्तीसगढ़ी प्रथम सेमेस्टर



विषय: मुकुटधर पाण्डेय जयंती

(निबंध लेखन प्रतियोगिता)

दिनांक : 30.09.2022

आज दिनांक 30.09.2022 को साहित्य एवं भाषा अध्ययनशाला, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के कक्ष क्रमांक 301 में आजादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पं. मुकुटधर पाण्डेय की जयंती पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एम.ए. हिंदी व एम. ए. छत्तीसगढ़ी के विद्यार्थियों ने भागीदारी की। कार्यक्रम में विभाग की अध्यक्ष प्रो. शैल शर्मा, डॉ. मधुलता बारा, डॉ. गिरजा शंकर गौतम एवं अतिथि प्राध्यापकगण उपस्थित रहें।

कार्यक्रम प्रभारी डॉ. पूनम एवं निर्णायक मण्डल में -

- 1. डॉ. मृणालिनी करमोकर
- 2. डॉ. सोनल मिश्रा
- श्रीमती भो<u>फाली</u> जैन प्रतियोगिता का परिणाम इस प्रकार रहा —

प्रथम स्थान — फागे ा साहू एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर द्वितीय स्थान — रेणुका दे ालहरे एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर तृतीय स्थान —

- 1. आकांक्षा साहू एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर
- 2. जिते । कुमार एम. ए. हिंदी प्रथम सेमेस्टर



विषय: गज़ल और हिंदी

वक्ता : प्रो. दिने ा कु ावाह, अवधे । प्रताप सिंह वि वविद्यालय, रींवा (म.प्र.)

दिनांक: 02.09.2022

समकालीन कवि—आलोचक के रूप में 'दिनेश कुशवाह' सुपरिचित एवं प्रतिष्ठित नाम है। देवरिया (उ. प्र.) में 08 जुलाई 1961 को जन्में दिनेश कुशवाहा जी ने काशी हिंदू विश्वविद्यालय वाराणसी से हिंदी में एम. ए. तथा पी—एच. डी. की उपाधि प्राप्त की। छात्र जीवन में राजनीति करते हुए सामाजिक न्याय तथा जन सरोकारों को केंद्र में रखकर अनेक कार्य किए। उनकी सहज अभिरुचि तथा महापंडित राहुल सांकृत्यायन पर शोध कार्य उन्हें विशिष्ट बनाता है। कविताएँ एवं शोध—आलेख निरंतर प्रकाशित हुए।

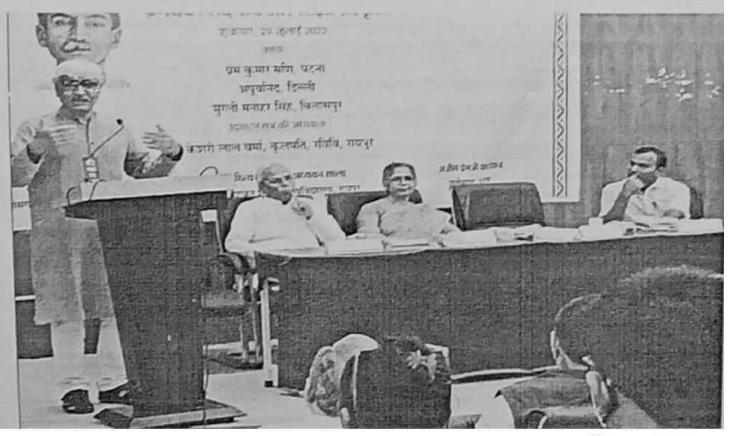
आज हिंदी कविता का महत्त्व और स्तर दिन—प्रतिदिन गिरता जा रहा है, पाठकों से दूरी बढ़ती जा रही है। यथा स्थिति की प्रस्तुति और उससे उत्पन्न आक्रोश को काव्य के माध्यम से प्रस्तुत करने के पश्चात् भी कविता सुधी—जनों की उपेक्षा से मर्माहत है। कहा गया है कि काव्य के सृजन से नवीन दृष्टिकोण का उन्मेष और नूतन प्रवृति का प्रादुर्भाव होता है, फिर भी असर जन मानस पर क्यों नहीं पड़ता ? इसके लिए साहित्यकार कहाँ तक दोषी है ? क्या कविता अब ज्ञान शून्यता में पैदा होती है और ज्ञान उत्कर्ष से स्वयंमेव भाव का अपकर्ष होता है ? यदि ऐसा है तो यह कविता के लिए अमंगलकारी होने का स्पष्ट संकेत है। दूसरी ओर अनेकानेक कवियों का झुकाव गज़लों की ओर हो जाने से कुछ आलोचक दबी जुबान से ही सही, किंतु गज़ल को काव्य के विकल्प के रुप में देखने लगे हैं। इस प्रकार हिंदी काव्य जगत में गजल का विकास तेजी से हो रहा है और संभावनाएँ बढ़ गयी है।

एक जमाना था जब आशिक और माशूका की मोहब्बत भरी गुफ़्तगू को गज़ल कहा जाता था। हुस्न—इश्क और साकी शराब की रसीली अभिव्यक्ति उसकी भावभूमि हुआ करती थी, जिससे परे जाकर दूसरी भावभूमि पर गज़ल कहना गज़लकारों के लिए दुस्साहस भरा कार्य हुआ करता था। ऐसी परिस्थिति में नयी क्रांति की प्रस्तावना किसी भी कवि के लिए संभव नहीं थी। सच तो यह है कि गज़ल के रूप में उसी कलाम को स्वीकार किया जाता था जो औरतों के हुस्न और जमाल की तारीफ़ करें। यहाँ तक कि जो हिंदी की गज़लें हुआ करती थी उसमें उर्दू गज़लों का समकक्ष माना गया।

गज़ल मुख्यतः उर्दू अदब की चर्चित विधा है। ख्वाजा मोईनुद्दीन चिश्ती ने सर्वप्रथम गज़ल कहने का प्रयास किया था, ऐसा माना जाता रहा है। यद्यपि दक्षिण में इब्राहिम आदिल शाह हुए जिनकी रचनाएँ उपलब्ध नहीं है। उसके बाद मुहम्मद कुतुब कुली शाह की गज़लें मिलती है। बाद में दक्षिण भारत के गज़लकारों में बहरी, नुस्त्रती, सिराज और वली उल्लेखनीय है। औरंगजेब की मृत्यु के बाद उत्तरी भारत में उर्दू गज़ल के नमूने मिलने लगते हैं, फैज उत्तरी भारत के पहले साहबे दीवाने शायर माने जाते हैं, जबिक इनके समकालीन शायरों में हातिम शाह मुबारक आबरू और मुहम्मद शािकर नाजी का नाम आता है। १८ वीं शताब्दी के दूसरे चरण में उर्दू गज़लों को निखारने का काम किया था। मीर—तकी—मीर ने जिनको बहुत से लोग उर्दू गज़ल कहने वालों में सबसे अच्छा मानते हैं। इनके अलावा सौदा और मीर दर्द उच्च कोटी की गजल कहने वाले थे। इन शायरों के बहुत बाद मोिमन, जौक और गािलब का अवतरण हुआ, जिन्होंने अपने माधुर्य और चमत्कार से गजल को संवारने का प्रयास किया। उसके बाद हाली, दाग, अमीर मनाई और जलाल गज़ल के उस्ताद समझे गए। २० वीं सदी के चर्चित गजल कारों में हस्त्रत, फानी, असर लखनवी, जिगर और फिराक का नाम आता है। आज उर्दू गज़ल अत्यंत संवेदनात्मक दौर में है, क्योंिक यह दिखावे का हुनर न होकर स्वच्छंद अभिव्यक्ति के रुप में सामने आ चुकी है, जिसका श्रेय नरेश कुमार शाद, जगन्नाथ आजाद, वशीर बद्र, निदा फाजली, शहरयार आदि को जाता है।







Notice

A workshop on Career Development has been scheduled for students of MBA 1^{st} semester and MBA 3^{rd} semester on following topics:

Date	Time	Topics of Discussion	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
6/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Soft Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
7/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Language and Communication Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
8/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Life Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
9/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Awareness of trends in Technology	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha

Attendance of all the students is compulsory.

Notice

A workshop on Career Development has been scheduled for students of MBA 1^{st} semester and MBA 3^{rd} semester on following topics:

Date	Time	Topics of Discussion	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
6/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Soft Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
7/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Language and Communication Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
8/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Life Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
9/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Awareness of trends in Technology	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha

Attendance of all the students is compulsory.

Notice

A workshop on Career Development has been scheduled for students of MBA 1^{st} semester and MBA 3^{rd} semester on following topics:

Date	Time	Topics of Discussion	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
6/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Soft Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
7/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Language and Communication Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
8/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Life Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
9/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Awareness of trends in Technology	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha

Attendance of all the students is compulsory.

Notice

A workshop on Career Development has been scheduled for students of MBA 1^{st} semester and MBA 3^{rd} semester on following topics:

Date	Time	Topics of Discussion	Name of the agencies/consultants involved with contact details (if any)
6/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Soft Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
7/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Language and Communication Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
8/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Life Skill	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha
9/09/2022	10:30 AM to 1:30 PM	Awareness of trends in Technology	Dr. Gagandeep, Dr. B N Rao, Dr. H M Jha

Attendance of all the students is compulsory.

Notice

A workshop on Career Development Path has been scheduled for students of MBA 1st semester on following topics:

S No:	Date	Expert	Topic of Diamesia
1	8/12/2022		Topic of Discussion
2		Mr. Neeyanta Sharma	Personality assessment and Attitude Scaling
3	10/12/2022		Career Counselling

Attendance of all the students is compulsory.

Drector Drector

Notice

A workshop on Career Development Path has been scheduled for students of MBA 1st semester on following topics:

S No:	Date	Expert	Topic of Diamesia
1	8/12/2022		Topic of Discussion
2		Mr. Neeyanta Sharma	Personality assessment and Attitude Scaling
3	10/12/2022		Career Counselling

Attendance of all the students is compulsory.

Drector Drector

Notice

A workshop on Career Development Path has been scheduled for students of MBA 1st semester on following topics:

S No:	Date	Expert	Topic of Diamesia
1	8/12/2022		Topic of Discussion
2		Mr. Neeyanta Sharma	Personality assessment and Attitude Scaling
3	10/12/2022		Career Counselling

Attendance of all the students is compulsory.

Drector Drector

Notice

A workshop on NET Preparation and Interview Preparation has been scheduled for Students of MBA 3^{rd} Semester has been scheduled as follows:

S No:	Date	Expert	Topic of Discussion
1	8/12/2022	Dr. G K Deshmukh	
2	9/12/2022	Mr. Hori Lal Yaday	Reasoning and Mathematics
3	10/12/2022	Dr. Jaya Chandra	English

Attendance of all the students is compulsory.

Notice

A workshop on NET Preparation and Interview Preparation has been scheduled for Students of MBA 3^{rd} Semester has been scheduled as follows:

S No:	Date	Expert	Topic of Discussion
1	8/12/2022	Dr. G K Deshmukh	
2	9/12/2022	Mr. Hori Lal Yaday	Reasoning and Mathematics
3	10/12/2022	Dr. Jaya Chandra	English

Attendance of all the students is compulsory.

Notice

A workshop on NET Preparation and Interview Preparation has been scheduled for Students of MBA 3^{rd} Semester has been scheduled as follows:

S No:	Date	Expert	Topic of Discussion
1	8/12/2022	Dr. G K Deshmukh	
2	9/12/2022	Mr. Hori Lal Yaday	Reasoning and Mathematics
3	10/12/2022	Dr. Jaya Chandra	English

Attendance of all the students is compulsory.



Institute of Management Pt. R S University, Raipur, (C.G.)



Two Days Workshop on Career Empowerment

24th Feb 2023

From 23rd February to 24th February 2023, Institute of Management, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur (C.G.) organized two days workshop on the topic "Career Empowerment" in the presence of faculty members, Dr.A.K. Shrivastava sir (Director of IOM, PRSU), Dr.G.K. Deshmukh sir (Associate professor of IOM, PRSU), Dr.Susheel Indurkar sir (Assistant professor of IOM, PRSU) and Dr. Sanskriti Joseph ma'am (Assistant professor of IOM, PRSU) program was organized by institute of management (PRSU), for 2nd semester MBA.

On day 1, IOM, PRSU invited Mr. Hemant Laheja Sir, corporate business trainer for the workshop programme to give guidance to students of 2nd semester MBA about Career empowerment. Dr. A.K. Shrivastava sir (Director of IOM, PRSU) gave a brief overview to the students about the workshop. In continuation Dr.Susheel Indurkar sir (Assistant professor of IOM, PRSU), gave the introduction of the trainer that he is BFSI facilitator & he coached around 500 students in BFSI and has 20 plus years of experience. Further, the trainer explains the main objective of workshop that it is to provide knowledge about career empowerment which includes to discover oneself, to be more confident, to maintain high standard of performance, to increase self-awareness and networking skills. Some activities are held for students in which the Introduction of each student was asked by the trainer. Then he divided the students into 4 teams through a numbering game. Each team have chosen their president and vice – president and they named their team. The details are as follows: -

Group name	President	Vice-president
Avengers	Saurabh Singh Rajput	Shanat Ram Sahu
Warrior	Aishwarya Verma	Vinay Dewangan
3 Tigada	Tanay Tiwari	Saurabh Sharma
Fantastic 4	Moksha Sahu	Abbas Kapasi

The trainer asked some questions from the teams related with the particular topic. The team members answer to the questions and also clear their queries and doubts.

On day 2, the trainer focused on the objective of workshop that how to develop career empowerment in professional life, five step process of career empowerment, source of career empowerment, key highlight for the MBA student as fresher and about SOP "Standardize Operation Procedure"

In conclusion, the workshop was very informative, knowledgeable, engaging and energetic. The students learn about different aspects like how to discover oneself, to gain more confidence while speaking and to be self-aware, to develop career empowerment in professional life, five step

process of career empowerment, source of career empowerment and about SOP. Vote of thanks was given by Saurabh Sharma and token of love given by Dr. G.K. Deshmukh sir (Associate professor of IOM, PRSU).

Glimpse of the workshop:





















SYMPOSIUM & NATIONAL MATHEMATICS DAY 2022

National Mathematics Day was celebrated by S.O.S in Mathematics, sponsored by Chhattisgarh Council of Science and Technology, Raipur. The celebration was filled with scholastic talk, interesting extracurricular activities and various competitions for P.G. students. With full excitement and zeal overall 110 students participated from different colleges in different activities. Details of this 4-day celebration is as follows:

Day-1(31st March 2023): Lecture by Dr Sahadeo Padhye

The first day of celebration was started by 11.30 am. As per the Indian culture the session started with 'Saraswati Vandana' and lightening of lamp. After offering prayers, all the dignitaries were welcomed with a token of flowers. Next, Prof. B.S. Thakur, H.O.D of Mathematics was invited on stage for inaugural speech. He addressed everyone with a motivational speech then he introduced the speaker of the day with warm greetings. **Dr. Sahadeo Padhye, Motilal Nehru National Institute of Technology Allahabad**, was the spokesperson invited for a lecture. The lecture topic was 'Multivariable Functions'. The lecture not only provided the fundamental knowledge about the topic but also satisfied the doubts and curiosity of the students, regarding the topic.

Day-2(24th April 2023): Quiz Competition

The second day of the event was held at the seminar hall which was beautifully decorated with flowers and festoons. A lot of excitement and enthusiasm was seen among students for quiz competition.

As per the Indian culture, program started with prayer and lightening of Diya lamp at 12:45pm.

For quiz there were total 5 groups and each group had 4 members. The 1st group is from **Seth Phoolchand College Rajim**, 2nd group is from **S.O.S in Electronics P.R.S.U.**, **Raipur**, 3rd is from **Govt. J. Yoganandam Chhattisgarh College Raipur**, 4th is from **Dr. Radhabai Govt. Navin GirlsCollege Raipur** and 5th is from **S.O.S in Mathematics P.R.S.U.**, **Raipur**. All the teams were competiting for 5 rounds. The winner team was group 5, **S.O.S in Mathematics P.R.S.U.**, **Raipur**.

All the students enjoyed and appreciated the program. Finally, program ended at 3:00pm with refreshments.

Day-3(25th April 2023): Rangoli and Poster Competition

The rangoli and poster competition held on the third day of the celebration. Poster making started at 12:30 pm in the seminar hall. Five students from different colleges participated in the competition. After having refreshments, rangoli competition started at 2:00 pm. Four students from different colleges including S.O.S in Mathematics, participated in the competition. The time limit of 1 hour was allotted for rangoli competition. The theme for both the competition was "Mathematics for Everyone".

Winners of both the competitions are as follows:

Poster Competition:

1st prize Giriraj Salame (S.O.S in Mathematics, P.R.S.U)

2nd prize Diksha Yadav (Dr. Radhabai Govt. Navin GirlsCollege Raipur)

3rd prize Pujali Patle (Dr. Radhabai Govt. Navin GirlsCollege Raipur)

Rangoli Competition:

1st prize Diksha Yadav (Dr. Radhabai Govt. Navin GirlsCollege Raipur) 2nd prize Pujali Patle (Dr. Radhabai Govt. Navin GirlsCollege Raipur) 3rd prize Kanchan Aadil (Govt. J. Yoganandam Chhattisgarh College Raipur)

Day-4(23rd June 2023): Invited Talk and Prize Distribution

The last day of the celebration was started by invited talk from Prof. C.L Dewangan, Deputy Director, Higher Education, Prof. Amitabh Banerjee, Principal, J.Y Govt. Chhattisgarh College, Raipur and Prof. G.S. Saluja, Govt. K.P.G. College, Jagdalpur. The celebration started by 12.00 pm. As per the Indian culture the session started with 'Saraswati Vandana' and lightening of lamp. After offering prayers, all the dignitaries were welcomed with a token of flowers. Next, Prof. B.S.

Thakur , H.O.D of Mathematics was invited on stage for welcome speech. After the welcome speech, Prof. Manoj Kumar Chande, Shri Shankaracharya Institute of Professional Management & Technology Mujgahan, Raipur, Chhattisgarh, India and Dr. Rajshree Dewangan, Vivekanand College, Raipur, Dr. Hemlal Sahu, I.Y Govt. Chhattisgarh College, Raipur, Dr. Nivati Gurudwan, J.Y Govt. Chhattisgarh College, Raipur were invited for a general interaction with P.G. students. The program was followed by prize distribution of "Aazadi Ka Amrit Mahotsav Week" and "Mathematics Day Celebration". Cash prize of Rs 1000, Rs 500 and Rs 300 were given to the winners while certificate was given to all the participants. The session was concluded by Dr. Dipti Thakur, S.O.S in Mathematics, P.R.S.U. At the end, snacks were offered to everyone.

Dr. Dipti Thakur (Convener) Mathematics Day 2022 S.O.S in Mathematics PRSU Raipur (C.G.) Prof. B.S. Thakur (Head) S.O.S in Mathematics PRSU Raipur (C.G.)



University Institute of Pharmacy

Pt. Ravishankar Shukla University

Raipur- 4920 10 (C.G.) INDIA, fax- +91 88157 99738 email- directoruiop@gmail.com, Website: www.prsu.ac.in.

Motivational speech on "Capabilities of Youth in Nation Building" 06 December 2022

University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) organized a Motivational speech on "Capabilities of Youth in Nation Building" on 06 December 2022. The program started with Saraswati Pujan and commenced with the warm welcome of guests Prof. Aswini Dani, FES College, Chandrapur, Maharashtra, and Prof. Mamta Chauhan by Prof. Swarnlata Saraf, Director, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). **Prof. Aswini Dani deliberated** a Motivational speech on "Capabilities of Youth in Nation Building". Through her speech, she explained what capability is and how the capability of youth puts an impact on the nation and further in its building. She beautifully elaborated that capability is all about one's understanding, capacity, aptitude, attitude, interest, and interaction which needs to be implemented in our youth that will help them to grow and understand their responsibility towards the nation. She also highlighted one of the National Education Policy clauses which needs to be learned and practiced. She also highlighted that through our capabilities how we can aid in building up an Atma Nibhar Bharat. She culminated the program by motivating and encouraging the students to value our culture which will make the nation united. At last, the program concluded with the remarks of **Prof.** Swarnlata Saraf, she expounded how by recognizing the capabilities and responsibilities one can help in developing society. She also presented gratitude to the guests for sparing the time for the program and also for inculcating the essentiality of capabilities, and enthusiasm for society's welfare.

Glimpses of the event













सात दिवसीय हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग वर्कशॉप

"Using Sophisticated Instrumental Approaches to Characterize Novel Drug Delivery System"

युनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, पं रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के द्वारा हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग वर्कशॉप "Using Sophisticated Instrumental Approaches to Characterize Novel Drug Delivery System" विषय पर 24 नवंबर से 30 नवंबर 2022 तक सात दिवसीय ट्रेनिंग वर्कशॉप, डीएसटी स्तृति द्वारा प्रायोजित और सैफ, पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के लिए विभिन्न राज्यों के 20 विश्वविद्यालयों से 30 छात्र व छात्राओं का चयन किया गया। कार्यक्रम के पहले दिन का उद्घाटन यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी के एम. एल. श्रॉफ हॉल में में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. आलोक कुमार चक्रवाल, माननीय कुलपति, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय ने हमारे जीवन में विज्ञान का महत्व बताया साथ ही राष्ट्रीय कल्याण करने हेत् सभी को प्रोत्साहित किया। हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग वर्कशॉप से प्रैक्टिकल नॉलेज व इंटरप्रेन्योर स्किल डेवेलोप करने के लिए भी बढावा दिया। मुख्य संरक्षक एवं अध्यक्ष प्रो. केशरी लाल वर्मा, माननीय कुलपति, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, ने अपने उदबोधन में कहा की स्तुति के द्वारा हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग वर्कशॉप यूनिवर्सिटी में आयोजित होना यह यूनिवर्सिटी के लिया बहुत गर्व की बात है पूर्व में भी हमारे यूनिवर्सिटी में हुए सफल ट्रेनिंग वर्कशॉप के बारे में बताया। साथ ही विभिन्न राज्यों से आए छात्र व छात्राओं को युनिवर्सिटी भ्रमण करने को कहा एवं उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी। संरक्षक **प्रो. शैलेन्द्र सराफ**, निर्देशक एचआरडीसी एवं संस्थापक निर्देशक, विश्वविद्यालय फार्मेसी संस्थान, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने नोवेल फार्मूलेशन -माइक्रोबयोम के बारे में छात्र व छात्राओं को अवगत कराया। साथ ही नैनो कैरिएर व उसके कैरेक्टराइजेशन में सोफिस्टीकेटेड इंस्ट्रमेंट का महत्व भी बताया | इस ट्रेनिंग प्रोग्राम के संयोजक प्रो. स्वर्णलता सराफ, निर्देशक, विश्वविद्यालय फार्मेसी संस्थान, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने आने वाले दिनों में हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग वर्कशॉप में होने वाले व्याख्यान व विभिन्न सोफिस्टीकेटेड इंस्ट्रमेंट में विस्तार से जानकारी दी। ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, डॉ. अंबर व्यास, विश्वविद्यालय फार्मेसी संस्थान, पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय सभी अतिथियों, अन्य विभाग के निर्देशकों, सभी वक्ताओ, विभिन्न कंपनियों के सभी सोफिस्टीकेटेड इंस्ट्रमेंट स्पेशलिस्ट को अपना कीमती समय व छात्र व छात्राओं को ट्रेनिंग देने के लिए धन्यवाद ज्ञापन दिया। इस कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के अन्य विभाग के निर्देशक व डीएसटी स्तृति के रिप्रेजेन्टेटिव, डॉ. विवेक शिल राजपृत भी उपस्थित थे | इसके बाद वक्ता डॉ. विनोद कुमार, (पीएचडी, एसोसिएट प्रोफेसर एंड विभाग अध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ़ केमिस्ट्री, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ़ पंजाब, बिंटडा) ने विषय "नुक्लेअर मैग्नेटिक रेजोनेंस: इंस्ट्र्मेंटेशन एंड एप्लीकेशन" पर व्याख्यान दिया| दोपहर में पर्किन एल्मर कंपनी से वक्ता श्री कौशिक कहली (सीनियर सोफिस्टीकेटेड इंस्ट्रमेंट स्पेशलिस्ट, कोलकाता) ने विषय "डिफरेंशियल स्कैनिंग कैलोरीमीटर (डीएससी) इंस्ट्रमेंटेशन एंड एप्लीकेशन" पर व्याख्यान दिया। इसके बाद उन्होंने विभाग के शिक्षक प्रो. प्रीति के. सुरेश के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को डीएससी इंस्ट्रमेंट पर हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग भी दिया |

ट्रेनिंग वर्कशॉप के दुसरे दिन 25 नवंबर 2022 को पेर्किन एल्मेर कंपनी के सीनियर सोफिस्टीकेटेड इंस्ट्रुमेंट स्पेशलिस्ट श्री गौतम भट्टाचार्जी ने विषय "फौरिएर ट्रांसफॉर्म इन्फ्रारेड स्पेक्ट्रोस्कोपी (एफटीआईआर): इंस्ट्रूमेंटेशन एंड एप्लीकेशन पर व्याख्यान दिया| इसके बाद उन्होंने विभाग के शिक्षक प्रो. मंजू सिंह के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को एफटीआईआर इंस्ट्रुमेंट पर हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग भी दिया | दोपहर में वक्ता डॉ. शिव शंकर शुक्ला, (प्रोफेसर, कोलंबिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी,रायपुर) के द्वारा विषय "प्रोस्पेक्टिव ऑफ़ एनालिटिकल मेथड डेवलपमेंट एंड

वेलिडेशन इन साइंटिफिक रिसर्च" पर व्याख्यान दिया | इसके बाद वक्ता डॉ. अखलेश के. जैन, (असिस्टेंट प्रोफेसर, इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंस, गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर) ने विषय इन विट्रो व इन विवो कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ फार्मास्यूटिकल नैनोकैर्रिएर युस्ड फॉर ड्रग डिलीवरी सिस्टम पर व्याख्यान दिया |

ट्रेनिंग वर्कशॉप के तीसरे दिन 26 नवंबर 2022 को फार्मेसी संस्थान के शिक्षकों डॉ. राजेंद्र जांगड़े, श्री अदीप कुजूर, श्री राकेश तिर्की के मार्गदर्शन में सभी प्रतिभागियों को 9M इंडिया लिमिटेड फार्मास्युटिकल प्लांट का भ्रमण कराया गया। वह के वरिषठ अधिकारीयों ने प्रतिभागियों को प्लांट के सोफिस्टीकेटेड इंस्टुमेंट जैसे एचपीएलसी, टेबलेट कोटिंग मशीन, टेबलेट डीजोलुसन, सिरप पैकेजिंग मशीन के बारे में विस्तार से बताया। यहाँ प्रतिभागियों को टेबलेट, सिरप, अम्पयुल्स, और इनके फार्मूलेशन और पैकेजिंग को बनते हुए भी दिखाया। प्लांट के निर्देशक श्री मनीष अग्रवाल एवं जनरल मेनेजर श्री संजय व्यास ने रोजगार के विषय पर चर्चा की एवं सभी छात्र व छात्राओं को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी।

ट्रेनिंग वर्कशॉप के चौथे दिन 27 नवंबर 2022 को प्रो. एन. एस. हिर नारायण मूर्ति, (इंदिरा गाँधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक, मध्यप्रदेश) ने विषय "एनालिटिकल मेथड्स वेलिडेशन: ओवरव्यू ओं स्टैटिस्टिकल एंड कम्प्यूटेशनल अप्प्रोअचेस" पर व्याख्यान दिया। इसके बाद दुसरे वक्ता प्रो. नागेन्द्र सिंह चौहान, (सीनियर साइंटिफिक ऑफिसर, ड्रग्स ड्रग टेस्टिंग लेबोरेटरी एवं अनुसन्धान,केंद्र,रायपुर) ने विषय "सोफिस्टीकेटेड इंस्टुमेंटल अप्प्रोअचेस टू केरेक्टाराइज आयुर्वेदिक नैनोफार्मूलेशन स्वर्ण प्राशन पर व्याख्यान दिया। दोपहर में ब्युकी कंपनी से तीसरे वक्ता श्री सुशांत दास, (सोफिस्टीकेटेड इंस्टुमेंट स्पेशलिस्ट, मुंबई) ने विषय "फ़्लैश क्रोमैटोग्राफी" इंस्ट्र्मेंटेशन एंड एप्लीकेशन पर व्याख्यान दिया। इसके बाद उन्होंने विभाग के शिक्षकों प्रो. एस.जे. डहरवाल, एवं डॉ. दीपेन्द्र सिंह के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को फ़्लैश क्रोमैटोग्राफी व स्पीड एक्सट्टैक्टर इंस्ट्रमेंट पर हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग भी दि।

ट्रेनिंग वर्कशॉप के पांचवे दिन 28 नवंबर 2022 को डॉ. शैलेन्द्र मांगडे (एसोसिएट डायरेक्टर, फार्मूलेशन आर एंड डी, स्लैबैक फार्म, हैदराबाद) ने विषय "फार्मास्यूटिकल सॉलिड-स्टेट कैरेक्टराइजेशन" पर व्याख्यान दिया। इसके बाद दुसरे वक्ता डॉ. रिवन्द्र पाण्डेय (कोलंबिया इंस्टिट्यूट ऑफ़ फार्मेसी,रायपुर) ने विषय "अपॉर्चुनिटीईज़ एंड चैलेंजेस इन ड्रग डिस्कवरी थ्रू प्लांट सोर्स" पर व्याख्यान दिया। दोपहर में एंक्रोम कंपनी से वक्ता श्री मोहित उपाध्य, (सोफिस्टीकेटेड इंस्टुमेंट स्पेशिलस्ट, मुंबई) ने विषय "हाई परफॉरमेंस थिन लेयरक्रोमैटोग्राफी (एचपीटीएलसी)" इंस्टूमेंटेशन एंड एप्लीकेशन पर व्याख्यान दिया। इसके बाद उन्होंने विभाग के शिक्षक प्रो. विशाल जैन के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को एचपीटीएलसी इंस्टुमेंट पर हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग भी दिया। सभी प्रतिभागियों को पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के भू-विज्ञान एवं जल संसाधन प्रबंधन अध्ययनशाला में भ्रमण भी कराया गया।

ट्रेनिंग वर्कशॉप के छठवे दिन 29 नवंबर 2022 को प्रो. एस. के. जैन (डॉ. हिरसिंह गौर विश्वविद्यालय, मध्यप्रदेश) ने विषय "पार्टिकल साइज़ एनालिसिस" पर व्याख्यान दिया। इसके बाद दुसरे वक्ता डॉ. अजजुद्दीन (रुंगटा कॉलेज ऑफ़ फार्मास्यूटिकल साइंस एंड रिसर्च, भिलाई), ने विषय "एफटीआईआर स्पेक्ट्रोस्कोपी" पर व्याख्यान दिया। दोपहर में एंटोन पार, से वक्ता श्री किपल जोशी, (सोिफस्टीकेटेड इंस्ट्रुमेंट स्पेशिलस्ट, हरयाणा) ने विषय "जीटा साईज़र" इंस्ट्रूमेंटेशन एंड एप्लीकेशन पर व्याख्यान दिया। इसके बाद एंटोन पार कंपनी से वक्ता श्री शागनिक घोष, (सोिफस्टीकेटेड इंस्ट्रुमेंट स्पेशिलस्ट, हरयाणा) ने विभाग के शिक्षक प्रो. राजेंद्र जांगड़े के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों को जीटा साईज़र इंस्ट्रुमेंट पर हैंड्स ऑन – ट्रेनिंग दिया।

ट्रेनिंग वर्कशॉप के सातवे दिन 30 नवंबर 2022 को प्रो. प्रीति के. सुरेश (यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, पं रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर ने विषय "कैरेक्टराइजेशन ऑफ़ नैनोकैरिएर- बेस्ड ओक्युलर ड्रग डिलीवरी प्लेटफार्म " पर व्याख्यान दिया। इसके बाद दुसरे वक्ता डॉ. डॉ. अंबर व्यास (यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, पं रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर), ने विषय "मैकेनिस्टिक इनसाइट इनटू कोक्रिस्टल डिसप्रोपोर्सनेसन इन फार्मूलेशन: रोले ऑफ़ एक्सिसिपिएंट " पर व्याख्यान दिया। इसके बाद प्रो. स्वर्णलता सराफ, (निर्देशक, यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, पं रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर), ने विषय "करंट स्टेटस ऑफ़ कॉस्मेटिक टेक्नोलॉजी एंड कैरेक्टराइजेशन" पर व्याख्यान दिया।

इस के बाद प्रोग्राम का समापन, फार्मेसी इंस्टीट्यूट के एम. एल. श्रॉफ हॉल में किया गया | इस कार्यक्रम के मुख्य संरक्षक एवं अध्यक्ष प्रो. केशरी लाल वर्मा, माननीय कुलपित, पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने अपने उदबोधन में कहा की भारत का भविष्य युवाओं के हाथ में है, उन्हें प्रशिक्षित करने व आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी हमारी है| यह एक प्रयास था जिससे वे सोफिस्टीकेटेड इंस्ट्रमेंट में ट्रेनिंग ले सके व राष्ट्रीय कल्याण हेतु अपना योगदान दे सके | साथ ही सभी वक्ताओं व प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापित किया| इस कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. शैलेन्द्र सराफ, निर्देशक एचआरडीसी एवं संस्थापक निर्देशक, विश्वविद्यालय फार्मेसी संस्थान, पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, ने उदबोधन में कार्यक्रम के प्रतिभागियों को धन्यवाद ज्ञापन के साथ नई उर्जा एवं नए ज्ञान जो कि इस सात दिवसीय ट्रेनिंग वर्कशॉप से प्राप्त किया है वह उनके अनुसंधान के लिए सहायक होंगे और उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ दी | इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. स्वर्णलता सराफ, निर्देशक, विश्वविद्यालय फार्मेसी संस्थान, पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने विभिन्न राज्यों के 20 विश्वविद्यालयों के 30 छात्र व छात्राओं के साथ बातचीत किया एवं उनके अनुसंधान कार्य में इस ट्रेनिंग का महत्व के बारे में जाना| इस कार्यक्रम के ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी, डॉ. अंबर व्यास, विश्वविद्यालय फार्मेसी संस्थान, पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर) ने विभिन्न राज्यों से आए हुए सभी वक्ताओं व प्रतिभागियों एवं विश्वविद्यालय फार्मेसी संस्थान के सभी शिक्षकों को धन्यवाद ज्ञापित किया। सभी प्रतिभागियों को माननीय कुलपित के द्वारा सात दिवसीय ट्रेनिंग में सिमिलत होने हेतु प्रमाण पत्र प्रदान किया गया।

Day 1 - 24 नवंबर 2022





















Day 2 - 25 नवंबर 2022









Day 3 - 26 नवंबर 2022





Day 4 - 27 नवंबर 2022









Day 5 - 28 नवंबर 2022













Day 6 - 29 नवंबर 2022









Day 7 - 30 नवंबर 2022





















University Institute of Pharmacy

Pt. Ravishankar Shukla University

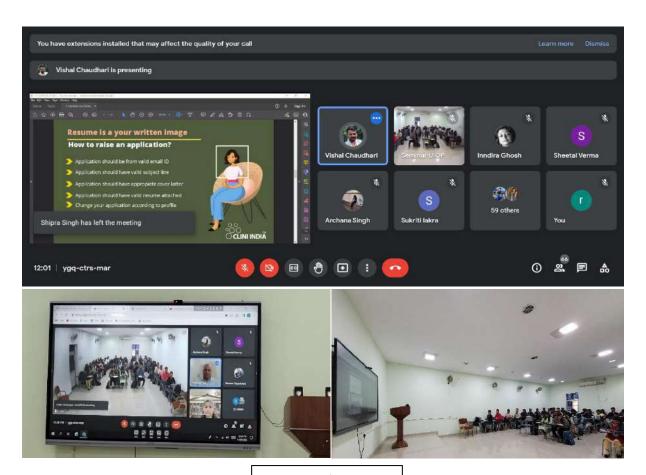
Raipur- 4920 10 (C.G.) INDIA, fax- +91-0771-2262832 email- directoruiop@gmail.com, Website: www.prsu.ac.in.

Webinar on - "Interview techniques for the freshers and resume writing"

On 29 November 2022

University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur C.G. organized webinar in association with CLINI INDIA on 29th November 2022 on an online platform google meet (https://meet.google.com/ygq-ctrs-mar). Webinar moderator Ms. Prutha, Trainer, CLINI INDIA welcomed organizer of the program, Prof. Swarnlata Saraf, Director, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur C.G. The program was started with welcome note by Prof. Swarnlata Saraf, Convenor of the program. She addressed the gathering with his encouraging words and enlighten the webinar theme "Interview techniques for the freshers and resume writing" of the program. Thereafter, Speaker of the webinar Mr. Vishal Chaudhari, Head of Operations CLINI INDIA started his deliberation on "Interview techniques for the freshers and resume writing". He explained the techniques and basic need for facing interview. He also explained the right way of resume writing. All the students were enriched with very knowledgeable lecture and interacted with speaker. At the end of the webinar, Mr. Rakesh Tirkey, organizing secretary proposed vote of thanks and appreciated the efforts of CLINI INDIA team.





Glimpses of webinar



University Institute of Pharmacy

Pt. Ravishankar Shukla University



Raipur- 4920 10 (C.G.) INDIA, +918815799738 email- directoruiop@gmail.com, Website: www.prsu.ac.in.

One day

Orientation Program

Theme: "Indian Knowledge Systems in the times of technological revolution"

On 25th December 2022

University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) organized One Day Orientation Program on the theme "INDIAN KNOWLEDGE SYSTEMS IN THE TIMES OF TECHNICAL REVOLUTION" In association with Mahamana Malaviya Mission, Raipur Unit on 25th December 2022 on a hybrid mode to commemorate this day. Dr. Madan Mohan Malaviya was known as the Indian Scholar, educational reformer, and politician notable for his role in the Indian Independence Movement his birth anniversary is on December 25th and he certainly remains an ideal to all professionals working in this country irrespective of their branches and diversity of duties. The day started with Saraswati pooja for devotion to the Goddess of Knowledge and Wisdom. The festivities that go along with Saraswati pooja are a division of the social celebration followed by the garlanding of a portrait of Malaviya Ji followed by a lamp lighting ceremony and a Kulgeet of the University and Malaviya Mission. The welcome speech of Prof. Swarnlata Saraf, Director, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) focuses on teaching and learning from historical and modern perspectives and motivating and grooming students. She also briefed us about the biography of Madan Mohan Malaviya Ji and aware us of the theme of Indian Knowledge Systems and their significance in the times of the technological world. The introduction of the Chief Guest was given by **Prof. Dinesh** Nandini Parihar.

Prof. Vishnu Sashtri, Chief Guest, Alumni of Banaras Hindu University has extended his greetings on the 161st birth anniversary of Pandit Madan Mohan Malaviya and addressed the gathering about the Madan Mohan Malaviya Ji was also one of the early leaders of the Hindu Mahasabha and played a prominent role in the freedom struggle and his inspiring words about how to show devotion towards work, sincerity, and the interest that we have to inculcate in the pharma profession and excel in life. He also shared the life experience of Madan Mohan Malaviya ji, the founder of Banaras Hindu University. He also told us

about the establishment of this university. **Prof. Rajiv Prakash,** Director, IIT Bhilai, C.G. Speaker of the session was introduced by **Dr. Nishant Singh**. He delivered **Prof. Rajiv Prakash's** message emphasizing our knowledge regarding the Indian Knowledge System and Madan Mohan Malaviya ji and the aspects of the Chaura-Chauri Movement in the Indian National Movement. He also congratulates Mahamana Malaviya Mission, Raipur Unit for their contribution. **Dr. Veena Anand** introduced our eminent speaker **Mr. Prakash Gautam**, Advocate, Supreme Court of India, Delhi. He spoke about Madan Mohan Malaviya ji role in promoting modern education, he was the co-founder of the Banaras Hindu University which is now the largest residential university in Asia and also one of the largest in the world with students from across various streams from all over the world. Notably, highlighted Pandit Madan Mohan Malaviya ji has also been posthumously conferred with the prestigious Bharat Ratna after which the Vanarasi-New Delhi Mahamana Express was also started in the leader's honor.

Prof. Shailendra Saraf, founder director, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). He appreciated for organizing such an event and addressed the gathering with his encouraging and visionary words focusing on the implementation of NEP and the role of teachers in the capacity building of students and explaining the importance of the Indian Knowledge System in the technological revolution. The event was very knowledgeful for everybody and at last, the book release was done by all distinguished dignitaries and ended with a vote of thanks by Dr. Manwendra Tripathi, NIT, Raipur (C.G.). He acknowledged Prof. K. L. Verma, Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.) and all the eminent speakers for their words of wisdom invited guests, organizers, student volunteers, Pandit Ravishankar Shukla University, University Institute of Pharmacy M. L. Schroff Hall for providing them with required facilities for organizing successful program and gave them many more opportunities to held such programs as well in future. The program ended up with a National Anthem.

Glimpses of the event









University Institute of Pharmacy

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G

In association with

Mahamana Malaviya Mission

Raipur Unit

Cordially invites you to join One day

Orientation Program

On 25th December 2022, Time: 2:00 pm Venue: M. L. Schroff Hall, University Institute of Pharmacy Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G

Theme: "Indian Knowledge Systems in the times of technological revolution"



Chief Guest
Shri Vishnu Shashtri
BHU Alumini
(https://meet.google.com/axfnjbu-jmq)



Keynote Speaker Shri Prakash Gautam Advocate, Supreme Court of India, Delhi



Speaker Prof. Rajiv Prakash Director, IIT, Bhilai (C.G.) (Virtual mode)

Presided by
Prof. K. L. Verma
Vice Chancellor,
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G

Prof. Swarnlata Saraf University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G Dr. Manwendra Tripathi NIT, Raipur (C.G.)































కృంచిం కుంచిం కుంచిం

An Expert Talk





Pharma Management- A Lucrative Career in India 3rd May, 2023

> Organized by **University Institute of Pharmacy** Pt. Ravishankar Shukla University. Raipur-492 010 (Chhattisgarh)

REPORT OF EXPERT TALK

University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (Chhattisgarh) organized one day Expert Talk on "Pharma Management - A Lucrative Career in India", on 3rd May 2023. The one day Expert Talk was held with the objective of guiding the students of B. Pharm. 4th year with different aspects of career in the field of Pharmaceutical sciences after completion of graduation. The convener of the program is Prof. Swarnlata Saraf, Director, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (Chhattisgarh). The organizing secretary of this program is Mr. Adeep Kujur, Assistant Professor, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (Chhattisgarh). The invited guest speaker of the program was Dr. Neha Sharma Chowdhury, Head Marketing, Modern Laboratories, Indore, India.



The program was started with the welcome address of organizing secretary of the program, Mr. Adeep Kujur. Then the session followed by the keynote address of Prof. Swarnlata Saraf, Convenor and Director, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.). She spoke about the motive of the one day expert talk and insisted young students to utilize this program as platform to unlock their potential and mind to gain from various career related information's which will be going to discussed by the expert and get benefitted by it. She appreciated faculty members for their active participation and extended her appreciation to participating students of B. Pharm. final year.

\(\hat{a}\) \(\hat



క్రిం కుంకు కు



Then the expert talk is started by the guest speaker of the program **Dr. Neha Sharma Chowdhury**, Head Marketing, Modern Laboratories, Indore, India. She spoke about the various career options after completion of B. Pharmacy course. She gave information on career options related to Pharmaceutical industry, R & D and Academics. In her talk, she encourages young students for pursuing Masters in any branch of specialization of pharmacy. She gave special emphasis on pursuing Pharmaceutical Management after completing B. Pharm. She gave detailed information on the benefits of opting pharmaceutical management course. She told that this course is very helpful to get higher positions in pharmaceutical industries.



The program came to end with the vote of thanks by **Mr. Adeep Kujur**, Organizing Secretary and Assistant Professor, University Institute of Pharmacy, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (Chhattisgarh).



1st International Conference on Functional Materials (ICFM-2022)

August 24-26, 2022

School of Studies in Physics and Astrophysics Center for Nano Science and Nano Technology Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C. G.), India

æ

Luminescence Society of India (LSI)

Technical Report

The 1st International Conference on Functional Materials (ICFM-2022) was organized by School of Studies in Physics and Astrophysics and Centre for Nano Science and Nano Technology, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur and Luminescence Society of India (LSI). It was a three- days conference held from 24th – 26th August, 2022 at Seminar Hall, SoS in Geography, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.

On the first day i.e. on 24th August 2022 the conference was inaugurated by chief guest honourable Prof. K.L. Verma, Vice Chancellor, Pt. R. S. University, Raipur, Guest of Honour Prof. KVR Chary, Department of Chemistry & Bio-chemistry, Rowan University, USA. Keynote Speaker President of LSI, Prof. KVR Murthy, MS University Varodara. After the formal inauguration, welcome speech was delivered by Prof. Nameeta Brahme, Prof. & Head, SoS in Physics and Astrophysics, Dr. Y. K. Mahipal (Convener-ICFM 2022) presented a brief introduction of Conference.

In felicitation ceremony Prof. S.K. Pandey, former vice-chancellor, Pt. RSU Raipur (C.G.), Prof. R.C. Agrawal (Retd.) and Prof. R.N. Baghel (Retd.), SoS in Physics & Astrophysics, Pt. R. S. University was honoured for their extra ordinary contributions in teaching and research. Honourable Vice-chancellor, Prof. K.L. Verma release the abstract of book. The speech related to the information about Pt. RS University was delivered by our Vice-chancellor, K.L. Verma. The last but not least, Vote of thanks was delivered by the secretary of the ICFM-2022 Mr. Chitrkant Belodhiya.

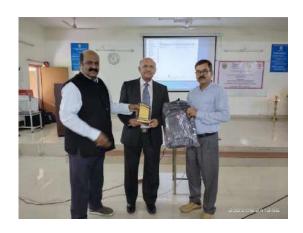




Technical Session-1

The technical session was opened with Plenary talk by Prof. KVR Chary, Rowan University, USA, on the topic "Eco-friendly electro catalytic materials for Hydrogen Generation" and Plenary talk were given by Prof. S.B. Jonnalagadda, University of Kwazulu, Natal Durban, South Africa. One special Lecture was given by Prof. Balak Das from Lucknow University, Lucknow. The technical session was chaired by Prof. D.P. Bisen, SoS in Physics, Pt. R.S. University, Raipur.





Technical Session-2

The technical session was opened with Keynote talk by Prof. KVR Murthy, MS University, Baroda, on the topic "Applications of Light Emitting Diodes in Smart Cities" and online talk were given by Prof. S. Ramesh, Department of Physics University of Malaya, Malaysia on the topic "Hydro gels in energy devices towords sustainable smart cities". The technical session was chaired by Prof. Anjali Oudhiya, Professor & Head, Govt. PG Science College, Raipur.SoS in Physics, Pt. R.S. University, Raipur.





Second Day:-

Technical Session-3

Second Day starts with the Planery talk by Prof. B.N Jagtap, Department of Physics, IIT Mumbai on the topic "Materials for Societal Applications" and Invited talk was delivered by Dr. Kamlesh Shrivas, SoS in Chemistry, Pt. R.S University, Raipur. The technical session was chaired by Prof. Kavita Thakur, Professor & Head, SoS in Electronics & Photonics, Pt. R.S. University, Raipur.





Technical Session-4

Dr. M. L. Verma, Department of Physics, Shree Shankaracharya Technical College, Bhilai on the topic "Ab initio approach of materials modelling for electrochemical and opto electronics devices." and Invited talk was delivered through online mode by Dr. Ravindra

Kumar Gupta, King Abdullah Institute for Nano Technology, King Saud University, Riyadh. He delivers his talk on the topic of "A blend of Poly (Ethylene Oxide) and Tetramythyle Succinonitrile as a matrix for solid polymer electrolytes". After that Dr. Ishwar Prasad Sahu and Dr. Vikas Dubey delivered Invited Technical talks. The technical session was chaired by Dr. N. K. Chakradhari, SoS in Physics & Astrophysics, Pt. R.S.

University, Raipur.



Technical Session-5

Poster session was organised in seminar hall in SoS in Physics & Astrophysics, their around 40 posters were displayed and the session was chaired by Dr. B. G. Sharma, Govt. Science College Raipur.





Third Day:-

Technical Session-6

Third day starts with the talk by Dr. Ajaya Kumar Singh, Govt. Science College Durg on the topic" Nano Materials based advanced oxidation processes for waste water treatment" and Dr. Jay Singh, GGU Bilaspur delivered his talk on the topic "Two dimensional matelas Di-chalcogenides nano materials for transistor application". The technical session was chaired by Dr. Ravi Sharma, Devendra Nagar Girls College, Raipur.





Technical Session-7

Prof. S. J. Dhoble, RTM University Nagpur, on the topic "Natural Materials for high dose Thermoluminescence radiation dosimetry." and Invited talk was delivered by Dr.

Manmohan Lal Satnami, SoS in Chemistry, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur on the topic of "Multi colour emissive carbon quantum dots for FRET dissection of gold nano rods". The technical session was chaired by Dr. Laxmikant Chaware, CBS, Pt. R.S. University, Raipur.





Technical Session-8

Dr. R. P. Patel, GGU Bilaspur delivered his talk on this session. The session was chaired by Dr. Govind Kumar Sahu, CBS, Pt. R.S. University, Raipur.

In this International Conference total 16 oral presentation delivered and around 41 posters were presented by participants came to different states. After this the conference was conclude by Prof. D. P. Bisen, Professor, SoS in Physics & Astrophysics, Pt. R.S. University, Raipur. On Valedictory function Best oral and Best poster prize has been announced and distributed certificates to the all participants.











Convonor

Convener
Dr. Y. K. Mahipal
SoS in Physics & Astrophysics
Pt. ravishankar Shukla University, Raipur

IUCAA CENTRE FOR ASTRONOMY RESEARCH & DEVELOPMENT (ICARD) CENTRE FOR MEGA PROJECTS IN MULTIWAVELENGTH ASTRONOMY



SCHOOL OF STUDIES IN PHYSICS & ASTROPHYSICS PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR CHHATTISGARH 492010 INDIA

Phone: (+91-771) 2262864

Coordinator: Dr. N.K.Chakradhari (Senior Asst. Professor)

Email: nkchakradhari@gmail.com, nkchakradhari@associates.iucaa.in

International Workshop on Science and Technology in Astronomy Research (STAR 2022)

(15 to 18 October 2022)

Report

IUCAA Centre for Astronomy Research & Development (ICARD) and Centre for Mega Projects in Multiwavelength Astronomy established at the School of Studies in Physics & Astrophysics, Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU) Raipur jointly organized a four-day international workshop on "Science and Technology in Astronomy Research (STAR 2022)" from 15 to 18 October 2022 as a part of the celebration of "Azadi ka Amrit Mahotsav" and to mark the 50th Anniversary of the Department.

The Chief Guests of the Inaugural Ceremony were Prof. K.L. Verma (Vice Chancellor of PRSU, Raipur), Professor S.K. Pandey (Former Vice Chancellor of PRSU, Raipur), Mr. Vishwas Meshram (Joint Collector and Joint Director of Chhattisgarh Academy of Administration, Raipur), Prof. Nameeta Brahme (Head of the Department), and Priyanjali Patel from Universidad de Chile, Santiago. Prof. Verma appreciated the achievements of the department and promised to extend all possible help in its upliftment. Prof. Pandey, an alumnus of the department, spoke about its history and progress it has made in the last 50 years. He said that numerous Scientists, Professors, Teachers, Administrators, and important figures in society are products of this department, contributing at national and international level. Joint Collector, Mr Meshram, highlighting the astronomical public outreach activities done in the rural areas, explained how scientific temperament can be spread and superstition can be eradicated. The Head of the Department, Prof. Brahme, highlighted the Department's achievement and said that the department's popularity index is the highest in the PRSU.

In this workshop, there were 21 lectures of scientists and researchers, most of them being alumni of the department and currently working at national and international research centres. The participants got detailed information about the Universe, the development of astronomy, Giant Telescopes, Space Observatories, Supernova Explosion, the motion of celestial bodies, X-ray binaries, Black Holes, Gravitational waves, Dark Energy, Space Weather, Solar Physics, Extra-

Solar Planets, Galaxies, Cosmology, Python, other astronomical phenomenon and general Astronomy. They were also informed about the career and opportunities in the field of astronomy.

Four groups of students demonstrated the use of python in Astronomy by taking examples such as (1) PL relation and distance measurements, (2) the use of HR diagram in the Main-sequence fit method, (3) Hubble's expansion Law and age of the Universe, (4) Kepler's Law and Planetary motion.

Some students displayed their knowledge and art through Rangoli and painting competitions. Students who outperformed were rewarded. Sky watching program was organised in the evening times. Apart from the workshop participants, many nearby families, including kids, joined sky watching enthusiastically. It was a matter of curiosity for some participants to see the planets Saturn and Jupiter for the first time, and the response was overwhelming.

In the closing ceremony, Senior Prof. Y.M. Gupta, while explaining the hidden mysteries of astronomy, highlighted the mysteries yet to be understood and spoke about the importance of research.

The workshop was conducted in hybrid mode. There were 80 participants from the University and 20 Local Organizing Committee members including Scholars, Professors and Staff. Additional 135 participants from other Colleges/Universities joined online. In all, there were 235 participants. The entire programme was successfully conducted by Unnati Pandey, Shubham Padhi, Shrutika Tiwari, Kriparam Sahu and volunteers. Dr. N.K. Chakradhari, the convener of the program, said that the program was extremely valuable as it enhanced the knowledge of the students of Chhattisgarh and came to know about the future opportunities available for them in the field of astronomy.









कार्यक्रम विवरण

Day 1, 15/10/2022, Saturday

Time	Program Program	
10:30 - 11:30 AM	Inaugural Session (Sir CV Raman Hall)	
11:30 - 12:00 Noon	Group Photo, Tea	
Session I		
12:00 - 01:30 PM	Lecture 1: Prof. S. K. Pandey, Former Vice Chancellor, PRSU Raipur **Amazing Universe**	
01:30 - 02:15 PM	Break	
Session II		
02:15 - 03:15 PM	Lecture 2: Dr. N.K. Chakradhari, PRSU Raipur The legacy of Physics & Astrophysics, PRSU Raipur	
03:15-03:30 PM	Break	
03:30 - 04:30 PM	Lecture 3: Ms. Priyanjali Patel, Universidad de Chile, Santiago Python	
04:30 - 04:45 PM	Tea	
Session III		
04:45 - 05:30 PM	Rangoli, Painting and Demonstration	
Session IV		
6:00 PM	Sky watch: Jupiter's moon, Saturn ring etc.	

Day 2, 16/10/2022, Sunday

Session V		
10:30 – 11:00 AM	Lecture 4: Ms. Shrutika Tiwari and Mr. Kripa Ram Sahu, PRSU Raipur Template fitting on type Ia supernova light curves	
11:00 - 12:00 Noon	Lecture 5: Prof. D.K. Sahu, IIA Bengaluru (online) Cosmic Explosions	
12:00 - 12:30 PM	Tea	
12:30 - 01:30 PM	Lecture 6: Dr. Samridhi K. Paranjpe, Govt. Science College, Jabalpur *Understanding the Celestial movements*	
01:30 - 02:15 PM	Break	
Session VI		
02:15 - 03:15 PM	Lecture 7: Prof. Vivek Agrawal, ISRO Bengaluru (online) AstroSat view of neutron star low-mass X-ray binaries	
03:15-03:30 PM	Break	
03:30 - 04:30 PM	Lecture 8: Mr. Praveen Kumar, LIGO-Virgo Collaboration Spain (online) Gravitational Wave Astronomy	
04:30 - 04:45 PM	Tea	
Session VII		
4:45- 5:45 PM	Lecture 9: Ms. Nitya Pandey, Universidad de Chile (online) Antarctica Expedition	

Day 3, 17/10/2022, Monday

Session VIII		
10:30 – 11:00 AM	Lecture 10: Ms. Pragati Sahu, GGU, Bilaspur 2017 Outburst of H1743-322	
11:00 - 12:00 Noon	Lecture 11: Prof. Gulab Dewangan, IUCAA, Pune (online) *AstroSat - India's first multi-wavelength space observatory	
12:00 - 12:30 PM	Tea	
12:30 - 01:30 PM	Lecture 12: Prof. Sudhanshu Barway, IIA Bengaluru (online) Data driven astronomy – Finding Features in Galaxies	
01:30 - 02:15 PM	Break	
Session IX		
2:15 - 3:15 PM	Lecture 13: Prof. Padmakar Singh Parihar, IIA Bengaluru (online) Giant Eyes to Heaven: A Story of Building Large Ground Based Optical Telescopes	
03:15-03:30 PM	Break	
3:30 - 4:30 PM	Lecture 14: Prof. M.K. Patil, SRTMU, Nanded (online) World of Galaxies	
4:30 - 4:45 PM	Tea	
Session X		
4:45 - 5:45 PM	Lecture 15: Prof. P. Gandhi, University of Southampton, UK (online) *Black Holes* (Popular Lecture)	

Day 4, 18/10/2022, Tuesday

Session XI		
10:15 – 11:00 AM	Lecture 16: Mr. Pravat Dangal, St. Joseph College Darjeeling Timing and Spectral Data Analysis Techniques in X-ray Astronomy (online)	
11:00 - 12:00 Noon	Lecture 17: Prof. Nandita Srivastava, PRL Ahmedabad (online) Solar Physics	
12:00 - 12:30 PM	Tea	
12:30 - 01:30 PM	Lecture 18: Dr. Laxmikant Chaware, PRSU, Raipur Growth of Astronomy & Astrophysics along with Science & Technology	
01:30 - 02:15 PM	Break	
Session XII		
02:15 - 03:00 PM	Lecture 19: Dr. Parijat Thakur/Vineet Kumar Mannaday, GGU Bilaspur £xo-planet	
03:00 - 03:45 PM	Lecture 20: Dr. Avinash Singh, Kalinga University, Raipur **Astrophysics and Cosmology**	
03:45 - 04:15 PM	Lecture 21: Mr. Mahendra Verma, PRSU, Raipur Structure in the Universe	
04:15-04:30 PM	Break	
4:30-5:30 PM	Valedictory (Sir CV Raman Hall)	
5:30 PM	Tea	







१५ से स्टार २०२२, देश-विदेश के वैज्ञानिक होंगे शामिल

भौतिकी एवं खगोल भौतिकी अध्ययन शाला के 50 वर्ष पूरे होने पर ऑनलाइन कार्यक्रम



patrika.com

रायपुर. आजादी का अमृत महोत्सव के तहत भौतिकी एवं खगोल भौतिकी अध्ययन शाला रविवि के 50 वर्ष पूर्ण होने पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला स्टार 2022 का आयोजन 15 से 18 अक्टूबर को होने जा रहा है । यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में होगा। स्थानीय रिसोर्स पर्सन फिजिकल तौर पर उपस्थित होंगे। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक ऑनलाइन व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण यूट्यूब के माध्यम से होगा। कार्यक्रम मुख्य रूप से खगोल विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों के कॅरियर और अपॉर्चुनिटी पर केंद्रित है। इसके माध्यम से प्रतिभागियों का

ज्ञानवर्धन तो होगा ही, साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भविष्य में क्या-क्या संभावनाएं हैं तथा वहां पर कैसे पहुंचा जा सकता है यह भी जानने को मिलेगा। ज्ञात हो कि पिछले 50 वर्षों में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी अध्ययन शाला से कई खगोल वैज्ञानिक तैयार हुए हैं और वे वर्तमान समय में देश-विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कार्यक्रम के प्रतिभागियों को उन सभी वैज्ञानिकों से रूबरू होने का अवसर प्राप्त होगा।

PRSU's SoS in Physics & Astrophysics to organize international workshop on STAR - Times of India

TNN | Oct 11, 2022, 12.22 PM IST

RAIPUR: The School of Studies in Physics & Astrophysics, Pt Ravishankar Shukla University (PRSU), Raipur, will organize an international golden jubilee workshop on Science & Technology in Astronomy Research (STAR) 2022 from October 15 to 18 to mark the 50 years of establishment of the department and celebrate 'Azadi Ka Amrit Mahotsav.

The four-day workshop will be held in hybrid mode. The local expert/resource persons will be present physically, while other national and international resource persons will interact with the participants online. It will be streamed live on an online platform so that the teachers and students of outstation colleges can also reap the benefits.

The workshop is primarily focused on the objective of providing information on the careers and opportunities in the field of Astronomy and Astrophysics. There will be many popular lectures as well.

The participants will gain knowledge as well as will come to know about the various places to work and carry out research in future. The department was established in 1972 with the hard work of eminent astrophysicists, Late Prof. R K Thakur, Late Prof. D K Chakravarty, Prof. A K Sapre and former vice chancellor Prof. S K Pandey.

In the last 50 years, many Astronomy Scientists and Researchers have been produced from the Chhattisgarh region. They all are well placed at the national/international level. The participants of the workshop will be able to interact with some of these eminent Astrophysicists in this workshop.

THE TIMES OF INDIA

PRSU to conduct workshop on Astronomy from Oct 15

TNN | Oct 12, 2022, 08.27 AM IST

Raipur: The School of Studies in Physics & Astrophysics, Pt Ravishankar Shukla University (PRSU), Raipur, will organize an international golden jubilee workshop on Science & Technology in Astronomy Research (STAR) 2022 from October 15 to 18 to mark the 50 years of establishment of the department and celebrate Azadi Ka Amrit Mahotsav.

The four-day workshop will be held in hybrid mode. The local expert/resource persons will be present physically, while other national and international resource persons will interact with the participants online. It will be streamed live on an online platform so that the teachers and students of outstation colleges can also reap the benefits. The workshop is primarily focused on the objective of providing information on the careers and opportunities in the field of Astronomy and Astrophysics. There will be many popular lectures as well. The participants will gain knowledge as well as will come to know about the various places to work.



खगोल विज्ञान पर 15 से तीन दिनी कार्यशाला रविवि में

10-Oct-2022

रायपुर, 10 अक्टूबर। रविशंकर विश्वविद्यालय, रायपुर के 50 वर्ष पूर्ण होने पर एक अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला "Science & Technology in Astronomy Research" का आयोजन 15 से 18 तक होगा। यह कार्यक्रम हाइब्रिड मोड में होगा, स्थानीय रिसोर्स पर्सन भौतिक रूप से उपस्थित होंगे तथा अन्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के वैज्ञानिक ऑनलाइन व्याख्यान देंगे। कार्यक्रम का लाइव प्रसारण यूट्यूब के माध्यम से होगा, जिससे अन्य महाविद्यालयों के शिक्षक और विद्यार्थी भी इस कार्यक्रम में भाग ले सकेंगे। कार्यक्रम मुख्य रूप से खगौल विज्ञान के क्षेत्र में विद्यार्थियों के कैरियर और अपॉर्चुनिटी पर केंद्रित हैं। इसके माध्यम से प्रतिभागियों का ज्ञान वर्धन तो होगा ही, साथ ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भविष्य में क्या-क्या संभावनाएं हैं तथा वहां पर कैसे पहुंचा जा सकता है यह भी जानने को मिलेगा। ज्ञात हो कि पिछले 50 वर्षों में भौतिकी एवं खगोल भौतिकी अध्ययन शाला से अनेकों खगोल वैज्ञानिक तैयार हुए हैं और वे वर्तमान समय में देश विदेश में अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

रविवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी अध्ययन शाला का आयोजन

ब्लैक होल, डार्क एनर्जी और स्पेस वेदर समेत सौर परिवार की दी रोचक जानकारी

ZOOM रिपोर्टर

patrika.com

रायपुर.रविवि के भौतिकी एवं खगोल भौतिकी अध्ययन शाला की ओर से चार दिवसीय साइंस एंड टेक्नोलॉजी इन एस्टॉनोमी रिसर्च का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि कलपति प्रोफेसर केसरी लाल वर्मा थे। अन्य अतिथियों में पूर्व कुलपति प्रोफेसर एस के पांडे, संयुक्त कलेक्टर विश्वास मेश्राम और चिली यूनिवर्सिटी सेंटियागो से प्रियांजली पटेल उपस्थित थे। मेश्राम ने गांव-गांव में खगोल विज्ञान के क्षेत्र में हो रहे कार्यक्रम पर प्रकाश डालते हुए बताया कि कैसे इन कार्यक्रमों के माध्यम से लोगों के बीच वैज्ञानिक चेतना जगाई जा सकती हैं तथा कैसे अंधविश्वासों को दूर किया जा सकता है। विभागाध्यक्ष प्रोफेसर निमता बम्हें ने कहा कि विभाग का लोकप्रियता सचकांक विश्वविद्यालय



में सर्वोच्च स्थान पर है। कार्यशाला में देश- विदेश के वैज्ञानिकों तथा शोधार्थियों के 20 व्याख्यान हुए जिसमें से अधिकांश वैज्ञानिक तथा शोधार्थी विभाग से ही तैयार हुए हैं तथा वर्तमान में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध केंद्रों में कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में विद्यार्थियों को खगोल वैज्ञानिक बनने की ट्रेनिंग दी गई तथा यह भी बताया गया कि भविष्य में कहां-कहां पर खगोल विज्ञान के क्षेत्र में कार्य करने के अवसर उपलब्ध है।

इन टॉपिक्स पर हुई चर्चा

इसके अलावा विद्यार्थियों को खगोल विज्ञान का विकास. विशालकाय दूरबीन, आकाशीय दूरबीन, सपरनोवा विस्फोट, आकाशीय पिंडों की गति, ब्लैक होल, डार्क एनर्जी, स्पेस वेदर, सौर परिवार के बाहर अन्य गृहों की उपस्थिति, आकाशगंगा विषयों पर ब्रह्मांड की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई । विद्यार्थियों ने अपने ज्ञान और कला को रंगोली तथा पेंटिंग के माध्यम से प्रदर्शित किया। उत्कृष्ट विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया।

4-day international astronomy workshop organised at PRSU

TNN | Oct 21, 2022, 08.17 AM IST



Raipur: School of Studies (SoS) in Physics and Astrophysics, Pandit Ravishankar Shukla University (PRSU), Raipur, Chhattisgarh organised a four-day International Science and Technology Workshop in Astronomy, Research-STAR 2022 to make students know about the future opportunities available for them in the field of astronomy.

The experts explained the hidden mysteries of astronomy, highlighted the mysteries yet to be explored in the field and spoke about the importance of research during the workshop organised as a part of the celebration of Azadi Ka Amrit Mahotsav and to mark the 50th anniversary of the department.

There were 20 lectures of scientists and researchers across the country and abroad, most of whom are products of this department and are currently working in research centres at national and international levels. Students were given the training to become astrophysicists and were informed about the opportunities in the field of astronomy. Apart from that, students got detailed information about the Universe, the development of astronomy, Giant Telescopes, Space Observatories, Supernova Explosion, the motion of celestial bodies, Black Holes, Dark Energy, Space Weather, Extra-Solar Planets, galaxies and other astronomical phenomena.

The students displayed their knowledge and art through Rangoli and painting competitions. Students who outperformed were rewarded. Some student groups demonstrated the use of Python in Astronomy and a Skywatching program was also organized in the evening. Apart from the students of the department, nearby living people also joined enthusiastically.

PRSU vice chancellor Professor Kesari Lal Verma was the chief guest of the workshop while former vice chancellor of the university Professor S K Pandey, Chhattisgarh academy of administration joint director Vishwas Meshram and Priyanjali Patel from Universidad de Chile, Santiago were the key speakers.





भौतिकी एवं खगोल भौतिकी अध्ययनशालां पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर(छ.ग.) "One Day Seminar on Noble Prize 2022 in Physics"

//Report//

भौतिकी एवं खगोल भौतिकी अध्ययनशाला में दिनांक 26 नवम्बर 2022 को "One Day Seminar on Noble Prize 2022 in Physics" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. वाई. एम. गुप्ता, डायरेक्टर, रुंगटा कॉलेज ऑफ इंजनियरिंग एण्ड टेक्नालॉजी, रायपुर द्वारा "Quantum Computing" में व्याख्यान दिया गया।

इसके उपरांत अन्य चार वक्ताओं ने भी अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम समाप्ति के पश्चात् सभी वक्ताओं को प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।











HEAD







(NSSEMA -2023)

2nd National Conference on

Signal Processing, Sustainable Energy Materials And Astronomy & Astrophysics March 16-18, 2023

SoS in Physics & Astrophysics and SoS in Electronics & Photonics Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, 492010, (C.G) INDIA

&

Luminescence Society of India

Technical Report

2nd National Conference on Signal Processing, Sustainable Energy Materials and Astrophysics (NSSEMA-2023) was organized by School of Studies in Physics and Astrophysics, School of studies in Electronics and Photonics, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur with Collaboration with Luminescence Society of India. It was three days National Conference held during 16th- 18th March, 2023.

The Conference on 16.03.2023 is inaugurated by chief guest honourable Prof. K.L. Verma, Vice Chancellor, Pt. R. S. University, Raipur; Guest of Honour, Prof. A.G. Ramakrishnan, IISc, Bangalore and Prof. S.K. Pandey, Former Vice-chancellor, Pt. R.S.University, Raipur and President of LSI, Prof. KVR Murthy, MS University, Baroda. After the formal inauguration, Prof. Nameeta Brahme, convener of the conference gave the welcome Address and Prof. Kavita Thakur talk about the conference.





Technical Session-1

The first day of the conference starts with Keynote Speaker, Prof. KVR Murthy, LSI President on the title "Luminescence Materials and Applications. Prof. Murthy explained the different types of luminescence and how we can obelise the luminescent materials in our day to day life. There are two plenary talks first by Prof. KVR Chary, Rowan University, USA on the topic "Physics and Chemistry of Magnetism at Nano-Scale". Prof. Chary has explained the fundamental of magnetism and the use of magnetic nano particles in the field of medical science. Prof. G.C. Anupama, IIA, Bangaluru delivered second plenary talk on the topic "Thermonuclear Supernovae as Cosmological Probes". Prof. Anupama told that supernovae play an important role in the distance measurement. We can study about the history as well as future of the Universe. She also told that these are very important objects to understand the dark matter and dark energy. This session was chaired by Prof. B.N. Jagatap from IIT Mumbai and Prof. Y.H. Gandhi from MS University, Baroda.









Technical Session-2

In this session, Invited talks were delivered by Prof. Banerjee, ARIES, Nainital, on the topic "ADITYA L1 Mission to study the variability of our nearest Star". Prof. Dipanker Banerjee told that Aditya L1 will be India's 1st mission to the sun and it will be an important mission to study the sun. Prof. B.N. Jagatap, IIT Mumbai delivered a talk on the topic "Materials for Sustainable Development: Challenges and Opportunities". Prof. Jagtap told that we have to save environment for the survival of life on the earth. Prof. P.D. Sahare from Delhi University talked about the importance of Mechnoluminescence. One invited technical talk was delivered by Dr. Rekha Garg, Dr. H.S. Gour University, Sagar. This session was chaired by Prof. Jagjeet Kaur Saluja, Durg Science College, Durg.





Technical Session-3

This session was held parallel in which Invited talk was delivered by Prof. A.G. Ramakrishnan, IISc, Bangalore. Prof. Ramakrishnan explained the patterns in EEG and consciousness. Prof. G.V.V. Sharma, IIT, Hyderabad explained the importance of signal processing giving the simple example of high school mattematics and physics. One Invited Technical talk was delivered by Dr. Narendra D Londhe, NIT, Raipur. This session was chaired by Prof. D.P. Bisen, SoS in Physics and Astrophysics, Pt. R. S. University, Raipur (CG).





In the first day of the conference, 12 oral presentations were delivered by participants and Cultural event is also organized where students of M.Sc. Physics and Electronics have performed the dance form of Chhattishgarh. Some solo Bharatnatyam has also performed.









Second Day 17.03.2023

Technical Session-4

The Second Day opened with Invited talk by Prof. B.S.Panigrahi, IGCAR, Kalpakkam on the topic "Effect of UO_2^+ on Europium valence and interalia enrgy transfer in $SrBPO_5$ ". Prof. Panigrahi explained the ethod and use UO_2^+ based luminescent material. He also told that by changing the Uranious to Eropium concentration ratios the phosphor can be tuned to different CIE coordinates. Prof. P.K. Bhatnagar, Delhi University, New Delhi talked about nano materials and their applications in flexible electronics and sensors. This session was chaired by Prof. Anjali Oudhia and Dr. Ravi Sharma.





Technical Session-5

This Session was starts with Invited talks by Prof. S.J. Dhoble, RTM Nagpur University talked about innovation application of fly ash for high dose Thermoluminescence radiation dosimetry. Prof. S.A. Hasmi, Delhi University talked about redox active gel polymer electrolytes for high energy storage. Prof. Sivakumar Vaidyanathan, IIT, Hyderabad explained the lanthanide based luminescent materials for smart lightings. Invited technical talk was delivered by Prof. Rakesh Chandran S.B, SD College, Allappuzha, Dr. Rohit Raja, GGU Bilaspur and Dr. Jay Singh, GGU, Bilaspur. The session was chaired by Prof. Kamlesh Shrivas, SoS in Chemistry, Pt. R.S U Raipur and Prof. C. Sivakumara, IISc Bangalore.





Technical Session-6

In the first Invited talk of parallel session Prof. S. K. Omanwar, Amravati University, Amravati, talked about energy efficient QC-luminiscent materials for sustainable developments. Prof. K. K. Biswas, IIT Delhi talked about disease identification in agriculture using deep heavy on edge devices. Prof. Dipti Patra, NIT Rourkela, talked about biomedical signal processing and analysis techniques and its application to ECG signal. After that invited technical talk were delivered by Dr. M. Shriniwas, MS University Baroda, Dr. Sapna Singh Kshatri, SSIPMT, Raipur and Prof. R. P. Patel, GGU Bilaspur. The session was chaired by Prof. R. N. Baghel, SoS in Physics and Astrophysics, Pt. R. S. University, Raipur (CG).









Technical Session 7 and 8

In this session three invited technical talks delivered by Dr. M. L. Verma, Shri Shankaracharya College Bhilai. Dr. Shalinta Tigga, GGU Bilaspur explained the synthesis and characterisation of luminescent material and Dr. Pawan Patnayak, BIT Durg. The session was chaired by Prof. Y.H. Gandhi and Prof. M. Sriniwas from MS University Baroda.

In the second days of conference total 12 oral presentations were delivered and around 70 posters were displayed by participants.









Third Day 18.03.2023

Technical Session-9

The Third Day of conference was started by Invited talk of Prof. R. K. Pandey, Amity University, Raipur on the topic "Oxide Nano Structures: Novel Properties and applications" explained the role of nano particles, its properties and application in the field of materials science. Prof. S. K. Pandey, Former VC, Pt. R.S. U. Raipur, expained the evolution of astronomy from Newton to Einstein. The planetary motion can be explained well by Newton's theory of gravitation. Later on Einstein reformed the theory using general theory of relativity. The GTR is based on the space time curvature. There are several predications of GTR, all of which have been verified. The session was chaired by Prof. R. C. Agrawal, SoS in Physics & Astrophysics, Pt. R.S. University, Raipur and Dr. Ram Ashish Chouksey, DRDO, New Delhi.





Technical Session-10

The session was started by Invited talk of Prof. C. Shivakumara, IISc, Bangalore. He talked about multifunctional materials for Energy and Environmental Sustainability. Prof. G. R. Sinha, IIIT, Banglore explained the objective of Indian Knowledge system and its role in sustainable health and Dr. O. P. Thakur, SSPL, DRDO, New Delhi explained the use of silicon carbide in High power and high frequency devices. In the session Invited technical talks delivered by Dr. Tanmay Badapanda, CV Raman University, Bhubhaneshwar and by Dr. G. Nag Bhargavi, Govt. College Dharsiwa. The session was chaired by Prof. Shadhana Agrawal, NIT, Raipur.





Technical Session-11

The Session was started by Invited talk by Prof. Neelam Sinha, IIIT, Bangalore on the topic "Surgical Video Analysis using Deep Learning". She explained the surgical video analysis using deep learning and about role of components in modern health care sector. Prof. Bipin Gupta, CSIR-NPL, New Delhi explained the role of luminescent materials for social benefits and to make self-reliant India. In the session Invited technical talk delivered by Prof. Y.H. Gandhi, M.S.University, Baroda, Prof. Ayush Khare, NIT, Raipur and Dr. Ishwar Prasad Sahu, IGNTU, Amarkantak. This session was chaired by Dr. Preeti Bala Taunk, Govt. Digvijay College, Rajnandgaon.

Technical Session-12

The Session was started by Invited technical talk by Dr. Bikesh Kumar Singh, NIT, Raipur explained the brain network analysis and Dr. Laxmikant Chaware, CBS, Pt. RS University explained the techniques to detect the low surface brightness galaxies. He also explained the role and importance of these galaxies in understanding the Universe. This session was chaired by Dr. Bhuneshwar Verma, Science College, Raipur.

In the third day of conference total 12 oral presentations was delivered by participants.

On Valedictory function, Secretary of the conference Dr. N.K. Chakradhari has delivered brief report of the conference. The chief guest Prof. KVR chary has declared this conference is grand success on the basis of learning, collaboration and students' interaction and guest of honour Prof. B.S. Panigrahi has also appreciate the organizers of the conference.

In this function the best three oral and best three poster presentations have awarded with cash price sponsored by LSI. Dr. Y.K. Mahipal gave vote of thanks on behalf of organizing committee.







Dameela

Convener (NSSEMA-2023)
Prof. Nameeta Brahme (Prof. & Head)
SoS in Physics & Astrophysics
Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

क्या है वन अधिकार कैसे होगा वन संसाधनों का प्रबंधन

वन अधिकार एवं सामुदायिक वन संसाधन प्रबंधन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

3rd May 2023

School of Regional Studies & Research, Pt.R.S.U.



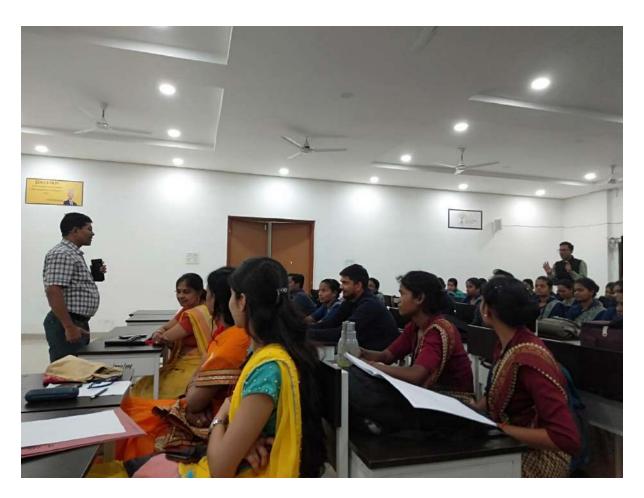


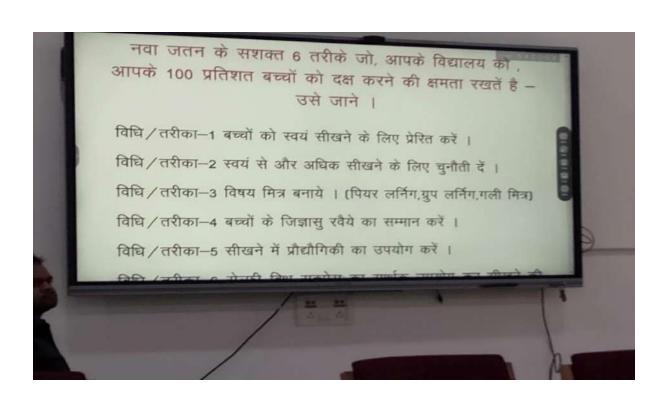
About: KHOJ

Khoj evam Jan Jagriti Samiti (KHOJ) has been working in the district of Gariyaband, Dhamtari, Kanker, and Dantewada districts of Chhattisgarh on the issues of right to land, forest, livelihood, protection against violence against women, health, nutrition, and food security, since 2005. However, their most focused intervention on right to forest and livelihood security

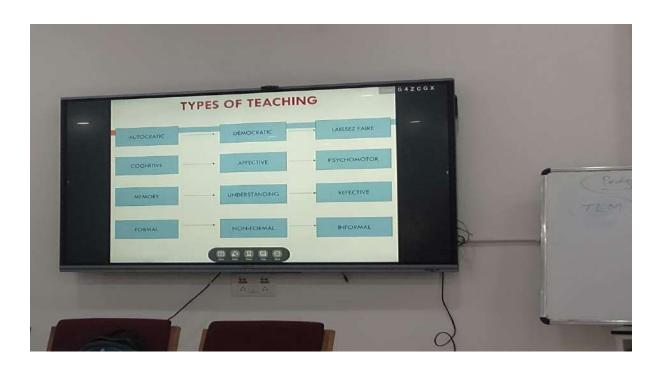
3 Days Workshop on Improvised Model Construction for Teaching Aids 27th to 29th January 2023













One Day Workshop on Stimulating Social Responsibility Through Community Engagement in Higher Education

29th April, 2023

Background

A one day workshop was organized by Centre for Woman Studies, Pt. Ravishankar Shukla University on, "Stimulating social responsibility through community engagement in higher education".

Engaged Learning is a type of education that put classroom skills and knowledge into practice while serving your community. Engaged learning extends education outside of the formal classroom through research, internships, experiential learning, and communitybased learning. To better understand the potential of engaged learning in improving student learning outcomes and encouraging students to pursue community research, a one day work shop was organized to develop the understanding of a community-based research.

Objectives of Workshop

- 1. Disseminate the findings of BKC project.
- 2. To develop understanding of CBPR methods.
- 3. Improving student learning outcomes through community research.

Workshop Session Outcomes of the workshop

Prof. Priyamvada Srivastava, Associate Director, CWS gave the opening remarks. She encouraged the participants for doing community research for bringing a positive change in the society. She briefed the activities of Sangawari hub for "Bridging Knowledge Culture". She highlighted about the various workshops and

conferences organized by the department and about the projects done through out the year.

The first speaker of the workshop was Prof. B. Hasan, Director, Regional Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. He addressed the participants and talked about the steps and methods of community based participatory research. The speaker emphasized that a research planning is very important before we start any community research. For good research it is very important to design a research tool in context of the community. Experienced persons of the community should be involved while making the tools for research for better adaptability in terms of local language and customs. He explained that in social science research developing a research question, often based on a topic of interest or community issue. The next phase involves developing a conceptual or working definition, which is a broad notion that transforms the topic of the study into a concept that is more data focused. The participants were given hands on training of preparing schedule for collecting the research data. They were also trained about the various CBPR methods of data collection such as art based methods, focused group discussion, story telling etc to generate relevant informations for conducting a community research.

Outcomes of the workshop

In this workshop in the first half the participants learnt about –

- The participants gained knowledge about the importance of community research and howto connect the community knowledge with the academia.
- Key steps of Community Based participatory research discussed were-Community Entry

- Identification of the issue
- Participants recruitment and retention
 - Research design
 - Data Collection
 - Data Analysis and Reporting
 - Dissemination of Result

Participants gained knowledge about the research tools. In this the participant were trained to frame the questions for data collection. The participants were allotted time and were asked to form a questionnaire as per their research topic. They learnt to frame dichotomous questions, openended questions, multiple choice questions, rank order questions and rating scale questions

Participants learnt about the process of asset mapping that includes identifying the institutions, individuals, and citizen associations existing within communities that serve as positive resources. Approaching individuals and communities from an asset-based mentality empowers them to recognize their own strengths and capacities.

Research methods adopted in Community based participatory research such as interview, focus group dissection, art based methods, participatory research etc. were discussed in details.

Workshop increased participants knowledge about the CBPR methods.

The second speaker was Dr. Anuradha Chakraborty, Guest Faculty, CWS,Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. She addressed the participants and the community members and shared the results of the project completed for Bridging knowledge culture for knowledge for change(K4C) entitled ,"Study of Maternal Health Care: ACommunity Perspective".

The purpose of the study was explained. The various steps and methods adopted for conducting the studywas discussed. For conducting the study community entry was done through the programmes of NSS which was going on in the villages. The community appraisal projects conducted under NSS facilitated academia to be a part of the community and to bridge the gap between the academia and community knowledge. The research team collected relevant information about the community practices regarding maternal health care. Various Government schemes for maternal health care are being carried out for safe motherhood. The schemes are being adopted by the community due to the awareness created among them by the health care workers. The community people have their traditional methods and practices of maternal health care.

Further it was elaborated how maternal health is beingpreserved in rural Chhattisgarh communities through a variety of rituals and cultural standards, like food, hygiene, and daily routines that the mother is expected to adhere to both throughout pregnancy and after giving birth. The foods that are prepared and consumed contain dietary information from the community.

Community under study have preference and avoidance of certain food items during pregnancy and post delivery periodthat are strictly followed by the community members. The community under study followed the concept of cold

food and hot foodfor maternal health care. Some of the food preference practices were in concordance with the ayurvedic principles while some were contrasting, which might be a possible reason of micronutrient deficit among them. Theinformations collected by the study was shared with the participants of the workshop and with the community members.

It was further explained that in the rural communities of Chhattisgarh ,pregnancy is not seen as a special period in a woman's life. It is thought of as an everyday part of existence. Women continue to perform manual labour in the home and in the fields. Being physically active throughout pregnancy is thought to facilitate a quick and easy birth the community people prefer to eat less during pregnancy as they believe that eating full belly during this period will result in larged sized foetus which will result in c-section delivery rather than a normal delivery.

During pregnancy period women eat locally available food such as seasonal fruits, vegetables, rice, curd and various kinds of decoctions made with regional medicinal plants as per theirs elders' recommendations. Considering that green leafy vegetables constitute a staple foodof their traditional diet and are high in iron, they believe this to be adequate. They refrain from consuming extra IFA supplements.

It was emphasized that regular communication and interaction can promote the importance of taking supplements, ANC check-ups, especially in light of the anaemia among women and children, and eradicating misconceptions about caesarean deliveries. This type of study can empower communities by sharing knowledge back with them and creating awareness of existing government schemes and programmes. The community's knowledge of maternal health care can be expanded by regular involvement between the community's universities and health professionals. Knowledge is ultimately bridged via relationships. The

fundamental process of knowledge development is socialisation. People's interactions provide communities with a platform on which to share and develop new knowledge.

In the second half of the work shop the participants learn about-

- This workshop provided a learning platform where the participants gained knowledge about the essential steps required for planning and conducting a community research.
- The workshop enhanced the participants understanding about the community engagement in higher education and its impact on social responsibility.
- Steps of community entry.
- Identification of the issue.
- Approaching the research partners.
- Various methods employed in community research.
- Workshop served as a platform for knowledge exchange and learning from peers encouraging the participants to explore innovative approaches in community research.

Knowledge gained by the various workshops are utilized in planning and conducting project that aim for community benefit. A project on rag pickers entitled, "Garbage pickers attitude & problems: A CBPR approach" was conducted . The project team along with Dr. AnikshaVaroda visited the various slum areas of Raipur . The team initiated a programmeto spread public awareness about inequities that girls face in Indian society.

Waste picking is informal occupation rank lowest in the hierarchy of urban India, and they struggle to lead healthy and productive lives. Many waste pickers endure a difficult everyday reality, including regular harassment extortion and many more

problems. Many waste pickers, who serve an important societal function, face problems in their attitude, lack of self-esteem and social dignity. There is a need to shift the way of waste pickers are looked upon, and how they themselves think about their work. The goal of this study is to look at the Garbage Pickers attitude & their problems they face in daily lifestyle.

Our research team interviewed 40 waste pickers in slum areas of Raipur.It was observed that waste picking was mostly done by younger people and the whole family was involved in this work. Around 88% of the respondents were aged between 6 and 45 years. The collection of recyclable materials and items was mostly done by young children, while the sorting was mostly done by women.

The majority of garbage pickers worked seven days a week. Most of them had experienced illnesses or injuries. Body pain, bruises, and fatigue were the most frequently mentioned conditions. Most waste pickers had bruises or scars on their hands, arms, and feet, mainly from cuts or piercings during sorting. When asked about their subjective feelings, the research team found that the waste pickers choose this work due to extreme poverty in which they lived in. Many used the money earned by garbage picking in alcohol and drugsconsumption. Most said they were distressed by their work as they experienced discrimination, prejudice, and social rejection.

In all the workshop provided a platform to gain knowledge about the essential steps required to be considered for planning and conducting a community based participatory research.









Annexure – III

UNIVERSITY GRANTS COMMISSION CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES

BROAD FRAMEWORK: REPORT WRITING Session – 2022-23

1. GENERAL INFORMATION

1.1 University : **Pt.Ravishankar Shukla University**,

Raipur (C.G.)

1.2 Centre : Centre for Women's Studies

1.3 Address : CWS, Pt.Ravishankar Shukla University,

Raipur (C.G.)

1.4 Date of Establishment : **2010**

1.5 Phase Assigned : I

1.6 Name of Director : **Dr. Reeta Venugopal**

2. PROGRAMME

2.1 Objectives: The main objective of the Centre for Women's Studies is to promote research, teaching and, advocacy on gender-related issues. The centre aims to provide platform for interdisciplinary dialogue and critical thinking on the social, cultural, economical and political aspects of gender and women's experiences.

2.2 FULFILMENT

1.	Teaching	TWO CERTIFICATE COURSES
		 Certificate course on Women Law and Gender Justice (Session 2014-15) Certificate course on Community Based Participatory Research (Session 2018-19) (In India our university is the pioneer to start the certificate course on CBPR) Two Choice Based Credit System (CBCS), courses are run by the Centre for Women's Studies. In K4C (Knowledge for Change Consortium) (UNESCO Chair) Centre for Women's Studies works as Sangwari CBPR Hub focusing on issues related to UN, SDGs 5 (Gender issues).
		Community Based Participatory Second Semester Research (CBPR)
		Gender Sensitization Third Semester
2.	Research	 Online Training Course "Gender Equality" in Collaboration with Oxfam India (2021-22) Two project proposals have been submitted to the National
		Commission for Women, New Delhi, and to Indian Council of Social Science Research (ICSSR). Further, five research papers have been published this year. Women's Study Centre has also successfully developed a GENDER AUDIT TOOL, which is a significant achievement that underscores their commitment to advancing gender-focused research and analysis.
		 This year, the centre undertook action research across diverse domains, encompassing gender equality, gender sensitization, health, transgender gender equality, prevention of sexual harassment, clean water and sanitation, equality, education, domestic violence, violence against women, and cybercrime. Additionally, community-based research was conducted, augmenting the centre's initiatives.
		11 Project works were conducted in certificate course on women law and gender justice and Community Based Participatory Research for training & educating students, Community members & others stake holders.

3.	Activities	This year, the centre organized seminars, workshops, and awareness
		programs encompassing crucial themes such as Gender Health and
		Equality, Women Empowerment, Gender Sensitization, Women's Safety,
		Gender-based Violence, and Gender Education. These proactive
		initiatives underscore the centre's commitment to fostering informed
		dialogues, empowering women, nurturing gender sensitivity, women
		safety (safe campus),addressing gender-based violence, and advancing
		gender-focused education.
	NT . 11	
4.	Networking	The centre consistently coordinates a diverse array of activities in
	and	collaboration with esteemed international entities such as UNESCO Chair,
	Collaboration	PRIA Organization, Oxfam India, and Martha Farrell Foundation.
		Additionally, it maintains strong partnerships with prominent national
		agencies, including National Women's Commission (NCW), State
		Planning Commission, State Commission for Women, One Stop Centre,
		and AIIMS. These robust associations amplify the centre's efforts to
		catalyze positive change, fostering an environment conducive to impactful
		initiatives, knowledge exchange, and holistic progress on both national
		and international fronts.

3. DETAILS As the center is in First stage the activities are confined to seminar, workshop and other programes only.

Enclosed :- Report of Activities session 2022 -23 (Annexure-1)

4. STRATEGIES

- 1. Will be developing MoUs with various Government and Non-Government agencies.
- 2. Activities will be organize to engage teachers, students and staff dealing gender issues.
- Resource mobilization and proposals will be submitted to various agencies like UGC, National Women Commission, ICSSR, CCOST State Planning Commission and UNESCO etc.

5. RESOURCES

5.1 People

(Details of Teaching/Research/ Administrative Staff structure, Permanent/Temporary)

- 01 Director
- 02 Associate Directors
- 30 Women Faculties of different departments of the University
- 01 Research Assistant
- 01 Professional Assistant
- 01 Peon
- 5.2 Material Well equipped office
 - 07 Computers
 - 01 Photo copier
 - 01 LCD Projector,
 - 01 Laptop
 - 01 Scanner
 - 03 Printer
 - 01 Projector Screen

5.3 Documents - Annexure -

5.4 Any other - Books are available in the Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur

Note: (a) Reporting should be quantitative as well as qualitative

(b) Above parameters will be considered for performance appraisal.

Name and Signature of Vice - Chancellor

Vice-Chancellor

Date: Pt. Ravishankar Shuide University

Raipur (C.G.)

Name and Signature of Director

Director

Centre for Women's Studies

RhaRaw shanka: Shakla Universit

Ramur (C.G.)

(Please attach more sheets if the space provided is insufficient)





REPORT OF ACTIVITIES SESSION 2022-23



CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR, CHHATTISGARH, INDIA.

Email-cwsprsuraipur@yahoo.in
CONTACT NO.- 91-9425515951

CONTENTS

ABOUT THE CENTRE
ACADEMIC PROGRAMS OFFERED
COMMITTEE
TEACHING & NON TEACHING STAFF
SANGWARI CBPR HUB (INDIA K4C HUB RAIPUR)
ACTIVITIES PERFORMED BY THE CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES
SPONSORED RESEARCH PROJECT DETAILS
RESEARCH PAPER PUBLICATION & TOOLS PUBLICATION
FIELD PROJECTS / INTERNSHIPS UNDER TAKEN DURING THE YEAR
DETAILS OF COLLABORATION
INFRASTRUCTURE
LIBRARY AND DOCUMENTATION
MAJOR THRUST AREAS
EXTRA CURRICULAR ACTIVITY
STUDENT FIELD WORK REPORT

ABOUT THE CENTRE

The Centre for women's studies was set up in the year 2001 to mark the "Women Empowerment Year" and acquired its recognition from the UGC in 2010-2011. With an aim to translate the component of women empowerment, the centre is designed to act as a catalyst for promoting and strengthening women's studies through teaching, research curriculum, field and extension work, training and continuing education etc.

At present there are two certificate courses Women Law and Gender **Justice (Session 2014-15) and Community Based Participatory Research** (Session 2018-19) (In India our university is the pioneer to start the certificate course on CBPR) and two Choice Based Credit System (CBCS), courses are run by the Centre for Women's Studies. In K4C (Knowledge for Change Consortium) (UNESCO Chair) Centre for Women's Studies works as Sangwari CBPR Hub focusing on issues related to UN, SDGs 5 (Gender issues). Under this, we work at the community level to identify the existing social issues, challenges and work for bridging the existing gaps. CWS in collaboration with various international, national & state agencies we work in partnership with UNISCO Chair, State Planning Commission, PRIA Organization, Oxfam India, and State Commission for Women and One Stop Centre & AIIMS on various social cause among the communities for bringing a positive change. The Centre, since its inception, has been organising lectures, workshops, seminars, faculty development programs as well as outreach activities, to fulfil the objective of gender sensitisation both on and off the campus. The Centre has also been implementing the Gender Champions Scheme of UGC in the University since 2016 and have been trained to work as gender champions. In the Centre for women's Studies, gender equality is being promoted through various programs, and A safety audit of the campus being done.

Aims and Objectives

The main objective of the Centre for Women's Studies is to promote research, teaching and, advocacy on gender-related issues. The center aims to provide a platform for interdisciplinary dialogue and critical thinking on the social, cultural, economical and political aspects of gender and women's experiences.

VISION

To create awareness about gender equality and its outcomes and empowering them through gender equity programmes thereby enhancing the ranking in gender development indices in Chhattisgarh"

MISSION

- 1. To bring about attitudinal changes, with regard to gender sensitivity and helping students to internalize equality
- 2. To undertake minor and major research activities funded by national and international bodies such as UGC, ICSSR, ICMR, WHO, Pop Council etc thereby enhancing the research expertise
- 3. To conduct awareness programmes on various issues and problems pertaining women especially in rural areas.
- 4. To network with other universities and organizations which are actively involved in gender equity and women's empowerment and bring them into action.

ACADEMIC PROGRAMS OFFERED

S.NO.	COURSE NAME	DURATION	SEATS
01	Certificate Course "Women Law and Gender	Six Month	20
	Justice"		
02	Certificate Course "Community Based	Six Month	25
	Participatory Research" (CBPR) (The		
	University is part of a global consortium on		
	Knowledge for Change (K4C Consortium). The		
	First university in India to start the CBPR		
	course.		

CHOICE BASED CREDIT SYSTEM (CBCS)

S.NO.	COURSE NAME	Semester
01	Community Based Participatory Research (CBPR)	Second Semester
02	Gender Sensitization	Third Semester

> Online Training Course "Gender Equality" in Collaboration with Oxfam India (2021-22)

NEW COURSES PROPOSED

- M.A. in Women's Studies (2 Years)
- Post Graduate Diploma in Gender Studies (One Year)



COMMITTEE

INTERNAL COMPLAINT COMMITTEE (ICC)

S.No.	NAME	POSITION
1.	Dr. Nameeta Brahme, Professor ,SoS in Physics and Astrophysics, Pt.RSU, Raipur	CHAIRPERSON
2.	Dr. Aarti Parganiha, Prof. SoS in Life Science, Pt.RSU, Raipur & Srijanshil Vidushi Mahila Samiti Raipur	MEMBER (NGO)
3.	Dr. Madhulata Bara, Assistant Professor, School of Studies in Literature and Languages ,Pt.RSU,Raipur	MEMBER
4.	Dr. Vinu Joshi, Assistant Professor, Center for Basic Science, Pt.RSU,Raipur	MEMBER
5.	Smt. Praveena Yadav, LDC,General Administration Department, Pt.RSU,Raipur	MEMBER
6.	Smt. Anita Anant, Lab Technician , University Institute of Pharmacy, Pt.RSU, Raipur	MEMBER

ADVISORY COMMITTEE

S.No.	NAME	POSITION
1.	Prof. K.L. Verma,	CHAIRPERSON
	Honourable Vice Chancellor, Pt.RSU, Raipur	
2.	Prof. Reeta Venugopal,	MEMBER SECRETARY
	Director, Cws, Pt.RSU, Raipur	
3.	Prof. Meetashree Mitra,	MEMBER
	Sos In Anthropology, Pt.RSU, Raipur	
4.	Prof. Priyamvada Shrivastava,	MEMBER
	Associate Director, Cws, Pt.RSU, Raipur	
5.	Dr. Aditi Poddar,	MEMBER
	Associate Director, Cws, Pt.RSU, Raipur	
6.	Prof. Maya Verma,	MEMBER
	Prof. & Head, Sos in Library and Information Science,	
	Pt.RSU, Raipur	

7.	Prof. Preeti Suresh, Director And Head,	MEMBER
	University Institute of Pharmacy, Pt.RSU, Raipur	
8.	Prof. Sandhya R Gour,	MEMBER
	Prof. And Head, Department of Fisheries, College of	
	Agriculture, Indira Gandhi Krishi Vishwavidyalaya,	
	Raipur	

STANDING COMMITTEE

S.	Name	Position
No		
1.	Prof. Reeta Venugopal,	Chairperson
	Director, Cws, Pt.RSU, Raipur	
2.	Prof. Meetashree Mitra,	Member
	Sos In Anthropology, Pt.RSU, Raipur	
3.	Prof. Priyamvada Shrivastava,	Member
	Associate Director, Cws, Pt.RSU, Raipur	
4.	Dr. Aditi Poddar,	Member
	Associate Director, Cws, Pt.RSU, Raipur	
5.	Prof. Preeti Suresh, Director And Head,	Member
	University Institute Of Pharmacy, Pt.RSU,	
	Raipur	

TEACHING & NON TEACHING STAFF



Prof. Reeta Venugopal Director



Dr. Aniksha Varoda Research Assistant



Prof. Priyamvada Shrivastava Associate Director



Mr. Keyoor Bhushan Rao Professional Assistant



Dr. Aditi Poddar Associate Director



Mrs. Tara Tandi Peon







in Higher Education



UNESCO Chair in Community Based

Research and Social Responsibility





SANGWARI CBPR HUB (INDIA K4C

Sangwari CBPR Hub was constituted under a tripartite agreement between State Planning Commission, PRIA, and Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. The objective of the Hub is to co-create knowledge with community groups and academia, focusing on issues related to the UN, SDGs 5.

The CBPR practice in the University has found a mention in the Report of UGC on "National Curriculum Framework & Guidelines, 2020 for Fostering Social Responsibility & Community Engagement in Higher Educational Institutions in India" under Unnat Bharat Abhiyan (UBA), a flagship program of Government of India.

DESCRIPTION

AIMS AND OBJECTIVES

HUB RAIPUR)

 To serve the community with research based knowledge for their development.

OUR GOALS:

- Co-construction of knowledge and its application to deal with community issues, linked to UN SDGs 5.
- Enhance institutional capacity in CBR in university and other institutions.
- Generate contextually and culturally relevant learning materials in local languages, which will be accessible to students, academic researchers, activist, citizens, civil society organisations and the general public.
- To create human resources for community researcher
- To generate experiential training in addressing SDGs 5.

https://www.unescochair-cbrsr.org/india-k4c-hub-raipur/

REPORT OF PROGRAMME Activities Performed by the Centre for Women's Studies

PROGRAMME ORGANIZED BY THE CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES DEPARTMENT

		Target		
S.No.	Strategic Goal	Participants	Elective Date	Events
	Gender Health	Students and	06 th August,	Awareness programme on, "Step
	& Equality	Staff	2022	up Breastfeeding :Educate and
				support" in collaboration with
				AIIMS, Raipur.
1				
	Gender Health	Students and	14 th September,	National workshop
	& Equality	Staff	2022	on, "Suposhit Mahila Sashakt Samaj
				" in collaboration with National
2				Commission for Women (NCW)
	Gender Health	Students and	14 th -15 th	National Seminar on, "Bio-
	& Equality	Staff	November, 2022	Psycho-Social Issues of Sports
				Women"in collaboration with
				National Commission for Women
3				(NCW)
	Women Safety	Students and	6 th December,	Online Safe Campus Program
		Staff	2022	(make your campus gender just,
				safe conducive) in collaboration
4				with Martha Farrell Foundation
	Gender	Students	21 st December,	One day workshop on Gender
5	sensitization		2022	sensitization
	Gender Equality	Students and	24 th January,	One day programme on National
6		Staff	2023	Girl Child Day
	Women Safety	Students and	28 th February to	Two days Self defence training
		Staff	1st March, 2023	prgramme for girls (As part of the
				International Women's Day
7				Celebration)

	Women	Students and	2 nd March, 2023	National Workshop
	Empowerment	Staff		on,"DigitALL: Innovation and
				Technology for Gender Equality"
				(As part of the International
8.				Women's Day Celebration)
	Women	Students	29 th April, 2023	One Day Workshop on
	Empowerment			Stimulating Social Responsibility
				Through Community
				Engagement in Higher Education
9.				

AWARENESS PROGRAMME ON "STEP UP BREASTFEEDING: EDUCATE AND SUPPORT"IN COLLABORATION WITH INDIA INSTITUTE OF MEDICAL SCIENCES RAIPUR



06TH AUGUST, 2022

BACKGROUND:

MAA - "Mother's Absolute Affection" is a nationwide programme of the Ministry of Health and Family Welfare to bring undiluted focus on promotion of breastfeeding and provision of counselling services for supporting breast feeding through health. The main aim of the 'MAA' Program is to revitalize efforts towards promotion, protection and support of breastfeeding practices and young child feeding practices, through health systems to achieve optimal promotion of infant and young child feeding (IYCF) and child Nutrition. Efforts most be stepped up to increased and promote ideal breastfeeding practicesconsidering the over whelming evidence showing that breastfeeding reduces neonatal and infant mortality. In order to promote infant and young child feeding, Tamil Nadu has been implementing "MAA - Mother's Absolute Affection" from August 2016.

The following are the objectives of the Program MAA in order to achieve the above mentioned goal:

- 1. Create a supportive atmosphere for breastfeeding by boosting awareness among pregnant and nursing women, their families, and the public in order to encourage the best breastfeeding techniques. To portray breastfeeding as a crucial intervention for a child's survival and development.
- 2. Boost lactation support services at all public health facilities using trained community health workers and trained healthcare professionals.
- 3. To promote and incentivise health centres with excellent breastfeeding rates and lactation management procedures in place.

In alignment with the program MAA – "Mother's Absolute Affection", anawareness programme entitled," Step up Breastfeeding: Educate and support" was organized by Centre for Woman Studies, Pt, Ravishankar Shukla University, Raipur in collaboration with AIIMS Raipur on 6th August, 2022. The primary objective of the event was to educate and create awareness among young females about the importance of breastfeeding and its positive impact on early childhood development.

Event Details:

Distinguished speakers from the field of healthcare and academia graced the occasion with their valuable insights. The speakers of this event were –

- Dr. Anil Kumar Goal HoD Pediatrics and Project Director, State Centre of Excellence for Severe Acute Malnutrition, AIIMS Raipur.
- Dr. Binu Mathew Principal, College of Nursing, AIIMS Raipur.
- Mrs. Vahitha S Department of Obstetrics and Gynecology Nursing, AIIMS Raipur.
- Mrs. Joyce Joseph Department of Child Health Nursing, AIIMS Raipur.

Event Highlights:

The speakers emphasized the significance of promotion and importance of breast feeding for attaining a good health in the early growth years of a child and for maternal well-being. Benefits of breast feeding to the child and the lactating mother was discussed.

The key highlights of the event included:

Importance of Breast feeding -The workshop highlighted on the critical role breastfeeding plays, in the early growth years of a child. Breast milk provides essential nutrients, antibodies, and other bioactive compounds that boosts the child's immune system and helps in the overall development. Breast feeding is an important child survival intervention. Breast feeding within an hour of birth could prevent 20% of newborn deaths. Infants who are not breastfed are 15 times more likely to die from pneumonia and 11 times more likely to die from diarrhoea than children who are exclusively breastfed.

Benefits of Breast feeding - The participants were educated about the benefits of breast feeding to both the child and the lactating mother. Breast feeding is healthy for both baby and mother. For the child, it aids in optimal brain development, reduces the risk of infections, and enhances the bond between the

mother and the baby. For the mother, breastfeeding lowers the risk of certain diseases like breast and ovarian cancer and assists in postpartum weight loss.

Addressing Myths and Misconceptions - The event actively debunked common myths and misconceptions surrounding breastfeeding. By disseminating accurate information, the programme aimed to encourage a positive attitude towards breastfeeding.

Support and Counseling - The speakers highlighted the importance of providing counseling services to lactating mothers to address any challenges they might face during the breastfeeding journey. This support is crucial in ensuring successful breastfeeding practices.

Conclusion:

The "Step up Breastfeeding: Educate and Support" awareness programme served as a powerful platform to raise awareness about the immense benefits of breastfeeding, in line with the "Mother's Absolute Affection" (MAA) initiative. The collaboration between the Centre for Woman Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, and AIIMS Raipur showcased the commitment of various institutions towards creating a healthier and happier future for mothers and children. It is hoped that this event will inspire more such initiatives and strengthen the foundation for promoting breastfeeding across the nation.

GLIMPSE OF THE AWARENESS PROGRAMME









ONE DAY WORKSHOP ON "SUPOSHIT MAHILA SASHAKT SAMAJ" (NUTRITION MONTH 1-30 SEPTEMBER)



14TH SEPTEMBER, 2022

Background:

POSHAN campaign is Prime Minister's overarching scheme for holistic nutrition under the Government of India's flagship programme, "National Nutrition Mission", to improve nutritional outcomes for children, pregnant women and lactating mothers. POSHAN campaign (Prime Minister's Overarching Scheme for Holistic Nutrition) was launched by the Prime Minister Narendra Modi on the occasion of the International Women's Day on 8 March, 2018. (https://www.niti.gov.in/poshan-abhiyaan)

POSHAN Abhiyaan is a Jan Andolan or "People's Movement" by incorporating inclusive participation of public representatives of local bodies, government departments of the States/UTs, social organizations and the public and private sector at large. In order to ensure community mobilization and bolster people's participation, every year, the month of September is celebrated as POSHAN MAAH across the country. Month of September,2018 was celebrated as Rashtriya POSHAN MAAH. The activities in POSHAN MAAH focused on Social Behavioural Change and Communication (SBCC). The broad themes were: antenatal care, optimal breastfeeding (early and exclusive), complementary feeding, anaemia, growth monitoring, girls' - education, diet, right age of marriage, hygiene and sanitation, eating healthy - food fortification. (https://www.niti.gov.in/poshanabhiyaan)

More than 12.2Crore women, 6.2 Crore men and over 13 Crore children (male and female) were reached through the various activities undertaken during POSHAN Maah. It is worth mentioning that 30.6 Crore people were reached in 30 days. POSHAN MAAH has given a major impetus to the Abhiyaan. (https://www.niti.gov.in/poshan-abhiyaan).

This year, the COVID-19 pandemic has potentially reversed much of the progress made towards meeting the second of the Sustainable Development Goals (SDGs): ending hunger, achieving food security, and improved nutrition. Budget 2020-218 witnessed an enhanced allocation of INR 35,600 crore for nutrition-related programs and an additional INR 28,600 crore for women-related programs.

With the vision to make Indian women strong in every manner possible the National Commission of Women (NCW) espouses the dream of Hon'ble Prime Minister Narendra Modi to be part of PM's Overarching Scheme for Holistic Nourishment (POSHAN).NCW has planned to celebrate September 7-30th, 2022 as POSHAN Month in which several activities are planned to focus specially on the methodologies to be adopted for improving the nutritional outcomes for adolescents, pregnant women and lactating mothers by leveraging technology, targeted approach and convergence.Keeping in mind the above said mandate, NCW has planned to organize webinars with the objective of creating awareness, getting an insight into the relevant subject.

One day workshop on "**SUPOSHIT MAHILA SASHAKT SAMAJ**" was organized by Centre for Women's Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur in association with National Commission for Women (NCW), New Delhi & CHHATTISGARH POSHAN ABHIYAAN SAMITI on 14th September, 2022 which was attended by more than 190 participants both males and females from different parts of Chhattisgarh, including teaching faculties, employee, research scholars, students of science and social science streams, NGO and doctors.

Event Details:

Distinguished speakers from the field of science and social science, administratives, NGO and academia graced the occasion with their valuable insights. The speakers of this event were –

- Mrs. Rekha Sharma, Chairperson of the National Commission for Women,
 New Delhi.
- Prof. Keshri Lal Verma, Vice Chancellor,Pt. Ravishankar Shukla University.
 Raipur, C.G.
- Mrs. Harshita Pandey, former Chairperson of Chhattisgarh Women's Commission, C.G.
- Professor Mitashree Mitra, Swami Vivekanand Vidyapeeth Chair and Retired Professor from SOS in Anthropology ,Pt. Ravi Shankar University, Raipur, C.G.

• Dr. Kavita Pujara, Senior Dietician & Director of Diet Clinic of Chhattisgarh

Event Highlights:

The speakers emphasized the significance and need to improve nutritional outcomes for children, pregnant women and lactating mothers.

The event was adorned with the distinguished presence of Prof. Keshri Lal Verma, the esteemed Vice-Chancellor of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. With his eminent stature, he graced the occasion and presided over the program, lending his wisdom and support to the cause at hand. In his address, Prof. Verma whole heartedly commended the initiative, recognizing its significance in addressing the critical issue of girls' nutrition and health. He emphasized the importance of collaborative efforts between organizations such as the Women's Commission and Poshan Abhiyan Samiti to create a lasting impact on the lives of young girls. Furthermore, Prof. Verma shed light on the remarkable endeavours undertaken by the university's Centre for Women's Studies in advancing similar objectives. He expressed his pride in the Center's work, stating that it exemplified the institution's commitment to promoting gender equality and uplifting women's well-being. The Vice-Chancellor's presence and encouraging words brought a sense of validation and motivation to all participants and attendees. His endorsement served as a catalyst for further progress and reinforced the commitment to improving girls' nutrition and health.

In the event, Mrs. Rekha Sharma, chairperson of the National Commission for Women, New Delhi set the tone for the discussions by highlighting the shift in perspective towards nutrition. She emphasized that the focus should be on achieving a balanced and nutritious diet rather than promoting unhealthy practices like starvation. This change in mindset reflected a significant step forward in understanding the importance of dietary nutrients for overall health and well-being. Mrs. Sharma eloquently conveyed the profound impact of proper nutrition on maternal health and, consequently, the well-being of the future generation. Emphasizing the vital link between a well-nourished woman and a healthy child, she underscored the critical role that nutrition plays in

ensuring a positive maternal and child health outcome. Her words resonated with the audience, reinforcing the message that investing in women's nutrition is not only crucial for their own health but also has far-reaching implications for the entire community. By nurturing the health of women and girls, societies can lay the foundation for healthier generations to come. The speakers words left a lasting impression on the participants, sparking thoughtful discussions and renewed commitment to promoting proper nutrition among women and girls. Her advocacy further strengthened the collaborative efforts of the Women's Commission and Poshan Abhiyan Samiti to address the pressing issue of girls' nutrition and health, ensuring a brighter and healthier future for the nation.

The workshop had the honour of hosting Harshita Pandey, the former chairperson of Chhattisgarh Women's Commission, as a special guest. Ms. Pandey's presence brought a powerful message to the event, as she passionately advocated for the slogan of 'Sahi Poshan-Desh Roshan' (Right Nutrition - Bright Nation). She urged all participants, including NGOs, women self-help groups, Anganwadi centers, and students, to unite and undertake the nutrition program as a nationwide campaign.Ms. Pandey emphasized that proper nutrition is not just a personal matter but a collective responsibility. By running a national nutrition campaign, the goal was to ensure that every woman in the country becomes empowered, not just within her family and society but on a broader national level. Recognizing the intrinsic link between women's empowerment and proper nutrition, she championed the cause with fervour and conviction.

Professor Mitashree Mitra, a renowned academician from Swami Vivekanand Vidyapeeth Chair and Retired Professor of SOS in Anthropology, Pt. Ravi Shankar University, made a significant contribution to the workshop. With the aid of a powerful presentation, she shared vital information about the importance of a balanced diet in maintaining nutritional quality for better health. Her expertise in the field, derived from her personal research and surveys, added credibility to the discussions. Professor Mitra's presentation shed light on the role of anthropology in understanding the cultural dimensions of nutrition and how these insights could be leveraged to promote healthier

dietary practices among women. With her wealth of knowledge and experience, she emphasized on the need to and suggested ways to improve nutritional outcomes for children, pregnant women and lactating mothers through improved dietary practices on the communities as a whole.

At the end, the participants had the privilege of hearing from a subject expert, Senior Dietician Mrs. Kavita Pujara. With her wealth of knowledge and experience, Mrs. Pujara shed light on essential aspects related to nutrition and dietetics. She elucidated the distinction between a nutritionist and a dietician, ensuring clarity on the roles each profession plays in promoting healthy eating habits. Mrs. Pujara emphasized the significance of personalized diet charts, tailored to meet individual nutritional needs, as a crucial tool in achieving optimal health outcomes. Moreover, the subject expert delved into the importance of various nutrients in a well-balanced diet, offering valuable insights into the role each nutrient plays in supporting overall well-being. Her comprehensive explanation empowered the attendees with a deeper understanding of the relationship between nutrition and health. In addition to sharing knowledge about nutrition, Mrs. Kavita Pujara also highlighted the promising employment opportunities within the field of dietetics. Her presentation inspired aspiring nutritionists and dieticians in the audience, encouraging them to pursue careers in this impactful domain. By providing such valuable information, Mrs. Pujara's contribution added an important dimension to the workshop's objectives.

Dr. Nitesh Kumar Mishra, Director of the Department and Sharad Srivastava of the Chhattisgarh Nutrition Campaign Committee graced the workshop. In the second session of the workshop, the questions andqueriesrelated to nutrition and diet of the participants were resolved by the experts. At the end the contributions of the speakers enriched the workshop's discussions and inspired participants to take decisive action. Their impassioned pleas and informative presentations reaffirmed the urgency of promoting proper nutrition for women and girls, positioning it as a key catalyst for a brighter and more empowered nation.

On this occasion, Dr. Namrata Sharma, Amarjit Chhabra, Ajay Tiwari, Dr. Nitish Kumar Mishra, Professor Rajeev Chaudhary, Dr. Daharwal, Dr. Kamlesh Shukla, Dr. Banshu, Professor Kavita Thakur, Dr. Anuradha Chakraborty, Dr. Aniksha Varoda, Mr. KB Rao, Upasana, Deepshikha, Dr. Bharvi Vaishnav, Rinki Aggarwal, Dr. Anikasha and Mr. Rao, along with a large number of professors, students and members of the Chhattisgarh Nutrition Campaign Committee were present.

GLIMPSE OF THE WORKSHOP



Mrs. Rekha Sharma, Chairperson, National Commission for Women, New Delhi















NATIONAL SEMINAR ON BIO-PSYCHO-SOCIAL ISSUES OF **SPORTS WOMEN**

NOVEMBER 14TH -15TH, 2022



SPONSORED BY

NATIONAL COMMISSION FOR WOMEN, NEW DELHI, INDIA

ORGANIZED BY

CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES PT.RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)





Report of National Seminar on

"BIO- PSYCHO- SOCIAL ISSUES OF SPORTS WOMEN"

NOVEMBER 14th - 15th, 2022

BACKGROUND

The sports women in India as well as across the globe are accorded special status and are pride for society and nation. Sports has power to change lives, women taking part in sports show better life qualities. Women have performed and shown their efficiency in all type of sporting events and also held top level management positions in apex sports bodies in educational institutes and government offices on the basis of their performance and competency. Despite of all these achievements, they are still affected by numerous bio-psycho- social issues. Few of these are gynaecological, gender inequality, sexual harassment, and psychological. Though society is working towards becoming more sports inclusive for women. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, and trainers, can push sports towards more gender equality.

Sports has power to change lives, women taking part in sports show better life qualities. Though society is working towards becoming more inclusive, discrimination in sports continues, one should strive to thoroughly investigate all the area and issues so that sports can be more inclusive for women. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, trains, her executives and journalist can push sports towards more gender equality.

Female athletes have a unique physiology compared to their male counterparts and so have unique biological, nutritional ,sociological and psychological needs. Biological issues like "The Female Athlete Triad" put athletes at an increased risk of injury, illness and nutrient deficiency, as well as affecting the menstrual cycle which in turn causes poor bone health and an increased risk of fractures beaks and osteoporosis. None of which are ideal for a female athlete. Knowing how to fuel a female athlete is key to successful sports performance and health. We need to ensure that female athletes get adequate nutrition. However, the exact number of calories to be

consumed is much more complicated and will depend on a number of factors like age, weight activity level etc.

Gender equality is one of the major concerns of Indian society and it is now being looked after by several authorities and women as well. Women are made to face the consequences of buoyant sexism as they are confined more towards house hold chores and they are judged in all aspects of life. Women have now excelled and endorsed in their lives.

The sports sector has seen an upsurge in the number of women athletes. The first and foremost challenge faced by women in sports is the dip in their pay scale as women athletes are paid either less or half what is paid to the male counterparts. There is a huge discrepancy between the male and female incomes and so is the case with prize money.

Despite assurances of changes and a few female athletes making a name for themselves internationally, the situation of women in sports in India is on rise but till we need to work on it. Although woman participation in sport sector is on upsurge in India still the women folk in remote areas need a push and awareness in sport participation. The effect of immediate societal standards is pervasive and can be seen in disputes over things like the length of women's skirts and doubts about their capacity to perform. Whether it be in terms of media attention, awards, prize money, or facilities, women have earned less advantage than men, and this trend is still present now. Discrimination in sports continues, one should strive to thoroughly investigate all the area and issues so that sports can be more inclusive for women. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, and trainers, can push sports towards more gender equality.

In order to understand and address these issues related to hesitancy of women to participate in the sports, a two day workshop on, "Bio- Psycho- Social Issues of Sports Women" was organized by Center of Woman Studies in collaboration with National Commission for Women, New Delhi, India. Target participants of Seminar were students & Research Scholars in Physical education, Teachers/Coaches/Trainer, All sports Professionals, Women employees & Sports officer.

FOCUS OF THE SEMINAR

Sports has immense opportunities in career, personal, social and national development. Still there are many hinderances in sport participation by the woman folk. The seminar focuses about the barriers which are prime obstacles in participation of woman in sport. It was thought proper to discuss about the issues by the persons who have been involved in sports and the local players who face and perceive barriers in participation in sports. Encouraging women to pursue careers as players, coaches, and trainers, will push sports towards more gender equality. The seminar focusses to help to raise bio-psycho-social issues of sports women and empower them by thoughtful deliberations of the experts of the field.

OBJECTIVES OF THE SEMINAR

The objective of the seminar was to discuss the biopsycho-social issues of sports women.

SUB THEMES

Sub themes of the seminar were -

- 1.BIOLOGICAL (PHYSIOLOGICAL) PROBLEM OF WOMENIN SPORTS —Female Athlete's Triad, Pre-Menstrual Syndrome, Pregnancy etc.
- 2. PSYCHOLOGICAL PROBLEMS AMONG SPORTS WOMEN: Psychological, Health & Stress.
- 3. SOCIAL ISSUES: Gender Discrimination, Sexual Harassment, & Social Support.
- 4. BENEFITS OF PARTICIPATION IN SPORTS: Social, Mental, Social& Psychological.

PROGRAMME SCHEDULE

The national seminar was held for two days which was divided into eight sessions. The programme schedule is as under-

14 th NOVEMBER, 2022		
10.00 11.00		
10:00 – 11:00	Registration	
11:00 – 12:00	(Inaugural Session)	
11:55 – 12:00	Tea Break	
12:00 – 13:00	First Session	
	Topic – Do female athletes need different nutritional advice from male athletes?	
	Speaker - Dr. Vani Bhushanam Golla, Scientific Officer, Department of sports Nutrition, National Centre for Sports Science Research, Sports Authority of India	
13:00 – 14:00	Lunch	
	Afternoon	
14:00 – 15.00	Second Session	
	Topic – Gender Equity in Sports Speaker - Mr. Yashpal Solanki, High Performance Director-Judo, Sports Authority of India,	
	Third Session	
15:00 – 16:00	Topic – Addressing nutrition concerns of female athletes	
	Speaker - Dr. Vani Bhushanam Golla, Scientific Officer, Department of sports	
	Nutrition, National Centre for Sports Science Research, Sports Authority of India	
16:00 – 16:05	Tea Break	
16:05 – 17:30	Fourth Session-Group Activity	
	Topic – Barriers in sports participation among women & suggestions to overcome barriers	
	Speaker – CWS Team (Dr. Aniksha Varoda & Dr. Aanuradha Chakrabory)	

15 th NOVEMBER, 2022		
10:00 – 11:00	Fifth Session - Group Activity	
	Topic – Barriers in sports participation among women & suggestions to overcome barriers	
	Speaker – CWS Team (Dr. Aniksha Varoda & Dr. Aanuradha Chakrabory)	
	Sixth Session	
11:00 – 12:00	Topic – Social Issues : - Gender Discrimination & Social Support.	
	Speaker - Ms. Susmita R. Jyotsi, Regional Director, Sports Authority of India,	
	Mumbai	
12:00 – 12:05	Tea Break	
12:05 – 13:00	Seventh Session	
12:03 – 13:00	Seventh Session	
	Topic - Biological (Physiological) Problem of Women in Sports –Female Athlete's Triad,	
	Pre Menstrual Syndrome, Pregnancy etc	
	Speaker - Dr.Shalini Menon, Assistant Professor, SOS in Physical Education, GGC	
	University, Bilaspur, Chhattisgarh.	
13:00 – 14:00	Lunch	
	AFTERNOON	
14:00 – 15:00	Eighth Session	
	Topic – Policies towards Socio-economic empowerment of women sports.	
	Speaker – Dr. Arun Kumar, Anthropometrist Grade-II, Sports Authority of India	
	(SAI), Ministry of Youth Affair; and Sports Bhopal (M.P.)	
	Topic – Nutritional data management	
15:00 – 16:00	Speaker – Dr. Om ji Gupta, Assistant Professor, SoS in Physical Education, Sant Guru	
	Ghasidas Government Post Graduate College Kurud , Dhamtari, Chhattisgarh	
16:00 – 17:30	Valedictory Session & Certificate Distribution	

ORGANIZERS

The seminar was jointly organized by the Centre for Women's Studies, Pt. Ravishankar Shukla University and National Commission for Women.

ABOUT THE UNIVERSITY

Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU) is one of the oldest and largest universities of Chhattisgarh accredited with A grade from NAAC. It was established in 1964 and named after Pt. Ravishankar Shukla, the first Chief Minister of erstwhile Madhya Pradesh. The university has a sprawling campus, spread over 300 acres with 27 School of Studies. It caters to the higher education needs of the youths of Chhattisgarh and adjoining states, namely Madhya Pradesh, Maharashtra, Orissa, Jharkhand, Andhra Pradesh and Telangana. The University plays a major role in the educational, cultural and economic life of the region.

THE CWS

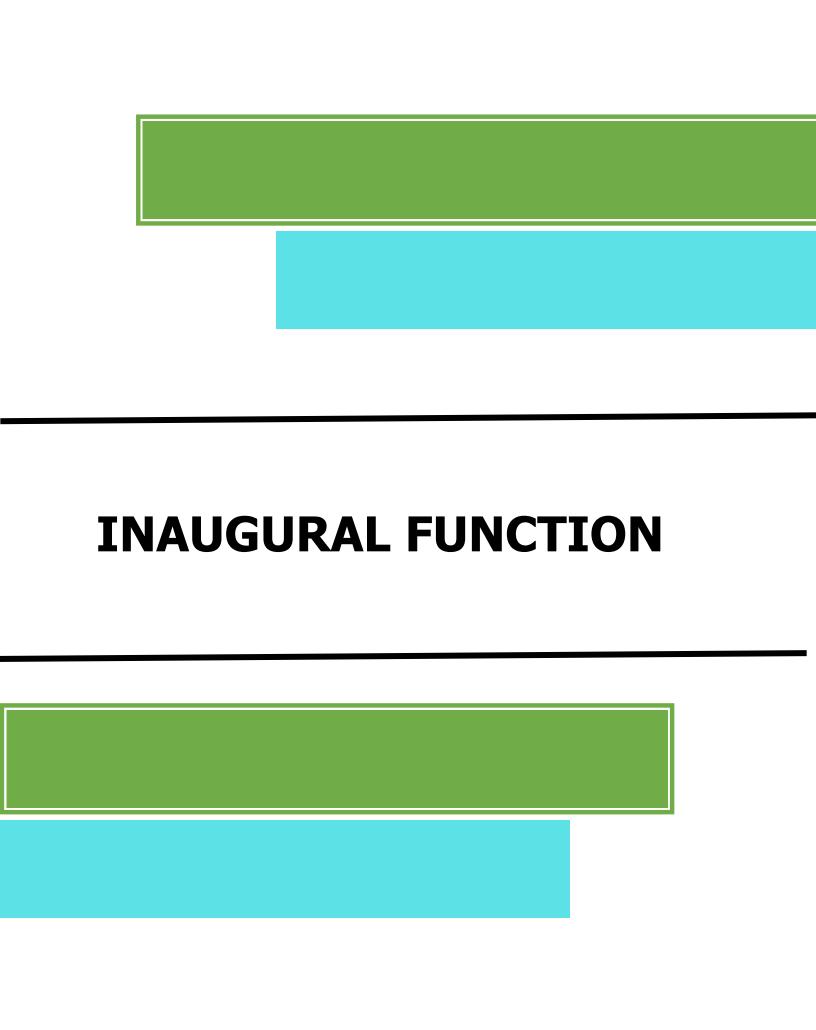
Centre for Women's Studies came into existence in 2001 in Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur and was recognized by UGC in 2011-12. The centre works to educate, train, sensitive and empower students and others state holders on issues related to gender. The CWS organizes conferences, lecturers, workshops, awareness regarding health, legal issues, etc. to equip women and with wide range of knowledge and skill. The CWS runs two certificate courses, and it has been associated with UNESCO Chair on Community Based Participatory Research (CBPR) and has established a hub on K4C (Knowledge for Change). It also has a network with institutions and agencies working for women.

NATIONAL COMMISSION FOR WOMEN

The National Commission for Women was set up as statutory body in January 1992 under the National Commission for Women Act, 1990 (Act No. 20 of 1990 of Govt. of India) to: Review The Constitutional And Legal Safeguards For Women; Recommend Remedial Legislative Measures; Facilitate Redressal Of Grievances; and Advise The Government On All Policy Matters Affecting Women In keeping with its mandate, the Commission initiated various steps to improve the status of women and worked for their economic empowerment during the year under report. The Commission completed its visits to all the States / UTs except Lakshdweep and prepared Gender Profiles to assess the status of women and their empowerment. It received a

large number of complaints and acted Suo-moto in several cases to provide speedy justice. It took up the issue of child marriage, sponsored legal awareness programmes, ParivarikMahila Lok Adalats and reviewed laws such as Dowry Prohibition Act, 1961, PNDT Act 1994, Indian Penal Code 1860 and the National Commission for Women Act, 1990 to make them more stringent and effective. It organized workshops / consultations, constituted expert committees on economic empowerment of women, conducted workshops / seminars for gender awareness and took up publicity campaign against female foeticide, violence against women etc. in order to generate awareness in the society against these social evils.

The National Commission for Women, in pursuance of its mandate contained in Section (10) of the National Commission for Women Act, 1990, sponsors special studies and undertakes promotional and educational research either on its own through or other agencies/organizations/institutions, etc., to suggest ways of ensuring due representation of women in all spheres and identify factors responsible for impeding their advancement and empowerment. The National Commission for Women was set up as statutory body in January 1992 under the National Commission for Women Act, 1990 (Act No. 20 of 1990 of Govt. of India) to review the constitutional and legal safeguards for women, recommend remedial legislative measures, facilitate redressal of grievances and advise the Government on all policy matters effecting women in keeping with its mandate. The commission initiated various steps to improve the status of women and worked for their economic empowerment during the year under report. The Commission completed its visits to all the States / UTs except Lakshadweep and prepared Gender Profiles to assess the status of women and their empowerment. It received a large number of complaints and acted suo-moto in several cases to provide speedy justice. It took up the issue of child marriage, sponsored legal awareness programmes, Parivarik Mahila Lok Adalat and reviewed laws such as Dowry Prohibition Act, 1961, PNDT Act 1994, Indian Penal Code 1860 and the National Commission for Women Act, 1990 to make them more stringent and effective. It organized workshops / consultations, constituted expert committees on economic empowerment of women, conducted workshops / seminars for gender awareness and took up publicity campaign against female feticide, violence against women etc. in order to generate awareness in the society against these social evils.



REGISTRATION FOR THE SEMINAR

Seminar started with registration in the morning. About 200 participants from various colleges and universities of Raipur registered and participated in the seminar. Registration was also done through Google forms.

DAY-I

INAUGURAL FUNCTION

The programme was inaugurated by Dr. Kiranmayee Nayak, Chairperson, State Commission for Women by lighting the lamp which was followed by the kulgeet of Pt. Ravishankar Shukla university. Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Woman Studies gave the opening remarks. Prof. C.D. Agashe, HoD, SoS in Physical Education said the programme complimented the golden jubilee of Physical education department .Guest of Honor of the inaugural session were Ms. Neeta Dumre, Ex International Hockey player and Mr. Yashpal Solanki, Arujun Awaredee They shared their experiences as a sports person. In the programme we had 4 sports women, Dr. Banso Nuruti, Kavita Verma, Yashoda Sahu & Maheshwari who shared their experience of sports journey. This was followed by special lecture by Dr. Vani Bhushanam





Pic no. 01- Glimpses of the Inaugral Function



Pic no. 02- Dignitaries at the inaugural ceremony

Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Woman's Studies gave the opening remarks. She gave a brief introduction of Nation Commission for Women. She said that although women sport persons are making their mark globally but still there remains a lot of scope to work in this field. BCCI has announced to give equal wages to both men and women. She said that sexual harassment is very commonly experienced by even sports women which puts a deep impact if any women athlete experiences in her life. It is very important to create a healthy environment to avoid such unpleasant incidences. Special preference to women in sports needs to be focused on more seriously. Also, she emphasized that for women empowerment can be brought through promoting sports among women. In her welcome address she threw light on the health and biological aspects of sports women and pinpointed on the gynecological and psychological concerns to be looked upon. She further, highlighted on the need of the hour to promote women and girls in sports



Pic no. 03- Prof. Reeta Venugopal giving the opening remarks at the inaugural session

Prof. C.D. Agashe, the HoD of SoS in physical education said the programme complimented the golden jubilee of Physical education department. He talked about the role of sport in boosting a countries economic prosperity. He talked about the economic issues of the sports woman. He also showed concern about gender biasness in many games because of which women feel constrained to participate in sport.



Pic no. 04 - Prof. C. D. Agashe, Head, SOS in Physical Education, addressing the audience

Dr. Kiranmayee Nayak, Chair person, State Commission for Women said that in the society gender biasness prevails and so as in sport and in the communities especially in the rural areas the biasness are actively perceived by the community folk that women are sensitive and more delicate and they require protection biologically, socially and psychologically. She drew attention of audience by telling that how in our society male and female are discriminated in the nutritional, education and social aspects. She said that mass awareness should be there about benefits of sport participation. She expressed her happiness that Pt. RSU has a physical education department which caters the need and motivation among the locals in the field of sport.

She said that activities relating to Sports and Physical Education are essential components of human resource development, helping to promote good health, comradeship and a spirit of friendly competition, which, in turn, has positive impact on the overall development of personality of the youth.



Pic no. 05- Dr. Kiranmayee Nayak addressing the house at the inaugural session

Guest of honor Ms. Neeta Dumre, Ex International Hockey player said that she got a lot of recognition after she represented India in the international level. She said that social stigma is attached to sports women, which may lead to drop out from sports. She said that we want our girls to play games but when it comes to match making we don't want to accept women players or athletes as our daughter in laws. She emphasized that we should encourage our girls to play sports and also we should also have a whole hearted acceptance of a sports women as our daughter in laws.

She suggested to work on the health of female sports persons with preference. She stressed that early intervention in diet and training among women during their growth years will result in better growth and performance. She pointed out that family plays a pivotal role in the life of women in sports.

She shared her personal experience as a sports person and narrated how she managed to practice with inadequate sports equipment's and clothing. She shared that participation in sport was difficult due to lack of facilities in terms of equipment's as well as infrastructure which sometimes reduced self confidence and vigor to play with the players at the national level but the hard work, will power, and love and passion for playing hockey helped her to overcome the hurdles.

She narrated that there was a time when she played with a damaged hockey stick as she had no money to buy a new one. During her practice hours she used to borrow her friends' shoes for running. She also said that there was no provision of proper team practice in her city and she used to practice with untrained players and on a non-Astroturf ground and when placed to practice with state level players and on Astroturf ground, it affected the performance level.

She emphasized that bio-psycho- social issues are untouched areas which needs attention for women in sports.



Pic no. 06- Mrs. Neeta Dumre sharing her experience as a sports person and addressing the house

Dr. Vani Bhushanam Golla, Scientific Officer, Department of sports nutrition, National center for sports Science Research, Sports Authority of India, New Delhi said that although the level of participation and performance still varies greatly by country and by sport, women's sports are widely accepted throughout the world today.

She said that although there has been a rise in participation by women in sports, a large disparity still remains. Her presentation focused on the nutritional needs of the women athletes. Equality in sports is now being provided by giving women sports persons equal opportunities of sports training and sports participation. Females have always experienced hurdles and challenges as a sports person. Social acceptability is a big challenge when a woman chooses sports as her career. It is difficult to convince even the family members for the same. Dr. Vani explained very elaboratively about the nutritional advice for men and women athletes. She explained how the energy expenditure involved in different sport events and the body weight of the players should be considered in calculating the calorie requirements of every player. She also explained that the

nutritional requirements should be personalized as per individual player's needs. Ms. Vani Bhushanam further explained the various advantages and disadvantages of male and female athletes as per body composition. She talked about the total calory requirement and total micronutrient requirements of the athletes for getting better performance.

She explained about the nutritional advice of male and female athletes as-

- On average, a moderately fit man needs about 19-21 calories per pound of body weight. This means, if he weighs 175 pounds, his daily calorie intake should be around 3,500 calories per day while a moderately fit woman who maintains a similar exercise program only needs about 17-19 calories per pound of body weight. That translates to about 2,400 for a woman that weighs 135 pounds. The reason men need more calories than women is because men burn more calories than women. Men generally have more muscle than women and less fat .The leaner muscle to fat ratio in men further supports an elevated metabolism.
- Men need more carbohydrates than women. Moderately fit men who exercise a minimum of three times a week need 6 10 servings of fruits and vegetables each day and 8 12 servings of grains to meet high fiber needs. A woman of a similar fitness level needs about 9 servings of carbohydrates and 7 servings of grains daily.

Men store fewer but use more carbs than women. Women also require fewer carbs because they store and burn more fat than carbs when exercising. These recommendations are for men and women who train regularly, those who weight train with a cardio program including running, cycling or swimming laps.

- Women require about 70-80 grams of high-quality protein sources.
- Calcium is necessary to strengthen bones and to ensure overall bone health. Women need 1000 to 1300 milligrams of calcium every day. Women runners often have to take a calcium supplement. Because men require the same amount, it is generally easier for them to get the calcium they need through their diet because of their higher daily calorie intake.
- Both men and women need iron. Men require about 8 milligrams each day and women as much as 18 milligrams. Women tend to lose more specially due to menstrual cycle.

- She narrated that to manage their weight, players do some wrong practice, that affects their performance. She also said that many a times total body fluid reduction takes place due to restricting fluid intake and increasing sweat response among players, which is not advised .She further said that use of abusive medical practice such as laxatives, diet pills, diuretics, enemas, sporting bulimia also hinders performance levels and hence should be avoided. She emphasized that —
- Younger athletes should be allowed to move up weight divisions as they age/grow.
- Senior athletes should have personalized weight loss and recovery plans to optimize performance based on selected competitive weight divisions.
- Weight management strategies should be trialed and refined before important competitions.
- Supplements need to be used in conjunction with advice from a Professional.



Pic no. 07- Dr. Vani Bhushanam Golla giving her presentation

STORY NARRATIONS OF SPORTS WOMAN OF UNIVERSITY

In the inaugural session the sports women of the Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G) Dr. Banso Nuruti, Kavita Verma, Yashoda Sahu& Maheshwari. They shared their real stories and experiences of sports journey.

Dr. Banso Nuruti, Assistant Professor, SoS in History, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur (C.G) shared her personal experience of sports life and described about her practices in the village field during her early years of sports career.

She had faced lots of issues during the practice years due to the lack of play grounds and infrastructure in her village. She narrated how her father encouraged her and facilitated her by turning a barren agricultural land into a sports field for her running practice.

Dr Nuruti said that lack of support system in the school and community prevailed, which was conquered by a physical education teacher who accompanied her to participate in the competition.

During the competition the gestures and comments of other participants about her belonging to tribal area, again made her feel inferior and the physical education teacher motivated her, counsel her and made aware her about her talent and she competed and won medal in three long distance event in athletics.



Pic no. 08 - Athlete Dr. Banso Nuruti sharing her experiences of her sports journey

Ms. Yashoda Sahu, sports teacher in Govt. GHSS housing board, Bhilai (C.G.) shared her success story as a sports person. She was selected for sub junior national games in 2004 and joined India camp in 2016.

She shared her experience that once she had suffered from ligament injury after that it was really difficult for her to continue sport and it was assumed that her sport career will come to an end. But it was her strong family support and will power that helped her over come the situation. Her family supported her and got her ligament operated from a good hospital, she fought back and won medals and brought laurels. She strongly said that family plays an important role for a girl to participate in sports.



Pic no. 09- Athlete Ms. Yashoda Sahu sharing her story of sport journey



Pic no. 10- Athlete Ms. Kavita Verma sharing her story of sport journey

Kavita Verma is a Volley Ballplayer and the recipient of Shaheed Pankaj Vikram Award by Chhattisgarh Government in 2015. Currently she is working as a sports teacher in DAV Ispat Public School Nandini Ahiwara, Durg. She has also achieved many recognitions in the field of sports which includes played in events like Senior national volley ball championships and women national volleyball championships.

Maheshwari Kashyap is excellent cricket player. She had played School National(8 times), Senior Open National(9 times) and Ranji Trophy(thrice). She had been selected by Chhattisgarh State Cricket Sangh(CSCS) for playing the camp selection matches. She said that earlier in spite of making runs she was not given a chance to play in the State level tournaments. But in the consecutive years she worked hard to improve her performance and was selected to play for Chhattisgarh for the league matches for Ranji Trophy in the year 2016 for the first time and there after she had represented the state in 2017 & 2018 also.



Pic no. 11- Athlete Ms. Maheshwari Kashyap sharing her story of sport journey

The real life stories and experiences of these players added to the knowledge of the participants about the actual barriers among sports women and the way forward shown by them.

A short video clip of the sports journey of the four plyers was played. Link of the video clip of sports journey of the 4 athletes is-https://youtu.be/zCWPn9zYbNQ

In the post lunch session Mr. Yashpal Solanki, Arjuna Awardee, Sports Authority of India gave his presentation on Gender Equality and Inclusion in Sports. He explained how gender equality could be considered in sports.

He said that he is a proud husband of an Olympian. Further he added that gender equality is not a right, it's an opportunity and also focused on five principles of strategic framework i.e., participation, leadership, safe sports, portrayal and resource allocation.

He said that "Achieving gender equality and women's empowerment is key to meet the 2030 Agenda for Sustainable Development and its 17 Sustainable Development Goals (SDGs) adopted by world leaders in 2015, as a roadmap for progress that is sustainable and leaves no one behind". He narrated that sport holds enormous capacity to propel gender equality and women and girls' empowerment.

It mobilizes the global community and speaks to youth. It unites across national barriers and cultural differences. It is a powerful tool to convey important messages in a positive and celebratory environment – often to mass audiences.

He said that present priority of International Olympic Committee (IOC) is to build a peaceful and better world through sport and gender equality. IOC continues to push for women's representation and participation in all levels and all structures of sport, beyond balancing the number of women competing in the Olympic Games. He said that the number of women athletes in Olympic games is approaching 50%.

Women have participated in every Olympic sport since 2012. Another remarkable thing is all the new sports to be included in the games must contain womens events. Female participation in the Olympic games has increased from 2.2% in Paris Olympic in 1900 to 48.8% in Tokyo Olympic in 2020, which indicates a positive change. These figures are more likely to improve in the years to come. Since the first Olympic games in which women were allowed to compete in 1900 in Paris, until the first gender balance games in Tokyo 2020, we have come along way in inclusion and equality on and off the field to play.



Pic no. 12 -Mr. Yashpal Solanki giving his presentation

This was followed by a presentation by **Dr. Vani Bhushanam Golla**. She described that biological differences are pertinent in sporting performance Men have higher aerobic capacity, larger muscle, lower fat percent, higher power to weight ratio, better GI adaptation and faster recovery. On the other hand, women have lesser muscle fatigability, even running speed and better user of fat as fuel.

In addition, menstrual cycle could reduce exercise performance though trivially which was observed in the early follicular phase of the menstrual cycle. Hormone patterns in women can influence many outcome measures but not limited to substrate metabolism, stress reactivity, muscle function, and bone health. Nutritional Strategies therefore, could be seen in the light of variations among males and females. Very few research has been done so far to see the outcome measures of performance between male and female athletes.

She highlighted another important thing that so far very less research which accounts to only 3% of the academic research has been done on female athletes hence there is no data base for further interventions.

Cowley and co-workers recently (2021) have shown that only 6% of mainstream sport and exercise research was conducted using female only participants. It is likely that this number would be further reduced considering sports nutrition research.

The speaker emphasized that the recommendations currently available for female athletes should be encouraged and supported to come up with gender specific guidelines that will

- Firstly promote their health and wellbeing,
- Secondly improve on the biological differences,
- Thirdly garner the advantage of changes in the menstrual cycle,
- Fourthly identify and excel in the sports which provide women with an edge and fifthly optimize sporting performance.

She explained that the female athlete triad is athree dimensional issue of menstrual dysfunction, low energy availability (with or without an eating disorder), and decreased bone mineral density.

It is relatively common among young women participating in sports. She further elaborated that female in any sport can develop one or more components of the triad.

At greatest risk are those in sports that reward being thin for appearance such as figure skating or gymnastics or improved performance such as distance running or rowing. She explained that there are several different theories about the best approach to treating this complicated condition.

However, it is universally accepted that triad prevention, early recognition, and a multidisciplinary treatment plan with a focus on proper nutrition and resumption of menses are extremely important and should be priorities among health care professionals, coaches, and other adults involved in the lives of female athletes.



Pic no. 13- Dr. Vani Bhushanam Golla giving her deliberation

GROUP ACTIVITY OF SEMINAR

A group activity for the participants of seminar was organized to discuss various barriers sports women come across. All the participants were divided into five groups for the activity. Each group worked with mentors to guide them. The groups worked on socio-cultural barriers, Health Related Barriers and Biological Barriers, Psychological Barriers, Economic Barriers & Physical Barriers. Participatory methods were used for the group activity. The group members worked together and came up with various barriers in sports for women as they believe in the form of painting, mapping, stories and in the form of text along with recommendations to cope up with those barriers.

The main findings of the group activity were shared by the groups in the seminar. Outcomes of group activity that is various barriers in the sports for women and the ways to cope up with the same are presented in the following table-

Key Recommendations of the various barriers to participation in sports among female were-

BARRIERS IN SPORTS PARTICIPATION AMONG WOMEN AND SUGGESTIONS TO

OVERCOME BARRIERS GROUP 1 - SOCIAL AND CULTURAL BARRIERS Recommendations To Overcome Barriers Barriers • Lack of family care and social support • Awareness for women participation in sports • Cultural barriers hinders/puts on adverse has to be increased in the family, community remarks for the use of various sports and society which in turn might bring about garment social acceptance for women sports persons. Lack of motivation • Positive perception of one's own skills and Body image ability should be built up. Hurdles of family life • Use a variety of images in publicity, not just those which show the idealized female figure. • Identification of sports talent at the community level should be done and they should be assisted financially to pursue sports as career. • Sport club at rural and urban areas should be made to initiate training and sports discipline at a very early age and even at school level onwards. Awareness about the present financial assistance for sports should be created. • Provide crèche facilities or classes for toddlers and children, so that adults can bring their children when they go to exercise.

Group 2 - Health Related Barriers and Biological Barriers	
Barriers	Recommendations
 Being a female itself seems a barrier Lack of sanitation Conditions like Amenorrhea, anemia, malnourishment, low bone density, trauma in post injury phase etc . 	 Families should encourage women to participate in sports. Women and girls cannot play sport if they cannot get access to the basic amenities. Better sanitation facilities should be made available at the schools, sports academies Micronutrient recommendations should be according to be the menstrual loss Sports doctors should be appointed at even remote sports training centers for helping recover the injuries. Malnourishments and other health issues should be taken care of before and during the sports training.

GROUP 3 - PSYCHOLOGICAL BARRIERS	
Barriers	Recommendations
 Anxiety Peer pressure Fear of loosing Depression due to injuries Lack of confidence due to poor communication skills 	 With the help of counselling by professional psychologist the issues listed above can be taken care of. Mental and physical health of athletes should be made strong to handle the pressures. Need to work for strengthening the communication skills among athletes.

GROUP 4- ECONOMIC BARRIERS

Barriers

Recommendations

- Lower socio-income families cannot afford the expenses involved in sports training and coaching cannot pay for sports equipment's, clothing etc.
- Lack of financial support

- Scholarships should be given to talented players.
- Wages of female should be given hike.
- Subsidies for women's activities can make them more affordable. If subsidies cannot be sustained, consider offering them at the start of a new project or activity, and then gradually introduce fees.



Pic no. - 14 - Group Activity

GROUP 5-PHYSICAL BARRIERS Barriers Recommendations Long distance of sports academy • Talent hunting at every city, village and community must be done with serious efforts Lack of infrastructure Sports facility should be developed at Lack of practice means such as no community level Astroturf grounds available for practice Developmental issues at community level will Poor group practice help overcome most of our physical barriers. Lack of trained coaches Sports culture should be encouraged.

The existing barriers to women and girls 'participation in sport and physical activity leads to lower participation rates among women as compared to men. This gender gap is caused by these barriers and it plays a significant role in women and girls' attitudes and behavior. It is recommended to work on the various barriers and the suggested ways to overcome those.

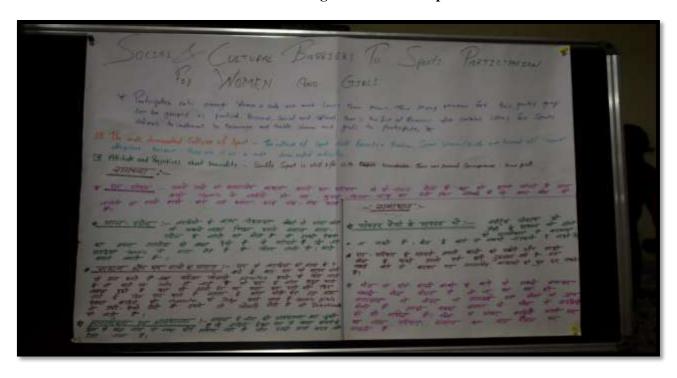


Pic no. - 15 - Group Activity

SHARING OF RESULTS



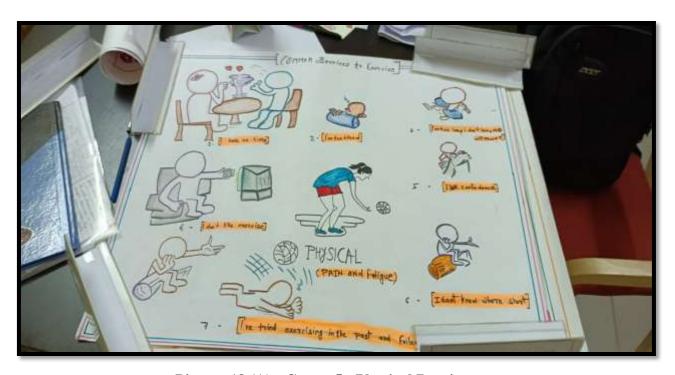
Pic no.16 - Sharing of result of Group - I



Pic no. 17 - Group 2 - Health Related Barriers and Biological Barriers



Pic no. 18 - Result sharing by Group 02 & 03



Pic no. 18(A) - Group 5 - Physical Barriers



Pic no. 18 (B) - Group 5 - Physical Barriers



Pic no. 19 - Result sharing by participants

SECOND DAY (15TH NOVEMBER, 2022)





Pic no. 20 - Result sharing by participants

The second day of the seminar started with the lecture Ms. Susmita. R. Jyotsi, Regional Director, Sports Authority of India, Mumbai. She started her lecture by the statement that, "It is adventures that I am a sports person". Further she shared her personal experiences, and highlighted that if our muscles are active, then we are ready to compete. She urged for grooming the children for indulging in sports.

- She motivated the participants by talking about the achievements of woman athletes in Olympic and Para Olympic Games. In the athletic highlights Karanam Malleshwari was the first Indian women to win a medal in weight lifting in Sydney Olympics in 2000.
- Other women who made their mark at the Olympic & Para Olympic games were P.T.
 Usha, Sania Mirza, Saina Nehwal, MC Mary Kom, Tandra Rai, P.V. Sindhu,Sakshi
 Mallik, Mithali Raj, Daina Edulgi ,Alisha Abdullah,VijaylaxmiSubbaraman and Dipa
 Karmakar.
- The speaker talked about the various bio psycho social issues of sports women. Biological issues are physiological/pathological conditions. Psychological issues she talked about is due to one thoughts, emotions and behaviours such as psychological fear, avoidance and beliefs. While social issues included socio-economical, socio-environmental, and cultural factors such as work issues, family circumstances, etc.
- She said that biological, social and psychological issues are the dynamic risk factors for the sports women.
- She elaborated that Bio-physiological and pathological conditions like training, sleep patterns, nutrition and blood parameters are considered and worked on to improve participation and performance on women athletes.
- She explained about the ways to overcome psychological barriers by our power of thought process. Ones behaviours and environment cause changes that affect the way your genes work.
- She talked about the social issues that work as barriers for women in sports such as family pressure, difference in gender with regard to training facilities/ gear/funds, multitasking and family responsibilities and training through monthly cycles.

- The speaker highlighted the psychological issues such asmental toughness, motivation, injury believes, return to play after post injury and suggested ways to overcome it by yognidra and meditation.
- She strongly pointed out to avoid isolation to overcome social concerns during injury.

While dealing with female athlete triads, first of all she mentioned about the problems of it which includes low energy availability, amenorrhea, low bone density etc. followed by anemia and gender difference regarding food provided to children at home.

All these problems gradually impact the psychological behavior of the women. In the context of social aspects, she focused on the family pressure and less support provided by the family members.

She further explained that epigenetic effects may also play a considerable role in the determination of athletic potential and these effects will need to be studied.

She explained that when players from different places come to join a particular sports academy they are checked for their present health conditions. Various physical and physiological testes are done in order to assess their health conditions. Blood test are done to check the levels of Vitamin B_{12} , Vitamin D etc. Besides this various anthropometric testes are also done, the physical fitness tests also give a insight of the endurance and vigor of the athletes. The anthropometric test are helpful in deciding the sports into which the player should take training as per their body built in terms and can suggest the exercise type which is to be taken if advantage and disadvantage of the sports type. When female athletes of Punjab were screened, they were found to be anemic. This was quite shocking as Punjab is a state where Punjabi community have diet rich in all essential nutrients and they generally consume a good diet. She said we can produce strong players only when the nutrition, health, exercise scale are taken care of from a very early age. She stressed on encouraging woman to take up sports seriously and to aim big to achieve name not only in national level but also in the international level. She talked about a notable change that now a days 50 of the accommodation /hostel is now kept for girl athletes during training. This indicated increased participation of women in sports.

She concluded by the following key points of concern-

- Educating athlete & assuring their best interest
- Coordination between athlete-coach-sports science
- Clinical diagnosis
- Regular screening of athletes on & off field
- Training athlete through the pandemic management



Pic No. 21 - Ms. Sushmita R. Jyotsi sharing her deliberation

Dr. Arun Kumar, Anthropometrist, Sports Authority of India, Ministry of Youth Affairs and Sports Bhopal (M.P) told about the Policies Towards Socio-Economic Empowerment of Women in Sports. He said that the participation of women and girls in sports and in physical fitness activities have been recorded to have existed throughout history. Although participation of women in sports was very less and with time now women have come up to show

case their talent in the field of sports. However, participation rates and activities vary in accordance with nation, era, geography, and stage of economic development. Roughly in 1870, women's activities tended to be informal and recreational in nature, lacked rules codes, and emphasized physical activity rather than competition. Now a day's, women are participating in amateur as well as professional sports. He said that the history of women's sports can be dated back to the 19th century as upper-class women were actively involved in playing games that emerged towards the end of the 19th century like horseback riding, archery, skiing, tennis and skating, etc. Women participated in the modern Olympic games for the first time during the second game of Olympics in 1900. Moreover, women could only participate in the sports events that were considered as "feminine sport" and known as women's sports events. He focused onchallenges faced by women athletes and said that low pay scale and prize money, gender issues and negative effects of gender types and stereotypes are some major challenges faced by women players.



Pic No. -22 Dr. Arun Kumar sharing her deliberation

He pointed out that due to lack of access to sports facilities, sports participation rates among girls are significantly lower than boys'. The numbers are even more discouraging for high school sports, with girls receiving about 1.3 million less opportunities to play sports than boys. He referred that only 59 % of 3rd -5th grade girls who live in urban areas are involved in at least one organized sport, (80 % for boys).

To encourage women players several policies are being amended such as-

- 1. Equal pay for men and women cricketers Jay Shah, the Honorary Secretary of BCCI, said women cricketers will be paid the same match fee as the men: Test matches at Rs 15 lakhs, ODI matches at Rs 6 lakhs and T20I at Rs 3 lakhs.
- **2. Financial assistance by Government-** The Stare government will provide financial assistance of up to Rs.5 lakh to shortlisted female athletes under its 'state sports talent search and development scheme'
- **3. Job Support -** Job support for female athletes are being given. Mary Kom ,is DSP , Manipur Police & Member of Rajya Sabha, Geeta Phogat , works as DSP, Haryana Police and BabitaPhogat ,works as a Sub Inspector, Haryana Police.
- **4.** Yogi Govt to start scouting sports talent across UP <u>Yogi Adityanath</u> led government is set to fund **Rs.500 crore** for promoting sports activities in <u>Uttar Pradesh</u>. On the lines of a national talent search scheme, the state government will also start scouting **sports** talent across UP.Government jobs for 27 Jharkhand players under quota.
- **5. Talent Hunt-Khelo India** To infuse sports culture and achieve sporting excellence Govt of India has earmarked a fund of 15.03 crore exclusive for Khelo India women leagues across nine disciplines for next four years to identify new talent.

Dr. Shalini Menon, Assistant Professor, Department of Physical Education, GGU, Bilaspur, Chhattisgarh dealt with Gynecological considerations of sports women and described that Premenstrual syndrome (PMS) encompasses the most common issues, such as mild cramping and fatigue, but the symptoms usually go away when our period begins. Through data support that there are over 355 million menstruating women and girls in India, 28 yet millions of women across the country still face significant barriers to comfortable and dignified experience with menstrual health, Girls do not consistently have access to education on puberty and menstrual health. In India, 71% of girls report having no knowledge of menstruation before their first period. Girls often turn to their mothers for information and support, but 70% of mothers consider menstruation "dirty," further perpetuating taboos. Almost 88% of women and girls in India use homemade alternatives, such as an old cloth, rags, hay, sand, or ash. Women and girls lack access to appropriate sanitation facilities.

There are 63 million adolescent girls living in homes without toilets. Despite national efforts to improve sanitation, women and girls lack appropriate facilities and community support to manage their menstruation privately and in a safe manner. Apart from this she also discussed about the causes of absence of menstrual cycles among teens which includes ovarian cysts, sudden weight gain or loss, stopping birth control, pregnancy and among adult women the reasons are premature ovarian failure, pelvic inflammatory disease (a reproductive infection), stopping birth control, pregnancy, breastfeeding, menopause etc. She finally concludes that Societal influences to "be thin" and "to win at any cost", should be somehow moderated and sports for women should be promoted for the physical, social and psychological benefits that it can offer to participants of all ages and at all levels.

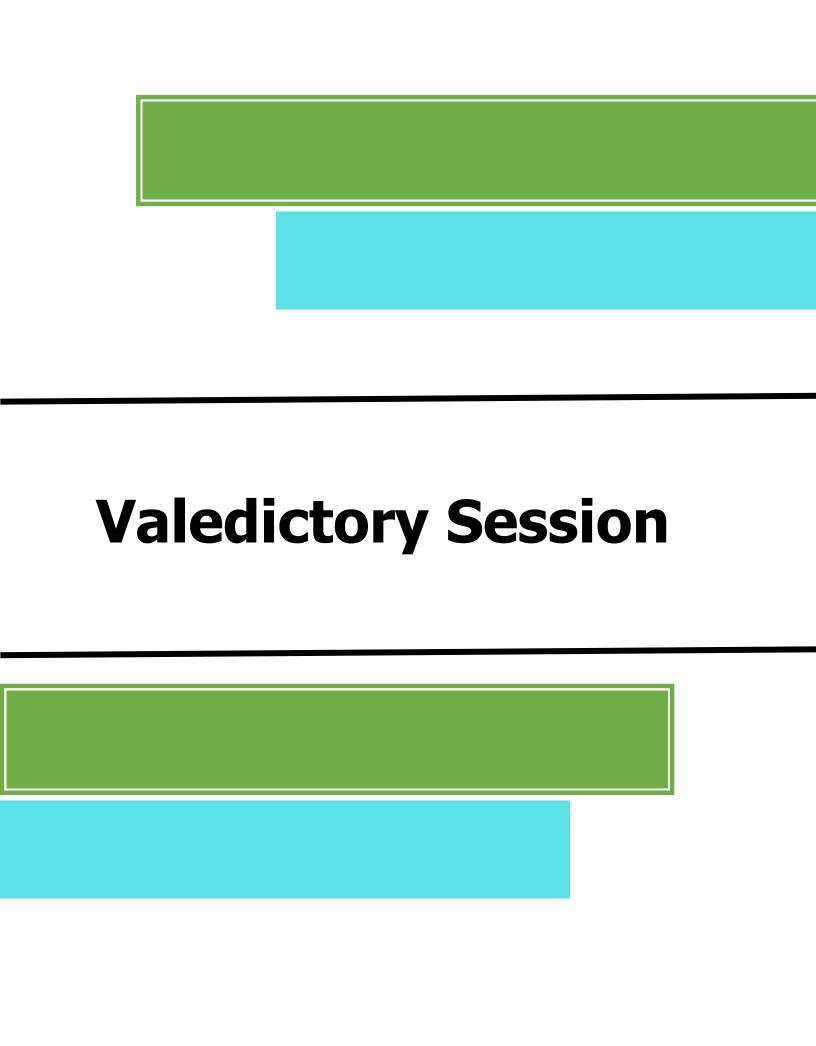


Pic No. -23. Dr. Shalini Menon sharing her deliberation

Dr. Om ji Gupta ,Assistant Professor, Department of Physical Education, Sant Guru Ghasidas Govt. P.G. College, Kurud, Dhamtari (C.G) gave his presentation on Nutritional Data Management. He demonstrated how to compile large data on the spread sheet and develop the calculation tools. He explained in details about the compilation of data and ways of data management for further calculation and implementation of the results. He has worked on the nutritional aspects of sports women and he has developed calculation soft wares with the guidance of subject experts. He demonstrated how to utilize those software tools for managing large data and explained the ways of calculations and interpretation. He discussed about the huge participation disparities among the male and female sports persons.



Pic No. -24. Dr. Om Ji Gupta sharing her deliberation



Dignitaries present in the valedictory ceremony were Prof. KesarilalVerma, Honorable Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, Dr. Sushmita R. Jyotsi, Regional Director, Sports Authority of India, Mumbai, Ms. Naina Singh, The first woman mountaineer from Chhattisgarh, Prof. Reeta Venugopal, Director, Center for Women's Studies and Prof. C.D. Agashe, HoD of SoS in Physical Education.

Prof. Kesari Lal Verma in his address said that Sports culture should be encouraged. Advantages of women participating in sports Participation of women in sports leads to not only their empowerment but also allows them to acquire individual competency, team & personality building and health improvement. This would lead to positive consequence for the family as well as the whole society. Sporting activities also help women to reconnect with the power of their own bodies. The various other benefits include, mental wellbeing, independence, peace of mind, increased concentration, fame, discipline, reservations in jobs and educational institutions etc. Women Role Model in Sports: When role models are mentioned in sport, the first thing that comes to mind is high profile celebrities. While positive role models can be found in amateur and professional sports, it's the people they see every day that make the biggest difference. Parents, coaches,



Pic no. 25. Honorable Vice Chancellor, Prof. Kesari Lal Verma addressing the participants

Naina Singh has become the first woman mountaineer from Chhattisgarh to reach Mount Everest (8848.86 m). Besides this extraordinary achievement, she has also conquered the Mount Lhotse (8516 m). On June 1st at 9 am, she made her name into the records of history as she touched the world's highest peak – the Mount Everest. Throughout the expedition, Naina had shown immense grit and determination. There were other fellow mountaineers who could not reach the peak owing to bad weather and injuries. Bastar's daughter Naina Singh Dhakad is a resident of a tribal-dominated village Actaguda. She has been preparing for her achievement and goal since the last 10 years. She had also climbed the peaks of the Great Himalayas. Besides, she had also participated in the Snow Man track event in Bhutan, along with Bachendri Pal- the first Indian woman to scale Everest. Naina was of a young age when her father passed away. Her mother raised all her three siblings through the rocky road.

Naina's household expenses are incurred by her mother's pension amount. In her village, one brother runs a tea shop and the other brother has a small grocery store. However, Naina constructively took on this challenge and persistently pursued her passion of mountaineering. Despite struggles, she had always aspired to be at the top. As per Naina, she was informed about mountain climbing through the National Service Scheme (NSS) camp organized in 2009 while she was a school student. Her mountaineering journey was supported and encouraged by the Bastar District Administration to support fulfill Naina's dream and passion. On 1st April 2021, she left had from Jagdalpur in an expedition to conquer the Everest. Chhattisgarh Government has been continuously encouraging youngsters of the state to come forward and pursue their passion- an example of which is the achievement of mountaineer Naina Singh Dhakad. Further, Naina has inspired and motivated thousands of youngsters through her courage and achievement. She has become a beacon of hope for youngsters of Chhattisgarh. A few days after this seminar Ms. Naina Singh was awarded the Tenzing Norgay National Adventure Award 2022



Pic No. – 26. Naina Singh sharing her experience of mountaineering



A short video footage about Naina Singh was shown in the valedictory ceremony. The link of the video footage is- $\frac{https://youtu.be/AtmWy8fccRg}{https://youtu.be/AtmWy8fccRg}$. At the end an interaction was also done with Naina Singh and the participants.

Prof Reeta Venugopal, in her concluding remarks said that is the future. She shared the key recommendations of the seminar and said that such seminars should be organized in future also.

Vote of thanks was given by Dr. Anuradha Chakraborty, Guest Faculty, Center for Woman Studies Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.



Pic No. -27. Concluding remarks of the seminar by Prof. Reeta Venugopal



Pic No. -28. Feedback by Participants

CONCLUSION

Sport holds enormous capacity to propel gender equality and women and girls' empowerment. It mobilizes the global community and speaks to youth. It unites across national barriers and cultural differences. It is a powerful tool to convey important messages in a positive and celebratory environment – often to mass audiences.

Seminar participants acknowledged the biological issues of women in sports. The problems are varied as per rural and urban areas affecting level of sports participation. The participants also recognized barriers to participate in sports for women whereas women feel insecure and discriminated at various level. The sports promotional schemes were discussed in details which created awareness among the participants of the seminar.

Various schemes and policies have facilitated participation of women but more policies and programs in close collaboration of different stakeholders are needed to be framed. Adequate training facilities should be accessible for all in adequate number and place. Towards building awareness sensitization on various issues will improve participation. Promoting sports among women is a very promising field for creating gender equality in the society. Participation of women in sports will lead to not only their empowerment but also allow them to acquire individual competency, team & personality building and health improvement. This would lead to positive consequence for the family as well as the whole society.

RECOMMENDATIONS OF THE SEMINAR-

Sport organizations should focus on the following major realms of influence to encourage more female participation in sports.

Social Recommendation

- Women can be motivated to participate in sport activity by talking about or hearing the relatable real-life stories of female sport persons.
- Cohesion will help expressing women sports persons' strengthens and commitment for sports
- Families should encourage women to participate in sports. Sustained engagement depends on the individuals in her daily life, especially her family, providing their support.
- Challenge negative stereotypes and create support from community as well.
- Create safe spaces for girls to play sport.
- For every boys team, have a girls team.
- Awareness programmes should be planned in society for decreasing gender biasness in the field of sport. Empower girls from a young age. The value of encouraging girls into sport from a young age will increase their participation in sports.
- Encourage your female staff to become role models
- By creating the sense of belongingness sport participation can be made pleasurable and offer a
 memorable experience, supports and recognition which in turn will motivate to explore their
 capabilities in the field of sport.
- Internalizing will aid her in considering her accomplishments. Internalizing her own behavioral path, internalizing the importance of enjoying oneself and the sporting experience.

Financial Recommendations

- Awareness regarding sports promotion schemes should be created.
- Facilitate long-term flexible financing and sustainable support for capacity development should be made.
- Need a review in the existing system and practice of funding.
- Provision of equal wages for male and female sports persons.

Biological Recommendations

- Menstrual health awareness should be created.
- Warning signs of early disorders of malnourishment and anorexia nervosa should be identified and treated.
- Effects of contraceptive pills on performance should be considered and talked about among the female athletes.
- Hormonal pattern should be understood by the athletes and sports personnel.
- Education and awareness on protein intake during different phases of menstrual cycle should be done.
- Anthropometric measurements should be done on the sports persons at the sports training
 centers at the primary level/ district level to take up the sports event as per the advantages and
 disadvantages of various body types and measurements.
- The increased levels of estrogens during the second and third stage of menstrual phase can add to their performance levels.
- Proper weight management should be done.

Personal Recommendations

- It is needed to be ensured private places for girls such as changing room, washrooms etc.
- Girls should be encouraged to participate in the dress they feel comfortable in.
- Self-confidence of the girls needs to be improved by providing them opportunities to be in leading part of the activity.
- Mentoring should be promoted.
- Proper sanitation should be provided.
- Participants can be employed to understand the experiences of the other players for gaining experience.
- Combined group training will always enhance safety.
- Transport facilities should be in place.
- It is recommended that community based participatory research should be used to find out the issues and way out for sports participate among women.

Recommendations for Inclusion in Curriculum

- Sports/Physical Education should be included as subject in the under graduate level.
- Women in tribal and rural areas needed to be studied and screened for sports talent and their vigor will help in achievement in sports sector.

Physiological recommendations

- Counseling by professional psychologist will help to overcome anxiety, stress and peer pressure.
- Counseling will bring positive assertiveness and induce winning spirit.

Safety Recommendations

- The ICC should be in plan for all the organizations and gender sensitization activities need to be organized for athletes (both for boys and girls) and all the sports staff of the institutions and academies.
- Safety assessments of the venue of training or competition should be ensured.

Feedback Analysis Report

Feedback from the participants of the seminar on subject review, clarity of information and presentation, group activity etc was collected through Google forms and analyze. The analysis is presented below-

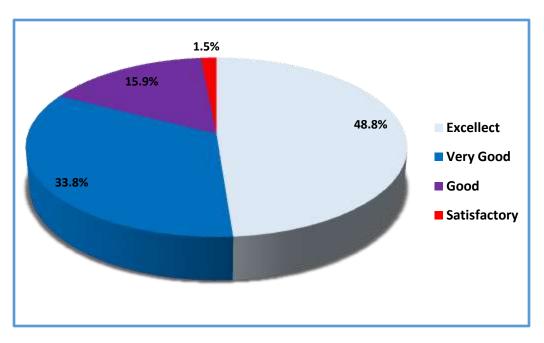


Figure No.01- How do you like the seminar?

Majority of the participants i.e. 48.8% said that the seminar was excellent and 33.3% participants found the seminar good.

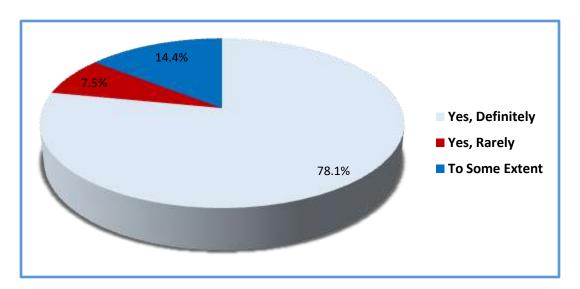
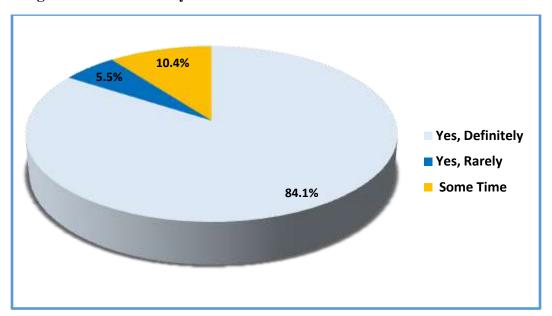


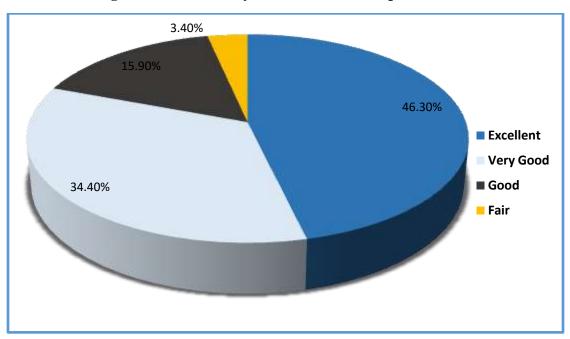
Figure No. - 02 Was the Seminar informative for you?

Figure No. - 03 Would you like to attend such Seminars in the future also?



78. 1% participants found the seminar to be informative. Majority of the participantsi.e.84.1% said that they would like to attend such seminars in future.

Figure No. - 04 Clarity of information and presentation



48.30% participant was of the view that there was clarity of information and presentation in the seminar.

4.6%

Very Good

Good

Average

Figure No. – 05 How did it feel to participate in the group activity?

Majority of the participants i.e. 67.3% felt that it was a very good experience to participate in the group activity.

Summary brief of feedback analysis

Majority of the participants were satisfied by the subject content, clarity of information and presentation and group activity. Participants were of the view that such seminars should be organized from time to time.

ONLINE SAFE CAMPUS PROGRAM (MAKE YOUR CAMPUS GENDER JUST, SAFE CONDUCIVE) IN COLLABORATION WITH MARTHA FARRELL FOUNDATION



CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES

PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR



IN COLLABORATION WITH
MARTHA FARRELL FOUNDATION

ONLINE SAFE CAMPUS PROGRAM

make your campus gender just, safe conducive

Date - 6th December, 2022 Time - 3.00PM

Learn how to

- · End campus sexual harassment
- Conduct gender safty assessment
- Implement POSH Act & UGC guidelines

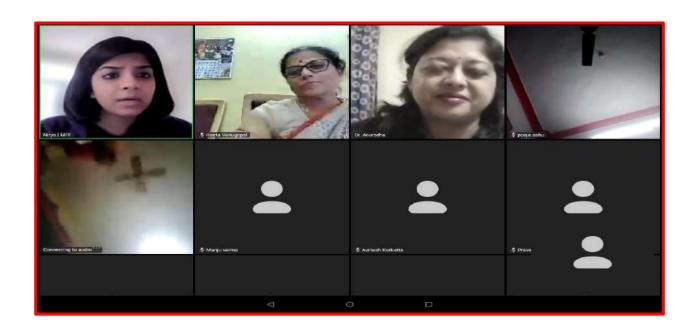
Join with Zoom Meet - https://us06web.zoom.us/j/85049493714? pwd=Sjg4aGxSZWw3U1Btd3NkNGtrd0InQT09

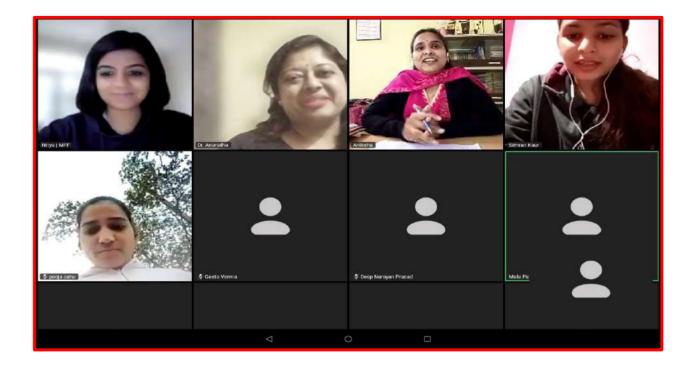
6TH DECEMBER 2022

Safe Campus ensures every single individual whether it is a school, college or an office ecosystem, every individual is trained and prepared towards their own personal safety as well as safety of peers and their family. Safe campus program makes the campus gender just, safe and conductive for every single individual involved. An online safe campus program was organized by Center for woman Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur, C.G. in collaboration with Martha Farrell Foundation on 6th December, 2022. This transformative session engaged students, faculty, and staff members in essential conversations surrounding appropriate and safe behaviors, consent, and the establishment of a culture of safety on campus. The focus of the discussions was to ensure compliance with the Sexual Harassment of Women at Workplace (Prevention, Prohibition, and Redressal) Act, 2013, and the UGC Regulations. By addressing these critical topics, the foundation aimed to create awareness about the rights and well-being of individuals within the academic community, particularly women.

Key topics covered were:

- Understanding sexual harassment, its forms and types
- Understanding consent, boundaries, appropriate and inappropriate workplace behaviours
- Legal mechanisms to file complaints of sexual harassment at workplace
- Introducing a simple technology tool for SOS, psychosocial and mental health support for survivors of sexual and gender-based violence





The session acted as a platform for open dialogue and shared understanding, fostering an environment of trust and respect. Participants were encouraged to discuss their perspectives, concerns, and ideas on how to promote a safe and inclusive campus space for everyone.

By equipping students, faculty, and staff with the knowledge and tools necessary to recognize and prevent harassment, the seminar contributed significantly to building a campus where all members feel valued, heard, and protected. The session's impact went beyond the event itself, sowing the seeds of positive change and promoting a culture of safety, respect, and equality throughout the university community.

Event details: The safe campus session at PRSU was enriched with valuable insights, fostering an environment of learning, empathy, and empowerment. The speakers were-

 Nitya Sriram, participatory trainerleading partnerships at the Martha Farrell Foundation

Event highlights:

The resource person for the transformative session on campus safety at Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU) was Nitya Sriram. As a certified, Nitya plays a pivotal role in leading partnerships at the Martha Farrell Foundation, while also

coordinating the impactful "Making Workplaces Safe Program". With a strong foundation in communications strategy and social media management, Nitya brings a unique perspective and expertise to the issue of sexual harassment prevention. Her extensive experience includes training over 2000 employees from both formal and informal sectors in India, which encompasses students, faculty, and management of higher educational institutions. The program acted as a platform for open dialogue and shared understanding, fostering an environment of trust and respect. Participants were encouraged to discuss their perspectives, concerns, and ideas on how to promote a safe and inclusive campus space for everyone.

By equipping students, faculty, and staff with the knowledge and tools necessary to recognize and prevent harassment, the seminar contributed significantly to building a campus where all members feel valued, heard, and protected. The session's impact went beyond the event itself, sowing the seeds of positive change and promoting a culture of safety, respect, and equality throughout the university community.

Conclusion:

The session at PRSU was enriched with valuable insights, fostering an environment of learning, empathy, and empowerment. Her dedication to promoting safe and inclusive spaces and equipping individuals with the knowledge to combat sexual harassment has undoubtedly made a lasting impact on the campus community. The participants left the session with enhanced awareness and a strengthened commitment to contribute actively to the creation of a safer and more respectful academic environment.

ONE-DAY PROGRAMME ON NATIONAL GIRL CHILD DAY ON 24TH JANUARY 2023

The National Girl Child Day, observed on January 24th each year, holds special significance in India as it serves as a platform to raise awareness about the various challenges and inequalities faced by girls in society. This important day was initiated in 2008 by the Ministry of Women and Child Development, in collaboration with the government of India, to address the pressing issues that hinder the growth and empowerment of girl children in the country.

As part of the celebrations, the Centre for Women's Studies at Pt. Ravishankar Shukla University (Pt. RSU) took an active role in reaching out to young girls in the slum areas. They organized an event at "Masti ki Pathshala," a program run by the dedicated NGO, "Roti Bank." This initiative aims to provide support, education, and recreational activities to underprivileged children living in the slums. During the event, the Centre for Women's Studies distributed books and study materials among the girls, encouraging them to embrace education and knowledge. By doing so, they sought to uplift and empower these girls, breaking the barriers that often restrict their access to education and personal growth.

This thoughtful gesture emphasized the importance of education and its potential to transform lives, especially for young girls who often face numerous societal obstacles. The distribution of study materials not only provided practical resources but also sent a powerful message of support and encouragement to these young girls, letting them know that their education matters and that they are valued members of society.

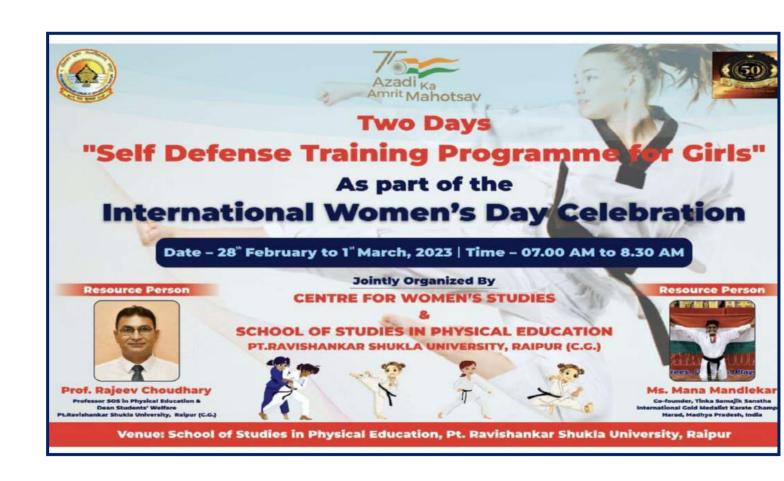
Through such meaningful initiatives, the Centre for Women's Studies at Pt. RSU demonstrated their commitment to creating a more inclusive and equal society, where all girls have the opportunity to pursue their dreams and aspirations without hindrance. By celebrating the National Girl Child Day in this manner, they contributed to building a brighter future for these girls and fostering a society that recognizes and empowers the potential of its female citizens.





TWO DAYS "SELF DEFENCE TRAINING PROGRAMME FOR GIRLS"

(As part of the International Women's Day Celebration)



Every day we come across reports of women being victimized in various forms of abuse, whether on social media or on television. There are countless accounts of women who have experienced sexual assault, arbitrary attacks by strangers, and other forms of abuse. In the world of crime, learning self-defence is advised so that women can save herself fromassaults of any kind as well as arbitrary assaults. Learning self-defence techniques should be at the top of every woman's list of priorities. Through self-defence course girls and women can learn how to physically defend herself and learn the necessary techniques to save herself. Keeping this in mind a two days self-defence training programme was organized by Centre for Women's studies from 28th February to 1st March, 2023.

EVENT DETAILS:

Self-defense training was given by-

- Prof. Rajeev Choudhary, School of Studies in Physical Education, Pt.
 Ravishankar Shukla University, Raipur.
- Ms. Mana Mandlekar Tinka, Co-Funder, Tinka Samajik Sanstha,
 International Gold Medalist Karate Champion, Gurgaon, Haryana.

EVENT HIGHLIGHTS:

Training for self-defence was given by Prof. Rajeev Choudhary, School of Studies in Physical Education, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. Prof. Choudhary's expertise in martial arts and physical education made him the ideal instructor for this program. His aim was to equip female students with essential self-defence skills, empowering them to handle challenging situations confidently. He trained the female students about the various skills of throwing techniques, hand techniques, leg techniques, holding techniques and gripping techniques which were helpful for self- defence. Prof. Choudhary also introduced the participants to some useful moves from the discipline of Judo, a martial art known for its emphasis on leverage and strategic tactics.

Beyond physical techniques, the training also focused on instilling a sense of empowerment and self-assurance in the participants. By learning self-defence, the students were not only acquiring practical skills but also gaining a sense of agency and control over their personal safety.

Ms. Manna, the second resource person of the self-defence training program, also played a crucial role in empowering the participants with essential self-defence skills. With her expertise in self-defence techniques, she contributed valuable insights and practical knowledge to the training. Through her guidance, the participants learned further skills and strategies to protect themselves and build self-confidence. Ms. Manna's involvement added depth and diversity to the training, ensuring that the participants received a comprehensive and well-rounded learning experience. Her contribution was instrumental in equipping the students with the necessary tools to defend themselves and face challenging situations with resilience and assertiveness.





IDKIP

raipur.wednesday 01/03/2023

पत्रिका इंटरव्यू: रायपुर पहुंची कराते चैंपियन मना मंडलेकर ने कहा...

घर और बाहर वालों से खूब लड़ी और बनी चैंपियन, अब वही देते हैं मिसाल

सेल्फ डिफेंस के लिए जागरूक होने के साथ आत्मविश्वास का होना जरूरी

पत्रिका plus रिपोर्टर

रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय पहुंची इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट कराते चैपियन मना मंडलेकर ने फिजिकल एजुकेशन हिपार्टमेंट के स्ट्डेंट्स को बताया कि खद की रक्षा करने के लिए आपको अवेयर रहने के साथ ही अपने सेल्फ काफिडेंस को मजबत रखना होगा। मंगलवार को सुबह स्ट्रेडेंट्स को ट्रेनिंग देते समय मना ने महसूस किया कि यहां कि लड़कियां सेल्फ डिफेस को लेकर उतनी अवेयर नहीं है उनका काफिडेंस भी कम है, लेकिन ट्रेनिंग के दौरान यह महसूस हुआ कि यदि इन्हें समय-समय पर ट्रेनिंग दी जाए तो वे खद अपनी रक्षा कर सकती हैं। दो दिवसीय आत्मरक्षा प्रशिक्षण शिविर के दौरान उन्हें कलाई मोइकर छुड़ाने का तरीका बताया। कैसे बाल पकडे हुए, कमर को पकड़े हुए हैं उसको छुड़ाने के लिए कई तरीके बताए।

जिंदा रहने के लिए भी परमिशन लेनी पड रही थी

मध्यप्रदेश के हरदा जिले के आलमपुर गांव की रहने वाली मना ने बताया कि जब वो 9 वीं



बदलनी होगी समाज की सोच

खेल के माध्यम से कैसे हम समाज में समानता ला सकते हैं। इसके लिए हमने 2017 में तिनका समाजिक संस्था की शुरुआत की। इसके जरिए हम लड़कियों को आत्मरक्षा का प्रशिक्षण देते हैं। अभी तक 53 हजार 286 को ट्रेनिंग वे चुके हैं। हमारा सबसे ज्यादा फोक्स गांव की लड़कियों को ट्रेंड करना है। अपने गांव की 192 स्कूल और 15 जिलों में संस्था काम कर रही है।

कक्षा में थी उसी समय घर वाले उसकी शादी करने वाले थे। मना अपनी पहचान बनाना चाहती थीं, लेकिन गांव वाले और घर वालों को यह मंजुर नहीं था। इसके लिए मना को बहुत संघर्ष करना पड़ा। तब कहीं जाकर उसे दूसरे गांव में पढ़ने की अनुमति मिली। स्कूल पूरा करने के बाद जब कॉलेज में आई तो कराते सीखने लगी। उसी

बताया कराते और सेल्फ डिफेंस में अंतर

कराते एक गेम है जिसमें हर खिलाड़ी को चैंपियन बनना होता है। वहीं सेल्फ डिफेंस खुद को सेफ्टी के लिए होता है। हम कराट के जरिए भी खुद की सुरक्षा कर सकते हैं। लेकिन बहुत कम लोगों को यह पता होता है। अब जब मैं अलग-अलग राज्यों में ट्रेनिंग दे रही हूं तो इसके बारे में उन्हें अवेयर कर रही हूं।

समय से ठान लिया था कि लड़कियों का आत्मविश्वास बढ़ाना है। अब वो प्रदेश के 192 गांव के स्कूल और 15 जिलों में काम कर रही हैं।

कराते सीखने के बाद एक लड़के की जमकर धुनाई की

2013 में कॉलेज में दाखिला लिया तो कराते से परिचय हुआ। रोजाना 15 किलोमीटर का सफर तय कर कॉलेज पहुंचना पड़ता था। इस दौरान कई बार छेड़छाड़ की घटनाएं भी हुई। एक साल बाद जब कराते सीख गई तो छेड़छाड़ करने वाले लड़के की जमकर धुनाई की। तभी से कॉम्फिडेंट लेवल बढ़ गया। इसके बाद कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा और इंटरनेशनल गोल्ड मेडलिस्ट कराते चैंपियनशिप का खिताब हासिल किया।

Date: 01/03/2023, Edition: Raipur City, Page: 13 Source: https://epaper.patrika.com/



Rajdhani - 02 Mar 2023 - 02raj3 epaper.navabharat.news



रविवि में लड़िकयों ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीक

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला एवं महिला अध्ययन केंद्र द्वारा दो दिवसीय आत्मरक्षा ट्रेनिंग शिविर आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में लड़िकयों को आत्मरक्षा की तकनीक से अवगत कराया गया। इसके अलग-अलग सत्रों में प्रो. राजीव चौधरी, अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग और श्रीमती माना मांडलेकर कराते विशेषज्ञ ने कलाई से पकड़ना और अन्य तकनीक से अवगत कराया।

कार्यशाला का समापन

बालिकाओं ने सेल्फ डिफेंस की दाइची टेक्नीक जानी

02/03/2023



रायपुर @पत्रिका. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में सेल्फ डिफेंस की दो दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला एवं महिला अध्ययन केंद्र की ओर से आयोजित शिविर में बालिकाओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे। इंटरनेशनल कराते गोल्ड मेडलिस्ट मना मांडलेकर ने दाइची टेक्नीक , रिस्ट होल्डिंग आदि बताकर उनका अभ्यास कराया। बेक होल्डिंग टेक्निक, डबल रिस्ट होल्डिंग के साथ व्यक्ति के शरीर के कमजोर भाग पहचान कर प्रहार करने पर जोर दिया। उन्होंने स्वयं की सुरक्षा व मजबूती का ख्याल रखने की बात कही। प्रोफेसर राजीव चौधरी ने सेल्फ डिफेंस के अलग-अलग स्टेप्स बताए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सी.डी. अगासे, प्रो. रीता वेणुगोपाल, आर. के. मिश्रा मौजूद रहे। कार्यशाला में स्कूल, कालेज एवं विश्वद्यालय के 70 से अधिक महिला एवं छात्राएं शामिल हुए।

CONCLUSION:

The self-defence training program was designed to create a safe and encouraging space for female students to learn and practice these techniques. The participants gained valuable knowledge on how to protect themselves, build confidence, and assert their physical boundaries when faced with potential threats. The participants left the workshop equipped with newfound knowledge and a heightened sense of awareness, ready to take charge of their safety and well-being. The self-defence training program conducted by the Center for Women's Studies played a significant role in fostering a culture of empowerment, resilience, and security among female students. As they continue their academic journey and beyond, the participants carry with them the valuable tools to stand up for themselves and navigate the world confidently.







National Workshop on DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality" (as part of the International Women's Day celebration)



2nd MARCH, 2023

CELEBRATING INTERNATIONAL WOMEN'S DAY

On the occasion of International Women's Day, a one-day National Workshop on "DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality" was organized on March 02, 2023, by the Center for Women's Studies, Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur. Connecting and educating women online about technological advancements is crucial for highlighting digital innovations and closing the gender gap. Digitization, which is the primary focus of digital literacy, is the most essential skill required for the empowerment of women creating opportunities in academics, financial markets, and entrepreneurship for women. In today's digital age, it is crucial to connect and educate women about technological innovations, as this can play a pivotal role in narrowing the gender gap and fostering inclusive growth.By equipping women with digital skills, they can access a world of opportunities and make significant contributions in diverse fields.

Through the "DigitALL" workshop, the Center for Women's Studies aimed to inspire and empower women to embrace digitalization and leverage technology to their advantage. By highlighting the potential of digital innovations in creating a more equal and inclusive society, the workshop took a significant step towards fostering gender equality in the digital era. It offered a space for women to enhance their digital skills, stay informed about emerging technologies, and encourage active participation in shaping the digital landscape for a brighter future.

Inaugural Session-

The National Workshop on "DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality" commenced with great enthusiasm and reverence at 11:00 AM. The event began with the lighting of the lamp before Goddess Saraswati, symbolizing the pursuit of knowledge and wisdom. This was followed by the soul-stirring rendition of the Kulgeet of Pt. Ravishankar Shukla University, resonating with a sense of pride and unity among the attendees. As a gesture of warm welcome, small plants were presented to the esteemed guests.

In the welcome address Prof. Reeta Venugopal, Director, Centre for Women's Studies, Pt. Ravishankar Shukla Universityshed light on how digital literacy opens a plethora of opportunities for women, empowering them to achieve greater heights in various fields, be it sports, academics, or entrepreneurship. She emphasized that skill developmentand digital awareness plays a crucial role in the overall development of any society besides positively impacting the daily lives of women and creates a wide range of opportunities for women. She proudly acknowledged the significant representation of women in all departments of the university, emphasizing the positive impact it has on society and future generations. Her address set the tone for the workshop, inspiring the participants to embrace digital innovation as a means to break barriers and foster gender equality. Prof. Venugopal's insightful words resonated with the attendees, igniting a sense of purpose and determination to actively contribute to the progress of women in the digital era.

The National Workshop on "DigitALL" was off to an auspicious and motivational start, fuelled by the spirit of knowledge, equality, and empowerment. As the day unfolded, the participants delved into discussions and sessions that aimed to harness the power of technology to create a more inclusive and gender-equal society. The event became a stepping stone in the journey towards a brighter future, where women are at the forefront of digital innovation and progress.

The National Workshop on "DigitALL: Innovation and Technology for Gender Equality" had the privilege of hosting Ms. Sonali Jha as the keynote speaker. As the CEO and Founder of Cunomial Technologies, based in Bangalore, Ms. Jha is a trailblazer in the tech industry, with a remarkable mission to empower women and provide them with economic access. During her keynote address, Ms. Jha passionately spoke about her vision to create opportunities for women entrepreneurs in the tech sector. She shared insights into the Women in Cloud Initiative, a community-led economic development organization that aims to generate new global economic access for women entrepreneurs by 2030. Through strategic partnerships with corporations, community leaders, and policymakers, the initiative works tirelessly to break down barriers and create pathways for women's economic advancement. The Women in Cloud Initiative collaborates with

prominent industry and community partners such as Microsoft, M12 - Microsoft's Venture Capital Fund, Accenture, Hitachi Solutions, Insight, Boeing, Meylah, and more. Together, they work towards building an inclusive and equitable tech ecosystem where women can thrive and contribute their unique talents.

Ms. Jha's inspiring words and dedication to empowering women in tech left a lasting impression on the workshop participants. Her remarkable work and the initiatives she leads serve as a beacon of hope and opportunity for women in the tech industry, inspiring them to reach for their full potential and make a significant impact on the global stage. As the workshop progressed, the participants were further motivated to harness technology for gender equality and forge ahead on the path of progress and innovation.

This was followed by the address by Ms. Heena Animesh Netam, Joint Secretary of Higher Education, Chhattisgarh. She talked about the role of education and skill development for women empowerment Ms. Heena Animesh Netam, emphasized the pivotal role of education and skill development in empowering women. Ms. Netam passionately spoke about the transformative impact of education in breaking barriers and creating opportunities for women's advancement. She highlighted the significance of equipping women with relevant skills that would enable them to excel in diverse fields and contribute meaningfully to society. Ms. Netam's powerful words resonated with the audience, further reinforcing the importance of education and skill-building as essential catalysts for women's empowerment.

Prof. Shail Sharma, Head, SoS in literature & Languages and Dean of Arts faculty was the chairperson of the inaugural ceremony. Prof. Sharma's words served as a beacon of encouragement for the students, especially women, inspiring them to pursue their dreams and aspirations fearlessly. Her belief in the potential of education as a driving force for societal change resonated deeply with the audience, instilling a sense of determination and self-belief among the participants. Through her guidance, Prof. Sharma encouraged the students to embrace the transformative power of education and skill development. She underscored the importance of women becoming leaders in their respective fields, contributing to the progress and upliftment of society.

The inaugural ceremony set the tone for the workshop, infusing the participants with motivation and a renewed commitment to creating a more inclusive and gender-equal future. Prof. Shail Sharma's role as the chairperson of the event exemplified her dedication to fostering a culture of empowerment and growth, where education becomes a catalyst for positive change and gender equality.

Women's Day is the day to acknowledge the achievements of the women champions of various fields. In this regard , woman achieversof all the departments of Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur in the field of academics, sports, cultural were facilitated .The token of appreciation was sponsored by Srijansheel Vidushi Maliha Bahuudeshiya Sahkari Samity. 18 female students were facilitated for their excellence inthe field of academics, 2 for sports , 3 for cultural activities and 1 for social work. 2 members of SrijansheelVidushiMaliha BahuudeshiyaSahkari Samity were felicitated for their social work. Ms. Anita Toppo, Senior Assistant Programmer at the School of Studies in Computer Science, was specially honored as a "Digital Woman" for her dedicated efforts in imparting digital training and computer education. Her valuable contributions have empowered countless individuals in navigating the digital realm with confidence and proficiency.

Dr.Shailendra Kumar Patel, Registrar, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur addressed the house and expressed his unwavering support and cooperation as the administrative head of the university, extending his encouragement to all deserving women students. Highlighting the university's progress towards gender equality, he took pride in the fact that several departments have female professors serving as Heads of Departments, exemplifying the empowerment of women in leadership positions. Dr. Patel also commended the Center for Women's Studies for its relentless efforts in promoting women-centric initiatives and positive change over the years. He acknowledged the invaluable work done by the center in advancing the cause of gender equality and women's empowerment.

With the support and encouragement from the university administration, the workshop fostered an environment of collaboration, empowerment, and progress. The dedication of all involved exemplified the commitment towards creating a more inclusive and equitable future for women in the realm of technology and

beyond.

The inaugural session paved the way for four engaging technical sessions, where participants delved into discussions on harnessing technology for gender equality. The event inspired the attendees to become catalysts for change, driving them to explore innovative ways to promote digital literacy and women's participation in technology-driven domains.

Technical Session

In the first technical session Ms. Sonali Jha, CEO & Founder, Cunomial Technologies, Bangalore, talked on Growth strategies with entrepreneurship pertaining 'Exceptional performance'. She emphasized that the focus on gender equity needs to be part of every society's DNA, and the aim of the campaign is to get the world talking about "Why equal opportunities aren't enough.". She further said that growing inequalities are becoming increasingly evident in the context of digital skills and access to technologies, with women being left behind as the result of this digital gender divide. The need for inclusive and transformative technology and digital education is therefore crucial for a sustainable future and is needed to harness the potential of technology and innovation to accelerate progress on the 2030 Agenda and the sustainable development goals.



Ms. Sonali Jha, CEO & Founder, Cunomial Technologies, Bangalore

In the second technical session Ms. Sonali Guha, Cyber Forensic Expert, Managing Director Technoking Group, Chhattisgarh& Mr. Ayush Guha, Cyber Forensic Expert & Ethical hacker Chhattisgarh gave their presentation on "Awareness about Cyber Security and Ethical Hacking". They explained the ways to to increase the cybersecurity and keep your information safe. They suggested that cyber security could be achieved by choosing our passwords wisely, by the use multi-factor authentication, one should know how to identify a phishing attack, updating the software regularly is equally important and one should stay aware of threats. They shared the help line systems to report the cyber crime. They suggested measures to avoid getting hacked while using social media platforms.



Ms. Sonali Guha ,Cyber Forensic Expert, Managing Director Technoking Group

In the third technical session Mrs. Srilata Dhawala, Promoter Director Dhavala Group, Chhattisgarh talked about "Women Entrepreneurship and steps for starting business, entire e-commerce sites, and about business managing technology". She shared her story of becoming an successful entrepreneur. She taught the basics of entrepreneurship and suggested ways for start ups.

In the fourth session Mrs. Srilata Dhawala, and Ms. Sunita talked about "Training & support for Women Entrepreneurship & Startup".

Prof. Aditi Niyogi Poddar gave the concluding remarks of the technical sessions at the end. In all the event was a big success.

GLIMPSE OF THE PROGRAMME



Ms. Anita Toppo, Senior Assistant Programmer at the School of Studies in Computer Science, was specially honored as a "Digital Woman".













SPONSORED RESEARCH PROJECT DETAILS

Financial Year	Name of Faculty	Funding Agency	Title of Project	Amount Received (In Rupees)
2022-23	Prof. Reeta Venugopal, Director, CWS, Pt. RSU,Raipur	National Commission for Women, New Delhi	Distinctive Issues in Women's Sports Participation with special reference to Chhattisgarh	Proposal submitted
2022-23	Prof. Reeta Venugopal, Director, CWS, Pt. RSU,Raipur	INDIAN COUNCIL OF SOCIAL SCIENCE RESEARCH (ICSSR)	Status , Utilization and Impact of Pradhan Mantri Mudra Yojana (PMMY) : A Survey in Context of Chhattisgarh	Proposal submitted

RESEARCH PAPER PUBLICATION

S.No	Title	Journals Name	ISSN/ Volume
1	Awareness and Utilization of The Kishori	Jharkhand Journal of	Paper Submited
	Shakti Yojana among Baiga Tribal	Development and	
	Adolescent Girls in Chhattisgarh	Management	
2.	Health Related Physical Fitness Of Baiga	M. P. Institute of Social	Paper Submited
	Adolescent Girl's- A Primitive Tribe of	Science Research	
	Chhattisgarh, India		
2.	Growth And Nutritional Status of The	International Journal of	2349-6002
	Gond Tribe of Chhattisgarh, India	Innovative Research In	Volume 9 Issue
		Technology	12
3.	Physical Activity Level And	International Journal	2349 – 722X
	Obesity Among University	Of Fitness, Health,	Volume 10 Issue
	Teachers of Cg	Physical Education &	1
		Iron Games	
4.	A Study of Nutritional Status and	Research Journal of	0974-3618
	Prevalence of Anaemia among the	Pharmacy and	Volume 14 Issue
	Adolescent girls and Women of	Technology (RJPT)	3
	Reproductive age of Baiga tribe		
	accessing Antenatal Clinic in Public		
	Health Sector in Chhattisgarh, India		

TOOLS PUBLICATION (UNDER PROCESS)

MAINSTREAMING GENDER IN HIGHER EDUCATION INSTITUTIONS





A Gender Audit Tool

By Gurjeet Kaur Prof. Reeta Venugopal Prof. Priyamvada Srivastava Ms. Urmimala Sen Gupta Aniksha Varoda

Designed for Pt. Ravishanker Shukla University Raipur, Chhattisgarh Supported by Oxfam, Chhattisgarh



FIELD PROJECTS / INTERNSHIPS UNDER TAKEN DURING THE YEAR (FILED ACTION REPORT)

CERTIFICATE COURSE: WOMEN LAW AND GENDER JUSTICE

No.	Name of Students	Project Title
1.	AnkitaVerma	Safe Campus (With Special Reference To Pt.
		Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)
2.	Dr. Anuradha	Cyber Security Awareness Among The Internet Users
	Chakraborty	And Counter Measure Of Legal Protection
3.	SakshiPrajapati	Women Police Stations/Mahila Thana Working
4.	BhumikaKurrey	Efficiency And Effectiveness In Rural And Urban
5.	JyotiSahu	Region Of Chhattisgarh
6.	Mala Patel	Transgender Ki SamajikArthik,
7.	GeetaVerma	ShaikshanikSamasyayoAurAdhikaroKaEkAddhyayan (
8.	DeekshaSahu	Raipur Nagar KeVisheshSandharbha Me)
9.	Mirinalini Singh	Internal Complaint Committee in the Educational
10.	VibhaPotai	Institutions of Raipur Chhattisgarh
11.	VandanaKesharwani	
12.	DeepaGoswami	
13.	Nikita Kaushik	Student of effect of menstruation on girls in saddu
		area
14.	Preeti Shukla	Preceived Barriers to Sports participation in school
		adolescent girls students in rural region of
		Chhattisgarh

CERTIFICATE COURSE: COMMUNITY BASED PARTICIPATORY

RESEARCH (CBPR)

No.	Name of Students	Project Title
15.	Dr. Samir Thakur	A Study Of Problems Of Female Studenst Community
16.	Divya Yadav	Residing In Hostel A CBPRAproach
17.	DeepashikhaDolas	Garbage Pickers Attitude & Problems : A CBPR
18.	PoojaDhusiya	Approach





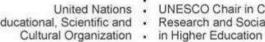


Student project viva certificate course

COLLABORATION OF THE CENTRE WITH THE AGENCIES INTERNATIONAL AND NATIONAL FOR DIFFERENT **ACTIVITIES**

International Collaboration











United Nations UNESCO Chair in Community Based ducational, Scientific and Research and Social Responsibility







National Collaboration











INFRASTRUCTURAL FACILITIES

S. No.	Infrastructure	No.
1.	Staff Room	01
2.	Class rooms	01
3.	Students' Library	01
4.	Office Room	01





LIBRARY AND DOCUMENTATION

- 1. A cell has been reserved in the Pt. Sundarlal Sharma library Pt. Ravishankar Shukla University, for about 400 books related to Women Studies & Gender issues.
- 2. A small library has been setup in the office of Centre for Women's Studies, Pt. Ravishankar Shukla University and at present has about 100 Books /Magazines for research scholars.
- 3. News Paper cuttings & Articles related to Women Empowerment, Human Rights Violation & Current Gender Issues have been aggregated which serve as baseline data for research assistant and students.

MAJOR THRUST AREAS

- 1. Gender Equality
- 2. Girl's Education
- 3. Gender discrimination and violence
- 4. Reproductive health and population
- 5. Issue of women rights
- 6. Women and laws
- 7. Women and society
- 8. Feminization of Poverty
- 9. Gendered Economics
- 10. Research methodology in Women's Studies

EXTER CURRICULAR ACTIVITY



Ferewell Party Prof. Dinesh Nandini Parihar (Professor & Head, SoS in Aihca)



Advisory Committee meeting was organized on 4 August, 2022 in VC Office.



Participants in Sub-Zonal Meeting Ministry of Women and Child Development



Workshop on Gender Equality, organized by Chhattisgarh State Rural Livelihoods Mission (Bihan) held on 24th December, 2022.





Dr. Reeta Venugopal Participants in a review and planning meeting for Indian K4C Hubs was held on 6th February, 2023 at PRIA, New Delhi



Dr. Reeta Venugopal Participants in workshop on Learning is changing was held on 5th February, 2023 at PRIA, New Delhi

Student Field Work Report

Cyber Security Awareness among the Internet Users and Counter **Measure of Legal Protection**

Supervisors **Prof. Reeta Venugopal Prof. Privamvada Shrivastava**

Research Scholar Dr. AnuradhaChakrabortv

Introduction

The Internet is a global system of interconnected computer networks that connects billions of devices using the internet protocol family. The Internet is one of the most crucial aspects of modern life. On the one hand internet has given the world positive contributions. However, it has also resulted in several issues that undermine social order and have given rise to a fresh wave of

crime around the globe.

Depending on user needs, the internet is used for a wide range of things, including communication, research, education, carrying out financial transactions, threading, and more. The most profitable and secure criminal activity now takes place on the internet. This study focuses on raising public

awareness of electronic crimes, also known as cybercrime or e-crimes.

Governments, businesses, society, and individuals are all suffering significant harm as a result of the rise in e-crimes (Broadhurst R. & Grabosky P., 2005). Additionally, there are many reasons why cybercriminals commit crimes, including (but not limited to) financial gain, emotional

instability, societal expectations, and a lack of laws and penalties.

What is cybersecurity?

Cyber security is the most concerned matter as cyber threats and attacks are overgrowing. Attackers are now using more sophisticated techniques to target the systems. Individuals, smallscale businesses, or large organization are all being impacted. So, all these firms whether IT or non-IT firms have understood the importance of Cyber Security and focusing on adopting all

possible measures to deal with cyber threats.

Cybersecurity is the protection of internet-connected systems such as hardware, software and data from cyberthreats. Individuals and businesses both use this technique to prevent unauthorized entry to data centers and other computerized systems. A strong cybersecurity plan can offer an effective defense against malicious attacks intended to gain access to, modify, delete, destroy, or extort confidential data and systems belonging to an organization or user. Additionally, cyber security

plays a critical role in thwarting attempts to stop or impair a system's or device's functionality.

The importance of cybersecurity is only going to increase as there are more users, devices, and programs in the modern business, along with an influx of more data, much of it sensitive or confidential. The issue is made even worse by the increase in the quantity and level of sophistication of cyberattackers.

According to recent research, cybercrimes have cost the globe \$2 trillion so far in 2019. According to a 2017 prediction by cybersecurity ventures, losses would total \$6 trillion by 2021, necessitating a \$10 billion worldwide investment in cyber-security measures by 2027 to guard against such catastrophic losses. However, not only large businesses and groups are impacted. Phishing scams, ransomware attacks, identity theft, data breaches, and financial losses affect regular, daily customers. For instance, it takes just five minutes to hack an internet-connected gadget, which includes your smartphone, smartwatch, on-board automobile computer, smart television, and home control systems, according to a NetScout study. This means the more we rely on the internet, the more we need good cybersecurity in all its forms. But first, let's see what we're up against(https://cybersecurityventures.com/cybercrime-damages-6-trillion-by-2021/).

India's ever-expanding digital infrastructure in the wake of the pandemic has escalated the demand for new, updated, and improved regulatory mandates for strengthening cybersecurity. Rampant cyber security incidences have been occurring weekly, alarming businesses, organizations, and individuals across India.

The <u>IBM Security Data Breach Report of 2022</u> states that, for the fiscal year of 2022, the average <u>data breach</u> costs in India have reached <u>a record high</u> of ₹17.5 crores (₹175 million) rupees, or around \$2.2 million, which is an increase of 6.6% from 2021, and a staggering 25% from the average cost of ₹14 crores in 2020(<u>https://www.ibm.com > reports > data-breach 2020</u>). In 2021, cybersecurity incidents involved incidents revolving around unauthorized access and compromised <u>personal data</u>. For example, in the case of <u>Air India</u>, data files from more than <u>4.5 million customers</u> were leaked in acyber attack. In a separate incident, personal <u>data leaks</u> of around 180 million users <u>were stolen straight from the database of Domino's Indiahttps://www.bloomberg.com/news/articles/2021-05-22/cyber-attack-on-air-india-led-to-data-leak-of-4-5-million-fliers</u>

In response to the rapidly shifting digital transformation, archaic cybersecurity laws, and the lack of clear, comprehensive data privacy laws, the Indian government has begun to reevaluate how it regulates cybersecurity and cybercrime.

The Fascinating History of Cybercrime

Technically, the first cyber-attack happened in France well before the internet was even invented, in 1834. Attackers stole financial market information by accessing the French telegraph system.

India recorded 50035 cases of **cybercrime in 2020**, with a 11.8% surge in such offenses over previous year. This Data story aims to present the complex issue of **cybercrimes in India** with statistics taken from **NCRB report**(https://ncrb.gov.in/en).

The first Cyber Crime in India

The first Cyber Crime was recorded within the year 1820. The primeval type of computer has been in Japan, China and India since 3500 B.C, but Charles Babbage9s analytical engine is considered as the time of present day computers. In the year 1820, in France a textile manufacturer named Joseph-Marie Jacquard created the loom. This device allowed a series of steps that was continual within the weaving of special fabrics or materials.

This resulted in an exceeding concern among the Jacquard's workers that their livelihoods as well as their traditional employment were being threatened, and prefer to sabotage so as to discourage Jacquard so that the new technology cannot be utilized in the futu

The first Cyber Crime was recorded within the year 1820. The primeval type of computer has been in Japan, China and India since 3500 B.C, but Charles Babbage 9s analytical engine is considered as the time of present day computers. In the year 1820, in France a textile manufacturer named Joseph-Marie Jacquard created the loom.

This device allowed a series of steps that was continual within the weaving of special fabrics or materials. This resulted in an exceeding concern among the Jacquard's workers that their livelihoods as well as their traditional employment were being threatened, and prefer to sabotage so as to discourage Jacquard so that the new technology cannot be utilized in the futu. The first Cyber Crime was recorded within the year 1820.

The primeval type of computer has been in Japan, China and India since 3500 B.C, but Charles Babbage9s analytical engine is considered as the time of present day computers. In the year 1820, in France a textile manufacturer named Joseph-Marie Jacquard created the loom. This device allowed a series of steps that was continual within the weaving of special fabrics or materials. This resulted in an exceeding concern among the Jacquard's workers that their livelihoods as well as their traditional employment were being threatened, and prefer to sabotage so as to discourage Jacquard so that the new technology cannot be utilized in the futu The first Cyber Crime was recorded within the year 1820. The primeval type of computer has been in Japan, China and India since 3500 B.C, but Charles Babbage9s analytical engine is considered as the time of present day computers. In the year 1820, in France a textile manufacturer named Joseph-Marie Jacquard created the loom. This device allowed a series of steps that was continual within the weaving of special fabrics or materials. This resulted in an exceeding concern among the Jacquard's workers that their livelihoods as well as their traditional employment were being threatened, and prefer to sabotage so as to discourage Jacquard so that the new technology cannot be utilized in the futu In India, one of the very first cases of cyber crime was that of Yahoo v. Akash Arora. This case occurredin 1999. In this case, the defendant Akash Arora was accused of using the trademark or domain name 'yahooindia.com' and a decree of permanent injunction was sought.

According to data issued by the National Crime Records Bureau, the number of cybercrime

occurrences in 2021 has increased by 18.4% since 2019, but the number of instances involving women has increased at a far faster 28.4% rate(https://ncrb.gov.in/en)

Data showed that 10,730 events, or 20.2% of the 52,974 incidents registered in 2021, were reported as crimes against women. The most common cybercrimes attempted against women are cyberbullying, cyberpornography, broadcasting obscene, sexual content online, cyberstalking, defamation, morphing and the creation of false profiles. In 2021, 52,974 events were recorded, and data showed that 10,730 of the instances, or 20.2%, involved crimes against women. Following Maharashtra (1,697) and Uttar Pradesh (958) in terms of the number of incidents in 2021 was Karnataka(2,243)https://ncrb.gov.in/en

Laws for Protection from Cybercrime in India

India does not have an exclusive, unitary cybersecurity law, it uses the IT Act and multiple other sector-specific regulations to promote cybersecurity standards. It also provides a legal framework for critical information infrastructure in India.

The current legislations regarding cybersecurity used in India is as follows

1. **Information Technology Act, 2000**-The Indian cyber laws are governed by the Information Technology Act, penned down back in 2000. The IT Act of 2000 was enacted by the Parliament of India and administered by the <u>Indian Computer Emergency Response Team (CERT-In)</u> to guide Indian cybersecurity legislation, institute data protection policies, and govern cybercrime. It also protects e-governance, e-banking, e-commerce, and the private sector, among many others. The Information Technology Act of 2000 addresses matters pertaining to online crime and internet commerce.

The principal impetus of this Act is to offer reliable legal inclusiveness to eCommerce, facilitating registration of real-time records with the Government.

But with the cyber attackers getting sneakier, topped by the human tendency to misuse technology, a series of amendments followed.

The ITA, enacted by the Parliament of India, highlights the grievous punishments and penalties safeguarding the e-governance, e-banking, and e-commerce sectors. Now, the scope of ITA has been enhanced to encompass all the latest communication devices.

The IT Act is the salient one, guiding the entire Indian legislation to govern cybercrimes rigorously:

Section 43 - Applicable to people who damage the computer systems without permission from the owner. The owner can fully claim compensation for the entire damage in such cases.

Section 66 - Applicable in case a person is found to dishonestly or fraudulently committing any act referred to in section 43. The imprisonment term in such instances can mount up to three years or a fine of up to Rs. 5 lakh.

Section 66B - Incorporates the punishments for fraudulently receiving stolen communication devices or computers, which confirms a probable three years imprisonment. This term can also be topped by Rs. 1 lakh fine, depending upon the severity.

Section 66C - This section scrutinizes the identity thefts related to imposter digital signatures, hacking passwords, or other distinctive identification features. If proven guilty, imprisonment of three years might also be backed by Rs.1 lakh fine.

Section 66 D - This section was inserted on-demand, focusing on punishing cheaters doing impersonation using computer resources.

- 2. **Indian Penal Code (IPC,1980):** This cybercrime prevention act has primary relevance to cyber frauds concerning identity theft and other sensitive information theft.
- 3. Companies Act (2013): With the companies act enacted back in 2013, the legislature ensured that all the regulatory compliances are covered, including e-discovery, cyber forensics, and cybersecurity diligence. The Companies Act provides guidelines for the responsibilities of the company directors and leaders concerning confirming cybersecurity obligations.
- 4. **NIST Compliance:** The Cybersecurity Framework (NCFS), authorized by the National Institute of Standards and Technology (NIST), contains all the guidelines, standards, and best practices necessary to responsibly address cybersecurity risks.
- 5. Information Technology (Amendment) Act 2008

The <u>Information Technology Amendment Act 2008</u> (IT Act 2008) was passed in October 2008 and came into effect the following year as a substantial addition to the IT Act of 2000. These amendments helped improve the original bill, which originally failed to pave the way for further IT-related development. It was hailed as an innovative and long-awaited step towards an improved cybersecurity framework in India.

IT Act 2008 added updated and redefined terms for current use, expanding the definition of cybercrime and the validation of <u>electronic signatures</u>. It also strongly encourages companies to implement better <u>data security practices</u> and makes them liable for <u>data breaches</u>.

The IT Act of 2008 applies to any individual, company, or organization (intermediaries) that uses computer resources, computer networks, or other information technology in India. It also includes service providers of web hosting, internet, network, and telecom. It also includes foreign

organizations that have a presence in India and businesses outside of the country that has operations in India.

Covering important information security practices for cybercrime and data protection with over nine chapters and 117 sections, the new Information Technology Amendment Act of 2008 includes the following responsibilities:

- Improving cybersecurity measures and forensics
- Requiring intermediaries and body corporates to report cybersecurity incidents to CERT-In
- Preventing unauthorized/unlawful use of a computer system
- Protecting private data and information from cyber terrorism, <u>DDoS</u> attacks, phishing, malware, and identity theft
- Legal recognition for cybersecurity of organizations
- Safeguarding e-payments and electronic transactions and monitoring and decryption of electronic records
- Establishing a legal framework for digital signatures
- Recognizing and regulating intermediaries

It's important to note that the biggest problem with the IT Act 2008 is in Subsection 69, which authorizes the Indian government to expeditiously intercept, monitor, decrypt, block, and remove data and content at its discretion, which can pose serious privacy concerns.

Violation of the IT Act may incur penalties ranging from \$1,250 to 3-year imprisonment, while penalties for more serious offenses and cybercrimes may reach imprisonment of up to 10 years.

6. Information Technology Rules, 2011

Under the IT Act, another important segment of the cybersecurity legislation is the <u>Information</u> <u>Technology</u> (Reasonable Security Practices and Procedures and Sensitive Personal Data or Information) Rules 2011 (Privacy Rules).

The most significant amendments include provisions for the regulation of intermediaries, updated penalties and violation fees for cybercrime, cheating, slander, and nonconsensual publishing of private images, as well as censoring/restriction of certain speech.

Both the Information Technology Act (ITA) and the IT Rules are important for governing how Indian entities and organizations process sensitive info, data protection, <u>data retention</u>, and collection of <u>personal data</u> and other <u>sensitive information</u>.

Other Indian sectors, like banking, insurance, telecom, and healthcare, also include data privacy provisions as part of their separate statutes.

7. Indian SPDI Rules, 2011 for Reasonable Security Practices

The <u>IS/ISO/IEC 27001</u> regulations are identified by the <u>Indian SPDI Rules</u>, 2011, as international standards. As such, Indian companies aren't obligated — but are highly advised — to implement these standards, which can help meet the "reasonable security practices" under Indian jurisdiction.

The rules can also give individuals the right to correct their information and impose restrictions on disclosure, data transfer, and security measures. They only apply to corporate entities, but they aren't responsible for the authenticity of sensitive personal data (SPD) like sexual orientation, medical records and history, biometric information, and passwords.

8. National Cyber Security Policy, 2013

In 2013, the Department of Electronics and Information Technology (DEIT) released the <u>National</u> <u>Cyber Security Policy 2013</u> as a security framework for public and private organizations to better protect themselves from <u>cyber attacks</u>.

The goal behind the National Cyber Security Policy is to create and develop more dynamic policies to improve the protection of India's cyber ecosystem. The policy aims to create a workforce of over 500,000 expert IT professionals over the following five years through skill development and training.

The NSCP's other goals include:

- Creating a resilient and safe cyberspace for individuals, organizations, and the government
- Monitoring, safeguarding cyber infrastructure and information, <u>reducing vulnerabilities</u>, and strengthening defenses against cyber attacks
- Creating frameworks, capabilities, and <u>vulnerability management</u> strategies for minimizing, faster prevention, or responding to cyber incidents and <u>cyber threats</u>
- Encourages organizations to develop cybersecurity policies that align with strategic goals,
 business workflows, and general best practices
- Simultaneously create institutional structures, people, processes, technology, and cooperation to minimize the damage caused by cybercrime

8. IT Rules, 2021

On February 25, 2021, the Ministry of Electronics and Information Technology introduced the Information Technology (Guidelines for Intermediaries and Digital Media Ethics Code) Rules, 2021 as a replacement for IT Rules, 2011. A little over a year later, on June 6, 2022, the newly updated draft amendments were published by the Indian MeitY (Ministry of Electronics and IT) to improve the IT Act to keep up with the challenges of the ever-changing digital landscape.

The new amendments aim to allow ordinary users of digital platforms to seek compensation for their grievances and demand accountability when their rights are infringed upon, as well as institute additional due diligence on organizations.

IT Rules, 2021 also distinguishes between smaller and more significant social media intermediaries based on user numbers and places a much heavier burden on larger social media intermediaries concerning personal data protection.

Additionally, there are changes to the privacy and transparency requirements of intermediaries, such as:

- Requiring intermediaries to inform users about rules and regulations, privacy policy, and terms and conditions for usage of its services
- Requiring intermediaries to designate a grievance officer that can address and resolve user complaints about violations of IT Rules, 2021

9. National Cyber Security Strategy 2020

The <u>National Cyber Security Strategy of 2020</u> was the long-awaited follow-up plan by the Indian government to further improve cybersecurity efforts. While the plan is still under development and pending review by the National Security Council Secretariat, the plan's main goal is to serve as the official guidance for stakeholders, policymakers, and corporate leaders to prevent cyber incidents, cyber terrorism, and espionage in cyberspace.

The strategy aims to improve cybersecurity audit quality so organizations can conduct better reviews of their cybersecurity architecture and knowledge. The hope is that, once the policy is implemented, cyber auditors will improve their security standards, ultimately encouraging organizations to step up their security programs.

10. KYC (Know Your Customer)

KYC (Know Your Customer) processes are standards and practices used worldwide and mandated by the RBI (Reserve Bank of India). KYC is the tracking and monitoring of customer data security for improved safeguarding against fraud and payment credential theft. It requires banks, insurance companies, and any other digital payment companies that carry out <u>financial transactions</u> to verify and identify all of their customers.

For proper KYC compliance and to meet financial regulatory requirements, businesses need to include the following cybersecurity steps:

• Having a knowledge-based questionnaire test for verifying customer identities

- Implementing pre-screening KYC verification methods like email verification, phone verification, Device ID intelligence, and reputational data, among others
- Using AI-based technology and machine learning for verifying documents and government-issued IDs
- Using biometrics like fingerprinting and facial recognition to verify a user's identity
- Maintaining a database of customers for verification purposes

11. Reserve Bank of India Act 2018

The <u>Reserve Bank of India</u> introduced the <u>RBI Act in 2018</u>, which details cybersecurity guidelines and frameworks for UCBs (urban co-operative banks) and payment operators.

The RBI Act of 2018 aims to:

- Create standards that equalize security frameworks of banks and payment operators according to how they adapt to new technologies and digitalization
- Mandate banks to create and present their <u>cyber crisis management plans</u>
- Mandate banks to implement corporate-approved (board-approved) <u>information security</u> <u>policies</u> which will successfully outline cybersecurity preparedness
- Require banks to implement mandatory breach notifications, in which UCBs must promptly detect and <u>report cybersecurity incidents</u> to RBI within 2-6 hours of discovery to better respond to the attacks
- Encourage banks to regularly schedule threat assessment audits
- Help banks implement their own email domains with <u>anti-phishing</u> and <u>anti-malware technology</u>, as well as enforce DMARC security controls

All Indian banks must follow these guidelines to standardize frameworks for payment processing cybersecurity and combat the ever-increasing business complications in a digital environment.

The RBI Act of 2018 imposes fines on banks and the financial sector in cases of non-compliance with their cybersecurity requirements. The penalties can be up to ₹10 lakh (₹1,000,000).

Cyber security regulating bodies in India

To enforce cybersecurity regulations, these are the main regulating bodies that ensure laws and standards are upheld by all Indian organizations.

Computer Emergency Response Team (CERT-In)

Made official in 2004, the <u>Computer Emergency Response Team (CERT-In)</u> is the national nodal agency for collecting, analyzing, forecasting, and disseminating non-critical cybersecurity incidents.

In addition to cybersecurity incident reporting and notifying, the CERT-In cybersecurity directive helps with issuing guidelines for Indian organizations guidelines as well, offering the best information security practices for managing and preventing cybersecurity incidents.

The Jurisdiction of Information Technology Rules, 2013 is responsible for mandating all Indian data centers, service providers, and their intermediates. All intermediates are required to report any cybersecurity incidents to CERT-In.

CERT-In Newest 6-Hour Data Breach Reporting Deadline

<u>The newest regulations by CERT-In</u> address cybersecurity reporting, mandating all Indian companies, service providers, intermediaries, data centers, and businesses to report identified cybersecurity incidents and data breaches within a 6-hour deadline.

National Critical Information Infrastructure Protection Center (NCIIPC)

The <u>National Critical Information Infrastructure Protection Center (NCIIPC)</u> was established on January 16, 2014, by the Indian government, under Section 70A of the IT Act, 2000 (amended 2008).

Based in New Delhi, the NCIIPC was appointed as the national nodal agency in terms of Critical Information Infrastructure Protection. Additionally, the NCIIPC is regarded as a unit of the National Technical Research Organization (NTRO) and therefore comes under the Prime Minister's Office (PMO).

The Indian Parliament divides cybersecurity into two segments: "Non-Critical Infrastructure (NCI)," which CERT-In is responsible for, and "Critical Information Infrastructure (CII)," which NCIIPIC is responsible for. CII is defined by the Indian Parliament as "facilities, systems or functions whose incapacity or destruction would cause a debilitating impact on national security, governance, economy and social well-being of a nation."

NCIIPC is required to monitor and report national-level threats to critical <u>information</u> <u>infrastructure</u>. The critical sectors include:

- Power and energy
- Banking, financial services, and insurance
- Telecommunication and information
- Transportation

- Government
- Strategic and public enterprises

NCIIPC successfully implemented several guidelines for policy guidance, knowledge sharing, and cybersecurity awareness for organizations to conduct preemptive measures of these important sectors, especially in power and energy. The guidelines represent the first means for regulating such sectors and requiring "mandatory compliance by all responsible entities."

Cyber Regulations Appellate Tribunal (CRAT)

Under the IT Act, 2000, Section 62, the Central Government of India created the <u>Cyber Regulations Appellate Tribunal (CRAT)</u> as a chief governing body and authority for fact-finding, receiving cyber evidence, and examining witnesses.

While CRAT doesn't have as much jurisdiction for cybersecurity notification as CERT-In, the government also serves to respond to and act on related cybersecurity incidents and breaches.

According to the Civil Court and Code of Civil Procedure, 1908, CRAT has the power to:

- Receive evidence on affidavits
- Ensure that all electronic and cyber evidence and records are presented for court
- Enforce, summon, and issue regular commissions for examining witnesses, documents, and people under oath
- Review final decisions of the court to resolve incidents and cases
- Approve, dismiss, or declare the defaulter's applications as ex-parte

Securities and Exchange Board (SEBI) of India

Established in 1988, the <u>SEBI (Securities and Exchange Board of India)</u> is the regulatory body for securities and <u>commodity markets</u> in India under the Ministry of Finance. It acts as an executive government entity with statutory powers thanks to the SEBI Act of January 1992. SEBI ensures that the needs of market intermediaries, investors, and issuers of securities are met, including safeguarding their data, customer data, and transactions.

As of April 2022, SEBI has six committee members that are required to oversee guidance for cybersecurity initiatives for the Indian market and advise SEBI to develop and maintain cybersecurity requirements following global industry standards.

Additionally, SEBI also communicates with other agencies like CERT-In, NCSC (National Cyber Coordination Center), DoT (Department of Telecommunications), and The Ministry of Electronics and Information Technology (MeitY).

SEBI implemented guidelines that apply to organizations within its scope — stock brokers, stock exchanges, AMCs (asset management companies), <u>mutual funds</u>, and depository participants, among others.

Penalties for SEBI non-compliance, for example, violating disclosure regulations, are mandated with a fine of ₹20,000 per day <u>until companies reach compliance</u>.

Insurance Regulatory and Development Authority (IRDAI)

The insurance sector of India is regulated by IRDAI, which issues information security guidelines for insurers and addresses the importance of maintaining data integrity and confidentiality.

With this new Information and Cyber Security for Insurers Guidelines, the IRDAI:

- Mandates insurance companies to have a <u>CISO</u> (chief information security officer)
- Puts together an information security committee
- Creates plans for managing cyber crises
- Creates and implements <u>cybersecurity assurance programs</u>
- Implements proper methods for protecting data
- Maintains risk identification and <u>risk mitigation processes</u>

The insurance sector of India mainly focuses on areas of higher risk, including ransomware attacks, transaction frauds, data leaks, and risks of violating intellectual property rights. According to a <u>report by Sophos</u>, 68% of Indian organizations were affected by ransomware and <u>resorted to paying ransom</u> to recover their data.

On October 9, 2022, IRDAI introduced <u>an improved cybersecurity framework</u> focused on the insurers' main security concerns. It aims to encourage insurance firms to establish and maintain a robust risk assessment plan, improve mitigation methods of <u>internal and external threats</u>, <u>prevent ransomware attacks</u> and other types of fraud, and implement a strong and robust business continuity.

Depending on the seriousness of the violation, insurers and businesses may be penalized upward of ₹1 lakh (₹100,000). If insurers fail to protect data they may be fined up to ₹5 crores per affected person. The IRDAI Guidelines for Information and Cyber Security for Insurers apply to all insurers regulated by Insurance Regulatory.

Telecom Regulatory Authority of India (TRAI) & Department of Telecommunications (DoT)

The <u>Telecom Regulatory Authority of India</u>, along with the DoT (Department of Telecommunication), have tightened regulations for user data privacy and how it's used.

TRAI is a regulatory body, and DoT is a separate executive department of the Ministry of Communications in India. Although TRAI has been granted more regulatory powers, both work together to govern and regulate telephone operators and service providers.

On June 16, 2018, TRAI released recommendations for telecom providers on "Privacy, Security and Ownership of the Data in the Telecom Sector." In the newest guidelines, TRAI addresses newer responsibilities governing consumer data because most digital transactions in India are done via cell phones.

TRAI addresses data protection with the following objectives:

- Define and understand the scope of "Personal data, Ownership, and Control of Data," namely, the data of users of the telecom service providers
- Understand and Identify the "Rights and Responsibilities of Data Controllers"
- Assess and identify the efficiency of how data is protected and which data protection measures are currently in place in the telecommunications sector
- Identify and address critical issues regarding data protection
- Collect and control user data of TISP (traffic information service providers) services

The DoT has collaborated with the Indian IT ministry to impose layered data consent rules that safeguard personal data processing. This gives users the freedom to decide whether or not they will consent to the usage of their personal data and the right to withdraw consent at any time.

The new rules state that organizations and companies will only have to collect the necessary user details and that the data may be retained only for as long as required. Additionally, Indian telecommunications service providers comply with common standards like <u>ISO 27000</u>, 3GPP and 3GPP2, and ISO/IEC 15408.

Rationale of the study

We reside in a digital era. Our work, personal lives, and financial situations have all started to converge in the realm of electronic media, mobile computing, and the internet. Unfortunately, this widespread occurrence leaves us more open than ever to fraudulent activity, privacy invasions, malicious attacks, and other bothersome things. That is why having a safe and well-organized digital world depends so heavily on cybersecurity. Cybersecurity protects us from hackers, online thieves, and other fraudsters

Objectives of the Study

1. To study about the awareness of cyber security among the students and among persons of working and non workingsector.

- 2. To find out the types of cybercrime experienced among the targeted population.
- 3. To bring awareness regarding the safeguard measures of cyber security.

Review of Literature

Chauhan et al., (2012) conducted a study on cybercrime awareness in Tricity, concluded that awareness may be raised by giving cybercrime the attention it deserves because it can be a useful tool for reducing or preventing cybercrimes. They also added that a safe, secure, and reliable computing environment must still be provided by both the government and internet users.

Mehta and Singh (2013) carried out a poll to determine how well-known cyber regulations are in Indian society. He observed that there is a large gap in awareness between male and female internet service consumers. In comparison to female users, male internet users are more informed about cyber regulations.

Aggarwal (2015)in his study discussed the types of cyber-crime and the cyber laws in India. In the present study it was found that the internet users are aware of cyber-crimes. But more awareness among the internet users are required to be created regarding cyber laws.

Hasan *et al.*, (2015) conducted a survey to analyze the cybercrime awareness in Malaysia and found that female students are more aware of cybercrime as compared to male students.

Narahari and Shah (2016)conducted a survey on 100 respondents to analyze whether respondents are aware of cyber-crimes. They found that the awarenessregarding cyber-crimes, cyber security is less and there is a need to increase awareness among them. Also, they suggested a conceptual model explaining how to uphold and implement the awareness programmes among internet users regarding cybercrimes.

According to the study conducted by Bhangla and Tuli (2021) the incidence of internet crimes against women has increased along with our growing reliance on it. This is mostly due to the fact that slightly more than half of online users are not fully knowledgeable about how online platforms operate, are uninformed of technical changes, and have only rudimentary training and education. To protect women and children who are harassed and exploited for voyeuristic pleasures, cybercrime has thus become a significant concern for law enforcement organizations around the world. Cyberstalking, cyberpornography, impersonation, and other online crimes frequently target women. To combat cybercrime and safeguard women from the exploitation of ruthless predators, India is one of the few nations to have passed the IT Act 2000.

Research Methods –

The present study was done by carrying out a survey. The study was based on primary data and the information for the present study was collected from 100 respondents which included 36 male and 64 female respondents. The respondents under study included students, home makers, professionals, businessmen and retired persons. The age range of the respondents was between 16 to 75 years.

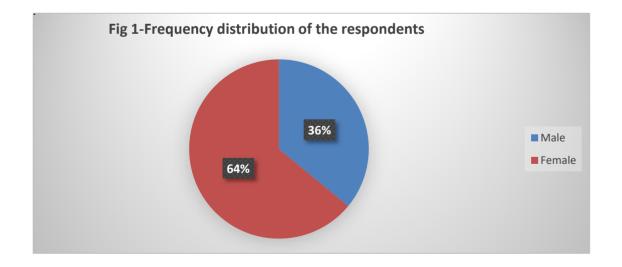
Data for the present study was collected through self structured schedule, google forms and by interview. The schedule was mailed to the respondents and google forms were circulated amongs the respondents under study. The respondents included both male amd females. The data was collected by purposive sampling method. Opinion and views regarding cyber frauds experienced by the respondents were collected through the questionnaire method. The investigator after building an understanding with the respondents described the purpose, importance and significance of the study. The questionnaire was filled through google forms and interview schedule. A few case studies were also done to understand how people become victims of cyber frauds.

Variables included awareness of cyber security and types of cyber fraud.

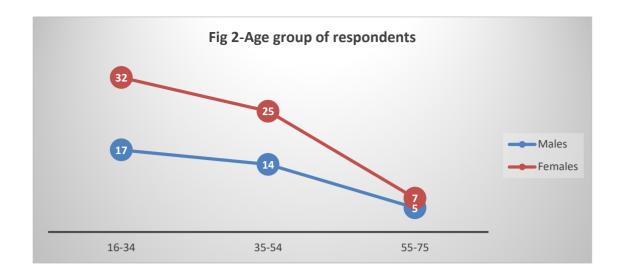
Analysis of results were done by using descriptive statistics.

Results

The results of the present study is discussed in this section.



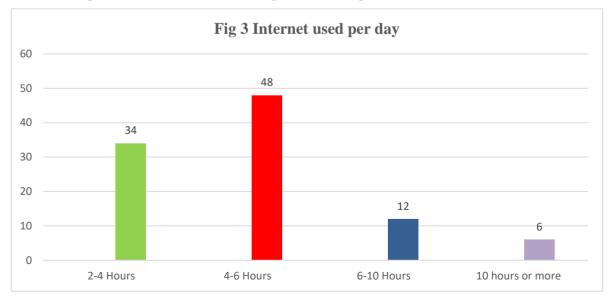
A total of 100 respondents participated in the study. Among which 34% were males and 64% were females. The respondents included students(59%), professionals(18%), business men(12%), home makers(5%) and retired persons(6%).



The respondents included 17 males and 32 females in the age group of 16-34 years, 14 males and 25 females in 35-54 years age group and 5 males and 7 females among 55-75 years age group.Out of a total of 100 respondents, 36 were males and 64 were females.

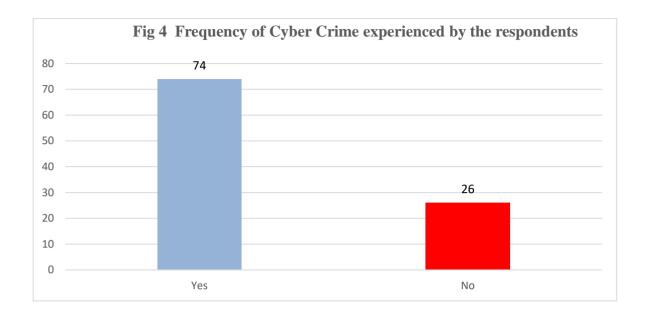
Table 1 Internet Accessed by the respondents		
S.N.	Type of connectivity Service	No. of
		Subjects
1	Private Wi-Fi (e.g. in your home), Mobile/cellular phone network (e.g. 3G/4G)	42
2	Private Wi-Fi (e.g. in your institution or at work place	41
3	Public Wi- Fi(e. g. at coffee shop or public places	12
4	Not Answered	6

The above table shows that 42 respondents used private wi fi at home, 41 respondents used private wi fi at work place and institution and 12 respondents used public wi fi as well.

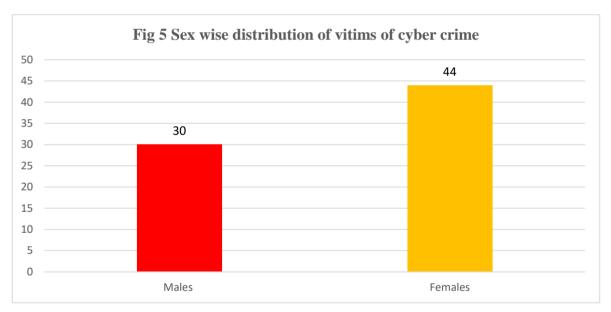


Among the respondents under study 48% used internet for 4-6 hours daily,34% used internet for 2-4 hours per day, while 12% respondents used internet for 6-10 hours per day. The minimum use of

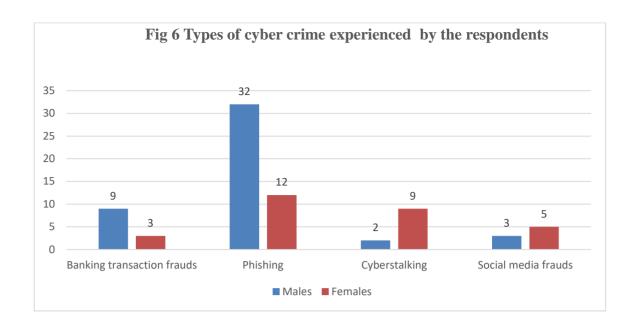
internet was found to be for 10 hours or more among 6% respondents.



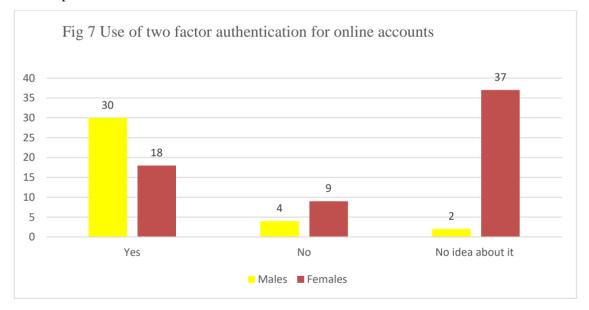
Among the respondents under study 74% experienced some or other kind of cybercrime which included phishing, banking transaction fraud, social media fraud, cyber stalking etc.



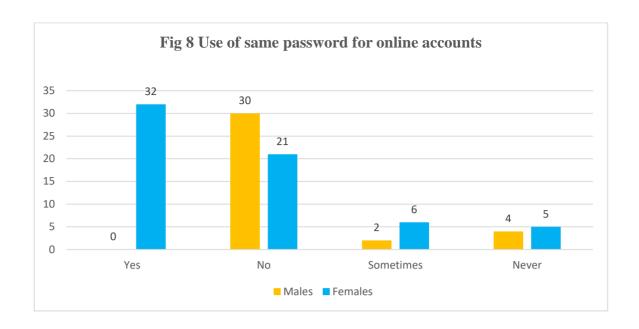
Out of the 74 respondents who experienced some or other kind of cybercrime 30 % were male while 44 % were females. It can be said that in the present study highernumber of females became victims of cybercrime than men.



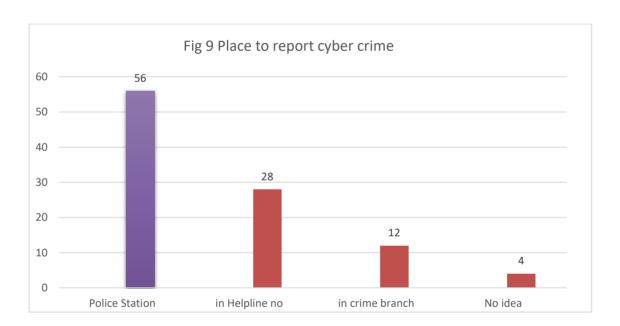
A total of 44 respondents of the study experienced phishing, 12 respondents experienced banking transaction frauds, 11 had cyber stalking and 7 respondents experienced social media frauds. Males experienced highest percentage of banking transaction frauds (9%) and phishing(325) as compared to females while females experienced more cyber stalking(9%) and social media frauds(5%) than male respondents



30% of male and 18% of female respondents used two factor authentication for online accounts. So it can be said that male respondents were more aware about it where as 37% female respondents had no idea about it. 45 of male respondents and 9% female respondents did not used the two factor authentication.



Not a single male respondent was found to use the same password for online accounts while 32% female respondents were found to use the same password for online accounts. 30% of male respondents and 21% of female respondents did not used same pass word for online accounts.



The results of the present study indicated that awareness for cyber security among the respondents was less. Therefore for increasing the awareness for cyber security a workshop was organized were the cyber security officers taught the safe guard measures that the internet users should follow to avoid being the victims of any kind of cyber crime. They taught how unknowingly one can get trapped by the cyber frauds. The help line numbers to report cybercrime were shared with all the participants.

CASE STUDIES

Case #1

I am a retired Professor. I was a victim of banking fraud. I had received a call on my cell phone stating that the person is calling from SBI, RSU branch. He gave all the details of my account which I had in the same branch. He even shared the debit card details. I somehowbelieved and thought that the person calling was genuine and shared anotp with him and in next ten minutes I lost a big amount of money from my account. Realizing about the fraud I blocked my bank account and rushed to the nearest police station to lodge a complaint. I did all the formalities of reporting but ultimately my money was not recovered. Around the same time three of my colleagues also became victim of similar banking frauds and lost their money which was not recovered.

Case # 2

I am a surgeon. I had been practicing since last 32 years. I don't get much time to surf my social network accounts. But I do have some account in face book, Instagram etc. Two years back my Facebook account was hacked and the hacker contacted my friends and told them that I was going through some financial crisis and asked for financial help. Some of my friends transferred money thinking that they were helping me. One of my friends called me to ask about the crisis only then I realized about the forgery. I informed every body about my social media account hacking and about the whole incidence. No money could be recovered even after reporting in the cyber security crime branch.

Case # 3

I am Suman. I am 23 years of age. One of my classmates offends me by texting vulgar messages on my cell phone. I warned him and asked him stop texting. I blocked his number thinking that it would end the trouble. But I was surprised to receive the vulgar messages from him despite blocking his number his was because I was in a common group of WhatsApp of our class. Finally I reported in the helpline no and got rid of him.

Case#4

I am a businessman. We have our website where we update our products along with price. One fine day I received call from a customer for the delay in the delivery of the goods that he had booked. Our services are good and generally there is no delay in the delivery of goods once wehad received the payment. After checking I found that the customer had not paid for the goods he was claiming. I received two more enquiries around that period. The customers showed that they had paid foor the products in the no provided to them. On checking I found that the no in which they had made the payments were not the no of the shop. That no was of a unknown person who was doing the fraud and receiving payments . the fraudant had copied our website and changed the contact number and was receiving payments for the bookings. The case was immediately reported to the cybercrime section and further fraud bookings were stopped.

CONCLUSION

Corporate networking, e-banking, and the internet are growing as ways to save expenses and convert complex economic issues into easier, faster, more efficient, and timesaving means of transactions. With the introduction of these facilities, cybercrimeshave increased. Many criminals, including hackers and crackers, have figured out how to tamper with internet accounts and have been successful in gaining unauthorized access to users' computers and stealing crucial data.

Even though a society free of crime is just a pipe dream, continual efforts should be made to enact rules that keep it to a minimum. Legislators must take extraordinary steps to stop impostors since electronic crime will certainly rise, especially in a culture where technology is used more and more. Technology frequently has two distinct uses and can be applied for both good and harm.

Legislation have been enacted by the legal system to address cybercrime against women. Legislators and administrators should work tirelessly to ensure that technology developments are used for moral and lawful economic growth rather than illegal operations. To avoid being a victim of any kind of cybercrime we should follow some safeguards. We should take the following measures to protect oneself from cybercrime.

Important safeguards and recommendations to protect one self against cybercrime

- Use a full-service internet security suite.
- Use strong passwords.
- Enable two factor authentication for online accounts.
- Download only from authentic sources.
- Keep your software updated.

- Manage your social media settings.
- Strengthen your home network.
- Talk to your children about the internet.
- Keep up to date on major security breaches.
- Increase our awareness about cyber security.
- Do not click on links of emails from unknown persons.

REFERENCE

Aggarwal, G.,(2015). General Awareness on Cyber Crime. *International Journal of Advanced Research in Computer Science and Software Engineering*. Vol 5(8)

Aparna and Chauhan, M., (2012). Preventing Cyber Crime: A Study Regarding Awareness of Cyber Crime in Tricity. *International Journal of Enterprise Computing and Business Systems*, January, Vol 2(1)

Bhangla, A.,and Tuli, J., (2021). A Study on Cyber Crime and its Legal Framework in India, *International Journal of Law Management & Humanities*, Vol 4(2)Page 493 - 504 (2021), DOI: http://doi.one/10.1732/IJLMH.26089

Broadhurst, R., & Grabosky, P. (2005). *Cyber-crime: The challenge in Asia* (Vol. 1). Hong Kong University Press.

Chanuvai, N. A., and Shah, B., (2016). Cyber Crime and Security – A Study on Awareness among Young Netizens of Anand. *International Journal of Advance Research and Innovative Ideas in Education*. Vol2(1).

https://cybersecurityventures.com/cybercrime-damages-6-trillion-by-2021/

https://www.ibm.com > reports > data-breach

https://ncrb.gov.in/en)

 $\underline{https://www.bloomberg.com/news/articles/2021-05-22/cyber-attack-on-air-india-led-to-data-leak-of-4-5-million-fliers}$

Hasan *et al.*, (2015). Perception and Awareness of Young Internet Users towards Cybercrime: Evidence from Malaysia. *Journal of Social Sciences*, Vol. 11 (4): 395.404 Mehta, S., and Singh, V., (2013). A Study of Awareness about Cyber laws in the Indian Society. *International Journal of Computing and Business Research*, January, Vol.4(1)

क्ट्रिपत्रिका

IDKIP

बताया कराते और सेल्फ डिफेंस में अंतर

सर्पात विकास ने असर सकते पत्र में में किसने हर विवास को वेवियम कमा होता है। बारी संस्था किस कुट को संस्थी के लिए होता है। कर नरपरे के लिए मी बुध को सुरेश कर सकते हैं। विकास खुकर कम लोगों में बहु पान होता है। अब कम में अल्प-असर राज्यों में किया के की होता कर का राज्यों में किया के की हों। सर्वा पान होता है। अब कम में अल्प-असर राज्यों में किया के की है।

क्ट्रीप 🌆

raipur, wednesday 01/03/2023

पत्रिका इंटरव्यू: रायपुर पहुंची कराते चैंपियन मना मंडलेकर ने कहा...

घर और बाहर वालों से खूब लड़ी और बनी चैंपियन, अब वही देते हैं मिसाल

सेल्फ डिफेस के लिए जागरूक होने के साथ

पविका Plus रिपोर्टर

जिंदा रहने के लिए भी

परमिशन लेनी पड़ रही थी मध्यप्रदेश के तरवा जिले के आलम्पुर गांव की रतने वाली मना ने बताया कि जब वॉ 9 वॉ

कराते सीखने के बाद एक लड़के की जमकर धुनाई की

बदलनी होगी समाज की सोच

खें कर वागान में वैस्ते हम क्यान में कामना ता सकते हैं है हिस्ते हैं प्रस्त ने 2017 में हिम है पूर्व है है हमार है हमके हैं प्रस्त ने 2017 में हमार प्रस्ता मोकान गाव की हिम्म का मानिक गांवा की हम्हणात की हमार के कार्याप हम अप्रदेशों की अध्ययका का प्रक्रिका ने हैं हमार है। अप 15 जिसमें की अध्ययका का प्रक्रिका ने हैं उस्ती

2013 में कॉलेन में माजिल जिपन से कराते से परिचय हुआ। पोजान 15 किसी मिटर का मास्त्र तम कर बॉलेन पहुंचना पहला मा। इस कीरन वर्ष कर मेहफाइन की कारण भी हुई एक साम बात जब कारते सिंक मा ती होक्राइट फरने करों हुएके की अमारा पूर्वा मेंदी पाने से बीचिंग्य हैं किए साम करा जब कारते सिंक मा ती मुक्ता नहीं के बीच और इंटरनेक्टाल फीटन पैडलिंग्ट कराते में मियनविंग का बिलाय हासिल किया।



GGGGCC Rajdhani - 02 Mar 2023 - 02raj3 epaper.navabharat.news



रविवि में लड़िकयों ने सीखी आत्मरक्षा की तकनीक

रायपुर। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला एवं महिला अध्ययन केंद्र द्वारा दो दिवसीय आत्मरक्षा ट्रेनिंग शिविर आयोजित किया गया। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित इस कार्यक्रम में लड़कियों को आत्मरक्षा की तकनीक से अवगत कराया गया। इसके अलग-अलग सत्रों में प्रो. राजीव चौधरी अधिष्ठाता छात्र कल्याण विभाग और श्रीमती माना मांडलेकर कराते विशेषज्ञ ने कलाई से पकड़ना और अन्य तकनीक से अवगत कराया।

बालिकाओं ने सेल्फ डिफेंस की दाइची टेक्नीक जानी

02/03/2023



रायपर @पत्रिका. रविशंकर शवल विश्वविद्यालय में रोल्फ डिफेंस की दो दिवसीय कार्यशाला का मंगलवार को समापन हुआ शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला एवं महिला अध्ययन केंद्र की और से आयोजित शिविर में बालिकाओं ने आत्मरक्षा के गुर सीखे। इंटरनेशनल कराते गोल्ड मेडलिस्ट मना मांडलेकर ने दाइची टेक्नीक , रिस्ट होल्डिंग आदि बताकर उनका अभ्यास कराया। बेक होल्डिंग टेक्निक, डबल रिस्ट होल्डिंग के साथ व्यक्ति के शरीर के कमजोर भाग पहचान कर प्रहार करने पर जोर दिया। उन्होंने स्वयं की सुरक्षा व मजबूती का ख्याल रखने की बात कही। प्रोफेसर राजीव चौथरी ने सेल्फ डिफेंस के अलग-अलग स्टेप्स बताए। कार्यक्रम में विभागाध्यक्ष प्रो. सी.डी. अगासे, प्रो. रीता वेणुगोपाल, आर. के. मिश्रा मौजूद रहे। कार्यशाला में स्कूल, कालेज एवं विश्वद्यालय के 70 से अधिक महिला एवं छात्राएं शामिल हुए।

विभिन्न क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का सम्मान



@पत्रिका. रविवि में रायपुर डिजिटल : लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। महिला अध्ययन केंद्र की प्रो. रीता वेणुगोपाल ने उदाहरणों से यह बताया कि आज प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं अपनी विशेषज्ञता से आगे आ रही हैं, उन्होंने न केवल महिलाओं की बात कही

बल्कि समाज के उत्थान के लिए लिंगभेद को छोड़ महिला और पुरुष की समानता पर जोर दिया। कार्यक्रम में खेल, संस्कृति और शैक्षणिक क्षेत्र में उत्कष्टप्रदर्शन करने वाले 24 छात्राओं को सम्मानित किया गया। कम्प्यूटर शिक्षा में योगदान देने वाले को डिजिटल वमन के रूप में सम्मानित किया गया।

Date: 04/03/2023, Edition: Raipur City, Page: 19 Source: https://epaper.patrika.com/



Rajdhani - 15 Sep 2022 - 15raj3a

सशक्त भारत की नींव है सुपोषित महिलाः रेखा शर्मा

सपोषित महिला सशक्त समाज विषय पर पोषण माह में कार्यशाला

रायपुर। राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली की राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती रेखा शर्मा ने कहा कि सुपोषित महिला ही सशक्त समाज की नींब होती है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसे करने का संकल्प लिया है। हमें उनके इस स्वप्न को साकार कर दिखाना है।

श्रीमती शर्मा बुधवार को यहां एक कार्यशाला को संबोधित कर रहीं थीं। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के फार्मेसी संस्थान स्थित एम.एल. सर्राफ सेमिनार हॉल में 'सुपोषित महिला सशक्त समाज' विषय पर यह कार्यशाला केंद्र सरकार द्वारा 1 से 30 सितंबर तक घोषित राष्ट्रीय पोषण माह की कड़ी में आयोजित थी। श्रीमती शर्मा ने कहा कि आज हम भुखमरी की नहीं पोषक आहार के स्तर और उसकी उचित मात्रा की बात करने जा रहे हैं। आहार के पोषक तत्वों की महत्ता अब हमारे सोच में शामिल हो चुकी है, यह एक बहुत बड़ा बदलाव है। सुपोषित महिला ही स्वस्थ शिशु को जन्म देगी। अध्यक्षता पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. केशरीलाल वर्मा ने की।



सही पोषण, देश रोशनः हर्षिता पाण्डेय

बतौर विशेष अतिथि छत्तीसगढ महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष हर्षिता पाण्डेय ने इस मौके पर 'सही पोषण-देश रोशन' का नारा लगवाते हुए पोषण कार्यक्रम को राष्ट्रीय पोषण अभियान के रूप में संचालित करने एनजीओ, महिला स्व-सहायता समूहों, आंगनबाड़ी केंद्रों और विद्यार्थियों से पुरजोर योगदान देने का आह्वान किया।

उन्होंने आयोजन की सराहना कर भविष्य में भी महिला आयोग और पोषण अभियान समिति जैसी संस्थाओं के सहयोग से बालिकाओं के पोषण व स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम संचालित करने की बात कही। साथ ही इस दिशा में विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों व एनएसएस के जरिए किए जा रहे कार्यों के बारे में बताया।

टावमारत

Rajdhani - 15 Nov 2022 - 15raj04



रविवि में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ

रायपुर। रविवि में महिला अध्ययन केंद्र और शारीरिक शिक्षा अध्ययनशाला द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में जैव मनोवैज्ञानिक - सामाजिक मुद्दे खिलाड़ी महिलाओं पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। सोमवार को इसका उद्घाटन राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. किरणमयी नायक ने किया। प्रो. रीता वेणुगोपाल, निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र ने उद्घाटन भाषण दिया।

One Day workshop on Gender Sensitization



One Day Workshop on Stimulating Social Responsibility Through Community Engagement in Higher Education

29th April, 2023

Background

A one day workshop was organized by Centre for Woman Studies, Pt. Ravishankar Shukla University on, "Stimulating social responsibility through community engagement in higher education".

Engaged Learning is a type of education that put classroom skills and knowledge into practice while serving your community. Engaged learning extends education outside of the formal classroom through research, internships, experiential learning, and communitybased learning. To better understand the potential of engaged learning in improving student learning outcomes and encouraging students to pursue community research, a one day work shop was organized to develop the understanding of a community-based research.

Objectives of Workshop

- 1. Disseminate the findings of BKC project.
- 2. To develop understanding of CBPR methods.
- 3. Improving student learning outcomes through community research.

Workshop Session Outcomes of the workshop

Prof. Priyamvada Srivastava, Associate Director, CWS gave the opening remarks. She encouraged the participants for doing community research for bringing a positive change in the society. She briefed the activities of Sangawari hub for "Bridging Knowledge Culture". She highlighted about the various workshops and

conferences organized by the department and about the projects done through out the year.

The first speaker of the workshop was Prof. B. Hasan, Director, Regional Studies, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. He addressed the participants and talked about the steps and methods of community based participatory research. The speaker emphasized that a research planning is very important before we start any community research. For good research it is very important to design a research tool in context of the community. Experienced persons of the community should be involved while making the tools for research for better adaptability in terms of local language and customs. He explained that in social science research developing a research question, often based on a topic of interest or community issue. The next phase involves developing a conceptual or working definition, which is a broad notion that transforms the topic of the study into a concept that is more data focused. The participants were given hands on training of preparing schedule for collecting the research data. They were also trained about the various CBPR methods of data collection such as art based methods, focused group discussion, story telling etc to generate relevant informations for conducting a community research.

Outcomes of the workshop

In this workshop in the first half the participants learnt about –

- The participants gained knowledge about the importance of community research and howto connect the community knowledge with the academia.
- Key steps of Community Based participatory research discussed were-Community Entry

- o Identification of the issue
- Participants recruitment and retention
 - Research design
 - Data Collection
 - Data Analysis and Reporting
 - Dissemination of Result

Participants gained knowledge about the research tools. In this the participant were trained to frame the questions for data collection. The participants were allotted time and were asked to form a questionnaire as per their research topic. They learnt to frame dichotomous questions, openended questions, multiple choice questions, rank order questions and rating scale questions

Participants learnt about the process of asset mapping that includes identifying the institutions, individuals, and citizen associations existing within communities that serve as positive resources. Approaching individuals and communities from an asset-based mentality empowers them to recognize their own strengths and capacities.

Research methods adopted in Community based participatory research such as interview, focus group dissection, art based methods, participatory research etc. were discussed in details.

Workshop increased participants knowledge about the CBPR methods.

The second speaker was Dr. Anuradha Chakraborty, Guest Faculty, CWS,Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur. She addressed the participants and the community members and shared the results of the project completed for Bridging knowledge culture for knowledge for change(K4C) entitled ,"Study of Maternal Health Care: ACommunity Perspective".

The purpose of the study was explained. The various steps and methods adopted for conducting the studywas discussed. For conducting the study community entry was done through the programmes of NSS which was going on in the villages. The community appraisal projects conducted under NSS facilitated academia to be a part of the community and to bridge the gap between the academia and community knowledge. The research team collected relevant information about the community practices regarding maternal health care. Various Government schemes for maternal health care are being carried out for safe motherhood. The schemes are being adopted by the community due to the awareness created among them by the health care workers. The community people have their traditional methods and practices of maternal health care.

Further it was elaborated how maternal health is beingpreserved in rural Chhattisgarh communities through a variety of rituals and cultural standards, like food, hygiene, and daily routines that the mother is expected to adhere to both throughout pregnancy and after giving birth. The foods that are prepared and consumed contain dietary information from the community.

Community under study have preference and avoidance of certain food items during pregnancy and post delivery periodthat are strictly followed by the community members. The community under study followed the concept of cold

food and hot foodfor maternal health care. Some of the food preference practices were in concordance with the ayurvedic principles while some were contrasting, which might be a possible reason of micronutrient deficit among them. Theinformations collected by the study was shared with the participants of the workshop and with the community members.

It was further explained that in the rural communities of Chhattisgarh ,pregnancy is not seen as a special period in a woman's life. It is thought of as an everyday part of existence. Women continue to perform manual labour in the home and in the fields. Being physically active throughout pregnancy is thought to facilitate a quick and easy birth the community people prefer to eat less during pregnancy as they believe that eating full belly during this period will result in larged sized foetus which will result in c-section delivery rather than a normal delivery.

During pregnancy period women eat locally available food such as seasonal fruits, vegetables, rice, curd and various kinds of decoctions made with regional medicinal plants as per theirs elders' recommendations. Considering that green leafy vegetables constitute a staple food of their traditional diet and are high in iron, they believe this to be adequate. They refrain from consuming extra IFA supplements.

It was emphasized that regular communication and interaction can promote the importance of taking supplements, ANC check-ups, especially in light of the anaemia among women and children, and eradicating misconceptions about caesarean deliveries. This type of study can empower communities by sharing knowledge back with them and creating awareness of existing government schemes and programmes. The community's knowledge of maternal health care can be expanded by regular involvement between the community's universities and health professionals. Knowledge is ultimately bridged via relationships. The

fundamental process of knowledge development is socialisation. People's interactions provide communities with a platform on which to share and develop new knowledge.

In the second half of the work shop the participants learn about-

- This workshop provided a learning platform where the participants gained knowledge about the essential steps required for planning and conducting a community research.
- The workshop enhanced the participants understanding about the community engagement in higher education and its impact on social responsibility.
- Steps of community entry.
- Identification of the issue.
- Approaching the research partners.
- Various methods employed in community research.
- Workshop served as a platform for knowledge exchange and learning from peers encouraging the participants to explore innovative approaches in community research.

Knowledge gained by the various workshops are utilized in planning and conducting project that aim for community benefit. A project on rag pickers entitled, "Garbage pickers attitude & problems: A CBPR approach" was conducted . The project team along with Dr. AnikshaVaroda visited the various slum areas of Raipur . The team initiated a programmeto spread public awareness about inequities that girls face in Indian society.

Waste picking is informal occupation rank lowest in the hierarchy of urban India, and they struggle to lead healthy and productive lives. Many waste pickers endure a difficult everyday reality, including regular harassment extortion and many more

problems. Many waste pickers, who serve an important societal function, face problems in their attitude, lack of self-esteem and social dignity. There is a need to shift the way of waste pickers are looked upon, and how they themselves think about their work. The goal of this study is to look at the Garbage Pickers attitude & their problems they face in daily lifestyle.

Our research team interviewed 40 waste pickers in slum areas of Raipur.It was observed that waste picking was mostly done by younger people and the whole family was involved in this work. Around 88% of the respondents were aged between 6 and 45 years. The collection of recyclable materials and items was mostly done by young children, while the sorting was mostly done by women.

The majority of garbage pickers worked seven days a week. Most of them had experienced illnesses or injuries. Body pain, bruises, and fatigue were the most frequently mentioned conditions. Most waste pickers had bruises or scars on their hands, arms, and feet, mainly from cuts or piercings during sorting. When asked about their subjective feelings, the research team found that the waste pickers choose this work due to extreme poverty in which they lived in. Many used the money earned by garbage picking in alcohol and drugsconsumption. Most said they were distressed by their work as they experienced discrimination, prejudice, and social rejection.

In all the workshop provided a platform to gain knowledge about the essential steps required to be considered for planning and conducting a community based participatory research.









One Day Program on Alternative Therapy in day to Day Life on 30th May, 2023

महिला अध्ययन केंद्र द्वारा योगा एंड वैलनेस विषय जिसमें स्वास्थ्य से संबंधित समस्या जैसे मोटापा, हृदय रोग, ब्लड प्रेशर, जोड़ों का दर्द, कमर दर्द, अस्थमा जैसी समस्याओं के निदान पर चर्चा की जाएगी। दिनांक 30 मई 2023 को सेमिनार हॉल कला भवन मे आयोजित है ।





ONE DAY PROGRAM ON ALTERNATIVE THERAPY IN DAY TO DAY LIFE

DATE - 30TH MAY 2023
TIME - 4.00 PM
VENUE: SEMINAR HALL, ARTS BLOCK, PT RAVISHANKAR SHUKLA
UNIVERSITY, RAIPUR (C.G.)



ORGANIZED BY

CENTRE FOR WOMEN'S STUDIES
PT. RAVISHANKAR SHUKLA UNIVERSITY, RAIPUR, CHHATTISGARH









NATIONAL UNITY DAY QUIZ COMPETITION

To commemorate Sardar Vallabhbhai Patel's birthday; National Unity Day was organized at Institute of Renewable Energy Technology and Management on 31st Oct. 2022 under the Azaadi ka Amrit Mahotsav. Under this program, a quiz competition related to Ekta Diwas was organized between 3 to 4 pm, in which total of 60 students from different UTD's of the university participated.













ENERGY LITERACY TRAINING PROGRAM

आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला, क्रेडा, रायपुर तथा एनर्जी स्वराज फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वाधान में आज दिनाँक 26/11/2022 को एक दिवसीय Energy Literacy Training कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती के पूजन से किया गया जिसके पश्चात मुख्य अतिथियो का स्वागत एवं संबोधन विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स तथा समन्वयक, अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान रायपुर, डॉ कविता ठाकुर के द्वारा किया गया उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में समस्त विद्यार्थियों एवं विभाग के शिक्षकों को अवगत कराया।

जिसके पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन, मुख्य अभियंता, क्रेडा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सौर ऊर्जा को अपने दैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके फायदों के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो केशरी लाल वर्मा, कुलपित पं. रिवशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने विशिष्ट अतिथि श्री संजीव जैन को इस कार्यक्रम के द्वारा विद्यार्थियों को Energy Literate बनाने के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हुए इसे विश्वविद्यालय के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक हो सके और अक्षय ऊर्जा का उपयोग दैनिक जीवन में कर सके।

इसके पश्चात श्री संजीव जैन ने कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए डॉ.चेतन सिंह सोलंकी, प्रोफेसर आई आई टी मुंबई जिन्हें सोलर मेन ऑफ इंडिया भी कहा जाता है, के Energy Literacy Training के 12 modules द्वारा प्रतिभागियों को Energy Literate किया गया, जिसका उद्देश्य प्रत्येक व्यक्ति के ऊर्जा खपत के बारे में बताना एवं ऊर्जा संरक्षण कैसे किया जाए उन साधनों के बारे अवगत कराना था। साथ ही साथ उन्होंने ऊर्जा संरक्षण एवं अक्षय ऊर्जा उत्पादन तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने में क्रेडा की सहभागिता के बारे में बताया।

उदघाटन सत्र की उद्घोषिका डॉ बसुमती नाडिंग थी, इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग की शिक्षिका आयुषी सोनी ने धन्यवाद ज्ञापन किया। ट्रेनिंग सत्र के अंत में क्विज प्रतियोगिता का आयोजन हुआ जिसमे विश्वविद्यालय के विभिन्न अध्ययनशालाओं से करीब ७० से अधिक छात्र छात्राओं ने हिस्सा लिया। ट्रेनिंग सत्र के समापन पर अक्षय ऊर्जा विभाग के गजेंद्र सिंह राठौर ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उक्त कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स विभाग के सुनंदन मंडल, सोनू कुमार सिंह, शालिनी वर्मा तथा अक्षय ऊर्जा विभाग के अंकुर श्रीवास्तव, कुसुम सोनकर एवं लितका सिंह सिंहत दोनों अध्ययनशालाओं के समस्त विद्यार्थी मौजूद थे।















150 कॉलेज में होगी एनर्जी लिट्रेसी ट्रेनिंग

रायपुर @ पत्रिका . आजादी के अमृत महोत्सव पर में रविवि में एक दिवसीय एनर्जी लिट्रेसी टेनिंग का आयोजन किया गया। अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान, इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स अध्ययनशाला, क्रेडा, रायपुर और एनजीं स्वराज फाउंडेशन मुंबई के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम के चीफ गेस्ट कुलपति केएल वर्मा थे। उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य को देखते हुए इसे विवि के अंतर्गत 151 महाविद्यालयों में आयोजित करने का विचार व्यक्त किया जिससे ज्यादा से ज्यादा लोग जागरूक होकर अक्षय ऊर्जा का उपयोग दैनिक जीवन में कर सकें। विशिष्ट अतिथि अभियंता क्रेडा के चीफ



इंजीनियर संजीव जैन मुख्य ने सौर ऊर्जा को अपने वैनिक जीवन में उपयोग करने के लिए प्रेरित किया और उसके फायदे गिनाए। सोलरमैन ऑफ इंडिया के टाइटल सें चर्चित आईआईटी मुंबई

के प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी ने एनर्जी लिट्रेसी ट्रेनिंग के 12 मॉड्यूल ऊर्जा की जानकारी दी। इसमें प्रति व्यकित ऊर्जा खपत, ऊर्जा संरक्षण के साधनों के बारे में बताया गया।



THEMATIC LECTURE ON CURRENT ENERGY SCENARIO AT CHHATTISGARH AND CAREER OPPORTUNITIES IN SOLAR FOR GRADUATES

पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान में दिनाँक 08/12/2022 को सौरयांश सोलर प्रा लि के निदेशक श्री पंकज गाँधी का व्याख्यान तथा Placement Camp का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ, मुख्य अतिथियों का स्वागत एवं संबोधन विभागाध्यक्ष इलेक्ट्रानिक्स एवं फोटोनिक्स तथा समन्वयक, अक्षय ऊर्जा प्रोद्यौगिकी एवं प्रबंधन संस्थान रायपुर, डॉ कविता ठाकुर के द्वारा किया गया उन्होंने कार्यक्रम के उद्देश्य के बारे में समस्त विद्यार्थियों एवं विभाग के शिक्षकों को अवगत कराया। जिसके पश्चात कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि श्री पंकज गाँधी, निदेशक सौरयांश सोलर प्रा लि, ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सौर ऊर्जा के छेत्र में आने वाले सालो में जॉब अवसर के बारे में जानकारी दी एवं संस्थान में चल रहे कौशल विकास आधारित बी वॉक पाठ्यक्रम कोर्स की सराहना की, कौशल विकास आधारित शिक्षा पद्धित को प्रेरित किया और उसके फायदों के बारे में विद्यार्थियों को बताया।

इसके पश्चात Placement Camp के तहत Interview की प्रक्रिया शुरू हुई जिसमें छठवें सेमेस्टर के कुल 12 विद्यार्थियों ने एवं विगत वर्ष से एक छात्रा ने भाग लिया और उनमें से 3 विद्यार्थियों का चयन हुआ जिसके अंतर्गत उन्हें सौरयांश सोलर प्रा लि में नौकरी का अवसर मिला है।











INDUSTRIAL VISIT TO CSEB 132 KV GIS SUBSTATION AT RAWANBHATA BHATGAON CHOWK, RAIPUR

With an aim to provide live experience about established Electrical Transmission Substation, an Industrial/Site Visit was scheduled on 25^{th} of February. Total 16 students along with 4 faculties have been to visit. It started by 11:00 AM and reached department by 04:00 PM.













AWARENESS PROGRAMME ON EFFICIENT UTILIZATION OF PLASTICS

The adverse impacts of littered single use plastic items plastic on both terrestrial and aquatic ecosystems, including in marine environment are globally recognized. Addressing pollution due to single use plastic items has become an important environmental challenge confronting all countries but at the same time Plastic has become a constant element in our lives. Its omnipresence is such that many would find the mere fact of giving it up a difficult task. Reducing the consumption of plastics therefore requires not only a change in habits, but also a change of mindset and hence in the context Institute of Renewable Energy Technology & Management, Pt. Ravishankar shukla has organized awareness programme for efficient usage of Plastics in association with CIPET, Raipur on 08th April 2023.

Dr. Aparna Yadu & Dr. Rajshree Vijayvargiya lead the session and described about how recycling of plastics can help us develop new product. Plastic has huge contribution in Building construction material and also a proven technology in Road construction.

Giving a brief about Plastics, Dr. Vijayvargiya informed us that, Now Government has made it mandatory for all road developers in the country to use waste plastic, along with bituminous mixes, for road construction. This is to help overcome the growing problem of plastic waste disposal in India. The technology for this was developed by the 'Plastic Man' of India, Prof Rajagopalan Vasudevan, Professor of Chemistry at Thiagarajar College of Engineering, Madurai. Dr. Yadu focused on the Industrial and academic facilities available at CIPET, Raipur.





Addressing to students Prof. Kavita Thakur said, "Plastic has slowly became an integral part of all human requirements. Plastic carry bags, packaging material, bottles, cups, and various other items have slowly replaced everything made of other material due to the advantages of plastic. Plastic is durable, easy to produce, lightweight, unbreakable, odourless, and chemical resistant but at the same time plastic does not decompose. This is its biggest drawback."







INDUSTRIAL VISIT TO PLASTIC MOULDING & FABRICATION FACILTY AT CIPET RAIPUR

On 11th April 2023 an Industrial/Site Visit was scheduled by department to Plastic Moulding & Fabrication facility at CIPET Raipur, The Plastics processing department of the centre is well equipped with both the conventional processing machines as well as modern microprocessor controlled processing machines. Students have seen working of Automatic Injection Moulding Machine, Automatic Blow Moulding Machine, Hydraulic Compression Moulding Press, Microprocessor Controlled Automatic Injection Moulding Machine and various other plastic moulding machines. The visit was informative and exciting for students. Total 16 students of B.Voc. Sem-II & IV participated in the visit. Mr. Ankur Shrivastava & Ms. Kusum Sonkar guest faculties of Institute accompanied them during the visit.











03 DAYS WORKSHOP ON ADVANCEMENTS IN SOLAR PHOTOVOLTAIC TECHNOLOGIES

Rising concerns about climate change, the health effects of air pollution, energy security and energy access, along with volatile oil prices in recent decades, have led to the need to produce and use alternative, low-carbon technology options such as renewables. The evolution of the solar PV industry so far has been remarkable, with several milestones achieved in recent years in terms of installations (including off-grid), cost reductions and technological advancements, as well as establishment of key solar energy associations, this

Institute of Renewable Energy Technology & Management & S.O.S. in Electronics & Photonics in association with Public Outreach Centre Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur Cordially invites you for the Inaugural Ceremony of 03 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies Speakers Mr. Rajib Das Mr. Amitesh Sharma Director Greenfinity Powertech Pvt. Ltd. Director Greenfinity Powertech Pvt. Ltd. Thursday, 27th April 2023 at 11:00 AM Seminar Hall Institute of RETM Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur Hon'ble Vice-Chancellor Prof. Sachchidanand Shukla Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur will preside over the function Prof. Kavita Thakur Prof. Kallol K. Ghosh Dr. Shailendra Patel Coordinator Registrar
Public Outreach Centre Pt. Ravishankar Shukla University
Raipur Institute of RETM

lead to Solar PV to be one of the pioneering renewable technologies over the decades. The IEA estimates that the transition towards net-zero emissions will lead to an overall increase in energy sector jobs: while about 5 million jobs in fossil fuel production could be lost by 2030, an estimated 14 million new jobs would be created in clean energy, resulting in a net gain of 9 million jobs and hence



huge trained workforce is required in coming years to serve the purpose of renewable growth.

In context Institute of Renewable Energy Technology & Management and S.O.S. in Electronics & Photonics in association with Public Outreach Centre is organizing 3 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies from 27th April to 29th April 2023. The 3 Days Workshop on Advancements in Solar Photovoltaic Technologies commenced at 11:00 AM of 27th April in the presence of Chief Guest Prof. Sachidanand



Shukla, Hon'ble Vice Chancellor, Energy Experts & Speakers of the workshop Mr. Amitesh Sharma and Mr. Rajib Das, Director, Greenfinity Powertech Pvt. Ltd. & Prof. Kavita Thakur, Coordinator, Institute of RETM & Head, S.O.S. in Electronics & Photonics.

Pictures of the Event







SUMMARY OF EVENTS HELD @ INSTITUTE OF RETM

S.NO.	EVENT	TOPIC	DETAILS OF SPEAKER		DATE OF	NO. OF
			NAME OF SPEAKER	DESIGNATION	DATE OF EVENT	PARTICIPAN TS
1	Quiz Competition	National Unity Day Quiz Competition			31-Oct-2022	40
2	Training Program	Energy Literacy Training Program	Shri Sanjeev Jain	Chief Engineer, CREDA	26-Nov- 2022	80
3	Thematic Lecture	Current Energy Scenario at Chhattisgarh and Career Opportunities in Solar for Graduates	Mr. Pankaj Gandhi	Director, Sauryansh Solar Pvt. Ltd.	8-Dec-2022	30
4	Industrial Visit	CSEB 132/33 KV GIS Transmission Substation Rawanbhata Bhatgaon Chowk, Raipur			25-Feb- 2023	16
5	Awareness Program	Efficient Utilization of Plastics	Dr. Rajshree Vijayvargiya & Dr. Aparna Yadu	CIPET Raipur	8-Apr-2023	65
6	Industrial Visit	Plastic Moulding & Fabrication Facilty		CIPET Raipur	12-Apr- 2023	16
7	Three Days Workshop	Advancements in Solar Photovoltaic Technologies	Mr. Amitesh Sharma & Mr. Rajib Das	Director, Greenfinity Powertech Pvt. Ltd., Raipur	27-29 April 2023	63







One Day Workshop on

Intaernational Year of Basic Sciences for Sustainable Development (IYBSSD2022) 02/07/2022

Organized by Center for Basic Sciences, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.)

Chief Patron

Administrative Support Prof. K. L. Verma, Vice Chancellor Prof. Kallol. K. Ghosh, Director (CBS) Dr. Shailendra Patel, Registrar

Convener: Dr. Laxmi Kant

Co-Conveners: Dr. Smita Sharma, Dr. Veenu Joshi, Dr. Govind Prasad Sahu, Dr. Bhanushri Gupta, Dr. Girija

Shankar Gautam

About the workshop: The year 2022 has been declared as the **International Year of Basic** Sciences for Sustainable Development (IYBSSD2022) by United Nations General Assembly to



stress that the applications of basic sciences are vital for advances in medicine, industry, agriculture, water resources, energy planning, environment, communications and culture, and that basic sciences rupture technologies respond to the needs of humankind by providing access to information and increasing societal well-being, and promoting peace through improved collaboration toward Sustainable Development Goals (SDGs).

Center for Basic Sciences has planned to organize series of workshops and activities throughout the year 2022 to celebrate IYBSSD. To begin with we organized **one day** workshop on **02 July 2022 at Dr. A.P.J Abdul Kalam Seminar Hall, CBS.**



This workshop brought together local experts from the academics, science, finance and administration to discuss and share their thoughts with the students of Center for Basic Sciences on the following Sustainable Development Goals (SDGs) from the 17 Goals adapted by that UN General Assembly as a part of 2030 agenda.

- QUALITY EDUCATION: Ensure inclusive and equitable quality education and promote lifelong learning opportunities for all
- LIFE ON LAND: Protect, restore and promote sustainable use of terrestrial ecosystems, sustainably
- manage forests, combat desertification, and halt and reverse land degradation and halt biodiversity loss

- DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH: Promote sustained, inclusive and sustainable economic growth, full and productive employment and decent work for all
- INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE: Build resilient infrastructure, promote inclusive and sustainable industrialization and foster innovation

Workshop Inauguration:

The workshop was inaugurated by lighting the lamp by invited speakers, university dignitaries including director and faculties of CBS followed by Saraswati Vandana and Kulgeet. The speakers were given floral welcome before starting the next session of the workshop.















Workshop Lectures:



The session started with **welcome address by prof. Kallol K. Ghosh** Director CBS. He shared the background and the context of the workshop with the audience. He proudly showed glimpses of the academic achievements of the CBS students and highlighted how CBS is contributing to sustainable development through its activities. He specially mentioned the public outreach activities done by CBS in various schools out side the university campus. And activities in the CBS in which students from various schools are invited to participate. Followed by this lecture, **Dr. Sailendra Patel, Registrar Pt. R.S.U.** addressed the audience by putting his thoughts on sustainable development goals and elaborated how basic science studies can play role to achieve these goals. **Prof. S. K. Pandey**, an eminent astrophysicist and ex-vice chancellor of Pt. R.S.U. delivered a lecture entitled "**Importance of Basic Science for educating students**". He addressed one of the SDGs "QUALITY EDUCATION" in detail and discussed how CBS can contribute to ensure inclusive and equitable quality education. He expressed his expectations towards CBS students that they will become excellent scientists and good science teachers.



Prof. M. L. Naik, eminent botanist, Ex. Director General, CG COST, Rt. Prof. and Head, SOS in life Sciences, Pt. RSU, Raipur deliverd a lecture entitled "**Plants and sustainable development**" and discussed an important SDG, LIFE ON LAND. He emphasized the judicious use and management of natural resources for sustainability. He gave example that how Israel despite 300-400 mm of annual rainfall (which is five times less compared to 1750 mm of annual rainfall in India) with scientific management system do not face scarcity of water, whereas the unavailability of adequate amount of water for livelihood to large population in India is a severe problem.

Dr. Sabya Sachi Ghosh, **IIT Bhilai**, explained how nuclear energy can be one of the energy sources to met with the ever increasing demand of energy for humankind though his lecture "**Role of nuclear energy for sustainable development**" and **Dr. Sesha P Vemapati**, **IIT Bhilai**, discussed solar energy as a clean energy source for sustainability through his lecture "**Basics of photovoltaics for sustainable development of energy resources**". Both the lectures addressed one of the SDGs INDUSTRY, INNOVATION AND INFRASTRUCTURE through their lectures.



Mr. B. K. Lal, Controller, Finance, PWD, Nava Raipur Atal Nagar delivered a lecture entitled "Role of Science in SDG and planning" and addressed the SDG, DECENT WORK AND ECONOMIC GROWTH. In his lecture he gave overview of the government's five year plans and explained how these plans are in accordance with the sustainable development goals. He also pointed out that taking education to get government jobs by majority of youths will not lead to sustainable development. Rather the education should inculcate entrepreneurship in the students. He also told about the Chhattisgarh Government's schemes to support the startup projects. The lecture was well received by the audience.

Mr. Vishwash Meshram, Joint Collector and Manager Land, Nava Raipur Atal Nagar Vikas Pradhikaran, who is also an Executive President of Chhattisgarh Vigyan Sabha discussed with example about importance of raising questions, through his interactive lecture "Promoting learning opportunity for all, through science popularization".

Student activities:



The Video documentary (made by CBS students) https://www.youtube.com/watch?v=QBCauu00cdE regarding laboratory facility in CBS was screened which was appreciated by the guest speakers. Himanshu Kunjam (8th sem), Yas Rajput and Bhashkar Yaduwanshi (2nd sem) sung "**Ped hain Saanse**" **Song**. CBS students Played a **drama** "Save Environment", giving a message that if we use a inevitable modern means of development like industrialization, we must make enough effort to compensate for its negative effect on the environment. The drama was written by Pushpendra Sahu (10th Sem) and directed by Ramesh Rautiya (10th sem). All the speakers were given memento as a token of thanks by CBS faculties. The workshop ended with the vote of thanks by workshop convener Dr. Laxmi Kant.



Center for Basic Sciences



Pt. Ravishankar Shukla UniversityRaipur

November 30, 2022

A

REPORT

OF

ONE-DAY SEMINAR

On

"Intellectual Property Rights and Plagiarism"

Organized by

Center for Basic Sciences

Pt. Ravishankar Shukla University Raipur

Under

Public Outreach Program

SUBMITTED BY

Dr. Bhanushree Gupta

Convener

Center For Basic Sciences

Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur(C.G.)

Report of One Day Seminar On

"Intellectual Property Rights and Plagiarism"

A one day seminar on Intellectual Property Rights and Plagiarism was organized at the Center for Basic Sciences, Pt. Ravishankar Shukla Univeristy, Raipur on November 30, 2022. The event was organized under Public Outreach Program and Aazadi ka Amrit Mahotsav. There was enthusiastic participation in the seminar by the faculties and students of CBS and different colleges. Total 137 participants were registered for the event. The inaugural program of seminar began at 11:00 AM, on 30th November 2022, with the gracious presence of Prof. Keshari Lal Verma, Hon'ble Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur as Chief Guest, Resource Persons, Dr. Amit Dubey Scientist-D, Chhattisgarh Council of Science and Technology, Raipur (C.G.) and Dr. Suparna Sengupta Librarian, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur (C.G.), Prof. Kallol K Ghosh, Director, Center for Basic Sciences, Dr. Bhanushree Gupta, convener of the seminar and other faculties of CBS.

The function began with the lamp lighting ceremony and welcome of the guests. A welcome address was delivered by Dr. Bhanushree Gupta, she gave a brief introduction of the seminar and motivation behind it. Further, Prof. Ghosh, addressed the students and appreciated the efforts taken by convener and organizing team in organizing the seminar. He also mentioned Azadi ka Amrit Mahotsav under which many such lectures are conducted in all over the university. He thanked Prof. Keshari Lal Verma, Hon'ble Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University Raipur for providing us with the opportunity and motivating us to be able to conduct such a program. After that Prof. Verma appreciated the achievements of students and motivated them to follow their dreams. He gave us knowledge about the importance of IPR and plagiarism in a student's life. He also encouraged students to do better in life and wish everyone all the best to work hard and bring better results. Afterwards both the resource persons addressed the students and gave introduction of their talk and also thanked organizing committee for inviting. A vote of thanks was proposed by Dr. Smita Sharma on behalf of organizing committee and Center for Basic Sciences and Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur.

After tea break the seminar was began with the lecture of Dr. Amit Dubey, Scientist-D, Chhattisgarh Council of Science and Technology, Raipur (C.G.). His title of

the lecture was "IPR & State Council's Role in IP Addressal". He explained what is Intellectual Property Rights and how one can use them to their benefit for identification, planning, commercialization, rendering, and hence the protection of invention or creativity. He shared many real-life examples which were from Chhattisgarh itself and various interesting case studies that made everyone completely invested in his lecture. He wished students all the best to use the knowledge he shared very carefully and wisely. Students and faculty participants interacted with him after lecture and resolved their queries.

Next lecture was delivered Dr. Suparna Sengupta on Knowing, Detecting & Avoiding Plagiarism: How & Why. He made participants familiar with what is plagiarism and how can we deal with it. He told that taking inspiration and giving proper credit to the original authors is a must to avoid plagiarism of any kind. He also explained the consequences and seriousness of this matter by giving several examples. He not only explained the problem but also gave us a step-by-step solution to avoid any such mistakes while doing any kind of work. At last, he motivated students to do well in their future aspects of life. Both faculties and students asked many of their queries and got satisfactory answers.

Participants from several institutions were registered like (Disha college of Law, Rungta college of Pharmaceutical Research, Chhattisgarh Yoganandam College, Science College, Raipur etc.). On whole the seminar was very informative, interactive and successful.

Glimpses of Seminar



























Press Coverage

Seminar held on 'Intellectual Property Rights and Plagiarism'



PRSU V-C Prof Kesharilal Verma lighting the ceremonial lamp.

ONE-DAY seminar on 'Intellectual Property Rights and Plagiarism' was organised at Basic Science Centre of Pt Ravishankar Shukla University (PRSU)

Raipur recently.
Vice-Chancellor Prof
Kesharilal Verma inaugurated the seminar.
Scientist of Chhattisgarh
Council of Science and
Technology Amit Dubey
was the keynote speaker
in the programme. He
spoke on 'Intellectual
Property Rights and State
Council Role in its
Addressal'. He explained
about patent filing and its
benefit. Dr Suparn
Sengupta spoke on
'Knowing, Detecting and
Plagiarism-How and
Why'. The students were
made aware about
Plagiarism and its
disadvantages.
At the onset welcome

At the onset welcome speech was delivered by Basic Science Centre Director Prof Kallol Kumar Ghosh while Dr Bhanushree Gupta was the coordinator of this seminar. A total of 137 persons registered for this seminar which includes faculty and students from Disha Law College, Rungta College of Pharmaceutical Science and Research and Government

worker Surendra Unnabra enthusiasm.

government, registation each but at length, it was tarian position in ruture,

Seminar on Intellectual Property Rights and Plagiarism

with Sahu

nted h of part-

for rani,

Central Chronicle News

l as ingh the Raipur, Nov 30: One day nbia seminar on Intellectual nder Property Rights and Plagiarism was organised on Wednesday at Basic Science Centre, Pt RSU the Yoga hing here. Vice Chancellor Prof Kesharilal Verma was the chief guest and inauguratmith the hem ed the seminar. The main speaker was Dr Amit



Dubey of Chhattisgarh Council of Science and Technology who spoke on 'Intellectual Property Rights and State Council Role in its Adressal'. He explained about patent filing and its benefit. Dr Suparn Sengupta spoke on 'Knowing, Detecting and Plagiarism- How and Why'. The students were made aware about Plagiarism and its disadvantages.

At the onset welcome

speech was delivered by Basic Science Centre Director Prof Kallol Kumar Ghosh while Dr Bhanushree Gupta was the coordinator of this seminar. A total of 137 persons registered for this seminar which includes seminar which includes faculty and students from Disha Law College, Rungta College of Pharmaceutical Science and Research and Government Science College.

Report on National Workshop on Modern Tools and Techniques in Chemical and Biological Research (13th Feb. – 17th Feb. 2023)

A five-day national workshop on "Modern Tools and Techniques in Chemical and Biological Research" was organized at Center for Basic Sciences (CBS), Pt. Ravishankar Shukla University (PRSU) Raipur from 13th Feb. to 17th Feb. 2023. The idea behind organizing this workshop was to provide exposure to the latest techniques and tools used in the current research in Chemical and Biological Sciences, which will help to lay a strong foundation of theoretical and practical knowledge in young faculties, PhD students and M.Sc. students. 45 participants from different parts of Chhattisgarh including Pathalgaon (Raigarh) Mahasamund, Sakti, Ambikapur, Bilaspur, Durg, Bhilai, Raipur and also from Anand, Gujrat including 15 in house students had participated in the workshop. Total 19 lectures (5 online and 14 offline lectures) with hands- on training of various softwares, were delivered by eminent resource persons from reputed institutions like (Boston University USA, Indian Institute of Technology, Delhi and Bhilai, Banaras Hindu University, Bhabha Atomic Research Center, Department of Biotechnology, AIIMS, Raipur, NIT Raipur etc).

The inaugural session of the national workshop was conducted on 13.02.2023 at 10:30 am in the gracious presence of Prof. Keshari Lal Verma, hon'ble Vice Chancellor, Pt. Ravishankar Shukla University, Prof. A. K. Gupta, School of Studies in Life Sciences and Prof. M. K. Deb, Director, National Center for Natural Resources had graced the occasion. The chairman of the national workshop, Prof. Kallol K. Ghosh, Director, Center for Basic Sciences welcomed the participants to the center. Convener of the workshop, Dr. Bhanushree Gupta shared a report about the workshop. Dr. Veenu Joshi, convener concluded the session with a vote of thanks. The lectures and hands-on training sessions began on same day.

Glimpses of the Inaugural session on 13.02.2023





















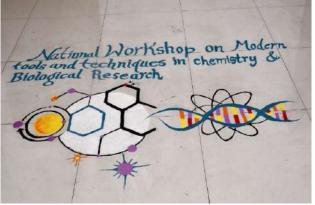
















First Technical Session of Workshop (13-02-2023)

On the first day, lecture, as well as hands-on training on Computational Chemistry, was given by Dr. Md. Mehboob Alam, Department of Chemistry, IIT Bhilai. The lecture was titled "Application of Computational Chemistry tools in Chemical and Biological Sciences" in which he explained the software "Gauss View" and gave hands-on training. In the post-lunch session hands-on —training on SPSS statistical software was given by Prof. Arti Parghania, SoS in Life Sciences, PRSU, Raipur. Then in the last session, the participants were given training in Rotary Evaporator and Fluorescence Spectrophotometer.





Lecture and hands-on training delivered by Dr. Md. Mehboob Alam, IIT Bhilai, 13.02.2023



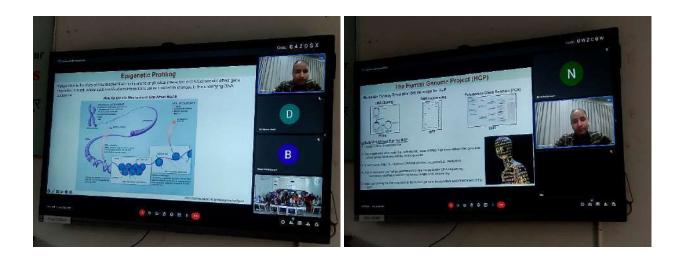


Day 2 (14-02-2023)

On the second day, there were separate parallel sessions for Biology and Chemistry in which lecture on Molecular tools and techniques for Functional Genomics was delivered by Dr. Kuldeep Singh, Boston, USA (Online), Genome Editing Technologies including CRISPER and their application in healthcare was delivered by Dr. Amit Tripathi, Scientist C, DBT, Ministry of S&T, Delhi for Biology participants and for Chemistry participants there was a lecture on Click Chemistry by Prof. Vinod Kumar Tiwari Dept. of Chemistry, BHU. Then there was a handson session on ChemDraw software by Dr. IndrapalKarbhal, SoS in Chemistry, PRSU Raipur. And in theend, there was handson training for DNA isolation technique and quantification using a NanoDropSpectrophotometer instrument.



Lecture delivered by Prof. Vinod Kumar Tiwari, BHU, 14.02.2023

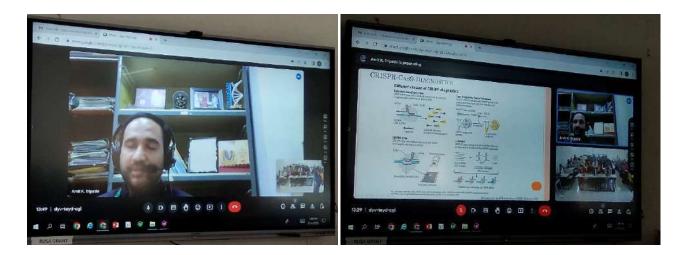


Lecture delivered by Dr. Kuldeep Singh, Boston University USA, 14.02.2023





Lecture and hands-on training delivered by Dr. Indrapal Karbhal, PRSU, 14.02.2023



Lecture delivered by Dr. Amit Tripathi, DBT, Ministry of S&T, 14.02.2023

Day 3 (15-02-2023)

On the third day, there was a lecture of Dr Sanjib Banerjee, IIT Bhilai for chemistry participants and rest all sessions were common for chemistry and Biology in which there was a lecture on Material research by Dr. Mohan Lal Verma from Shankaracharya College, Bhilai. Then a session on Lab Safety and Hygiene by Dr. Rahul Sharma, Assistant Director, Industrial Hygiene, Department of Labour and a session on Plagiarism checking Tools by Dr. Nagendra Singh Chauhan, Scientific Officer, AYUSH, Raipur and in the last there was Hands-on training on Synthesis of Metal nanoparticles, Quantum dots and Carbon dots.





Lecture delivered by Dr. Sanjib Banerjee, IIT Bhilai, 15.02.2023



Lecture delivered by Dr. Mohan Lal Verma, Shankaracharya College, Bhilai, 15.02.2023



Lecture delivered by Dr. Rahul Sharma, Depart of Labour, 15.02.2023



Lecture delivered by Dr. Nagendra Singh Chauhan, AYUSH, 15.02.2023

Day 4 (16-02-2023)

On the fourth day, Dr. Bhanushree Gupta, Center for Basic Sciences, PRSU Raipur gave a lecture and hands-on training on Referencing tools for Research. Then, there were parallel sessions in which for Biology participants a lecture on Bioinformatics Tools in Drug Target Identification was delivered by Dr Awnish Kumar, Assoc Prof. Dept of Biotech., NIT, Raipur and a lecture on PCR and Real Time PCR Techniques by Dr. S.S. Negi, Dept of Microbiology, AIIMS, Raipur. For chemistry participants there was a lecture on UV vis Spectroscopy by Prof Kamlesh K Srivas, SoS in Chemistry, PRSU. And a lecture on Fluorescence Spectroscopy by Dr Prabhat K Singh, BARC, Mumbai. In the last there was hands-on training on PCR, Gel electrophoresis and Gel documentation techniques for Biology participants and Potentiostat and and UV-Visible spectrophotometer for chemistry participants.



Lecture delivered by Dr. Bhanushree Gupta, Center for Basic Sciences 16.02.2023





Lecture delivered by Dr Awnish Kumar, NIT, Raipur, 16.02.2023





Lecture delivered by Dr. S.S. Negi, Dept of Microbiology, AIIMS, Raipur, 16.02.2023



Lecture delivered byProf Kamlesh K Srivas, SoS in Chemistry, PRSU,16.02.2023



Lecture delivered by Dr Prabhat K Singh, BARC, Mumbai, 16.02.2023

Day 5 (17-02-2023)

On the last day of workshop there were 2 lectures on Biological Responses of nanomaterials by Dr. Manmohan Lal Satnami, SoS in Chemistry, PRSU and a lecture on Introduction to electrochemical techniques for research by Dr Bishwarup Chakraborty Dept. of Chemistry, IIT Delhi.



Lecture delivered by Dr. Manmohan Lal Satnami, PRSU,17.02.2023



Lecture delivered by Dr Bishwarup Chakraborty, IIT Delhi, 17.02.2023

The valedictory ceremony was organized at the end of the last day of the workshop, where the program's Chief Guest Prof. Keshari Lal Verma Hon'ble Vice Chancellor, Pt Ravishankar Shukla University, Raipur motivated the participants and extended best wishes for their bright career in research. He also assured that Pt Ravishankar Shukla University will always try to provide best

instrumentation facilities and will keep on organizing such workshops for the betterment of scientific community. Guest of Honour, Prof. D.P. Kuity, Retd. Prof Geology, PRSU Raipur and Dr. Bishwarup Chakraborty, from Dept. of Chem, IIT, Delhi also encouraged the participants to participate in such workshops to improve their laboratory skills. Chairman of the workshop Prof. Kallol K Ghosh, Director, Center for Basic Sciences, PRSU addressed the participants and extended his best wishes for their bright future. Convener of the workshop Dr Veenu Joshi presented the detailed report of lectures and hands-on training of softwares and instruments done in the 5 days of workshop. And in the end other Convener of the workshop Dr Bhanushree Gupta proposed vote of thanks to all the Guests, speakers, participants and also to student volunteers who worked hard to make the program successful. With these 5 days of workshop organizers have tried to bridge the gap in the theoretical knowledge and its practical training with the hope of inculcating new thoughts and ideas with the hope to bring new dimensions in the research career of the participants.

Glimpses of the Valedictory session on 17.02.2023















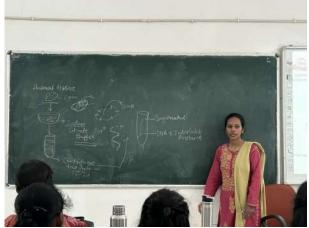


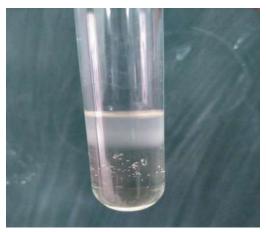




Glimpses of Hands on Training of Instruments and Presentation

















Media Coverage

Five-day national workshop at CBS of PRSU gets under way



Vice-Chancellor Dr K L Verma along with other dignitaries.

■ Staff Reporter

RAIPUR, Feb 14

AFIVE-DAY national workshop on 'Modern Tools and Techniques in Chemical and Biological Research' has begun at Centre for Basic Sciences (CBS), Pandit Ravi Shankar Shukla University (PRSU) Raipur. Vice-Chancellor of PRSU Professor Kesari Lal Verma inaugurated the workshop.

Speaking on the occasion, Vice Chancellor Professor Verma congratulated all the participants for their selection in the workshop and encouraged them for learning more of scientific techniques. CBS Director Professor Kallol Kumar Ghosh gave the welcome speech and he threw light on the aim of this workshop.

Professor A K Gupta from School of Studies in Biology, PRSU and Professor Manas Kanti Deb from School of Studies in Chemistry also addressed the programme.

45 participants from different districts of Chhattisgarh are participating in the workshop. These participants are being taught about latest techniques and instruments used in the researches of Chemistry and Biology.

The programme coordinators Dr Bhanushree Gupta and DrVeenu Joshi said, 18 lectures (both offline and online) will be delivered in this workshop by the professors and scientists from renowned institutions. These institutions are IIT Delhi, IIT Bhilai, BHU, BARC Mumbai, AIIMS Raipur and Department of Biotechnology Delhi. Hands on Training different softwares (Computational Chemistry SPSS, Chem Draw) will also be given in the workshop.

In the first technical session, Dr Mahaboob Alam, Chemistry Department, IIT Bhilai delivered a lecture on Computational Chemistry and its uses in Chemistry and Biology apart from hands on training through software.

The second lecture was of Professor Aarti Parghania, School of Studies in Biology, PRSU along with hands on training on SPSS software.

Later participants receive hands on training on rotary evaporator and fluorescence spectrophotometer. The workshop will conclude on February 17.

raipur. tuesday 14/02/2023

patrika.com/entertainment

थ होंगे

कहा

या

क्षय ने साथ मुझे आ हम

ह

नेस हम र तक है। हप

*!) | 一 | 表

> कार्यक्रम के संयोजक मानुश्री गुप्ता ने बताया, 18 व्याख्यान देश के प्रतिष्ठित संस्थानों के प्रोफेसरों और वैज्ञानिकों द्वारा दिए जाएंगे, जिनमें प्रमुख रूप से आईआईटी दिली, आईआईटी मिलाई, बनारस हिंदू यूनिवसिटी, बीएआरसी मुंबई, एआईआईएमएस रायपुर, दिली से दिए जाएंगे। इसमें विभिन्न सॉफ्टवेयर की हैंड ऑन ट्रेनिंग दी जाएगी।

होंगे 18 लेक्चर

इवेंट : रविवि में पांच दिवसीय नेशनल वर्कशॉप के लिए चयनित हुए 45 प्रतिभागी टॉप इंस्टीट्यूट के प्रोफेसर बता रहे हैं केमेस्ट्री-बॉयोलॉजी में रिसर्च के तरीके

पत्रिका 🏳 US रिपोर्टर

सयपुर 🔸 पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय में पांच दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की शुरुआत सोमवार को हुई। मुल विज्ञान केंद्र की ओर से आयोजित कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा ने की। कार्यशाला के लिए चयनित हुए अलग-अलग जिलों के 45 प्रतिभागी शामिल हुए। सभी को रसायन शास्त्र और जीवविज्ञान के शोध में आने वाले नवीन तकनीक व उपकरणों के उपयोग के तरीकों के बारे में बताए जा रहे हैं। प्रथम तकनीकी सत्र में आईआईटी भिलाई के रसायन विभाग के महबूब आलम ने कम्प्यूटेशनल रसायन विज्ञान और जीव विज्ञान में उसके उपयोग पर व्याख्यान दिया। सॉफ्टवेयर के द्वारा हैंड ऑन ट्रेनिंग दी गई। इसके बाद रविविव के जैविकी अध्ययनशाला की प्रो. आरती परगनिहा ने एसपीएसएस सॉफ्टवेयर पर हैंड ऑन ट्रेनिंग दिया। आखिर में छात्रों को रोटरी प्रवाह रोधी वाष्पक और प्रतिदीप्ति स्पेक्ट्रोफोटोमीटर में टेनिंग दी गई। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. एके गुप्ता थे।

वर्कशॉप में प्रेक्टिस करते छात्र। सॉफ्टवेयर की जानकारी वेते प्रो. आलम पारंपरिक ज्ञान व चिकित्सा पद्धति पर संगोष्ठी आज से

भारत में आविवासियों का विकास, परंपरागत ज्ञान एवं देशज व्यवस्था के विभिन्न आयामों पर मंगलवार से रविवि में तीन विवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। आईसीएसएसआर नई दिल्ली, युनिसेफ और छत्तीसगढ़ शासन के सहयोग से मानव विज्ञान अध्ययनशाला की ओर से कार्यशाला में देशभर के समाज- विज्ञानी, मानव-शास्त्री, प्राध्यापक और शोधार्थी शिरकत करेंगे। सोलह तकनीकी सत्र में 130 से ज्यादा शोध-पत्र पढ़े जाएंगे। कार्यशाला का उद्घाटन आईसीएसएसआर नई विल्ली के अध्यक्ष पदाश्री जेकेबजाज करेंगे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि दिल्ली विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पीसी जोशी व पदाश्री अजय कुमार मंडावी

होंगे। अध्यक्षता कुलपति केशरीलाल वर्मा करेंगे। कार्यशाला में पारंपरिक चिकित्सा पद्धित पर आधारित नि:शुल्क शिविर भी लगाया जाएगा, जिसमें 10 पारंपरिक चिकित्सक (आविवासी बैगा) व औषधियों से माध्यम से लोगों का इलाज किया जाएगा। नाड़ी वैद्य भी उपस्थित रहेंगे। चिकित्सा शिविर पूरी तरह से नि:शुल्क होगा।



क्लिक केमिस्ट्री पर दिया लेक्चर

रायपुर @पत्रिका. रविवि के मूल विज्ञान केंद्र में चल रहे नेशनल वर्कशॉप के दूसरे दिन बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के प्रोफेसर विनोद कमार तिवारी ने क्लिक केमिस्टी पर लेक्चर दिया। प्रतिभागियों को चेम डॉ सॉफ्टवेयर का प्रशिक्षण दिया बायोलॉजी में विश्वविद्यालय, यूएसए कुलदीप सिंह ने फंक्शनल जीनोमिक्स पर लेक्चर दिया। उन्होंने आएनए अनुक्रम व अन्य गुणसूत्रों को जानने की तकनीकों को बताया। जैव पौद्योगिकी विभाग नई दिल्ली के प्रो. अमित कुमार त्रिपाठी ने गुणसूत्रों को बदलने की तकनीकों की जानकारी दी। बायोलॉजी के विभिन्न उपकरणों पर व्यक्तिगत प्रशिक्षण दिया गया।

मटेरियल रिसर्च के तरीके बताए

रायपुर @ पत्रिका. रविवि के मूल विज्ञान केंद्र में चल रहे नेशनल वर्कशॉप के तीसरे दिन आईआईटी भिलाई के असिस्टेंट प्रोफेसर संजीब बैनर्जी ने सैनेटाइजेड पॉलीमर का एंटी फॉलिंग हाइब्रिड के रूप में इस्तेमाल के तरीकों को बताया। प्रो. मोहन लाल वर्मा ने डेंसिटी फंक्शनल ध्योरी का उपयोग मटेरियल रिसर्च में सिएस्टा सॉफ्टवेयर के इस्तेमाल के तरीकों को भी बताया।

Center for Basic Sciences Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

राष्ट्रीय गणित दिवस

मूल विज्ञान केंद्र में दिनांक 13/03/2023 से 14/03/2023 तक दो दिवसीय राष्ट्रीय गणित दिवस का आयोजन किया गया। इसमें मुख्य अतिथि इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमकंटक से गणित विश्वविद्यालय के प्रो. विष्णु नारायण मिश्र ने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि ''प्राचीन काल से ही गणित की महत्ता सिद्ध है। भारत में अनेक गणितज्ञ हुए हैं जिन्होंने विश्व स्तर का कार्य किया है। इस कार्यक्रम में प्रो. बी.एस. ठाकुर, डॉ. असरीफा सुल्ताना, आई.आई.टी., भिलाई मौजूद थे।

प्रो. कल्लोल के. घोष, संचालक, मूल विज्ञान केंद्र, ने छात्रों को प्रोत्साहित किया। दो दिवसीय आयोजन में अनेक प्रतियोगिताएं आयोजित हुई, जैसे— रंगोली, पोस्टर प्रतियोगिता, गणित प्रश्नोत्तरी, निबंध लेखन। यह कार्यक्रम सीकॉस्ट, छ.ग. विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के मद की सहायता से आयोजित हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. गोविंद प्रसाद साहू सहायक प्राध्यापक, गणित, मूल विज्ञान केंद्र ने किया। जिसमें डॉ. राधाबाई नवीन कन्या महाविद्यालय, शा. नागार्जुन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, शा. जे. योगानंदम छ.ग. कॉलेज एवं पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के छात्र—छात्राओं, शोधार्थियों ने सहभागिता की।











Center For Basic Sciences Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur National Science Day, 2023 March 15 &16, 2023



Α

REPORT

on

CELEBRATION

of

NATIONAL SCIENCE DAY

UNDER THEME

"Global Science for Global Wellbeing"

SPONSORED BY

CHHATTISGARH COUNCIL OF SCIENCE & TECHNOLOGY,
RAIPUR (C. G.)

SUBMITTED BY

Prof. Kallol K. Ghosh Director Center for Basic Sciences Dr. Bhanushree Gupta Convener National Science Day

A Report on National Science Day-2023 (15-16, March 2023)

Organized at Center for Basic Science, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur

A two-day National Science Day was organized at Center for Basic Sciences, Pt. Ravishankar Shukla University, Raipur on March 15 and 16, 2023. The program was catalysed by the Chhattisgarh Council of Science and Technology, Raipur. The inauguration ceremony was presided over by the Vice Chancellor of the University, Prof. Keshari Lal Verma. The chief guest of the program Dr. K. Subramaniam (Member, State Planning Commission, Chhattisgarh) and guests of honour Dr. Dinesh Mishra, Raipur's famous eye specialist and Dr. Joyce Rai, Scientist E, Chhattisgarh Council of Science and Technology, were present. The program started with the worship of Maa Saraswati and the lighting of lamp. Dr. Kallol K. Ghosh, Director, the Center for Basic Science, welcomed all the guests in his welcome address and explained the importance of Science Day and Sir C.V. Raman's invention to the students. Program coordinator Dr. Bhanushree Gupta informed about various competitions and their topics to be organized in the ceremony. Chief Guest Dr. Subramaniam delivered his lecture on "Basics of Climate Change and its Impact and Some Commendable Steps to Mitigate its Impact".

Special guest Dr. Dinesh Mishra delivered his lecture on "Scientific Thoughts and Superstitions" on the theme of Science Day, "Global Science for Global wellbeing". Dr. Mishra motivated the students to come out and remove various superstitions by adopting a scientific approach. Vice Chancellor of the University Dr. Verma also inspired the students in his speech to adopt scientific thinking and to work towards making their country and state a pioneer in the field of science. Dr. Joyce Rai explained in detail the steps taken by the Chhattisgarh Council of Science and Technology.

On this occasion, the latest issue of "Jarai", the annual magazine of Center for Basic Science was released. In this event, the President of Chhattisgarh Vigyan Sabha, Dr. Vishwas Meshram, Prof. Ashok Kumar Pradhan, Prof. M. L. Nayak participated along with the students, research students and teachers.

Glimpses of Inaugural Ceremony

























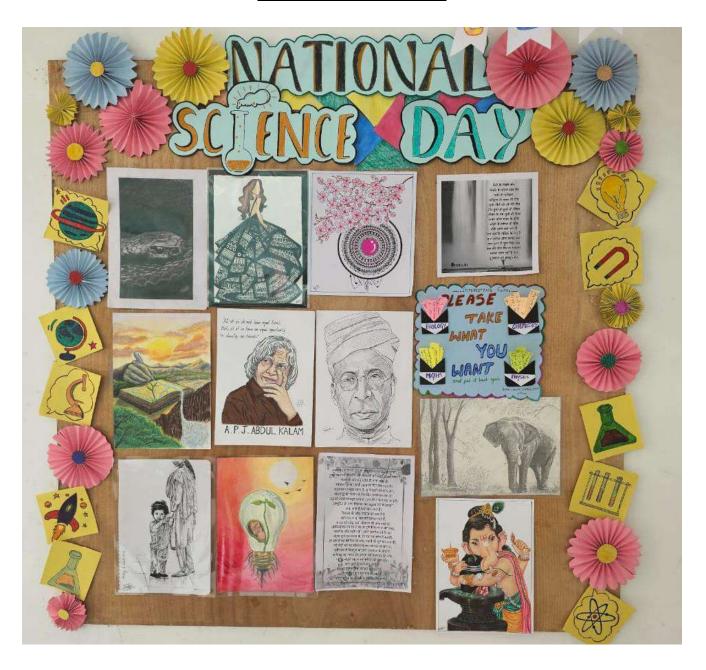






In the program, four different events, namely, debate competition, essay-writing competition, rangoli making competition and poster making competition were organized in which students of Center for Basic Sciences participated with great enthusiasm. Students also displayed their aesthetic talents by preparing a student corner. The results of these competitions were announced during the valedictory function held on 16th March, 2023 at A. P. J. Abdul Kalam Hall. The winners were awarded with medals and certificates.

Glimpses of student's corner



Debate Competition: Debate competition was organized on March 15, 2023 at Dr. A. P. J. Abdul Kalam Hall on the topics "What is Better, Traditional or Online Education" and "Will the development of artificial intelligence harm or benefit human kind?". Total 23 students were participated in this competition and presented their views on pros and cons of both the topics.

Topic: "What is Better, Traditional or Online Education"		
S. No.	Name of participants	Semester
Participants for the motion		
1.	Aman Sinha	2 nd semester
2.	Riya Patel	2 nd semester
3.	Sonika Sahu	2 nd semester
4.	Nikhil Maheshwari	4 th semester
5.	Himanshu Kunjam	10 th semester

6.	Diksha Verma	4 th semester	
7.	Suresh Kumar Gupta	10 th semester	
Participa	Participants against the motion		
1.	Priyal Singh	2 nd semester	
2.	Pemendra Sahu	2 nd semester	
3.	Kumbhika Sahu	2 nd semester	
4.	Sazia Kausar	8 th semester	
5.	Yuvraj Kumar Sahu	2 nd semester	
6.	Apurva Sharma	10 th semester	
7.	Jayant Sahu	8 th semester	
8.	Rutanshi Pradhan	8 th semester	

Topic : "Will the development of artificial intelligence harm or benefit human kind?"			
S. No.	Name of Participants	Semester	
Participants	Participants for the motion		
1.	Shib Sunder Saha	8 th semester	
2.	Suresh Kumar Gupta	10 th semester	
3.	Apurva Sharma	2 nd semester	
4.	Moksh Chandrakar	2 nd semester	
5.	Megha Dewangan	10 th semester	
Participants	Participants against the motion		
1.	Devendra Sahu	2 nd semester	
2.	Pratiksha Dewangan	2 nd semester	
3.	Yash Rajput	4 th semester	
4.	Harish	8 th semester	
5.	Udit Narayan Sahu	6 th semester	

List of winners:

Topic: "What is Better, Traditional or Online Education"

1st Prize: Jayant Sahu (8th sem)

2nd Prize: Himanshu Kunjam (10 sem)

3rd Prize: Shazia Kausar (8th sem)

Topic: "Will the development of artificial intelligence harm or benefit human kind?"

1st Prize: Megha Dewangan (10th sem)
2nd Prize: Moksh Chandrakar (2nd sem)

3rd Prize: Udit Narayan (6th sem)

Glimpses of Debate Competition









Essay-writing Competition: Essay-writing competition was organized on March 15, 2023 on the topic "Contribution of science and technology in the human wellbeing" ("मानव कल्याण में विज्ञान और प्रौद्योगिकी का योगदान"). Total 29 students participated in this competition.

S. No.	Name of Participants	Semester	
	Hindi Essay-writing Competition		
1.	Bhaskar Yadav	4 th semester	
2.	Kumbhika Sahu	2 nd semester	
3.	Limesh Kumar	4 th semester	
4.	Mitali Pushpakar	4 th semester	
5.	Pratiksha Dewangan	2 nd semester	
6.	Sonika Sahu	2 nd semester	
7.	Ramesh Singh	10 th semester	
	English Essay writing Competition		
1.	Aakash Sahu	8 th semester	
2.	Aman Sinha	2 nd semester	
3.	Anushri Patel	2 nd semester	
4.	Apoorva	10 th semester	
5.	Avantika Akhand	6 th semester	
6.	Deeksha Verma	4 th semester	
7.	Dipali Mansar	2 nd semester	

8.	Jhamita Sahu	2 nd semester
9.	Jigyasa Sahu	2 nd semester
10.	Kunal Sharma	4 th semester
11.	Lomeshwar Sori	2 nd semester
12.	Mahendra Sao	6 th semester
13.	Moksh Chandrakar	2 nd semester
14.	Priyal Singh	2 nd semester
15.	Riya Patel	2 nd semester
16.	Rutanshi Pradhan	8 th semester
17.	Shazia Kausar	8 th semester
18.	Shib sundar Saha	8 th semester
19.	Sumeet	2 nd semester
20.	Vaishnavi Sinha	2 nd semester
21.	Yashraj Singh Rajput	4 th semester
22	Shrishti Pandya	10 th semester

List of winners:

In Hindi essay-writing category

1st Prize: Kumbhika Sahu, 2nd Semester

2nd Prize: Limesh Kumar, 4th Semester, Physics

3rd Prize: Mitali Pushpakar, 4th Semester, Chemistry

In English essay-writing category

1st Prize: Avantika Akhand, 6th Semester 2nd Prize: Kunal Sharma, 4th Semester

3rd Prize: Deeksha Verma, 4th Semester, Mathematics

Glimpses of Essay-writing Competition





.





Poster Competition: Poster competition was organized on March 15, 2023 on the topic "Chemistry/Physics/Biology/Mathematics in Day-to-Day Life". Total 28 students participated in the poster competition.

S.No.	Name of Participants	Semester
1.	Amit Kumar & Tejendra Baghel	4 th semester
2.	Avni Dhruw & Bhavi Kesharwani	8 th semester
3.	Dipali Mansar	2 nd semester
4.	Deeksha Verma & Muskan Kanwar	4 th semester
5.	Jagriti Churendra	2 nd semester
6.	Jhamita Sahu	2 nd semester
7.	Kishor & Anjay Dewangan	4 th semester
8.	Kunal Sharma & Tarkit	4 th semester
9.	Manjeet Singh & Nikhil	4 th semester
10.	Malaika Patro	6 th semester
11.	Sonali Taram	2 nd semester
12.	Simran Kaur & Rahul Singh Tomar	10 th semester
13.	Tanu Sahu & Limesh Sinha	4 th semester
14.	Uma Bharti Markam	6 th semester
15.	Giriraj Salame	4 th semester
16.	Avantika & Meenal	4 th semester

List of winners:

1st Prize: Giriraj Salame,4th semester

2nd Prize: Avantika and Meenal, 6th semester

3rd Prize: Avni Dhruw and Bhavi Kesharwani 8th semester

Glimpses of Poster-making Competition









Rangoli Competition: Rangoli competition was organized on March 16, 2023 on the topic "Science generates solution for everyday life" and "India in Science and Technology". Total of 18 students participated in 9 groups.

S.No.	Name of Participants	Semester
1.	1.Avantika Akhand	6 th semester
	2. Meenal	6 th semester
2.	1.Geetanjali	2 nd semester
	2. Deepika	2 nd semester
3.	1. Rahul	10 th semester
	2. Pushpanjali	10 th semester
4.	1. Riya	2 nd semester
	2. Devendra	2 nd semester
5.	1. Shraddha	4 th semester
	2. Moksh	2 nd semester
6.	1. Deepti	6 th semester
	2. Parvati	6 th semester
7.	1.Jagriti	2 nd semester
	2.Sonali	2 nd semester
8.	1. Himanshu	2 nd semester
	2. Yashpal	2 nd semester

9.	1.Jigyasa	2 nd semester
	2.Mitali	4 th semester

List of winners:

 $\mathbf{1}^{\text{st}}$ **Prize:** Jagriti and Sonali , $\mathbf{2}^{\text{nd}}$ semester

2nd Prize: Jigyasa, 2nd semester and Mitali, 4th semester

3rd Prize: Geetanjali and Deepika, 2nd semester

Glimpses of Rangoli Competition







Glimpses of Valedictory









Media Coverage

सिटी इवेंट : रविवि के मूल विज्ञान केंद्र में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस पर कार्यशाला

पत्रिका Plus रिपोर्टर

रायपुर • मूल विज्ञान केंद्र में दो दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्य योजना आयोग के सदस्य डॉ. के. सुब्रमनियम रहे। उन्होंने जलवायु परिवर्तन की मूल बातें और इसके प्रभाव को कम करने के लिए उठाए जाने वाले कदम को लेकर विचार साझा किए। कार्यक्रम में वाद-विवाद, निबंध लेखन, रंगोली और पोस्टर बनाने की प्रतियोगिता हुई। इस अवसर पर मूल विज्ञान केंद्र की वार्षिक पत्रिका जरई के नवीनतम अंक का विमोचन किया गया। इससे पहले अतिथियों ने राष्ट्रीय विज्ञान दिवस को



कार्यक्रम की शुरुआत में कुलपति वर्मा का स्वागत करते प्रो. घोष।

"वैज्ञानिक सोच और अंधविश्वास" पर

लेकर व्याख्यान दिए। विशिष्ट अतिथि अपनी बातें कही। वहीं छात्र-छात्राओं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. दिनेश मिश्रा ने विषय को वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाते हुए ग्लोबल साइंस फॉर ग्लोबल वेलविंग में अंधविश्वासों से बाहर निकलने के लिए

छात्रों को बताई विज्ञान दिवस की महत्ता

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. केशरी लाल वर्मा ने की। उन्होंने छात्र-छात्राओं को वैज्ञानिक सोच अपनाने और देश व राज्य को विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी बनाने के लिए जी जान लगाने के लिए प्रेरित किया। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद् के वैज्ञानिक डॉ. जोएस राय ने परिषद द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में विस्तार से बताया। मूल विज्ञान केंद्र के निदेशक डॉ. कल्लोल के घोष ने छात्रों को विज्ञान दिवस की महत्ता और सीवी रमन के अविष्कार की व्याख्या की।

The Hitavada

Raipur City Line | 2023-03-16 | Page- 8 ehitavada.com

Centre for Basic Science holds Science day event

RAIPUR, Mar 15

TWO days National Science Daywas inaugurated at Center for Basic Sciences at Pt.Ravishankar Shukla University, Raipur. The Chief guest of the programme was Dr K Subramaniam, Member, State Planning Commission, Chhattisgarh.

The inauguration ceremony was presided over by the Vice-Chancellor of the University, Prof Keshari Lal Verma and Dr Dinesh Mishra, eminent Ophthalmologist and Dr Joyce Rai, Scientist, Chhattisgarh Council of Science and Technology were present as the guest of Honours. The program me started with the worship of Maa Saraswati and the lighting of lamp.

Dr Kallol K Ghosh, Director, Centre for Basic Science, wel-comed all the guests and explained the importance of Science Day and about Sir C V Raman's invention to the stu-



Chief guest Dr K Subramaniam being honoured with a memento by Dr Kallol K Ghosh

dents. Programme Co-ordinator Dr Bhanushree Gupta informed about various competitions to be held and the topics as part of the

two-day event. Chief Guest Subramaniam delivered his lecture on the topic "Basics of climate change and its impact and some commendable steps to mitigate its impact

Special guest Dr. Dinesh Mishradeliveredhis lecture on

"Scientific Thoughts and Superstitions" on the theme of Science Day, "Global Science for Global wellbeing". Dr Mishra motivated the students to come out and remove various superstitions by adopting a scientific approach.

Vice-Chancellor of the University Dr Verma also inspired the students in his speech to adopt scientific thinking and to work towards making the country and state

apioneerinthefield o He also spoke at desire to install solar (the university campu

competition, essay-rangoli making and making competition organised. On this c the latest issue of I annual magazine of C Basic Science was rele this event, the Pres Chhattisgarh Vigyan S Vishwas Meshram, Pr Kumar Pradhan, Pr Nayak participated al the students, research and teachers. The pro was organised in ass with the Chhattisgarh of Science and Techn

there is sufficient end ing and preservatio environment, Dr Jo explained in detail t taken by the Chha Council of Scien Technologytopromot and for the well beir human race. In the programme,

> नायक सहित अन्य मौजूद थे। पष्पलता अध्यक्ष

वैज्ञानिक सोच के

साथ आगे बढ़े स्टूडेंट्सः प्रो. वर्मा

सिटी रिपोर्टर । पं रविवि के मूल

विज्ञान केंद्र में विज्ञान दिवस का

आयोजन किया गया। कार्यक्रम के

मुख्य अतिथि राज्य योजना आयोग के

सदस्य डॉ. के. सुब्रह्मण्यम ने जलवाय

परिवर्तन की मूल बातें और इसके

प्रभाव पर व्याख्यान दिया। कुलपति

प्रो. केशरी लाल वर्मा ने स्टडेंटस को

वैज्ञानिक सोच अपनाने और देश व

राज्य को विज्ञान के क्षेत्र में अग्रणी

बनाने के लिए जी जान लगाने के लिए

प्रेरित किया। कार्यक्रम में वाद-विवाद.

निबंध-लेखन, रंगोली और पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिताएं आयोजित की

गई। इस दौरान केंद्र की वार्षिक पत्रिका जरई के नए अंक का विमोचन किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद की वैज्ञानिक डॉ. जोएस राय, डॉ, दिनेश मिश्रा, डॉ. कल्लोल के. घोष, छत्तीसगढ विज्ञान सभा के अध्यक्ष डॉ. विश्वास मेश्राम. प्रो. अशोक कमार प्रधान, प्रो. एमएल

Powered by iDocuments

5 days Workshop on LaTex for Mathematicians and Physicists

मूल विज्ञान केंद्र में दिनांक 20/03/2023 से 24/03/2023 तक पांच दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। लेटेक एक शक्तिशाली सॉफ्टेयर है जो विशेष रूप से समीकरणों और सूत्रों के लिए स्पष्ट, सटीक और दिष्टिगत रूप से आकर्षक वैज्ञानिक दस्तावेज बनाने में मदद करता है। यह शोधकर्ताओं के लिए एक आवश्यक सॉफ्टेयर है, खासकर जब थीसिस या बड़े दस्तावेज लिखना हो। इसके अलावा, कई वैज्ञानिक पत्रिकाएँ हैं जो लेटेक में प्रस्त्तियों को प्राथमिकता देती हैं।

कार्यशाला की शुरुवात डॉ. सुपर्ण सेनगुप्ता के बिब्लियोग्राफी पर व्याख्यान से हुई । इन पांच दिनों में आईआईए, बेंगलुरु के प्रख्यात एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुधांशु बरवे, हारवर्ड विश्वविद्यालय की पूर्व पोस्ट डॉ. सुष्मिता चक्रवर्ती, साउथ अफ्रीका के डॉ. अमित ढाकुलकर, आई. आई. टी. के डॉ सब्य साची घोष, एनआईटी के डॉ. एम.कृष्ण प्रसाद, कोंडागांव के डॉ. अरुण कुमार दिवाकर, किलंगा विश्वविद्यालय के डॉ. अविनाश सिंह ने व्याख्यान दिया। वि.वि. के डॉ नंदकुमार चक्रधारी एवं शोधार्थी महेंद्र कुमार वर्मा रिसोर्स पर्सन के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के कनवेनर डॉ. लक्ष्मी कांत और डॉ. गोविंद प्रसाद साहू ने भी कार्यशाला में व्याख्यान दिया।



